ॐ

अंकों में छिपा भविष्य

(A Treatise On Numerology)

लेखक :
कीरो [CHEIRO]
(विश्वविख्यात भविष्यवक्ता)

रंजन पब्लिकेशन्स
16, अन्सारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110002

प्रकाशक :
रजन पब्लिकेशन्स
16, अन्सारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन : 3278835

संस्करण 1996
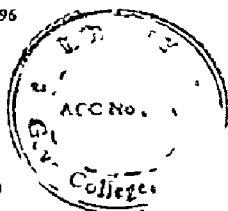
मूल्य 40 00

मुद्रक स्पीडोग्राफिक्स दिल्ली

पुस्तक पढ़ने से पहले…

अत्यन्त प्राचीन काल से ही मानव के मन में नियति के गूढ़ रहस्यों को भेदकर अज्ञात भविष्य को जान लेने की लालसा रही है। उसकी इसी लालसा ने ज्योतिष-विद्या को जन्म दिया। उसने ग्रहों की चालों का सूक्ष्म अध्ययन कर भौतिक तथा मानव-जीवन में घटित होने वाली घटनाओं पर उनके प्रभाव को जानने का प्रयास किया, हाथ और पांव की रेखाओं से व्यक्ति के भविष्य को पढ़ने का उद्यम किया, शकुनों और स्वप्नों को अर्थ दिए। इसी क्रम में उसने अनुभव किया कि ग्रहों के साथ-साथ अंक भी हमारे जीवन की घटनाओं को प्रभावित करते हैं।

अंकों के रहस्य और शक्ति को जानने का प्रयास हजारों वर्षों से होता रहा है, यद्यपि उसका क्रमबद्ध इतिहास अधिक पुराना नहीं। हमारे प्राचीन मनीषियों को शक्ति का पता था। तन्त्र-मंत्रों में उन्होंने उसका चमत्कारी उपयोग किया है, किन्तु खेद की बात है कि अपनी विद्या वे अपने साथ ही ले गए। तन्त्रों के अंक-चक्र तो अब भी मिल जाएंगे किन्तु उनके फल में क्या कल्पना रही है, यह बता पाना सम्भव नहीं है।

अंक-विज्ञान को विज्ञान का रूप देने और उसे सर्वजन सुलभ बनाने का श्रेय पश्चिमी विद्वानों को ही है। विश्वविख्यात ज्योतिषी कीरो इनमें एक है। लगभग चार हजार वर्ष पूर्व बेबीलोनिया और खाल्डिया में, और भारत, मिस्र, यूनान आदि में भी, प्रचलित अंक-विज्ञान का गहन अध्ययन कर उन्होंने प्रतिपादित किया है कि अंकों, ग्रहों और राशियों में एक गूढ़ सम्बन्ध है। सप्ताह के सात दिन भी इससे अप्रभावित नहीं हैं, इस सम्बन्ध की डोर किसी अज्ञात शक्ति के हाथों में है और विश्व की तथा मानव जीवन की घटनाओं में इसकी रहस्यपूर्ण तथा महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। अंक-विज्ञान के विकास में कीरो की शोध का अप्रतिम स्थान है।

प्रस्तुत पुस्तक 'कीरो' का ऐसा ही एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इसमें उन्होंने बेबीलोनियन तथा खाल्डियन अंक-विज्ञान के आधार पर जन्म-तिथि के अनुसार व्यक्ति के चरित्र, स्वभाव, क्षमता सम्भावनाओं, स्वास्थ्य तथा महत्त्वपूर्ण घटनाओं

को निरूपित किया है। ज्योतिष में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए यह पुस्तक निस्संदेह अत्यन्त उपयोगी है। उन्हें इस विषय का विशद ज्ञान होना भी आवश्यक नहीं है। अपने बारे में जानकारी का लाभ उठाकर वे अपने ध्येय की प्राप्ति कर सकते हैं और उन्नति के उच्चतम शिखर तक पहुंचने मे सफल हो सकते हैं।

इसमें सायन सूर्य के सचार के अनुसार ग्रेगोरियन कलैंडर वर्ष के बारह मासो को भचक्र की बारह राशियो में विभाजित किया गया है। यथा जनवरी-मकर, फरवरी-कुम्भ, मार्च-मीन, अप्रैल-मेष, मई-वृष, जून-मिथुन, जुलाई-कर्क, अगस्त-सिंह, सितम्बर-कन्या, अक्तूबर-तुला, नवम्बर-वृश्चिक तथ दिसम्बर-धनु।

एक दिलचस्प बात यह है कि सायन सूर्य मास की पहली तारीख को नही, बल्कि 21 तारीख को अथवा उसके आस-पास एक राशि से दूसरी राशि मे सचार करता है। प्रारम्भ के सात दिन राशि-सधि के होते हैं जिनमें पूर्ववर्ती और नई, दोनो राशिया प्रभावी रहती हैं, पूर्ववर्ती राशि का प्रभाव उत्तरोत्तर घटता जाता है, नई राशि का बढता जाता है। नई राशि 28 तारीख के आस-पास पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। और अगले मास की 20 तारीख तक पूर्ण प्रभावी रहती है। उल्लेखनीय है कि शक (सौर) सम्वत् का मासारम्भ भी ग्रेगोरियन मास की 22 तारीख को अथवा उसके आसपास होता है।

विभिन्न राशियो के स्वामी वे ही ग्रह हैं जो परम्परागत ज्योतिष में हैं। यथा—सूर्य सिंह, चद्र-कर्क, मगल-मेष तथा वृश्चिक, बुध-मिथुन तथा कन्या, गुरु-धनु तथा मीन, शुक्र-वृष तथा तुला और शनि-मकर तथा कुम्भ। 'कीरो' ने यूरेनस और नेप्चून को भी अपनी गणना मे सम्मिलित किया है। इन्हें पृथक से किसी राशि का स्वामित्व प्रदान न कर यूरेनस को सूर्य के साथ और नेप्चून को चन्द्र के साथ सयुक्त किया गया है। ऐसा सम्भवत उनके गुणो के कारण है। इन नौ ग्रहों मे नौ मूल अकों का विभाजन इस प्रकार किया गया है—सूर्य 1, चद्र 2, मंगल 9, बुध 5, गुरु 3, शुक्र 6, शनि 8, यूरेनस 4 तथा नेप्चून 7।

परम्परागत ज्योतिष और 'कीरो' द्वारा प्रतिपादित अक-ज्योतिष में कुछ मौलिक अन्तर भी है। परम्परागत ज्योतिष मे विषम राशियो (मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, तथा कुम्भ) को ओज (Positive) और सम राशियो (वृष, कर्क कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन) को सौम्य (Nagative) माना गया है। 'कीरो' दुहरे स्वामित्व वाले ग्रहो की पहली राशि को ओज और दूसरी को सौम्य मानते हैं। अत उनके अनुसार मेष, वृष, मिथुन, धनु, मकर, ओज राशिया हैं तथा कन्या, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन सौम्य। इसके अतिरिक्त सिंह ओज राशि

है जबकि कर्क सौम्य। राशि के अनुसार उसका स्वामी भी ओज या सौम्य होता है।

पुस्तक की भूमिका में 'कीरो' ने कहा है 'ज्योतिषियों ने सुदूर अतीत से आज तक मानव जाति को अपने अनुभव से जो ज्ञान दिया है, उसके आधार पर मैंने इन पृष्ठों में हर मास का बुनियादी अर्थ समझाया है। साथ ही काल्डियन अंक-विज्ञान के अनुसार यह भी बताया है कि प्रत्येक तिथि पर ग्रहों का क्या प्रभाव पड़ता है। अपने दीर्घ अनुभव से मैंने इनकी पुष्टि की है।'

जन्म-तिथि के अनुसार भाग्यफल जानने के लिए पाठक को पहले उस मास का आम फल देखना चाहिए जिसमें उक्त तिथि पड़ती है। इसके पश्चात् मूलांक के अनुसार उक्त तिथि का फल देखना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि जन्म तिथि 14 मई है तो पहले मई मास की आम प्रवृत्तियों को पढ़ना चाहिए और फिर 14=1+4=5 मूलांक वाले व्यक्तियों की प्रवृत्तियों को।

एक स्वाभाविक प्रश्न यह पैदा होता है कि नई तिथि की गणना किस समय से की जाए। पाश्चात्य कलैंडर के अनुसार वह रात्रि 12 बजे से आरम्भ हो जाती है। भारतीय ज्योतिष में सूर्योदय से नई तिथि की गणना की जाती है। कुछ भारतीय अंक शास्त्रियों का विचार है कि नए तिथि अंक की गणना सूर्योदय के बाद से की जानी चाहिए, अर्थात् यदि किसी व्यक्ति का जन्म सूर्योदय से पहले हुआ है तो उसकी जन्मतिथि पहले दिन वाली गिनी जानी चाहिए। 'कीरो' ने इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन समझा जा सकता है कि वह पश्चिमी कलैंडर के अनुसार ही तिथि मानते होंगे।

इस सम्बन्ध में हमारा विनम्र सुझाव है कि रात्रि 12 बजे से सूर्योदय तक का समय तिथि-संधि का समय माना जाए जैसे 'कीरो' ने सात दिन का समय राशि-संधि का समय माना है। कुछ मामलों में हमारा अनुभव है कि इस तिथि-संधि काल में जन्मे व्यक्तियों पर दोनों तिथियों का मिला-जुला प्रभाव रहता है, पूर्ववर्ती तिथि का प्रभाव उत्तरोत्तर कम होता जाता है और नई तिथि का उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है।

अंक विज्ञान में मूलांकों का भारी महत्व है। ये मूलांक हैं—'एक' से 'नौ' तक के अंक। किसी भी संख्या को उसके मूलांक में बदला जा सकता है। इसके लिए इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार आदि के सभी अंकों को जोड़ना होता है। यदि जोड़ 'नौ' से अधिक हो तो इकाई, दहाई आदि के अंकों को पुनः जोड़ना होगा। यह क्रम तब तक जारी रहेगा जब तक हम एक मूलांक पर न पहुंच जाएं। उदाहरण

के लिए 78 का मूलांक है 7+8=15=1+5=6। 4567 का मूलांक है 4+5+6+7=22=2+2=4।

मूल पुस्तक का कुछ संक्षेप किया गया है किन्तु इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि पाठक किसी महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित न रहें। मूल पुस्तक में मुद्रण की भूल चूक के कारण यत्र-तत्र जो अशुद्धियां रह गई थीं, उन्हें भी दूर करने का प्रयास किया गया है। इस अनुपम पुस्तक को व्यवस्थित एवं सुन्दर रूप में प्रस्तुत करने का श्रेय श्री शरदेन्दु (अवकाशप्राप्त सहायक सम्पादक, 'दैनिक हिन्दुस्तान' नई दिल्ली) को जाता है। उनके परिश्रम एवं पूर्ण सहयोग के हम आभारी हैं। हमें आशा ही नहीं, विश्वास भी है कि पाठकों को हमारा यह प्रयास अवश्य पसन्द आएगा।

—प्रकाशक

ज्योतिष-साहित्य

सरल एवं व्यावहारिक शैली मे

आयु निर्णय	भा० टी०	आचार्य मुकुन्द दैवज्ञ विरचित
नष्ट जातकम्	"	" " "
प्रसव चिन्तामणि	"	" " "
भाव मजरी	"	" " "
ज्योतिष शब्दकोश	"	" " "
अष्टक वर्ग महानिबन्ध	"	" " "
प्रश्न मार्ग भा० टी०		3 खण्डों में
दैवज्ञवल्लभा "	आचार्य वराह मिहिर	डा० शुकदेव चतुर्वेदी
दाम्पत्य सुख	(ज्योतिष के झरोखे से)	" " "
मूक प्रश्न विचार		" " "
भुवन दीपक		" " "
रत्न प्रदीप		डा० गौरीशंकर कपूर
अकों में छिपा भविष्य	(कीरो)	" " "
हस्तरेखाएं बोलती हैं	(कीरो)	" " "
भाव दीपिका	केरलीय ज्योतिष	" " "
हस्त परीक्षा	अक चमत्कार	" " "
स्वप्न और शकुन	ज्योतिष सीखिए	" " "
उत्तर कालामृत	(कवि कालिदास)	
भावार्थ रत्नाकर	(रामानुजाचार्य)	
प्रश्न दर्पण	वर्षफल विचार	महिलायें और ज्योतिष
दशाफल रहस्य	चन्द्रकलानाडी	जगन्नाथ भसीन
ज्योतिष और रोग	चुने हुए ज्योतिष योग	" "
फलित सूत्र	रत्न परिचय	" "
पाश्चात्य ज्योतिष	गोचर विचार	" "
व्यवसाय का चुनाव	अनिष्ट ग्रह (कारण और निवारण)	" "
जन्मपत्री स्वय बनाइए	(डा० सुरेश चन्द्र मिश्र)	
महामृत्युञ्जय	(साधना एव सिद्धि)	डा० रुद्रदेव त्रिपाठी
मंत्र शक्ति	तन्त्र शक्ति	" "
यन्त्र शक्ति	(दो भागो में)	" "
माहेश्वर तन्त्र	रुद्रयामल तन्त्र	" "
व्यापार रत्न	तेजी मदी सबधी	हरदेव शर्मा त्रिवेदी

पाठकों के लिए निम्न तालिका निश्चय ही उपयोगी रहेगी

क्रम	अंग्रेजी मास	सौर मास	राशि	स्वामी	अंक	शुभ रंग	भाग्य-रत्न
1	जनवरी	पौष	मकर (थल त्रिकोण)	शनि (ओज)	8	काला, गहरा नीला, कत्थई	काला मोती, काला हीरा, गहरा नीलम
2	फरवरी	माघ	कुम्भ (वायु त्रिकोण)	शनि (सौम्य)	8	,,	,,
3	मार्च	फाल्गुन	मीन (जल त्रिकोण)	गुरु (सौम्य)	3	बैंगनी, जामुनी, फालसई (वासनी)	कटैला (जमुनिया) या अमैथिस्ट
4	अप्रैल	चैत्र	मेष (अग्नि त्रिकोण)	मंगल (ओज)	9	लाल, गुलाबी (गहरे से हलके तक)	लाल (माणिक) तामड़ा,] पितौनिया (रक्तमणि) या ब्लडस्टोन
5	मई	वैशाख	वृष (थल त्रिकोण)	शुक्र (ओज)	6	नीला (गहरे से हलके तक)	फीरोजा, नीलम
6	जून	ज्येष्ठ	मिथुन (वायु त्रिकोण)	बुध (ओज)	[illegible]	हलके, चमकीले रंग	हीरा, चमकीले नग (हरित मणि या संगमाम)
7	जुलाई	आषाढ़	कर्क (जल त्रिकोण)	चंद्र	2	हलका हरा, क्रीम, सफेद	हरा जेड मोती, चन्द्रकांत मणि

8 अगस्त	श्रावण	सिंह (अग्नि त्रिकोण)	सूर्य	1	सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा	हीरा, पुखराज
9 सितम्बर	भाद्र	कन्या (थल त्रिकोण)	बुध (सौम्य)	5	हल्के, चमकीले रंग	हीरा, चमकीले रंग
10 अक्तूबर	आश्विन	तुला (वायु त्रिकोण)	शुक्र (सौम्य)	6	नीला (गहरे से हल्के तक)	फीरोजा, नीलम
11 नवम्बर	कार्तिक	वृश्चिक (जल त्रिकोण)	मंगल (सौम्य)	9	लाल (गहरे से हल्के तक)	लाल, तामड़ा, रक्तमणि
12 दिसम्बर	अग्रहायण	धनु (अग्नि त्रिकोण)	गुरु (ओज)	3	बैंगनी, जामुनी, फालसई (कासनी)	कटैला (जमुनिया) या अमैथिस्ट
13. °	—	—	यूरेनस	4	सिलेटी, पेस्टल (हल्के) इलेक्ट्रिक (शोख)	नीलम
14 °	—	—	नेप्चून	7	कबूतरी, पेस्टल (हल्के) इलेक्ट्रिक (शोख)	लहसुनिया

°यूरेनस सूर्य के साथ और नेप्चून चन्द्र के साथ संयुक्त हैं।

एक दृष्टि में

कीरो के अनुसार हमारी पृथ्वी के सौर मण्डल में चक्कर लगा रहे ग्रहों की संख्या नौ है।

सूर्य, तारा और चन्द्र पृथ्वी का उपग्रह होते हुए भी ज्योतिषियों ने उन्हें ग्रहों में सम्मिलित किया है।

ज्योतिष की सम्पूर्ण गणना पृथ्वी को स्थिर केन्द्र मानकर की जाती है, अतः पृथ्वी को वे ग्रहों में सम्मिलित नहीं करते।

हमारे पूर्वजों को नंगी आंख से दिखाई दे सकने वाले केवल सात ग्रहों का ज्ञान था। ये हैं सूर्य, चन्द्र मंगल, बुध, गुरु, शुक्र तथा शनि।

बाद में नए वैज्ञानिक उपकरणों की सहायता से वैज्ञानिकों ने तीन और ग्रह खोज निकाले हैं—यूरेनस, नेप्चून, प्लूटो। कीरो के नवग्रहों में यूरेनस तथा नेप्चून सम्मिलित हैं, प्लूटो नहीं। हमारे देश में नवग्रहों में यूरेनस तथा नेप्चून के स्थान पर दो छायाग्रह राहु तथा केतु सम्मिलित किए जाते रहे हैं। नवग्रह पूजन में इन दोनों ग्रहों की भी पूजा होती है।

मूलांक या एकल अंकों की संख्या भी नौ ही है। एक से नौ तक। इससे बड़ी किसी भी राशि को उसके अंकों को जोड़ कर मूलांक में बदला जा सकता है। इस प्रकार 10 का मूलांक 1 हुआ, 11 का 2।

कीरो के अनुसार सभी जन्मतिथियों को एक मूलांक में ढाला जा सकता है। इसी प्रकार हर ग्रह एक अंक-विशेष के प्रभाव में है। सूर्य के लिए 1, चन्द्र के लिए 2, मंगल के लिए 9, बुध के लिए 5, गुरु के लिए 3, शुक्र के लिए 6, शनि के लिए 8, यूरेनस के लिए 4 और नेप्चून के लिए 7 मूलांक निर्धारित किए गए हैं।

हर सौर मास एक ग्रह के प्रभाव में है। सूर्य और चन्द्र एक-एक मास को तथा मंगल, बुध, गुरु, शुक्र और शनि दो-दो मासों को प्रभावित करते

हैं । यूरेनस तथा नेप्चून किसी मास को प्रभावित नहीं करते, किन्तु यूरेनस को सूर्य के और नेप्चून को चन्द्र के साथ सयुक्त किया गया है ।

ये ग्रह और ये अक हमारी धरती के सम्पूर्ण जीवन को नियन्त्रित करते हैं, मानव का हजारो वर्षों से ऐसा विश्वास रहा है । इसी विश्वास ने ज्योतिष विद्या को जन्म दिया । सामुद्रिक शास्त्र तथा अक शास्त्र भी उसी के अग हैं । कीरो जैसे ज्योतिषियो ने अपनी दीर्घकालीन शोधो से इस विद्या विज्ञान का रूप देने का प्रयास किया है ।

व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव, कर्म, व्यवहार, स्वास्थ्य आदि पर उसकी जन्म-तिथि के मूलांक का और जिस मास मे वह पैदा हुआ है उसे नियन्त्रित करने वाले ग्रह के अक का प्रभाव पडता है । इनकी स्थितियो मे अन्तर का कारण होता है ।

किस मास की किस तिथि को जन्म लेने पर व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव, कर्म, व्यवहार, स्वास्थ्य, भविष्य, पारिवारिक जीवन आदि की क्या सम्भावनाएं हो सकती हैं, यही इस पुस्तक का विषय है ।

रत्न प्रदीप —डा० गौरीशंकर कपूर

(Advanced study of Gems)

रत्नों में दैवी शक्ति होती है। उनकी बरकत से मनुष्य को सदा सुख-समृद्धि व शान्ति मिलती रही है। उनकी रेडियो तरंगें (Radio activity) शरीर की सारी रचना को अपने स्पर्श से प्रभावित करती है, यह बात विज्ञान सम्मत है। इस ग्रन्थ मे रत्नों व उपरत्नो का विस्तृत विवेचन है। उनकी बनावट, ढलाव भटाव आदि के बारे में जानकारी देकर जहा रत्न विक्रेताओ के लिए यह सदा पास रखने योग्य है वहीं पर आपको भी वास्तविक रत्न खरीदने मे अवश्य सहायक होगा। रत्नो के विषय मे आधुनिक जानकारी से भरपूर ग्रन्थ मे चौरासी रत्नो के विषय मे सम्पूर्ण जानकारी है। मुख्य नौ रत्नों पर अलग-अलग अध्यायों मे विस्तृत वर्णन किया गया है। रत्नों की शुद्धता तथा उन पर ग्रहों के स्वामित्व व प्रभाव का निरूपण, उनकी अद्भुत शक्ति का परिचय देने वाली घटनाओं से भरपूर ग्रन्थ मे आप अपने लिए पायेंगे—

(i) जाच परख क सम्पूर्ण तथ्य व प्रकार।
(ii) सभी प्रसिद्ध रत्नो का विस्तृत वर्णन।
(iii) रत्नो की चमत्कारिक विशेषताए।
(iv) राशि, ग्रह व रत्न का परस्पर वैज्ञानिक सम्बन्ध।
(v) अपने लिए लाभकारी रत्न आप स्वय चुन सकते हैं।
(vi) कीमती रत्नों का विकल्प (Substitute)।
(vii) सस्ते किन्तु चमत्कारिक नगो का विवेचन।
(viii) विचित्र किन्तु सत्य जानकारी, जैसे—फीरोजा कष्ट आने पर रगहीन हो जाता है। पितौनिया मे सूर्य ग्रहण का प्रतिबिम्ब साफ दिखता है। रत्नों में दैवीशक्ति और बरकत।
साथ ही रत्नो के विषय मे अनेक देशी-विदेशी व्यक्तियों के सत्य अनुभव।
(ix) रत्नों से रोग शान्ति।
व्यवसायियों व रत्न प्रेमियों के लिए समान रूप से उपयोगी।

मूल्य 40 रुपये

मन्त्र शक्ति —डा० रुद्रदेव त्रिपाठी

मन्त्रों की अद्भुत शक्ति का रहस्य एव मानव जीवन मे उनकी उपयोगिता निर्विवाद है। प्रस्तुत रचना मे दैनिक उपयोग मे आने वाले विभिन्न मन्त्र एव उनकी साधना विधि सरल एव व्यावहारिक रूप मे दी गई है।

नवीन संशोधित संस्करण मूल्य 20 रुपये

विषय-सूची

अध्याय 1

जनवरी

यह मास मकर राशि मे है। यह राशि 21 दिसम्बर के आस-पास प्रारम्भ होती है। सात दिन तक धनु के साथ राशि-संधि चलती है और इस राशि का पूरा प्रभाव 28 दिसम्बर से प्रारम्भ होकर 21 जनवरी तक रहता है। फिर मकर और कुम्भ का सात दिन का संधि-काल शुरू हो जाता है।

मकर थल-त्रिकोण की तीसरी राशि है। इसका स्वामी शनि (ओज) है। इसे शनि की राशि भी कहते हैं।

यदि आप इस मास मे जन्मे हैं तो आपके चरित्र और स्वभाव मे निम्न बुनियादी विशेषताए होंगी

प्रकृति से महत्वाकांक्षी, उग्र, जीवट और लगन वाले। लक्ष्य-सिद्धि के लिए अपार प्रयासो की क्षमता। आपका प्रतीक-ग्रह शनि सावधानी और विवेक का मूर्त रूप है। गम्भीर चिन्तन और फल के बारे मे पूर्ण विश्वास के बिना कोई महत्वपूर्ण कदम नही उठाएंगे। शनि मे दाव लगाने का तत्व नहीं है। आप शकालु, बाल की खाल निकालने वाले, कुछ-कुछ सदेही हैं, नये सिद्धान्तो को देर से अपनाने वाले, लेकिन उदार-मन, तर्कसम्मत बात को स्वीकारने वाले। दृढ मानसिक शक्ति, स्वभाव से दार्शनिक और वैज्ञानिक, गम्भीर चिन्तक और तर्कशील। धार्मिक विश्वासो मे या तो एकदम कट्टर या इसके एकदम विपरीत अनास्थावादी। सबसे अधिक बुद्धिपूजक। असाधारण बुद्धि या प्रतिभा वाले मित्रो के सभी दोष क्षमा करने को तत्पर।

व्यक्तियो तथा वस्तुओ के बारे मे तत्काल राय बनाने वाले, लेकिन अपनी योजनाओ मे शीघ्र हतोत्साह होने की प्रवृत्ति और पहली असफलता या निराशा पर ही टूटने वाले। प्रेम, कर्तव्य और सामाजिक अर्थशास्त्र के बारे मे आपके विचार सदा अनोखे रहेंगे जिससे आपको प्राय झक्की और सनकी समझा जाएगा। अभिमानी और स्वतन्त्र विचारो के होने के कारण आपको हर काम मे अगुआ होना चाहिए या फिर आपकी दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। आप किसी प्रकार के अकुश को नापसद करते हैं और हर बधन का विरोध करते हैं। यह अजीब विरोधाभास है कि परम्परा और सत्ता के लिए आपके मन मे गम्भीर सम्मान है। जीवन आपके लिए बहुत गम्भीर किन्तु समस्याओ से भरा है, और घोरतम निराशा के दौर मे आप सबसे अधिक चमकेंगे।

लगातार काम और परिश्रम आपके लिए एक तरह से सनक बन जाती है, लेकिन उत्तेजना या जल्दबाजी के बजाय लक्ष्य को सामने रख धीरे-धीरे और चुपचाप काम करते रहने से आपको कही अधिक लाभ होगा। निजी प्रयासो और व्यक्तित्व के

धन पर जन्मकाल की परिस्थितियों से ऊपर उठने की सम्भावना। चरित्र मूलतः ओजस्वी किन्तु निराशावाद की गहरी प्रवृत्ति के कारण मन में प्रसन्नता पैदा करने की आवश्यकता।

आम तौर से आपको काफी गलत समझा जाएगा। आसानी से लोगों से मिलेंगे-जुलेंगे नहीं। घनिष्ठ मित्र कम होंगे। मन में बहुत अकेलेपन का अनुभव करेंगे।

विवादों में प्रायः सदा अलोकप्रिय हितों या 'छुपे रुस्तमों' का पक्ष लेने से आप अनेक दुश्मन पैदा कर लेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छा कोई सार्वजनिक जीवन अपनाना रहेगा जैसे नगर-पालिका, राजनीति, सरकारी नौकरी या जिम्मेदारी और विश्वास के पद।

स्वास्थ्य

शनि के प्रभाव से सुगठित काया और अच्छी काय-क्षमता। साथ ही निराशा की गहरी प्रवृत्ति। रोकी न गई तो पित्त के प्रकोप, पित्ताशय में गड़बड़ी, आमाशय में घाव, पाचन अंगों में खराबी और आंतों में रुकावट की सम्भावना। स्वस्थ बने रहने के लिए आशावाद और प्रसन्नता का वातावरण पैदा कीजिए। शीत से सावधानी न बरतने पर दमा, श्वास रोग जैसी बीमारियों की आशंका। निचले स्थानों की अपेक्षा ऊंचे और शुष्क जलवायु वाले स्थान अधिक अनुकूल।

भोजन पर ध्यान दीजिए और समुचित व्यायाम से रक्त-संचार ठीक रखिए। नम और ठंडी हवाओं से बचिए। आपके लिए बार-बार हवा बदलना अत्यंत आवश्यक है किन्तु एकांत स्थलों पर कभी मत जाइए।

देहात में, सम्भव हुआ तो किसी पर्वत की तलहटी में कुछ ऊंचाई पर या किसी पहाड़ी स्थल पर, घर बनवाने की आपकी बलवती इच्छा रहेगी। निचले और नम स्थानों में कभी मत रहिए क्योंकि आपमें गठिया, पैरों में दर्द तथा सूजन पाल लेने की निश्चित प्रवृत्ति है। दुर्घटनाएं भी एड़ियों, पावों और टांगों में ही अधिक होंगी।

आर्थिक स्थिति

शनि का व्यापक प्रभाव आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे आर्थिक उन्नति में, कम-से-कम प्रारम्भिक वर्षों में, विलम्ब, बाधाएं और अंकुश पैदा होंगे।

उद्यम, लगन, सावधानी और मितव्ययिता से धन लाभ का योग है। दरअसल, *भाग्य की बजाय निजी प्रयासों से सम्पत्ति प्राप्त होने की* सम्भावना अधिक है। भू या गृह-सम्पत्ति में धन लगाना, कारखाने खड़े करना, विशेषकर कोयला, शीशा या लोहे की वस्तुओं, परिवहन या कृषि की मशीनों के क्षेत्र में, कृषि उद्योगों का विकास और अन्य ठोस उद्यम लाभ के रहेंगे।

अपना ही पैसा वापस पाने में भारी कठिनाई सामने आएगी। जमानत के बिना किसी को पैसा उधार मत दीजिए, नहीं तो उसका डूबना निश्चित है।

विवाह संबंध, साझेदारी आदि

आपकी अपनी राशि मकर (21 दिसम्बर से 20 जनवरी), त्रिकोण की अन्य दो राशियां, वृष (21 अप्रैल से 20 मई) तथा कन्या (21 अगस्त से 20 दिसम्बर), इन राशियों के अंत में सात दिन के संधि-काल और मकर से सातवीं राशि कर्क (21 जून से 20-27 जुलाई) की अवधि में जन्मे व्यक्तियों के साथ आपके सबसे अधिक मधुर संबंध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

सूर्य, यूरेनस और शनि (ओज) आपके कारक ग्रह हैं। सूर्य और यूरेनस आपको अपना एक अलग व्यक्तित्व प्रदान करेंगे। विचारों में बहुत स्वतंत्र, मौलिक और भावनाओं से रचनात्मक। बहुत असाधारण परिस्थितियों को छोड़, सफलता बाद के वर्षों तक विलम्बित रहने की सम्भावना है, लेकिन मिलेगी जरूर। 28 दिसम्बर को भी इसी वर्ग में सम्मिलित कीजिए।

हृदय से बहुत चिंतनशील और गम्भीर। अपने हर काम में अत्यंत सुचारु, संतुलित और व्यावहारिक, दूसरे व्यक्तियों के विचारों से आसानी से न बहकने वाले।

सभी योजनाओं के पीछे 'निश्चित ध्येय' रहेगा, कठिनाइयों से कभी हतोत्साह नहीं होंगे। बहुत उदार स्वभाव के होने पर भी बात थोपे जाने के प्रयास को पसंद नहीं करेंगे, अपनी उदारताओं पर अपने ढंग से अमल करेंगे।

आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे और अपने साथियों तथा परिवार के दूसरे सदस्यों से ऊंचा उठने की सम्भावना है। आपके मार्ग में अनेक बाधाएं आएंगी लेकिन धैर्य और दृढ़ता से सभी कठिनाइयों को पार कर लेंगे।

आर्थिक दशा

वित्तीय मामलों में कंजूस और सावधान, अपना धन अच्छी आय का आश्वासन देने वाले व्यापार या उद्योगों में लगाएंगे। हर अवसर और हर स्थिति का अधिक-से-अधिक लाभ उठाने का प्रयास करेंगे।

दूसरे लोगों पर आपका गहरा आकर्षक प्रभाव होगा, विशेषकर जन-जीवन में। साथ ही, अनेक घोटालों और बदनामी का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आपमें भारी जीवनी-शक्ति होगी बशर्ते आप किसी नशापत्ती के चक्कर में न पड़ें। कभी-कभी तेज सर्दी-जुकाम और गठिया की प्रवृत्ति रहेगी। इनसे बचने के लिए जितना सम्भव हो, आपको ऊंचे, शुष्क जलवायु वाले स्थानों में रहना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'एक' (सूर्य) और 'चार' (यूरेनस)। हर महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांक वाली तिथियों पर करने का प्रयास कीजिए, जैसे माह के

1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा 31 तिथियां।

प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य और यूरेनस के रंग का कोई वस्त्र अवश्य पहनिए। ये रंग हैं सूर्य—सुनहरा, पीला, नारंगी और भूरा। यूरेनस—नीले, सिलेटी या हलके (पेस्टल) रंग। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, नीलम और अम्बर (कहरुवा)।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष होंगे 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73, और 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76।

'एक' या 'चार' मूलांक वाली तिथियों, जैसे 1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा 31 को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

शनि (ओज) के अतिरिक्त आपके कारक ग्रह हैं चन्द्र और नेप्चून। चन्द्र और नेप्चून आपके स्वभाव को अधिक उदार, कल्पनाशील और पूर्वाभासी बनाते हैं। इच्छानुसार काम न होने पर हताश होने लगते हैं और दूसरों के विरोध या उद्दंड कार्रवाई पर अपने में सिमिट जाते हैं। अति संवेदनशील और बहुत जल्दी अपमान महसूस करने की प्रवृत्ति।

व्यापार के लीक वाले उपायों के बजाय कल्पना-शक्ति से सफलता की सम्भावना अधिक है। आप ऊंचे-ऊंचे पदों के सपने देखेंगे। अपने काम में आत्मविश्वास पैदा करके ही सपने पूरे हो सकते हैं। अति संवेदनशील होने से आप ऐसे प्रोत्साहन की कामना करते हैं जो आपकी योग्यताओं से अधिकतम लाभ दिला सके। परिस्थितियों से बंध जाने पर आप बेचैन और दुखी हो उठेंगे। आपको अपने सपने पूरे करने की छूट चाहिए।

आर्थिक दशा

आपको धन का मोह नहीं होगा, उसे केवल 'लक्ष्यपूर्ति का साधन' समझेंगे। आपमें यह अजीब भावना रहेगी कि आपको धन की कोई आवश्यकता नहीं, दिमाग से जो चाहें पा सकते हैं। वास्तविक में अधिक धनी समझे जाएंगे। किसी के मांगने पर इनकार करने से आपके संवेदनशील स्वभाव को चोट पहुंचेगी। अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के प्रयास में अपना सारा धन भी लुटा सकते हैं। इसके बावजूद धन के मामले में आपमें सावधान रहने की स्वाभाविक प्रवृत्ति है।

स्वास्थ्य

अत्यधिक मानसिक परिश्रम से आप टूट सकते हैं। ऐसी स्थिति में थोड़े-से विश्राम से ही आप पुनः स्वस्थ हो जाएंगे। सम्भव है, आपके मन में यह बैठ जाए कि

विशेष प्रकार के भोजन से भारी लाभ हो सकता है। गठिया से सावधान रहिए और सम्भव हो तो शुष्क जलवायु में रहिए। कभी-कभी आखो की परेशानी हो सकती है। रीढ में कमजोरी भी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक हैं दो' (चन्द्र) और 'सात' (नेप्चून)। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्ही मूलाको वाली तिथियो पर कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहेंगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए आप चद्र तथा नेप्चून के रगो का कोई-न-कोई वस्त्र हमेशा धारण किए रहें। ये रग हैं चद्र— सफेद, क्रीम और हलका हरा। नेप्चून—हलके से गहरे तक कबूतरी। भाग्य रत्न हैं जेड (हरितमणि या मगसाम), मोती, चन्द्रकात मणि, लहसुनिया।

3, 12, 21, 30 (मूलाक 3) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

शनि (ओज) के अतिरिक्त आपका कारक ग्रह है गुरु। गुरु का गहरा प्रभाव आपको अपनी योजनाओ और इच्छाओ में कुछ दबगपन प्रदान करेगा।

आपके सभी कामों के मूल में महत्वाकाक्षा रहेगी। निजी प्रयासो और सफलता के सकल्प से उन्नति करेंगे। भारी ईर्ष्या और विरोध का सामना करना पडेगा। कोई वृत्ति चुनें, आपके अनेक दुश्मन बन जाएगे।

छोटे-बडे, सभी प्रकार के जन-जीवन मे आप सफल रहेंगे, दूसरो पर नियत्रण और जिम्मेदारी वाले अधिकार के पदो पर भी।

विवाह से अधिक सुख नही मिलेगा, जब तक जीवन-साथी आपको अपने से अधिक बुद्धिमान न समझे।

आप विचारो से रचनात्मक, बडी-बडी योजनाए बनाने मे सक्षम होंगे। आपको अपने निजी विचारो पर अमल का प्रयास करना चाहिए और दूसरो पर बहुत अधिक भरोसा नही करना चाहिए।

21 या 30 तारीख को पैदा होने पर आप जिम्मेदारी के ऊचे पदो पर अधिक आसानी से पहुचेंगे। आपमे दूसरो की सहायता करने या 'दलित वर्गों' को ऊचा उठाने की बलवती भावना होगी। व्यक्ति से अधिक आप समाज का भला करना चाहेंगे। फलत व्यक्तिगत शत्रुओ की घृणा और दुर्भावना के शिकार होंगे और कभी-कभी उनसे जीवन को खतरा भी हो सकता है।

आप अपने काम मे पूरा दम लगा देंगे और अनेक बार पूरी तरह टूट लेने का जोखिम भी उठाएगे।

आर्थिक दशा

अपनी योजनाओ या महत्वाकाक्षाओ को पूरा करने के लिए आप विपुल धन-

राशि खर्च करने का प्रयास करेंगे। इसमें काफी जोखिम भी उठाएंगे क्योंकि जरा-सी भूल-चूक से भी शत्रुओं को आपकी टांग खींचने का अवसर मिल जाएगा। आम तौर से सफलता की आशा कर सकते हैं, बशर्ते बहुत अधिक निजी लाभ के प्रलोभन में न पड़ें।

स्वास्थ्य

शानदार काया होने पर भी लगातार मानसिक तनाव और अति परिश्रम से आप अपने स्वास्थ्य को आघात पहुंचा सकते हैं। सावधानी बरतिए और शक्ति को सुरक्षित रखिए अन्यथा पक्षाघात या दिल का दौरा पड़ सकता है। यदि औसत आयु न भोग पाए तो आपका अपना ही अधिक दोष होगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'तीन' (गुरु) और 'आठ' (शनि)। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाओं पर अमल का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे, लेकिन 'आठ' मूलांक वाले व्यक्ति आपके लिए 'तीन' मूलांक वाले व्यक्तियों जैसे भाग्यशाली नहीं रहेंगे।

30 जनवरी को जन्मे व्यक्ति शनि (सौम्य) की कुम्भ राशि के अधीन आएगा। उनके अंक यही रहेंगे, लेकिन शनि (सौम्य) के प्रभाव के कारण उन पर अंकुश कम होंगे और जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए गुरु के रंगों का कोई वस्त्र अवश्य धारण किए रहिए। ये रंग हैं—जामुनी, बैंगनी या फालसई (कासनी)। आपके भाग्य रत्न हैं कटेला (अमेथिस्ट या जामुनिया), बैंगनी या जामुनी रंग के नग, काला मोती, काला हीरा।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं यूरेनस, सूर्य और शनि। यूरेनस शनि के आम प्रभाव को और बढ़ाएगा।

विचारों में मौलिक, स्वभाव में अति स्वतन्त्र, दूसरे लोगों या जिनके साथ रहना है, उनकी योजनाओं या विचारों में तालमेल न रखने वाले। घरेलू या वैवाहिक सम्बन्धों में कठिनाई। आपके कामों को बहुत गलत समझा जाएगा और आप जीवन में अकेलापन महसूस करेंगे। विचारों में परम्परा विरोधी, सफलता के लिए अपना निजी मार्ग बनाना होगा। महत्वाकांक्षाओं का भारी विरोध का सामना करना होगा। परियोजनाएं पूरी करने में अधिकतम धैर्य से काम लेने की आवश्यकता है।

दिल में आप बेहद गम्भीर होंगे। गम्भीरता छिपाने के लिए कभी-कभी बहाना यह करेंगे कि आप जीवन के उतार चढ़ावों का उपहास कर रहे हैं और भाग्य पर हंस रहे हैं। दरअसल, अन्तर्मन में आप भाग्यवादी हैं आपने रहस्य पर अक्सर या

बुरा, जैसा भी हो, अभिनय-भर कर रहे हैं।

आपके सभी कार्यों के पीछे दूसरों पर अधिकार जमाने की भावना होगी, कलम से मिले, वाणी से या तलवार से, इसमें कोई अन्तर नहीं पड़ता। एक प्रकार से ये तिथियां नेताओं के लिए अच्छी हैं, लेकिन इनसे असाधारण कार्यों, विचार की मौलिकता और सनक की गहरी प्रवृत्ति मिलती है।

आर्थिक दशा

इसमें भी असामान्य घटने की सम्भावना है। पैसा आएगा लेकिन पानी की तरह हाथ से निकल जाएगा। अच्छा हो या बुरा, धन से अधिक नाम टिकेगा। आपका मान किया जाएगा लेकिन आपकी मजार की उपेक्षा होगी। यदि आपने भविष्य के लिए पैसा बचा रखने में पूरी सावधानी नहीं बरती तो बुढ़ापे में आपकी दशा बहुत गम्भीर हो सकती है।

स्वास्थ्य

रोगों की अपेक्षा दुर्घटना जनित परेशानियों की सम्भावना अधिक है। प्रमुखतः टांगें और पांव प्रभावित होंगे। किन्तु आपमें असाधारण जीवनी-शक्ति होगी। हिंसा या दुर्घटना के अलावा किसी अन्य उपाय से आपको मारना कठिन है। इन दोनों से ही पाला पड़ने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'चार' (यूरेनस), 'एक' (सूर्य) और 'आठ' (शनि)। 'चार' और 'एक' सबसे भाग्यशाली रहेंगे। 'आठ' से भी बार-बार पाला पड़ेगा, लेकिन यदि टाल सकें तो मैं आपको 'आठ' काम में लेने का परामर्श नहीं दूंगा। अपनी योजनाएं 'चार' या 'एक' मूलांक वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष हैं 10, 13, 19, 22, 28, 31, 37, 40, 46, 49, 55, 58, 64, 67। वर्ष 8, 17, 26 आदि भी महत्वपूर्ण रहेंगे किन्तु इतने भाग्यशाली नहीं होंगे।

'चार' और 'एक' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा। 'आठ' मूलांक की तिथियों को जन्मे लोग भी आपके जीवन में आएंगे किन्तु भौतिक दृष्टि से आपके लिए इतने भाग्यशाली नहीं रहेंगे।

प्रभाव बढ़ाने या भाग्य चमकाने के लिए पीले, सुनहरे, नीले, सिलेटी या पेंस्टल (ब्लैक) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, नीलम, मोती।

5, 14, 23 (मूलांक 5) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध और शनि हैं। आपके लिए बुध अशुभ लक्षणों को कम

कर देगा या उनका महत्व घटा देगा ।

आप बहुत हरफनमौला होंगे । मुख्य कठिनाई प्रतिभा और महत्वाकांक्षा के अनुकूल काम ढूंढने की है । जीविका में अनेक बार परिवर्तन करेंगे । देर तक एक काम से चिपके रहना कठिन है ।

व्यक्ति और विद्या, दोनों के अनुकूल अपने को ढाल लेने की आपमें भारी क्षमता होगी । आप गतिशीलता से प्रेम करेंगे । यात्रा कर दुनिया का बहुत बड़ा भाग देखेंगे । आपको मार्ग में आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित अवसर मिलेंगे ।

आपका मस्तिष्क पैना, शोधपरक और आलोचनात्मक होगा, लेकिन पहली बार सम्पर्क में आने वालों को कुछ सन्देह की नजर न देखेंगे । लोग दया और सहानुभूति से ही आपको प्रभावित कर सकते हैं ।

आप नीतिकुशल होंगे, दूसरों के मन के भेद निकाल लेंगे और व्यावहारिक उद्देश्य से उनका उपयोग करेंगे ।

साहित्य में रुचि रखने वाले और पढ़ाकू होंगे । विज्ञान, रसायन और नयी खोजों में भी आपकी दिलचस्पी हो सकती है । आप पारलौकिक विद्याओं की ओर भी आकर्षित हो सकते हैं किन्तु सपने देखने के लिए आपका दिमाग अति व्यावहारिक है । लोग कहेंगे, आपके तरुण कंधों पर एक परिपक्व दिमाग है ।

कभी-कभी निराशा की भावनाओं से पार पाने के लिए आपको आशावाद पैदा करना चाहिए ।

आर्थिक दशा

रुपये-पैसे के मामले में आप सावधान और कंजूस होंगे । कर्ज से आप भय खाएंगे । पैसा लगाने के बारे में आपके सुंदर व्यावहारिक विचार होंगे । लेकिन अति-सावधानी में अनेक सुअवसर खो देंगे ।

स्वास्थ्य

आपकी मुख्य चिन्ता आराम की ओर तनाव दूर करने की होनी चाहिए । हर बात को गहराई से लेंगे और आशा-निराशा के भावों से पीड़ित रहेंगे । कभी निराशा के दौरे पड़ सकते हैं जिसका कुप्रभाव पाचन अंगों पर पड़ेगा । रक्त में अम्लता से जोड़ों, हड्डियों, विशेषकर घुटनों में दर्द हो सकता है । सुगठित काया के कारण आपमें किसी भी रोग का प्रतिरोध करने की भारी क्षमता होगी ।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच' है, किन्तु 'चार' और 'आठ' को छोड़ अन्य सभी अंक भी समान रूप से सौभाग्यशाली रहेंगे । अपनी योजनाएं 'पांच' मूलांक वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए ।

आपके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होंगे 5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68, 77 । इनके अतिरिक्त 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62 और 71 भी ।

5, 14, और **23** तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। **8, 17, 26** तारीख को जन्मे लोग भी आपके जीवन में आएं किन्तु आपके लिए इतने सौभाग्यशाली नहीं रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए जहां तक हो सके, इनके रंगों का उपयोग करें।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 (मूलांक 6) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं शुक्र और शनि। शुक्र का प्रभाव आपके लिए मकर राशि के लक्षणों को अधिक अनुकूल बनाएगा।

प्रेम और विवाह की आपके जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी। विपरीत लिंगी व्यक्ति का प्रभाव आपके जीवन और वृत्ति के लिए अति घटनापूर्ण रहेगा। इन प्रभावों में खो न जाएं, इसके लिए आपको दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यक्तित्व के विकास का प्रयास करना चाहिए। किन्तु आम तौर से आपको अपने आकर्षक व्यक्तित्व से काफी लाभ होगा।

आम जनता के सम्पर्क में आने वाले व्यवसाय या धंधे जैसे—संगीत कला, साहित्य, रंगमंच और असामान्य कार्यों में आपको सबसे अधिक सफलता मिलेगी।

प्रारम्भिक वर्षों में घरेलू परिस्थितियों या सम्बन्धियों के दबाव से या शरीर के किसी भीतरी अंग के रोग से, आप पिछड़ सकते हैं लेकिन अन्त में सभी बाधाओं को पार कर लेंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में सफल होंगे।

15 या 24 जनवरी को जन्मे व्यक्ति 6 जनवरी को जन्मे व्यक्तियों से अधिक भाग्यशाली रहेंगे। प्रारम्भिक वर्षों में समान कठिनाइयां हो सकती हैं, किन्तु फिर पहली श्रेणी के लोग अधिक आसानी से उन पर काबू पाएंगे और जिस काम को पूरा करने का संकल्प करेंगे, उसी में यश और प्रतिष्ठा पाएंगे।

आर्थिक दशा

6 जनवरी को जन्मे लोगों में अनेक अवसर मिलने पर भी पैसा जोड़ने की ओर झुकाव नहीं होगा। लेकिन 15 या 24 जनवरी को जन्मे लोग धीरे-धीरे लगातार अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करते जाएंगे। वे भविष्य के लिए अच्छा पैसा जमा कर लेंगे और उनके धनी बनने की पूरी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

आप जीवन-भर औसत से अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं। आपको आग, मोटरकार आदि से खतरा रहेगा। अपना और अपनी सम्पत्ति का अच्छा बीमा करा लेना चाहिए।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' है। महत्वपूर्ण काम छ मूलांक वाली तिथियों को ही करने का प्रयास कीजिए। 'चार' या 'आठ' मूलांक वाली तिथियों पर बहुत सावधानी से काम करने की जरूरत है।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलांक वाले ही होंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी आपके जीवन में आएंगे, लेकिन अपना भार और कठिनाइयां आपके कंधों पर डाल देंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए शुक्र के रंगों को धारण किए रहिए जो हलके-से-हलके नीले से गहरे-से-गहरे नीले तक हैं। आपके भाग्य रत्न हैं: फीरोजा और सभी नीले नग।

7, 16, 25 (मूलांक 7) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं नेप्चून, चन्द्र और शनि। यह योग इस राशि के लक्षणों में और वृद्धि करेगा।

कोई वृत्ति अपनाएं, आप में तीव्र भक्तिभाव और धर्म के प्रति आस्था रहेगी लेकिन आपका धार्मिक झुकाव किसी अपारम्परिक या गैर परम्परागत रूप के प्रति होगा।

रूमानी, आदर्शवादी, अत्यन्त कल्पनाशील, अपने निजी विचारों की दुनिया में रहने वाले। यात्रा के लिए, विशेषकर सागर-यात्रा के लिए तीव्र इच्छा। व्यावहारिक या व्यावसायिक दुनिया आपके आदर्शवाद के लिए बहुत कुछ बखेड़ा ही होगी। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो आप बहुत यात्राएं करेंगे और जीवन-काल में अनेक बार अपना निवास-स्थान बदलेंगे। जन्म-स्थान से दूर दुनिया के किसी दूसरे भाग में, जहां आपका वास्ता अपने देश से भिन्न दूसरे देशों के नागरिकों से पड़े, बसकर आप अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

परिस्थितियां या भाग्य आपको दूसरों के ऊपर अधिकार या जिम्मेदारी के पदों पर पहुंचा देंगे। साथ ही जीवन एकदम 'फूलों की सेज' नहीं होगा, विशेषकर घरेलू मामलों में या सम्बन्धियों द्वारा पैदा किए गए दुखों और निराशाओं के बारे में।

आर्थिक दशा

पद में आपको यश और काफी लोकप्रियता मिलेगी, लेकिन आपके हाथों से जो पैसा खर्च होगा उसमें अधिक प्रसन्नता नहीं मिलेगी। दुनिया की नजरों में आपका विवाह मुखमय होगा, किन्तु आपको गहरी परेशानियों से गुजरना होगा।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में काफी कोमल रहने की सम्भावना है। आप अजीब बीमा-

रियों के शिकार हो सकते हैं जिनका साधारण साधनों से निदान कठिन होगा। गले, फेफड़ों और दिल पर विशेष ध्यान दीजिए।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'सात' और 'दो'। अपने महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को करने का प्रयास कीजिए। 'चार' या 'आठ' मूलांको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर से पैदा होने वाली कठिनाइयों या अप्रिय प्रसंगों से यथासम्भव सावधान रहिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए सिलेटी और हरे रंग के वस्त्रों को धारण किए रहिए।

आपके भाग्य रत्न हैं हरित मणि (जेड), चन्द्रकांत मणि और मोती।

8, 17, 26 (मूलांक 8) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति 'दुहरे शनि' के प्रभाव में आते हैं। उनके कंधों पर आम तौर से सारे जहां का दर्द या भारी जिम्मेदारी थोप दी जाती है। शनि का शक्तिशाली प्रभाव राशि के आम प्रभाव को दुगना कर देता है।

आपको भारी कठिनाइयों और विरोध का सामना करना पड़ेगा। दूसरे से कोई सहायता मिलेगी भी तो बहुत थोड़ी। सफलता के लिए स्वयं पर ही निर्भर रहना होगा। लेकिन अपना काम पूरा करने के लिए आपमें भारी धैर्य, लगन और संकल्प रहेगा। आपमें प्रबल महत्वाकांक्षा होगी। कैसा भी विरोध आपको आपके ध्येय या योजना के मार्ग से विचलित नहीं कर पाएगा।

कभी-कभी आपको निराशा के गम्भीर दौर से गुजरना होगा। पारिवारिक बन्धन या प्रियजनों की मृत्यु से परेशानियों और दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। विवाह जितनी देर से हो, आपके लिए उतना ही शुभ होगा।

जूआ, सट्टा या 'शीघ्र अमीर बनिए' वाले नुस्खों में आपका भाग्य चमकने वाला नहीं है। आप धीमे, श्रमसाध्य साधनों से, कठोर दिमागी परिश्रम से पैसा जमा करेंगे। कुछ मामलों में भूमि के विकास, खानों की खुदाई, कोयला, सीसा जैसे खनिजों के दोहन, कंकरीट के काम में या बड़ी-बड़ी इमारतों के निर्माण में भारी जिम्मेदारी के पदों का सम्भालते हुए आप लाभ कमा सकते हैं।

आपका स्वभाव प्रकृतितः गम्भीर होगा। आप गहन चिंतक होंगे। दूसरों के लिए योजनाएं प्रस्तुत करने में कुशल और वाद-विवाद में उत्तम होंगे। शर्त यह है कि विपक्षी दलीलें आपको विरोधी पर प्रहार या अपनी सफाई के लिए उत्तेजित कर सकें।

आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे, झूठी शान या सत्ता के प्रेम से नहीं बल्कि

ठोस भावनात्मक उद्देश्य से, विशेषकर जब आप समझते हों कि उससे आप दूसरों की सहायता कर सकेंगे।

अपने से छोटे व्यक्तियों के साथ आपका अजीब मानसिक और नैतिक लगाव होगा, जिसमें आपकी खुली आलोचना होगी और अन्दरखाने विरोध। हालांकि आप दूसरों के दोषों की ओर से आंखें बन्द नहीं करेंगे, फिर भी उनके गलत कामों को सही ठहराने के लिए कोई बहाना खोज लेंगे या उनकी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ओढ़ लेंगे।

आपका हर जगह अपना एक अलग व्यक्तित्व होगा। कभी-कभी आप निराशा की गहरी भावना से ग्रस्त हो जाएंगे, विशेषकर वृत्ति के ऐसे बिन्दु पर पहुंचने पर जहां आप दूसरों का अधिक भला न कर सकें।

आप न तो अपना मन खोलेंगे और न अपने दिल का दर्द दूसरों को बताएंगे। आपकी आंखों में चमक होगी जबकि पांव अंधकार में भटक रहे होंगे।

आर्थिक दशा

अनेक अवसर मिलने पर भी इसकी सम्भावना नहीं है कि आप बुढ़ापे के लिए अधिक बचत कर पाएंगे। आपकी दशा 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' जैसी होगी। आपके मित्रों को यह देखकर आश्चर्य होगा कि बुढ़ापे में अपना धन दूसरों को देकर या उल्टी-सीधी वसीयत कर आपने गरीबी ओढ़ ली है।

स्वास्थ्य

आकस्मिक और अप्रत्याशित बीमारियां सम्भव हैं। अंदरूनी अंगों में रुकावट से ऑपरेशन की जरूरत हो सकती है। इसके अलावा स्वास्थ्य लम्बे समय तक अच्छा रहेगा। भोजन पर औसत से अधिक ध्यान देने की जरूरत है। नम और निचले स्थलों पर देर तक रहने से बचिए।

गिरने से या दुर्घटनाओं में पैरों में चोट, एड़ियों में लचक या मोच तथा पीठ में चोट लगने की सम्भावना है।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। इन मूलांकों वाली तिथियां आपके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी। इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे, लेकिन आम तौर पर ये व्यक्ति अपना बोझ आपके कंधों पर डाल देंगे।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले ही रहेंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए निम्न रंगों को धारण कीजिए गहरा जामुनी, काला या नीला काला, नीला, स्लेटी। आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती, काला हीरा, नीलम।

9, 18 27 (मूलांक 9) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं मंगल और शनि। मंगल आपके जीवन को बहुत घटनापूर्ण अस्थिर और कुछ भाग्यवादी बनाएगा। आपके सभी मामलों में ऐसी परिस्थितियों का हाथ रहेगा जिन पर आपका नियन्त्रण बहुत कम या बिल्कुल नहीं होगा।

जो भी काम हाथ में लेंगे उसमें आगे बढ़ने का रास्ता बना लेंगे लेकिन भाग्य के असामान्य उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। कभी ऐसा लगेगा जैसे हर बात आपके अनुकूल जा रही है फिर ऐसा समय आएगा जिसमें सब कुछ उलट जाएगा। यदि सम्पन्न परिवार में जन्म नहीं लिया है तो प्रारम्भिक जीवन बहुत कठोर और कठिन होने की सम्भावना है। लगभग तैंतीस से पैंतीस वर्ष तक के लिए ऐसे संकेत हैं कि अपनी प्रकृति और इच्छा के विरुद्ध आपको बहुत-से अप्रिय काम करने होंगे।

आप अति महत्वाकांक्षी होंगे और तब तक संतोष नहीं मिलेगा जब तक अपने सहयोगियों से अलग और ऊंचा कोई प्रमुख पद प्राप्त न कर लें। आप में काफी साहस और आत्मविश्वास रहेगा जो जीवन-संग्राम में आपको बल प्रदान करेगा।

आपमें औसत व्यक्ति से अधिक काम और संगठन की क्षमता होगी, किन्तु उचित यह रहेगा कि काम के लिए व्यापक क्षेत्र मिले। किसी प्रकार का प्रशासन या सरकारी काम अथवा उद्योग-उद्यम में जिम्मेदारी का ऊंचा पद आपकी प्रकृति के अनुकूल रहेगा।

दुस्साहस और जिज्ञासा के प्रति प्रेम के कारण आपको तरह-तरह के संकटों का सामना करना पड़ेगा। अनेक दुर्घटनाओं की भी सम्भावना है और असामान्य परिस्थितियों में जीवन को जोखिम में डालेंगे।

परिश्रमी और प्रगतिशील होने से आप किसी भी व्यवसाय को बढ़ा लेंगे लेकिन स्वभाव में दांव लगाने की अनभावना होने से प्रायः ऐसे जोखिम उठा लेंगे जो आप पर भारी पड़ जाएंगे।

विवाह से आपको सामाजिक लाभ होने की आशा है किन्तु आगे चलकर इस सम्बन्ध में कुछ विचित्र अनुभव हो सकते हैं।

आप शीघ्र क्रोध करने वाले, हठी और जिद्दी होंगे। अनजाने में अनेक सबल शत्रु बना लेंगे। बुढ़ापे में जालसाजी और झूठे मित्रों के कारण बदनामी उठा सकते हैं। अप्रत्याशित शत्रुओं के षड्यन्त्रों से भी भारी हानि उठा सकते हैं।

आर्थिक दशा

18 या 27 जनवरी का जन्म होने पर 35 से 60 वर्ष की आयु तक आपके हाथों में बड़ी रकम रहेगी या खर्च होगी। इसके बाद पद और सम्पत्ति बनाए रखने के लिए भारी बुद्धिमत्ता और सावधानी से काम लेने की जरूरत है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भ से ही आपको सुगठित काया का वरदान मिलेगा। बुढ़ापे तक ऐसा ही

रहने की सम्भावना है। उसके बाद आपका दिल जवाब देने लगेगा। विश्राम से कुछ समय के लिए दुर्भाग्य को टाल सकते हैं लेकिन लक्षण बिना चेतावनी के आकस्मिक मृत्यु के हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक नौ है। 9, 18 या 27 तारीख को अपनी योजनाएं या महत्वपूर्ण काम पूरे करने का प्रयास कीजिए। अंक 'आठ' और 'चार' तथा इन मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी आपके जीवन और वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे लेकिन वे सौभाग्य से अधिक दुर्भाग्य लाएंगे। निजी तौर पर 'चार' और 'आठ' अंकों से यथासम्भव बचिए।

आपके लिए सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी नौ मूलांक वाले ही होंगे। 'तीन' 'छ' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए मंगल के गुलाबी या लाल रंगों का उपयोग करें। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामड़ा (गार्नेट), पितौनिया या रक्तमणि (ब्लड स्टोन)।

अध्याय 2

फरवरी

फरवरी मास कुम्भ राशि के प्रभाव में है। इसे शनि (सौम्य) की राशि भी कहते हैं। यह लगभग 21 जनवरी से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसका संधि-काल रहता है। 28 जनवरी से 19 फरवरी तक ही यह अपना पूर्ण प्रभाव दिखाती है। फिर नयी राशि मीन के साथ संधि-काल शुरू हो जाने से उत्तरोत्तर यह अपना प्रभाव खोती जाती है। संधि-काल मे जन्मे व्यक्तियो मे दोनो राशियो के गुण मिलते हैं।

आप अति संवेदनशील हैं, वाग्बाणो से शीघ्र तिलमिला उठने की प्रवृत्ति है। बहुत से लोगो के सम्पर्क मे आएगे फिर भी अकेलापन महसूस करेंगे। प्यार का प्रदर्शन नही करेंगे लेकिन जिन्हे प्यार करेंगे उनके प्रति पूरी तरह समर्पित होंगे। मित्र के लिए या अपने किसी उद्देश्य के लिए अंतिम क्षण तक संघर्ष करते रहेंगे।

सम्पर्क मे आने वाले व्यक्तियो को पूर्वाभास या अंत प्रेरणा से प्राय सही-सही पहचान लेंगे लेकिन चोट न पहुचाने की भावना से अपनी राय को मन मे ही छिपाकर रखेंगे। इससे मन का भार कभी-कभी सीमा से अधिक बढ जाएगा और उसे सहन न कर पाने के कारण आप उसे उगल देंगे तो मन मे बुरी तरह पछताएगे। क्षति-पूर्ति के लिए आप किसी सीमा तक जा सकते हैं।

आपके मन मे आम जन का भला करने की उत्कट भावना रहेगी। दूसरो का कष्ट दूर करने मे सामान्य से अधिक उदार होंगे। औसत से अधिक दान करेंगे।

आप बहुत तार्किक बुद्धि वाले हैं। चाहेंगे कि मतभेदो को तर्क द्वारा शातिपूर्वक सुलझा लिया जाए। आप मे बहुत बढिया व्यापार-बुद्धि भी होगी और दूसरो को उत्तम सलाह देंगे। लेकिन जिम्मेदारी के पदो पर रहते हुए आम तौर से दूसरो को ही अधिक लाभ पहुचाएगे।

अपने उत्तम गुणो को प्रकट करने के लिए आपको कर्तव्य की पुकार या परि-स्थितियो की दरकार है। पुकार होने पर आप स्वय को अवसर के अनुकूल ढाल लेंगे। अपनी छिपी शक्तियो और योग्यताओ का प्रदर्शन कर सभी को आश्चर्य मे डाल देंगे। संवेदनशीलता पर काबू पा सकें और आत्मविश्वास पैदा कर सकें तो ऐसा कोई पद नही जिसे आप न पा सकें।

सबसे अधिक सफलता आपको किसी ऐसे बडे कार्यक्षेत्र म मिलगी जिसमे दूसरो की भलाई करने का अवसर हो। जिन्हें 'बोध' हो जाता है वे मानव कल्याण का कोई बडा काम या खोज करके दुनिया मे अपना नाम छोड जाते हैं।

ऐसे जन आंदोलनों में जिनमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हों, आपकी गहरी दिलचस्पी होगी। राष्ट्रीय हित के महत्वपूर्ण समारोहों में आप भाग लेते नजर आएंगे। अपनी दुनिया में रहते हुए भी भीड़ और भीड़ वाले स्थानों जैसे आम-सभाएं थिएटर, मनोरंजन-स्थल आदि से आपका लगाव होगा। एक विचित्र बात यह है कि स्वयं भारी मानसिक तनाव की स्थिति में रहने पर भी आप शीघ्र उत्तेजना या आवेश में आने वालों अथवा मानसिक रोगियों पर प्रबल प्रभाव डाल सकेंगे। आप स्वयं को प्रायः ऐसे लोगों के बीच में पाएंगे।

यदि आप धनी परिवार में जन्मे हैं तो अपने सर्वोत्तम गुणों का विकास कर पाने की सम्भावना नहीं के बराबर है। बस, धारा के साथ बहते जाएंगे। चेत होने तक परिवर्तन के लिए बहुत देर हो चुकी होगी।

अन्य वर्ग की अपेक्षा शायद आपको अपने साथियों के चुनाव में सावधानी की आवश्यकता अधिक है। आत्मविश्वास की कमी के कारण सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से आप बहुत आसानी से प्रभावित हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

नसों, आमाशय, जिगर और पित्ताशय की बीमारियों से आपके ग्रस्त होने की सम्भावना है। डाक्टरों के लिए भी उनका निदान और उपचार करना कठिन होगा। आप विज्ञापन वाली नीम-हकीमी दवाएं खरीदते नजर आएंगे। मित्रों के लिए भी आपके पास कोई-न-कोई नई गोली या बलवर्द्धक दवा मिल जाएगी। बुढ़ापे में आप रक्त-संचार में गड़बड़ी और रक्ताल्पता, सिर और पीठ में दर्द, दिल की धड़कन में तेजी और कमजोरी, मसाने और गुर्दों की कमजोरी, पांवों में अजीब दुर्घटनाओं, एड़ियों में मोच, या हड्डी टूटने जैसी परेशानियों के शिकार हो सकते हैं।

आर्थिक दशा

शनि और यूरेनस के प्रभाव से भाग्य में बड़े-बड़े और आकस्मिक उतार-चढ़ाव आने की सम्भावना है। अनिश्चयात्मक या खतरनाक ढंग के मामलों में बहुत सावधानी की जरूरत है। न्यासों, बीमा कम्पनियों, बैंकों, रेलवे कम्पनियों, बिजली संस्थानों, उड्डयन और नयी-नयी खोज परियोजनाओं से अच्छा लाभ हो सकता है। पूरी बुद्धिमत्ता से काम नहीं लेंगे तो आय बहुत कुछ अनिश्चित रहेगी आएगी, कभी बहुत कम, कभी बहुत अधिक। एक बार एकदम अप्रत्याशित स्रोत से और बड़े विचित्र ढंग से भारी धन-लाभ हो सकता है।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

अपनी निजी, वायु त्रिकोण की तीसरी राशि कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी) वायु त्रिकोण का अन्य दो राशियों, मिथुन (21 मई से 20 जून) तथा तुला (21 सितम्बर से 20 अक्टूबर), इन राशियों के अंत में सात दिन के संधि-काल और

अपनी राशि में सातवीं मिट्र (जुलाई के अंत से अगस्त के अंत तक) में जन्मे व्यक्तियों के साथ आपके सबसे मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

सूर्य, यूरेनस और शनि आपके कारक ग्रह हैं। प्रायः पूरा फरवरी मास शनि (सौम्य) के प्रभाव में है, अतः जनवरी की इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की तुलना में जिन पर शनि (जाज) का प्रभाव है, आप पर भाग्य का दबाव कम रहेगा। आप अपनी योजनाओं और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में अधिक स्वतन्त्र होंगे।

प्रारम्भिक वर्ष घटनापूर्ण और हलचल भरे रहेंगे। परिवार में अप्रत्याशित परिवर्तन होंगे। परिजनों द्वारा आपके लिए सोची गई योजनाओं के पूरी होने की सम्भावना नहीं है, सम्भावना यह है कि आप कम आयु में ही अपना निजी रास्ता खोजने के लिए दुनिया में निकल पड़ेंगे।

आप सर्वतोमुखी प्रतिभा के धनी और मौलिक विचारों से पूर्ण होंगे। आपमें भारी महत्वाकांक्षा, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प होगा। सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने के लिए आप अनेक मार्ग अपना सकते हैं।

आपसे ईर्ष्या करने वाले लोगों के मन में जालसाजी और गुप्त व्यवहार के भाव पैदा होंगे। जीवन के प्रारम्भिक भाग में आप अपनी वृत्ति में कई बार परिवर्तन करेंगे।

दूसरे लोगों के साथ आप सौभाग्यशाली नहीं रहेंगे। साझेदारों या सहयोगियों के साथ व्यवहार में अधिकतम सावधानी बरतिए। अपनी योजनाओं पर अकेले अमल बेहतर होगा। क्योंकि दूसरे लोग आसानी से आपको धोखा दे सकते या लूट सकते हैं।

आपको हमेशा बड़े-बड़े लक्ष्य सामने रखने चाहिए और अपने से ऊंचे पद वालों के सम्पर्क में आने का प्रयास करना चाहिए।

आर्थिक दशा

जूए और सट्टेबाजी से बचिए। कभी-कभी शीघ्र धन कमाने के प्रयास में आप सीमा का अतिक्रमण करने लगेंगे।

डाक्टर, वकील, अभिनेता, कलाकार आदि का व्यवसाय करने वालों के लिए फरवरी का मास धन-संचय की दृष्टि से अधिक अच्छा नहीं है। इसके विपरीत साहूकार या बड़े उद्योगों के मुखिया जैसे ठोस व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के लिए यह अच्छा योग है। इसका कारण शायद यह है कि इस राशि में जन्मे व्यक्ति अपने बजाय दूसरे लोगों के लिए बेहतर काम कर सकते हैं।

28 फरवरी को जन्म लेने पर कुम्भ राशि का प्रभाव खत्म हो चुकेगा और मीन राशि का प्रभाव आरम्भ हो जाएगा। अतः अंकुश कम हो जाएंगे और आप जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

1, 10, 19 फरवरी को जन्म लेने पर आपमें प्रचुर मानसिक शक्ति होगी किन्तु 28 फरवरी को जन्मे व्यक्ति के समान शारीरिक शक्ति नहीं होगी। पाचन क्रिया बहुत जल्द गडबडाने लगेगी। हलका खाइए लेकिन बार-बार खाइए। औसत आदमी से अधिक सोइए। लेकिन आपकी काया का गठन ऐसा होगा कि बीमार होने पर बहुत शीघ्र स्वस्थ हो जाएगे।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अक 'एक' (सूर्य) और 'चार' (यूरेनस) हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्ही मूलाको वाली तिथियो को करने का प्रयास कीजिए। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले होंगे।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य और यूरेनस के रगो के वस्त्र धारण कीजिए। वे इस प्रकार हैं सूर्य—सुनहरा, पीला, नारगी भूरा। यूरेनस —नीला, सिलेटी।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, नीलम, अम्बर और पुखराज।

19 या 28 फरवरी

यदि आप 19 या 28 फरवरी को जन्मे हैं तो आगामी राशि मीन के सधि-काल मे आते हैं। इसका स्वामी गुरु (सौम्य) है। 1 या 10 फरवरी की अपेक्षा इन तिथियो को जन्म लेना अधिक लाभकारी है। इनके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस तथा गुरु हैं और महत्वपूर्ण अक हैं 'एक' 'चार' तथा 'तीन'। अपने सौभाग्यवर्द्धक रगो मे बैगनी, जामुनी, फालसई और रत्नो मे कटैला को भी शामिल कर लीजिए।

सबसे अधिक बदलाव स्वास्थ्य मे आएगा। 19 या 28 फरवरी को जन्म लेने पर आपमे आश्चर्यजनक जीवनी शक्ति होगी, हालाकि अत्यधिक परिश्रम से आप अपने को थका भी सकते हैं। हर प्रात आप सूर्य की भाति नयी शक्ति लेकर जागेंगे। लेकिन आपमे जिगर की बीमारियो, रक्तदोष तथा शीघ्र सर्दी-जुकाम पकडने की प्रवृत्ति रहेगी। फेफडो मे पानी भरने और कमजोरी का भी खतरा प्राय रहेगा।

'एक', 'चार', या 'तीन' मूलाक वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं चन्द्रमा और नेप्चून। शनि की सौम्य राशि मे जन्मे होने से आप पर शनि का अधिक अनुकूल प्रभाव रहेगा और अपनी योजनाओ तथा महत्वाकांक्षाओ को पूरी करने मे अधिक सक्षम होंगे।

आप रूमानी तथा आदर्शवादी होंगे। अनेक असामान्य प्रेम प्रसग होंगे। प्रबल महत्वाकांक्षी होंगे। पदोन्नति के अनेक अवसर भी मिलेंगे।

प्रारम्भिक पारिवारिक जीवन और वातावरण बहुत सौहार्दपूर्ण रहने की

सम्भावना नहीं है। हो सकता है, अपने पावों पर खड़े होने के लिए घर से निकलकर चल दें। लेकिन आपको अपनी अति सवेदनशीलता पर काबू पाना होगा और आत्म-विश्वास पैदा करना होगा।

जीवन और वृत्ति मे अनेक बदलाव आएंगे। आपमे जन्म-स्थान से दूर दूसरे देशों की यात्रा करने और उन्हें देखने की बलवती इच्छा होगी।

आपमे बहुमुखी प्रतिभा है लेकिन प्रवृत्ति कल्पनाशील गुणों के वरदान को विकसित करने की रहेगी। नयी खोजो मे, विशेषकर जिनसे मानव जाति को व्यापक लाभ पहुचना हो, आप अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। कला, साहित्य, सगीत या नाटक से अपने को अभिव्यक्त करने की प्रबल भावना होगी। आप इनमे सफल भी होंगे।

आर्थिक दशा

अपनी योग्यता से ही जीवन के अन्तिम वर्षों मे धनी होने की सम्भावना है, लेकिन धन या सम्पत्ति विरासत मे भी मिल सकती है। आपको अनेक महत्वपूर्ण उपहार और सम्मान प्राप्त होने की सम्भावना है।

यदि 2, 11 या 20 फरवरी को जन्मे हैं तो प्रारम्भिक वर्षों मे धन के मामले मे अनेक कठिनाइया और बाधाए आ सकती हैं, बशर्ते आप धनी परिवार मे ही न पैदा हुए हो। लेकिन अन्त मे निजी मानसिक प्रतिभा से सफलता मिलनी निश्चित है, विशेषकर खोजों के क्षेत्र मे या कला जगत मे। यदि आप अपने अधिकार वाले पूजी निवेश सम्बन्धी किसी बड़े पद पर पहुच जाते हैं तो सब कुछ ठीक रहेगा, किन्तु यदि किसी व्यवसाय मे हैं तो खतरा है कि पैसा आपके हाथों मे नहीं रुकेगा और बुढापे के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं कर पाएंगे। 'लीप' के वर्ष मे 29 फरवरी को जन्म होने पर आप मीन राशि के प्रभाव मे आएगे। प्रारम्भिक वर्षों में कम बाधाए आएगी तथा अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे मे आपको अधिक शिकायत नही होगी। आपके शरीर का अच्छा गठन होगा और आप 'सादा जीवन' बिताने के लिए कुछ नियम बना लेंगे, जिनसे लम्बी आयु भोगेंगे।

आपके लिए सौभाग्यवर्द्धक रग और रत्न वे ही हैं, जो जनवरी में इन्ही तिथियों को जन्म लेने वालो के लिए हैं, लेकिन अक 'आठ' के प्रभाव से डरने की जरूरत नही है। हा, 'चार' के साथ इस अक से यथासम्भव सावधान रहने और बचने का प्रयास अवश्य करना चाहिए।

20 तथा 29 फरवरी को जन्मे व्यक्तियो के लिए सबसे महत्वपूर्ण अक 'दो' 'सात' और 'तीन' रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहेंगे। 'दो' और 'सात' मूलाको वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

3, 12, 21 (मूलांक 3) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं गुरु और शनि। 3 तथा 12 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में जनवरी की इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के समान गुण होंगे किंतु अब आपकी राशि का स्वामी शनि (सौम्य) है, इसलिए गुरु के गुणों को अपना प्रभाव दिखाने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। संक्षेप में ये गुण हैं दृढ़ इच्छाशक्ति, संकल्प, संगठन-प्रतिभा, विशेषकर सार्वजनिक मामलों, सरकारी विभागों या राजनीति में। कुम्भ राशि में पैदा गुरु जातक के लिए सौम्य शनि का धीर गम्भीरकारी प्रभाव सर्वोत्तम है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण अब्राहम लिंकन के चरित्र में देख सकते हैं, जो 12 फरवरी को पैदा हुए थे।

यदि आप 21 फरवरी को पैदा हुए हैं, जो आगामी राशि मीन की संधि में है, तो उसके स्वामी गुरु (सौम्य) का सुप्रभाव महसूस करेंगे। आप पूर्व तिथियों को पैदा हुए लोगों की तुलना में अधिक भौतिक सुख भोगेंगे। आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को खुला छोड़ दीजिए उनकी पूर्ति की पूरी सम्भावना है। जिम्मेदारी और दूसरों पर अधिकार दिलाने वाला कोई भी काम आपके लिए निश्चित रूप से लाभकारी होगा।

महत्वाकांक्षा जगा सके तो कोई वृत्ति ऐसी नहीं जिसमें सफल न हो। गुरु सौम्य होने से आपकी महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होगी। इसका मतलब है, हालांकि आप अधिकार के पदों के लिए उपयुक्त हैं फिर भी 'भौतिक सम्पन्न' से बचेंगे। उस हालत में आप बड़े उद्यमों का संचालन कर रहे होंगे किन्तु सार्वजनिक मान्यता आपको न मिलकर दूसरा को मिलेगी। पर आप मन से कोई दृष्टिकोण अपनाएं। 21 फरवरी को जन्मे व्यक्ति सफलता की पूरी आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

आप कोई काम करें, सामान्य से अधिक सफलता और पद-लाभ की आशा कर सकते हैं। 12 या 21 को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होंगे। कभी-कभी बुद्धिमत्ता के बावजूद आपको धन हानि का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आपका अधिक परिश्रम से स्नायविक थकान और बीमारी पाने का डर जिगर में गड़बड़, रक्त शिराओं और धमनियों का कड़ा पड़ना और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों का खतरा हो सकता है। जहां तक हो सके आप मनोविकार तनाव कम करें, सादा भोजन करें और जी भरकर सोएं।

आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक है 'तीन' और 'आठ'। आप पर अंक 'चार' का भी प्रभाव पड़ेगा। आपके सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष 'तीन' के मूलांक वाले होंगे। इसी प्रकार [illegible] तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होगा और ऐसे

ध्वनियों का आपके जीवन तथा वृत्ति पर सद्‌प्रभाव होना चाहिए।

आपके लिए सौभाग्यवर्द्धक रंग हैं बैंगनी, जामुनी, हलका फालसई। भाग्य रत्न हैं कटैल (अमैथिस्ट) और जामुनी रंग के नग।

4, 13, 22 (मूलांक 4) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं यूरेनस, सूर्य, शनि (सौम्य)। आपके गुण और विशेषताएं वे ही हैं जो जनवरी की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की हैं, अन्तर यही है कि अब आप शनि (ओज) के बजाय शनि (सौम्य) के प्रभाव में हैं, इसलिए आप पर इस ग्रह का बाधक प्रभाव कम है और अधिक उपलब्धियां मिलनी चाहिए।

साथ ही मेरी चेतावनी है कि 'चार' और 'आठ' अंकों के प्रयोग से यथासम्भव बचते रहें और इन मूलांकों वाली तिथियों के लिए कोई योजना न बनाएं और न महत्वपूर्ण सम्पर्क करें, आपके लिए सर्वोत्तम तिथियां सूर्य के मूलांक 'एक' वाली रहेंगी।

आप अपने विचारों में मौलिक और व्यवहार में लीक से हटकर चलने वाले हैं। आपका सदा नये विचारों की ओर झुकाव रहेगा। नये दर्शन या नये धर्म, नये तरीके और विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता आपको बहुत अधिक आकर्षित करेगी। आपके साथी-संगी आपको अजीब, विचित्र तथा अपनी किस्म का एक कह सकते हैं। इसीलिए आप सामान्य सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के विचारों से आसानी से मेल नहीं खाएंगे।

शनि (सौम्य) का प्रभाव इस प्रवृत्ति को बढ़ाता है, जो सौम्य होने के बावजूद आपकी प्रकृति के वैचारिक पक्ष को अधिक प्रभावित करता है। आप शनि के तथा-कथित भाग्यवादी प्रभाव से काफी हद तक बच जाएंगे। लेकिन खिन्नता और दार्शनिकता का पुट आपमें रहेगा। आपके यूरेनस की विशेषताओं के साथ मिलकर वह आपकी संवेदनशीलता को बढ़ाएगा और आप प्रायः लोगों से मिलने से कतराएंगे।

विशेषकर जनवरी में और 22 फरवरी तक इन तिथियों को जन्मे बच्चों के साथ, और दरअसल 'चार' तथा 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे बच्चों के साथ, भारी सूझबूझ और सहानुभूति से पेश आना चाहिए। कठोर व्यवहार उनके मानसिक विकास के लिए एकदम हानिकारक रहेगा। वे इतने संवेदनशील होते हैं कि हर बात को गहराई से महसूस करते हैं। छिपाने और प्रकट न करने की प्रवृत्ति के कारण वे अपनी बात को ठीक से समझा नहीं पाते और उन्हें गलत समझ लिया जाता है। यहां तक कि मैंने उन पर अनर्गल आरोप तक लगते देखे हैं। मैं ऐसे बहुत-से व्यक्तियों को जानता हूं जिन पर अदालत में झूठे आरोप लगे हैं और उन्हें सामान्य अधिकारों से भी वंचित किया गया है।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं क्योंकि उन पर गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि का प्रभाव पड़ने लगता है।

4, 13 तथा 22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए केवल सूर्य का मूलांक 'एक' ही लाभकारी है। 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों से मेरा प्रबल आग्रह है कि वे ऐसे नाम रखें जिनमें 1, 2 तथा 6 अंकों का शक्तिशाली योग हो।

4 और 13 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सौभाग्यवर्द्धक रत्न और रंग वे ही हैं जो जनवरी में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के लिए हैं।

22 फरवरी

अब हम 22 फरवरी पर विचार करेंगे। मीन राशि की संधि में होने से यह गुरु (सौम्य) के अधिकार-क्षेत्र में अधिक है। शनि का प्रभाव समाप्त हो रहा है। किन्तु इस राशि में गुरु भौतिक की अपेक्षा वैचारिक पक्ष से अधिक सम्बन्धित है। फलस्वरूप इस तिथि को जन्मे व्यक्तियों में हम अंक 'चार' के यूरेनस से जुड़े हुए गुरु के उदात्त मानसिक गुणों का विकास पाते हैं।

यूरेनस विचारों की स्वतन्त्रता, परम्परा से विरोध, राजतन्त्र या सरकार के प्रचलित रूप से विद्रोह आदि पर अमल के लिए उन्मुक्त है। साथ ही गुरु का प्रभाव विद्रोही को विजयी बनाता है। वह अपनी लड़ाई में नये विचारों का उपयोग करता है और यूरेनस के मौलिक गुणों का लाभ उठाता है। वह युद्ध की हिंसा से घृणा कर सकता है किन्तु प्रसव-पीड़ा के बिना, नया जन्म सम्भव नहीं है। लड़ाई समाप्त होने पर वह शत्रु से उदारता से पेश आता है। गुरु के गुण के कारण उसका व्यवहार अन्यथा हो ही नहीं सकता। यूरेनस ने 'नये को'—एक नयी स्थिति को जन्म दिया है किन्तु यूरेनस सूर्य तथा गुरु के योग से जो भी होगा, उसका श्रीगणेश असामान्य और लीक से हटकर होगा।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों को आम तौर से अपने विचारों या योजनाओं में काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा। वे अपनी ही दुनिया में रहते हैं। इसलिए उनको बहुत गलत समझा जा सकता है। वे प्रदर्शन नहीं करते और शब्दों में अपने को अभिव्यक्त करने के लिए तैयार नहीं होते। वक्ता से अधिक वे संगठनकर्ता होते हैं। वे परम्पराओं की या दूसरों की राय की चिन्ता नहीं करते। जीवन को वे एक दार्शनिक कोण से देखते हैं।

अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति जार्ज वाशिंगटन, जो 22 फरवरी को जन्मे थे, इस योग के उल्लेखनीय उदाहरण हैं।

आर्थिक दशा

पैसा आपको उतना आकर्षित नहीं करेगा जितना एक औसत आदमी को करता है। आप असाधारण उपायों से उसे गवाएंगे भी। कुछ अधिक बुद्धिमत्ता और सतर्कता बरतकर आप कुछ सीमा तक अपनी रक्षा कर सकते हैं किन्तु आपका सदा धोखेबाजों

और 'जल्दी अमीर बनिए' नुस्खा से सावधान रहना होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य आपके सामने में सदा 'शरीर पर मन' का सवाल रहेगा। जब तक आप मन से प्रसन्न हैं और अपने काम दिलचस्पी से करते हैं, आप स्वस्थ रहेंगे और रोग आपके पास नहीं फटकेंगे। लेकिन यदि निराशा के विचार पाल लेंगे तो आप कभी अपने को स्वस्थ महसूस नहीं करेंगे और स्नायविक गड़बड़ी या पाचन क्रिया की ऐसी परेशानी में फंस जाएंगे जिसका उपचार बहुत कठिन होगा।

जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होंगे 'एक' और 'चार'। एक, चार और आठ मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

5, 14, 23 (मूलांक 5) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह है शनि (सौम्य) के साथ बुध। यह योग शुभ है क्योंकि इसमें बुध के गुण शनि की विवेकपूर्ण तथा श्रमशील प्रकृति से प्रभावित होते हैं। मानसिक विकास के लिए यह उत्तम है।

23 फरवरी गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि की संधि में है। यदि इस दिन पैदा हुए हैं तो आपका स्वभाव बहुत दबंग और स्वतन्त्र होगा। दुनिया आपके काम को पसन्द करती है या नहीं, इसकी आप बिल्कुल चिन्ता नहीं करेंगे।

ये सभी तिथियां मन को गहन दोषदर्शी बनाती हैं। ये मानव स्वभाव की गहरी पैठ और लोगों पर अजीब ढंग का प्रबल प्रभाव प्रदान करती हैं। ऐसे लोगों में अद्भुत 'नजर' होती है। उत्तेजना में आने वाले लोगों को वे आसानी से शान्त कर सकते हैं और उन्हें तर्कसंगत बात सुनने को बाध्य कर देते हैं। डाक्टरों में निदान की अद्भुत शक्ति होती है। वे बड़े पढ़ाकू होते हैं। जो कुछ पढ़ते या सुनते हैं, शीघ्र याद कर लेते हैं और फिर अवसर आने पर लोगों के लाभ के लिए उन्हें काम में लेते हैं। वे विज्ञान और प्रमाणों से प्रेम करते हैं। सिद्धान्तों के प्रति सन्देही होते हैं। फिर भी मन से उनमें दर्शन के प्रति झुकाव होता है। वे सम्पत्ति या पद के पीछे नहीं भागते, लेकिन साथ ही अत्यन्त महत्वाकांक्षी होते हैं और चाहते हैं कि उनके काम को मान्यता मिले।

आत्मतुष्ट होने पर भी वे प्रोत्साहन की गहरी कद्र करते हैं। प्रायः प्रशंसा या प्रेम के कुछ शब्दों के बदले कुछ भी कर सकते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी न होने पर वे उदास हो जाते हैं।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में ऐसे व्यक्ति दूसरे लोगों को उत्तम सलाह दे सकते हैं लेकिन स्वयं उन पर शायद ही चलते हों। वे दिमाग लगाकर अक्सर धन कमा लेते हैं लेकिन बहुत कम उसे रोक पाते या बुढ़ापे के लिए बचा पाते हैं। मेरी सलाह है कि आप

सट्टेवाला धंधा मत कीजिए और अपना पैसा ऐसे धंधे में लगाइए जिन पर आपका नियंत्रण हो। लोग आपसे लें तो आसानी से लें लेकिन देने में कम-से-कम दें।

स्वास्थ्य

आम तौर से आप स्वस्थ और जोशीले होंगे लेकिन कभी-कभी सिर, गले, गुर्दों और पित्ताशय की शिकायत हो जाएगी। धनी परिवारों में जन्मे कुछ लोग शराब, मादक द्रव्यों और भोगविलास की जिन्दगी से अपना स्वास्थ्य बिगाड़ सकते हैं। ऐसे लोगों को उनकी उद्देश्यहीनता, चंचलता और अत्यन्त चिड़चिड़ेपन से पहचाना जा सकता है।

आपके लिए सबसे अच्छा अंक 'पांच' है। इसी मूलांक के वर्ष आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सभी हलके रंग, विशेषकर सफेद या चमकीले और हीरे तथा सफेद चमकीले नग आपके लिए सौभाग्यवर्धक रहेंगे।

6, 15, 24 (मूलांक 6) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

6 और 15 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए कारक ग्रह हैं शुक्र और शनि (सौम्य)। 24 फरवरी को जन्मे व्यक्ति मीन राशि की संधि में आते हैं और शुक्र तथा गुरु के प्रभाव में होते हैं। 6 और 15 वालों के लिए शुक्र के गुणों पर शनि की छाया रहती है। इन व्यक्तियों के लिए प्यार ही सब कुछ है, फिर भी 'अभागे' रहते हैं, मुख्यतः मन के आवेग और 'एक ही दिशा में सोचने' के गुण के कारण। अधविश्वास या अति समर्पण-भावना से वे अपने प्रेम-पात्रों को सर्वस्व निछावर कर देते हैं भले ही वे निकम्मे निकले। संयोग से यदि कोई उनकी समर्पण-भावना को सराहने वाला मिल जाए तो भी उन्हें भारी अड़चनों का सामना करना पड़ता है। कुछ भी हो, प्रेम में उन्हें मनचाहा सन्तोष नहीं मिलता। प्रायः वे अपने से निम्न सामाजिक स्तर वाले के साथ अथवा बुद्धि में पिछड़े व्यक्ति के साथ विवाह करते हैं।

फरवरी की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में मुझे प्रेम और आत्मत्याग के कुछ अत्यन्त आश्चर्यजनक उदाहरण मिले हैं, लेकिन सभी मामलों में उनके जीवन में प्रेम की भावना ही बलवती रही।

आम तौर से फरवरी में 6 मूलांक वाली सभी तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में स्वाभाविक कलात्मक भावना होती है। जनता के आगे लाने वाली किसी कला में वे यश और नाम कमा सकते हैं। उन्हें जनता का प्यार मिलता है और जनता को उनका।

कला से उन्हें कितना पैसा मिलता है, इसकी वे चिन्ता नहीं करते। उनमें हर काम को बड़े पैमाने पर करने का झुकाव रहता है और फलस्वरूप अत्यन्त प्रभावी व्यक्ति उनकी ओर आकर्षित होते हैं।

आप हर प्रकार के सामाजिक जीवन की ओर आकर्षित होंगे। जहां जाएंगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। छोटे और अधीनस्थ लोग आपकी पूजा करेंगे, ऊंचे पद वाले और धनी व्यक्ति आपकी ओर आकर्षित होंगे।

आप रूमानी और कौतुक कथाओं को पसन्द करेंगे। विपरीत लिंगियों पर आपका काफी प्रभाव रहेगा। फिर भी 'कर्तव्य की पुकार' के लिए आप सुखों का त्याग करने को तैयार हो जाएंगे। स्वयं को *आदर्शवादी स्वप्न देखने वाला नायक समझते* रहेंगे। फिर भी आप सफल होंगे, इसमें रत्तीमात्र सन्देह नहीं है। कभी-कभी यह सोचकर कि आप कुछ भी कर सकते हैं असम्भव काम करने का जोखिम उठाएंगे।

जब तक अत्यधिक दृढ़ इच्छाशक्ति न हो, आपमें भोगविलास और अपव्यय में प्रेम की स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी। फलस्वरूप आप ऋणग्रस्त भी हो सकते हैं। लेकिन आपके ग्रह योग इतने अच्छे हैं कि अपनी सहज उदारता से जब किसी संकट में फंस जाएंगे तो लोग आपकी सहायता के लिए आगे आएंगे।

आर्थिक दशा

बचपन बीतते ही आप भाग्य को अपने पक्ष में चलते हुए महसूस करेंगे। आर्थिक मामलों में आप अनेक मूर्खतापूर्ण काम कर सकते हैं और हवाई योजनाओं में फंस सकते हैं, फिर भी अपने पांवों पर खड़े हो जाएंगे। सार्वजनिक उद्यमों अथवा जनता के सहयोग वाले कामों से आपको लाभ हो सकता है। कम्पनी खड़ी कर और अपनी योजनाओं के लिए बड़ी संख्या में समर्थक जुटाकर अच्छी सफलता मिल सकती है। लेकिन हमेशा सीमाओं का अतिक्रमण करने और कभी-कभी भारी आर्थिक हानि उठाने का खतरा रहेगा।

स्वास्थ्य

शरीर स्वस्थ रहेगा और बीमारी की चिन्ता कम होगी। हवा-पानी बदलने से सर्दी जुकाम होने का खतरा है। निमोनिया, श्वास नली और फेफड़ों की कमजोरी और स्नायविक तनाव की भी सम्भावना है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 'छ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलांक वाले होंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रंग है—हल्के से गहरे रंग नीला। 24 फरवरी को पैदा होने पर बैंगनी, फालसई या जामुनी रंग का भी प्रयोग कर सकते हैं।

7, 16, 25 (मूलांक 7) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं नेपच्यून (7), चंद्र (2), यूरेनस (4) और शनि (8)। जो लोग 7 या 16 फरवरी को पैदा हुए हैं, उनका स्वभाव 25 फरवरी को पैदा हुए लोगों से बहुत भिन्न होगा क्योंकि बाद के लोग गुरु (सौम्य) की मीन राशि में पैदा

हान से उनके जीवन में शनि का अधिक प्रभाव कम हो जाएगा। 7 या 16 फरवरी को पैदा होने पर आपका स्वभाव विचित्रता लिए हुए अत्यन्त संवेदनशील होगा। आपके लिए सही स्थान या वृत्ति खोज पाना अत्यन्त कठिन है और सारा जीवन उसी की खोज में निकल सकता है। लेकिन यदि किसी लक्ष्य के प्रति आकर्षित हुए तो पूरे आग्रह और दृढ़ता से उससे चिपके रहेंगे।

वातावरण और दूसरे लोगों के स्वभाव का आप पर भारी असर पड़ेगा इसलिए निवास-स्थान और सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के बारे में अधिक-से-अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

आपमें कल्पना, आदर्शवाद और स्वाभिमान का असाधारण गुण हो सकता है। पर्याप्त आत्मविश्वास न होने की प्रवृत्ति रहेगी जिससे किसी बाहरी पुकार पर ही आप जनता की नजर में आ सकेंगे। यदि पुकार आई तो अपने कर्तव्य पालन के लिए कोई भी त्याग या कठिनाई झेल सकते हैं।

किसी कला में ध्यान लगाएंगे तो एक ही ढर्रे पर चलते रहेंगे। निजी लाभ की अपेक्षा ध्येय से अधिक आकर्षित होंगे। गुप्त विद्याओं और ज्योतिष की खोज में भी लग सकते हैं।

मानसिक विकलांगों के प्रति आपकी असाधारण सहानुभूति रहेगी। उनके और उनके कल्याण के लिए काम करने वाली संस्थाओं को धन भी दे सकते हैं।

दूसरे लोगों के बारे में सहज पूर्वज्ञान होगा किन्तु अपनी पसन्दगी और नापसन्दगी का आप शायद ही कोई तर्कसंगत कारण बता सकें। इसी प्रकार वस्तुओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे लेकिन सामान्य अध्ययन से नहीं।

25 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अपने जीवन में काफी सफल रहेंगे। जिस किसी काम में लगे होंगे, आर्थिक लाभ की चिन्ता किए बिना पूरे मन से करेंगे।

फरवरी में पैदा 'मान अंक वाले' सभी व्यक्ति मौलिक, अध्ययनशील और साहित्य या कला में प्राय: यश प्राप्त करने वाले होते हैं। धर्म के बारे में उनके विचित्र विचार बन जाते हैं और किसी परम्परा का पालन नहीं कर सकते। वे अधार्मिक तो नहीं होते क्योंकि उसके रहस्य और जनता पर प्रभाव को मानते हैं किन्तु किसी प्रकार के कट्टरपन को पसन्द नहीं करते।

आर्थिक दशा

ये लोग भौतिक लाभ की चिन्ता नहीं करते। धन के मामले में शायद ही भाग्यशाली हों और सट्टेबाजी में प्राय: हानि उठाते हैं। उनके उदार स्वभाव और परोपकार भावना के कारण रुपया-पैसा उनके हाथों में शीघ्र खर्च हो जाता है। मेरा परामर्श है कि सरकारी बोर्ड जैसी चीजों पर कम आय में संतुष्ट रहें, सट्टेबाजी और सभी प्रकार के जुए से बचें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे मे इन व्यक्तियो के अनुभव बहुत विचित्र रहते हैं। बचपन मे आम तौर से बहुत नाजुक होते हैं। डाक्टरो के लिए पहेली ही रहते हैं और उनके परीक्षणों के शिकार बनते हैं। वे स्वय तरह-तरह की 'चमत्कारी' औषधियो पर पैसा बर्बाद करते हैं। वे प्राय पेट की किसी रहस्यपूर्ण बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। उनका भोजन भी विचित्र होता है। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहने मे, जिससे वे चिढते हो, बीमार पड जाते हैं।

इन लोगो को, जहा तक हो सके, मादक पदार्थों और दवाओ से बचना चाहिए। विशेषज्ञो की अपेक्षा ढेर-सा ताजा पानी, निद्रा और सादा भोजन उन्हे शीघ्र स्वस्थ करेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'सात' और 'दो' हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्ही मूलाको वाली तिथियो पर करने का प्रयास कीजिए। 'चार' व 'आठ' मूलाको वाली तिथियो से अत्यत सावधान रहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलाको वाले ही होंगे। इन्ही मूलाको और साथ ही 'एक' व 'चार' मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रग हैं सभी फलको मे हरा, क्रीम, सफेद और सब्जनरी।

25 फरवरी को जन्मे लोग फालसई, बैंगनी तथा जामुनी रगो का भी प्रयोग कर सकते हैं। इन लागो को परम्परागत कामो मे से कोई विशेष प्रकार का काम खोजने का पूरा प्रयास करना चाहिए। अपने विचारो की दुनिया मे खोए रहने के कारण उन्हे भौतिकतावादियो से या पैसे को भगवान समझने वाले लोगो से धोखा या दुर्व्यवहार मिलने की आशका है।

8, 17, 26 (मूलाक 8) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं शनि (सौम्य) और यूरेनस। 26 फरवरी को जन्म लेने पर इन दोनो के साथ मीन राशि के स्वामी गुरु का भी प्रभाव पडने लगता है।

आपका अपना व्यक्तित्व होगा। साथियो मे आपका जीवन सबसे अलग होगा। जो भी वृत्ति अपनाए, आप गहन दार्शनिक विचारो वाले होंगे। प्रयास न करने पर भी जीवन मे अनेक विचित्र परिस्थितिया और अवसर आएगे। भाग्य की विचित्र धारा बहाकर जिम्मेदारी के पदो पर ले जाएगी।

26 फरवरी को जन्म लेने पर गुरु के प्रभाव से अधिक भौतिक सफलता की आशा है, पर अक 'आठ' के प्रभाव के अधीन जन्मे सभी व्यक्तियो को कभी-न-कभी छिपे शत्रुओ के हमले की और बदनामी तथा तीव्र आलोचना का शिकार बनने की सम्भावना रहती है।

सम्पन्नता मे न जन्मे हो तो प्रारम्भिक जीवन कठोर तथा कठिन रहेगा और

उससे भविष्य की सफलता का संकेत मिलेगा। प्रेम-प्रसंगों और घरेलू जीवन में आपको गम्भीर कठिनाइयों और दुःख का सामना करना पड़ सकता है। इष्ट-मित्रों का विछोह, उनकी बीमारी या मृत्यु का दुर्भाग्य आगे आ सकता है। विवाह का असाधारण अनुभव होगा और बच्चे हुए तो वे शोक या गम्भीर चिन्ता का कारण बनेंगे।

आपको भौतिक से अधिक मानसिक सन्तोष मिलेगा। आप पैसा कमा सकते हैं, धनी बन सकते हैं अथवा किसी शक्तिशाली पद पर भी पहुंच सकते हैं, लेकिन बहुत बड़ी कीमत अदा करनी होगी।

आर्थिक दशा

यदि पक्का इरादा कर लें तो पैसा अवश्य कमा सकते हैं, विशेषकर 26 फरवरी को जन्मे व्यक्ति। लेकिन विपरीत लिंगियों की कार्रवाइयों अथवा मुकदमेबाजी या धोखाधड़ी से उसे गवां देने की भी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

अंदर से जैसे हैं, उसकी अपेक्षा ऊपर से अधिक स्वस्थ दिखाई देंगे। बीमारी की पूर्व चेतावनी बहुत कम मिलती है या बिल्कुल नहीं मिल पाती। अकस्मात् दिल के दौरे से या दिमाग में खून का थक्का जमने से चल देते हैं।

आम तौर से अंक 'आठ' के लोगों की अपनी विशेषता होती है वे चाहे जिस मौसम में पैदा हुए हों। सारी सफलता मिलती है या सारी विफलता। इस पार या उस पार, अंत तक पहुंचने की प्रवृत्ति। वे या तो जीवन-मंच पर अच्छी-बुरी कोई बड़ी भूमिका अदा करते हैं या आजाद होने में असमर्थ पिंजड़े का पंछी बनकर रह जाते हैं। हर हाल में उनसे असाधारण जीवन व्यतीत करने की आशा की जाती है। भाग्य-वश हो या उनकी अपनी प्रकृति के कारण, ध्येयपूर्ति के लिए उन्हें पूर्ण शक्ति जुटाने का प्रयास करना चाहिए।

जीवन में या जीविका में कोई असामान्य काम करने के लिए सारी पीढ़ियां आपको सदा याद करेंगी, आपका घरेलू जीवन या आसपास का वातावरण भले ही अत्यंत सुखद न हो, जहां कहीं होंगे, आपका अपना एक 'व्यक्तित्व' होगा।

आप किसी काम में पैसा कमा सकते हैं, लेकिन सम्भावना यह है कि लोग या परिस्थितियां उसे आपसे छीन लेंगी। बुढ़ापे के लिए बचत करके रखिए। सट्टेबाजी के चक्कर में मत पड़िए। ऐसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं जिन पर आपका कोई वश नहीं होगा और आपकी आर्थिक दशा डावांडोल हो जाएगी।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'चार' और 'आठ'। 26 फरवरी को जन्मे लोगों के लिए 'तीन' का अंक भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा और अधिक भाग्य-वर्द्धक रहेगा। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रंग हैं—गहरे नीले और लाल को छोड़ अन्य गहरे रंग। भाग्यवर्द्धक रत्न हैं नीलम, काला मोती और काला हीरा।

9 18, 27 (मूलांक 9) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं मंगल और शनि (सौम्य)। 27 फरवरी को जन्म होने पर मंगल (सौम्य) के साथ जो लोग 19 फरवरी की संधि के जितने पास जन्मे होंगे उनका व्यक्तित्व उतना ही प्रखर होगा। फलस्वरूप 9 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों की अपेक्षा 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में अधिक आशा की जा सकती है।

27 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए मंगल और गुरु ग्रह का योग शुभ है। सौम्य गुरु मानसिक गुणों को उत्साह तथा महत्त्वाकांक्षा प्रदान करता है और मंगल हर काम में अनथक शक्ति देता है। ये लोग प्रायः यश प्राप्त करते हैं। 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में भी व्यक्तित्व का बहुत कुछ ऐसा ही गुण होता है।

फरवरी में नौ मूलांक की तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों में वैसी ही मानसिक विशेषताएं होंगी जैसी जनवरी में इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए बताई गई हैं। केवल उनकी प्रवृत्तियां अधिक मानसिक होंगी। वे अपने 'भाग्य के मालिक' दिखाई देंगे और भाग्य के उतार-चढ़ाव के इतने शिकार नहीं होंगे।

आप विचार और कार्य की स्पष्ट स्वतन्त्रता प्रदर्शित करेंगे। अपने ध्येय के लिए या अपने विचार में समाए हुए व्यक्ति के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देंगे। हर काम पर अपने स्पष्ट व्यक्तित्व की छाप छोड़ेंगे।

आपमें अच्छी तर्कशक्ति होगी, वाद-विवाद में प्रभावी और दबंग होंगे, तर्क के दोनों पक्षों को समझने की योग्यता होगी तथा विपक्षी की कमजोरी का तत्काल लाभ उठा सकेंगे।

बहुत मुंहफट और भावुक भाषण के लिए आपकी आलोचना हो सकती है लेकिन आप अपनी बात मनवाकर ही छोड़ेंगे। व्यक्तित्व के आकर्षण से लोगों को अपने पक्ष में कर लेंगे।

मन से मानवतावादी होंगे, सदा दूसरों को लाभ पहुंचाने में समय लगाने या समाज-सुधार के काम में भाग लेने के लिए तैयार रहेंगे। आपकी प्रकृति आपके लिए अनेक दुश्मन भी पैदा कर देगी और आपका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

आप अच्छे संगठनकर्ता होंगे, अपने अधीनस्थों के प्रति बहुत उदार होंगे और उनके हितों का ध्यान रखेंगे। सेना को खिलाने-पिलाने की व्यवस्था से उद्योग के विकास तक, अनेक क्षेत्रों में आपको मान्यता मिलेगी। आपके हर काम में जनता की आवश्यकता प्रधान रहेगी।

आर्थिक दशा

कुछ परिस्थितियों में आप आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। धन के उपयोग

का आसरा छोड़ दूसरों को आश्चर्य में डाल देगा। बहुत सम्भव है कि किसी गैर-परम्परागत ढंग से अपने जीवन-काल में ही उससे छुटकारा पा लें, उसे किसी ट्रस्ट को सौंप दें या असाधारण परोपकार के काम में लगा दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपको अधिक भय नहीं करना चाहिए। उसके बारे में कम-से-कम सोचेंगे, शायद इसीलिए आम बीमारियों से बच भी जाएंगे। किंतु आपको फेफड़ों और दिल का ध्यान रखना चाहिए।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक नौ है। अपने प्रयास नौ मूलांक वाली तिथियों को ही कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले रहेंगे। आठ या नौ मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे या उनसे प्रभावित होंगे। 27 फरवरी को जन्मे व्यक्ति तीन और नौ मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होंगे।

आपके लिए सबसे अनुकूल रंग है लाल। भाग्यवर्द्धक रत्न हैं लाल, तामड़ा और सभी लाल नग। 27 फरवरी को पैदा होने पर आप फालसई, बैंगनी और जामुनी रंगों का भी उपयोग कर सकते हैं। रत्नों में आप कटैला या नीलमणि (अमेथिस्ट) भी पहन सकते हैं।

अध्याय 3

मार्च

19 फरवरी से मीन राशि शुरू होती है, सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसकी संधि रहती है, अतः उसका पूर्ण प्रभाव 26 फरवरी से 21 मार्च तक रहता है। इसके बाद नयी राशि मेष के साथ उसकी सात दिन की संधि शुरू हो जाती है।

इस अवधि में 19 फरवरी से 28 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों में सहज बुद्धि और अन्तर्ज्ञान होता है। वे विशेषकर ऐतिहासिक ज्ञान की ओर यात्रा तथा भूमि के उपयोग, अन्वेषण आदि विषयों को शीघ्र आत्मसात् कर लेते हैं। साधारणतः जितने दिखाई देते हैं, विचारों में उससे कहीं अधिक महत्वाकांक्षी होते हैं, लेकिन किसी विषय पर बोलने या लिखने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेना चाहते हैं।

यदि उन्हें यह एहसास हो जाए कि उन पर विश्वास किया जा रहा है या उनको सम्मान दिया जा रहा है तो मित्रों या अपने ध्येय के प्रति वे भारी निष्ठा का परिचय देते हैं। सभी जिम्मेदारी के पदों पर वे आम तौर से सफल रहते हैं, साथ ही अपने को आगे धकेलने की प्रवृत्ति नहीं दिखाते और अपनी राय प्रकट करने से पहले प्रायः इन्तजार करते हैं कि कोई उनकी राय पूछे।

वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं तथा अपने क्षेत्र की परम्पराओं का पालन करते हैं।

सबसे दृढ़ और सबसे दुर्बल चरित्र इसी राशि में मिलते हैं। कुछ भावनाओं में बहकर भोग-विलास का मार्ग अपना लेते हैं वातावरण के दास हो जाते हैं या झूठे मित्रों के चक्कर में फंस जाते हैं। कुछ मादक पदार्थों या शराब के आदी हो जाते हैं। लेकिन यदि उन्हें जीवन का कोई लक्ष्य मिल जाए तो अवसर के अनुकूल अपने को ढाल लेते हैं। कभी तो वे अपने स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन से मित्रों को आश्चर्य में डाल देते हैं। एक क्षण में ही वे अपनी दुर्बलता या आत्म-रति को उतार फेंक आत्म-संयम की किसी सीमा तक उठ सकते हैं। इस अवधि में जन्मे सभी व्यक्ति द्विस्वभावी होते हैं। सवाल यह है कि वे कौन-सा मार्ग अपनाते हैं।

वे प्रायः सागर-यात्रा के बहुत शौकीन होते हैं। यदि परिस्थितिवश सागर-यात्रा न कर पाएं तो अपना घर सागर-तट पर या किसी झील अथवा नदी के किनारे बनाते हैं।

माल ढुलाई, विदेशों से व्यवसाय, आयात निर्यात या समुद्री व्यापार में वे अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं।

प्राय सभी के स्वभाव में आध्यात्मिकता और व्यावहारिकता का पुट रहता है। लोग उन्हें अंधविश्वासी समझते हैं। सभी गुप्त विद्याओं के प्रति वे एक या दूसरे रूप में आकर्षित होते हैं। अज्ञात, दार्शनिक या रहस्यमय की खोज करना उन्हें पसन्द है। प्रकृति में उदार होते हुए भी उनके मन में गरीबी का अज्ञात भय समाया रहता है, इसलिए अपनी उदारता को तब तक हावी नहीं होने देते जब तक किसी प्रियपात्र के प्रभाव में न हों। फिर तो वे अपना सर्वस्व तक निछावर कर सकते हैं।

उनकी दृष्टि में रुपये-पैसे का कोई मूल्य नहीं है। उनके लिए वह मात्र लक्ष्य-पूर्ति के साधन से अधिक कुछ नहीं है।

स्वास्थ्य

इस राशि में जन्मे व्यक्तियों के स्वास्थ्य का सबसे अधिक खतरा शारीरिक न होकर मानसिक होता है। अत्यधिक चिन्ता से जन्मी निराशा का कुप्रभाव पाचन अंगों पर पड़ता है, स्वाभाविक गड़बड़ी की प्रवृत्ति बनती है और अनेक लोगों को पक्षाघात भी हो सकता है। फेफड़े भी कमजोर हो सकते हैं। उन्हें क्षयरोग की सम्भावना अधिक रहती है। शरीर से, विशेषकर हाथ-पैरों से, शीघ्र पसीना निकलने लगता है। आंतों में वृद्धि या फोड़ा इस राशि की विशेष बीमारी है।

आर्थिक दशा

महत्वाकांक्षा जाग जाने पर ये व्यक्ति जीवन में काफी सफलता प्राप्त करते हैं लेकिन गुरु (सौम्य) के प्रभाव से महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होती है। ये भविष्य के बड़े-बड़े सपने देखते हैं लेकिन प्राय लगन या प्रयासों का अभाव होता है। अत धन की दृष्टि से इसे हम चचल राशि कह सकते हैं और जब तक ये व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षा को अंतिम सीमा तक पूरने के लिए अपने को तैयार नहीं करते, उनके भाग्य में अनेक उतार-चढ़ाव का खतरा रहता है। स्वाभाविक प्रवृत्ति—लगन के अभाव—पर काबू पा लेने पर फिर ऐसा कोई पद नहीं जिसे वे प्राप्त न कर सकें। समय समय पर उन्हें महान् अवसर मिलते रहते हैं।

ये व्यक्ति धन के मामले में कुछ लापरवाह होते हैं और उनमें बुरे दिनों के लिए पैसा बचाने की प्रवृत्ति नहीं होती। बुढ़ापे में प्राय अपने साधनों को बर्बाद करते और गरीब होते या पद खोते देखे गए हैं। भाग्य से यदि किसी 'सुनिधि' को पैदा हो गए तो सब कुछ ठीक रहेगा और पद या रुपये-पैसे के बारे में उनके सपने पूरे हो सकेंगे।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

19 फरवरी से 20 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों के सबसे अधिक मधुर सम्बन्ध अपनी निजी राशि मीन (19 फरवरी से 20 मार्च) कर्क (21 जून से 30 जुलाई) या वृश्चिक (21 अक्तूबर से 20 नवम्बर) और उनसे तीन दिन पीछे के संधिकाल में

जन्मे व्यक्तियो के साथ रहेंगे। अपनी से सातवीं राशि (कन्या) के दौरान जन्मे व्यक्तियो के प्रति भी वे आकर्षित हो सकते हैं।

1, 10, 19, 28 (मूलाक 1) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह है सूर्य और यूरेनस। ये आपके जीवन को घटनापूर्ण बनाएगे और आपको काफी प्रकाश मे लाएगे। उनका प्रभाव आपको मनोविज्ञानी और अतदृष्टि वाला बनाएगा।

आपका जीवन प्रबल सम्भावनाओ से सयुक्त होगा। जो काम करेंगे उसमे परिश्रमी तथा मौलिक होंगे, लेकिन अधीरता और उद्दीपन की प्रवृत्ति रहेगी। जहा तक सम्भव हो अपने मे धीरज पैदा कीजिए और अपनी योजनाओ पर सोचने मे अधिक समय लगाइए।

आपमे अत्यधिक आशावादी होने की प्रवृत्ति है। विलम्ब होने या कठिनाइया आने पर आप विद्रोह कर उठेंगे। धीरे-धीरे आप अवश्य ही अधिकार और आत्मविश्वास की भावना पैदा कर लेंगे। यह भावना जीवन के प्रारम्भिक वर्षों मे लापता हो सकती है। इस भावना का पैदा होना आपके लिए शुभ रहेगा।

घर वालो के प्रति गहरा प्यार होने पर भी प्राय उनके साथ आपके मतभेद रहेंगे और उनकी कार्रवाइयो से आपको हानि उठानी पड सकती है।

सब मिलाकर आप एक बहुत घटनापूर्ण भविष्य की आशा कर सकते हैं। आप कही रहें, कोई वृत्ति अपनाए, सफलता और प्रमुखता प्राप्त करेंगे।

28 मार्च अगली राशि मेष (स्वामी मगल-ओज) की पहली 'एक-मूलाक' तिथि है। सूर्य इस समय अपनी उच्च राशि मे होता है। अत सफलता की आशा और भी अधिक रहेगी।

आर्थिक दशा

रुपये-पैसे के मामले मे आप भाग्यशाली रहेंगे। आपको सफलता के असाधारण अवसर मिलेंगे, विशेषकर व्यापार मे जिम्मेदार पद और बड़े उद्यमों का प्रमुख पद सम्भालते हुए। आपमे काफी दूर-दृष्टि होगी। अपनी निजी प्रेरणा से काम करना चाहिए।

आपको सबसे अधिक कठिनाई दूसरे का पिछलग्गू बनने मे आएगी। जब तक अगुआ रहेंगे, सब कुछ ठीक चलता रहेगा लेकिन आपका स्वभाव इतना दबग होगा कि दूसरे के अधीन काम करना कठिन होगा। आम तौर से आप अच्छा पैसा कमाएगे लेकिन जिस वृत्ति को भी अपनाए, उसमे अनेक परिवर्तनो के लिए तैयार रहिए।

स्वास्थ्य

काया सुगठित होगी और भारी जीवनी-शक्ति होगी, लेकिन स्वाभाविक प्रवृत्ति उसका दुरुपयोग करने और शक्ति का अपव्यय करने की रहेगी। सूर्य गुरु की मानसिक

राशि में होने से अपनी महत्त्वाकांक्षाएं पूरी करने में आप दिमाग से अत्यधिक काम लेंगे। आप आशावादी वर्ग के हैं और अधिक समय आपको दबाकर नहीं रखा जा सकता। कभी-कभी बहुत अधिक चलने वाले डायनमो की तरह आपकी भी ऊर्जा पूरी तरह चुक जाएगी।

आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 1, 4 और 3 हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं मूलांकों के वर्ष आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहेंगे। 'एक' और चार मूलांक वाली तिथियों पर जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए अपने ग्रहों के रंग के कुछ वस्त्र पहनिए। ये हैं—सूर्य सुनहरा, पीला, कांस्य भूरा। यूरेनस नीला, गहरा नीला, सिलेटी। गुरु : बैंगनी फालसई जामुनी। आपके भाग्य-रत्न हैं होंगे पुखराज, अम्बर, नीलम और सुनहरे पीले तथा नीले रंग के नग।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं चन्द्र और नेप्चून। ये ग्रह आपकी कल्पनाशील और कलात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ाएंगे। अपनी प्रतिभा से अधिकतम लाभ उठाने के लिए आपको अपनी इच्छाशक्ति और संकल्प का विकास करना चाहिए। एक निश्चित लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर अन्य सभी बातों को छोड़ देना चाहिए। ऐसा कर सकें तो सफलता अवश्य मिलेगी, विशेषकर कला की आराधना में।

आपका स्वभाव अपने वातावरण के प्रति विशेष संवेदनशील है। अतः सौहार्द-पूर्ण परिस्थितियों के लिए प्रयास करना चाहिए। अपना छोटा-सा शांतिपूर्ण घर आपके लिए बेहतर होगा, ऐसा महल नहीं जहां के निवासी ही आपको तनाव में डाल रहें अथवा हतोत्साह करते रहें।

प्राकृतिक सुंदरता, रंगों के प्रभाव और संगीत की लय के आप गहन प्रेमी होंगे। मन में चंचलता रहेगी, विशेषकर रूमानी काल्पनिक ढंग की। आपको सभी कलाओं में प्रवीण होना चाहिए, जैसे चित्रकला, संगीत, सिनेमा या नाटक, लेखन आदि। आपको अंतर्दृष्टि और अन्तःप्रेरणा का वरदान है। आपके सपने भी असाधारण होंगे।

शायद अपनी इन भौतिक प्रवृत्तियों के कारण प्रारम्भिक वर्षों में धन कमाने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

29 मार्च को जन्मा मेष की अगली राशि के अंतर्गत है, इस कारण पर आपका जीवन और भी घटनापूर्ण रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक स्थिति कुछ कुछ अनिश्चित रहेगी। अकस्मात् धन आने की सम्भावना रहेगी। लेकिन सोच समझकर सावधानी और बुद्धिमत्ता से काम लिए बिना शायद ही उसे हाथ में रख पाएं। आपके विचार बहुत ऊंचे-ऊंचे होंगे जिनको अमल में

लाना आपकी शक्ति से बाहर होगा। आप जो पूंजी लगाएंगे उससे आपको सुरक्षा या मानसिक शांति नहीं मिल पाएगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आप अपने सभी परिचितों के लिए पहेली रहेंगे। आपकी हर बीमारी मानसिक होगी। प्रसन्न और सन्तुष्ट हैं तो भले-चंगे रहेंगे। दुखी वातावरण में बीमार हो जाएंगे और दुनिया की कोई दवा आपको ठीक नहीं कर सकेगी।

आपकी मुख्य प्रवृत्ति कुपोषण, रक्त की दुर्बलता, ठीक से रक्त-संचार न होने और पीठ, कमर तथा गुर्दों की कमजोरी की है। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि आपका मन बुझा हुआ है अथवा खिला हुआ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' (चन्द्र), 'सात' (नेप्चून) और 'तीन' (गुरु) हैं। आपको अपनी योजनाएं या कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। 29 मार्च को पैदा होने पर 'नौ' का अंक 'तीन' का स्थान ले लेगा।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने या भाग्य चमकाने के लिए आपको चन्द्र, नेप्चून और गुरु के रंगों का कोई कपड़ा अवश्य पहनना चाहिए। ये रंग हैं—चन्द्र सफेद, क्रीम और हल्का हरा। नेप्चून कबूतरी रंग, गुरु बैंगनी, फालसई तथा जामुनी। 29 मार्च को पैदा होने पर गुरु के रंगों का स्थान मंगल के रंग (लाल और गुलाबी) ले लेंगे।

आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चन्द्रकांत मणि, उपल, कटैला। 29 मार्च को जन्मे व्यक्तियों के लिए कटैला के बजाय लाल, तामड़ा और लाल नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आप 'दुहरे गुरु' के प्रभाव में हैं जो बहुत शक्तिशाली योग है। यह आपको कभी न चुकने वाली मानसिक ऊर्जा और भारी महत्वाकांक्षा प्रदान करेगा। लक्ष्य सिद्ध होने तक आप एक पल को भी चैन से नहीं बैठेंगे।

आप दूसरों पर नियन्त्रण पाने में सफल होंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में सफलता के पूरे लक्षण आपमें होंगे।

साझेदारों और सहयोगियों के सम्बन्ध में आप भाग्यशाली रहेंगे, बशर्ते आप संस्था के सर्वाधिकारी प्रमुख हों। समान रूप से व्यावहारिक और आदर्शवादी होंगे। दानशीलता और मानवता के महान विचारों से ओतप्रोत होंगे।

स्कूल, कालेज, अस्पताल जैसी बड़ी-बड़ी संस्थाओं में आपकी दिलचस्पी हो जाएगी। यदि धनवान हुए तो उनके लिए दान में बड़ी रकम छोड़ जाएंगे।

धर्म या सम्प्रदाय का विचार किए बिना सदा बीमारों की सहायता के लिए तैयार रहेंगे। आप चाहे जिस सम्प्रदाय के हों, सम्मान पाने की आशा कर सकते हैं।

बड़ी-बड़ी कम्पनियों, विशेषकर उद्योग, खान भूमि-विकास परिवहन और जहाजरानी में भी लगी कम्पनियों के सम्पर्क से आपका भाग्य चमकेगा।

यदि आप 30 मार्च को पैदा हुए हैं, जो मेष राशि में गुरु के प्रभाव में है, तो यह आपकी सफलता के लिए और भी शुभ रहेगा।

इन तिथियों को पैदा होने पर आप में वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति स्वाभाविक अन्तर्ज्ञान होगा। अपने सभी लेन-देन में उसी के अनुसार काम करने का प्रयास करना चाहिए। आप अतिथि-सत्कारक होंगे लेकिन दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। आप पशुओं तथा मैदानी खेलों के शौकीन होंगे और स्वतंत्र स्वभाव वाले बनेंगे।

आर्थिक दशा

आपमें धन कमाने की आकांक्षा होगी लेकिन अपने नाम और प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सावधान रहेंगे। आपको ठोस उद्यमों से लाभ होगा। धनी बनने की पूरी सम्भावना है। आप अपने सभी कामों में उत्साही भावना का परिचय देंगे और जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में प्रमुखता तथा ऊंचा पद प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

यह प्रश्न जीवन के प्रति आपके अपने दृष्टिकोण पर निर्भर है। जब तक सक्रिय रहेंगे, स्वस्थ और ठीक-ठाक रहेंगे। किसी कारण से यदि निष्क्रिय होना पड़ा तो विलासप्रिय हो जाएंगे, मोटापा चढ़ने की प्रवृत्ति बन जाएगी और जीवन की डोर आपके हाथ से खिसक जाएगी।

अधिकतर दबंग स्वभाव का होने के कारण और दूसरे का दृष्टिकोण न समझ पाने के कारण घरेलू या विवाहित जीवन में अधिक सफल होने की सम्भावना नहीं है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' है। अपनी सभी योजनाएं और कार्यक्रम इसी मूलांक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' मूलांक वाले होंगे। 'तीन', 'छः' और 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका विशेष लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए बैंगनी, फालसई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र पहनें। 30 मार्च को पैदा होने पर मंगल का लाल रंग गुलाबी रंग भी इसके साथ जोड़ लें।

आपके भाग्य रत्न हैं कटैला या बैंगनी व जामुनी नग। 30 मार्च वाले लाल, तामड़ा और लाल नग भी पहन सकते हैं।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं यूरेनस, गुरु और सूर्य। यूरेनस का प्रभाव आपको

गैर परम्परावादी या सनकी बनाएगा।

जीवन के प्रारम्भ में काफी दुख और विपदाएं आ सकती हैं। सम्बन्धियो, घरवालो और ससुरालवालों के साथ दिक्कतें पेश आएगी। लोग देने के बजाय लेंगे ही और आपको अपनी योजनाए पूरी करने के लिए अपने पर ही निर्भर रहना होगा।

आप अपने विचारो मे मौलिक और बहुत कुछ गैर परम्परावादी होंगे। काम मे बहुत स्वतन्त्र और आलोचना को न्योतनेवाले। सभी गुप्त विद्याओ और मनोविज्ञानी खोजों के प्रति आप विचित्र ढग से आकर्षित होगे। आपके असामान्य अनुभव भी रहेंगे। अन्यथा आप अपने तक सीमित रहना चाहेंगे।

आपको कला, साहित्य और सगीत मे, अथवा पुरातत्त्व की वस्तुए, चित्र आदि खरीदने मे 'आत्माभिव्यक्ति' का प्रयास करना चाहिए।

आपमे दूर दृष्टि, सपन और पूर्वाभास रहेंगे। व्यक्तियो और वस्तुओ के बारे में गहन अन्तर्ज्ञान होगा। रुपये-पैसे के लेन-देन मे पूरी बुद्धिमत्ता का परिचय देंगे। सट्टेबाजी से बचिए।

मित्र भी असाधारण होंगे। आप बहुत कम व्यक्तियो को पसन्द करेंगे और आपकी इच्छा अधिक-से-अधिक अपने तक सीमित रहने की होगी।

असाधारण घटनाओ और मनोविज्ञानी खोज के लिए आपमे बलवती, किन्तु गुप्त प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन ऐसा स्वय करने के बजाय आप दूसरो से कराएंगे। संवेदनशील, आत्मलीन स्वभाव के कारण अपने निजी अनुभवो को दुनिया से छिपा जाएंगे।

31 मार्च को (मगल-ओज की मेष राशि मे) पैदा होने पर आप अपने उपायो से अधिक दबग होंगे लेकिन अधिक विरोध भी पैदा करेंगे।

आर्थिक दशा

आपकी तीक्ष्ण बुद्धि और दूसरो पर अविश्वास आर्थिक मामलो मे आपकी रक्षा करेंगे। धन या सम्पत्ति अर्जित करने के बजाय विरासत मे पाने की सम्भावना अधिक है। ऐसा होने पर उसे बढाने के बजाय आप सावधानी से उसकी रक्षा का प्रयास करेंगे। कला, साहित्य, सगीत अथवा अन्वेषण या वैज्ञानिक खोज मे आप बहुत सफल हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले मे आप अपने डॉक्टर स्वय बन जाएंगे। भोजन और चर्या के बारे मे विचित्र विचार पाल लेंगे। आपको 'खब्ती' समझे जाने का खतरा है। घर मे मनमुटाव और रोष भी पैदा हो सकता है क्योकि आप अपने विचार अन्य व्यक्तियों पर लादने का प्रयास करेंगे।

आप अपने को बहुत सबल या हट्टा-कट्टा महसूस नहीं करेंगे। ऐसा आयु मे

माय आपमें निराशावादी प्रवृत्ति बढ़ने और आलोचना को बहुत गम्भीरता से लेने के कारण है।

आपके मत्रमे महत्त्वपूर्ण अक 4, 1 और 3 हैं। अपने सभी महत्त्वपूर्ण काम इन्ही मूलाको वाली तिथियो को करने का प्रयास करें। 31 मार्च को पैदा हुए लोगा के लिए 'नौ' 'तीन' का स्थान ले लेगा। इन तिथिया को विचित्र घटनाए घटन की भी सम्भावना है।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' तथा 'चार' मूलाक वाले ही रहेगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पैदा हुए लोगों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मार्च को पैदा हुए लोग 'नौ' मूलाक वाली तिथियो को पैदा हुए लोगो के प्रति भी। वे 'चार' तथा 'आठ' मूलाक वाली तिथिया को पैदा हुए लोगो को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए अपने सबसे महत्त्वपूर्ण ग्रहो यूरेनस (गहरा नीला, सिलेटी), सूर्य (सुनहरा, पीला भूरा, नारगी) गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) के रगो के कपडे पहनिए।

आपके भाग्य-रत्न है नीलम, सभी गहरे नीले नग, हीरा, पुखराज, अम्बर और कटैला।

5, 14, 23 (मूलाक 5) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह बुध है। गुरु के लाभकारी प्रभाव के साथ मिलकर बुध का प्रभाव इस मास की बुरी प्रवृत्तियो को कम करेगा।

आपको या तो भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। यह इस पर निर्भर है कि आप अपने चरित्र की दृढता का विकास करते हैं या कमजोर पक्ष का हावी हो जाने देते हैं। दृढ पक्ष का विकास होने पर आपको असाधारण बुद्धि का वरदान प्राप्त होगा, अपनी रुचि के कामो के लिए अपने को ढाल सकेंगे, आम तौर से वस्तुओ की बहुमुखी समझ होगी, बहुत निष्कपट खोजपरक, हाजिर जवाब और कठिनाइयो से भी लाभ उठा लेने वाले होंगे।

आर्थिक मामलो मे सट्टेबाजी के प्रति आपके अच्छे विचार होंगे। दाव लगाना आपको बहुत प्रिय होगा और हमेशा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन रुपया-पैसा आपके हाथ मे नही रहेगा और जीवन मे अनेक आर्थिक उतार-चढाव आएगे।

यदि चरित्र के कमजोर पक्ष को हावी होने दिया तो किसी बात पर देर तक नही टिके रहेंगे। हर काम मे टाग अडाएगे लेकिन विशेषता किसी मे प्राप्त नही करेंगे। अवसर, पैसे और पद सभी को दाव पर रखकर गवा देंगे। आपमे हर प्रकार की आत्मरति की प्रवृत्ति होगी और प्रारम्भ मे मिली बुद्धि को बर्बाद कर लेंगे।

यदि बेहतर पक्ष का विकास करें तो आपमे व्यक्तियो और वस्तुओं को परखने

का गहरा अन्तर्ज्ञान और ज्ञान का विशाल भंडार अर्जित करने की क्षमता होगी। आपका मन कुछ-कुछ चंचल रहेगा। उस पर नियन्त्रण नहीं किया और एकाग्रता पैदा नहीं की तो आपके लिए हानिकारक होगा।

इन तिथियों को जन्मे लोग प्रायः अपने आवास बदलते रहते हैं। वे देर तक एक जगह से बंधना या एक घर में रहना पसन्द नहीं करते। वे हमेशा बदलाव या यात्रा के लिए तैयार रहते हैं और उसके लिए कोई-न-कोई बहाना खोज लेते हैं। उनका ज्ञान सर्वतोमुखी होता है और आम चर्चाओं में किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से बोल सकते हैं। उनमें पर्याप्त आर्थिक योग्यता होती है। आर्थिक क्षेत्र में सफल भी होते हैं, बशर्ते वे अपनी लम्बी-चौड़ी योजनाओं को काबू से बाहर न निकलने दें।

आर्थिक दशा

शानदार प्रतिभाओं के धनी होते हुए भी ये लोग मरते समय तक शायद ही रुपए-पैसे वाले रहे। पैसा उन्हें काटने लगता है और बुढ़ापे के लिए वे बहुत कम बचाकर रखते हैं। अनेक विश्वविख्यात साहूकारों की योजनाएं उनके मरने से पहले ही तीन-तेरह हो गईं।

स्वास्थ्य

आप स्नायविक दुर्बलता से पीड़ित रहेंगे और विरोध में चिड़चिड़ा उठेंगे। आपको इसे काबू करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपकी वैचारिक योजनाओं के पूरी होने में बाधा पड़ेगी। आपकी प्रतिभा इतनी सर्वतोमुखी होगी कि आपको उसका वास्तविक स्वरूप पहचानने में बहुत कठिनाई होगी। इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। यदि स्नायुओं को पूरे काबू में नहीं रखा तो मन से टूट सकते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'तीन' हैं। आपको इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

आपको सभी रंग चल जाएंगे लेकिन बैंगनी या फालसई रंग के लिए हलके रंग अधिक अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 (मूलांक 6) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और गुरु हैं। इस योग का शुभ प्रभाव आपको मार्च के अशुभ लक्षणों से बचा जा सकेगा। इतने शुभ ग्रहयोग में भी यदि आप सफल नहीं हो पाते तो आपका ही दोष है।

आप सभी क्षेत्रों में सौन्दर्य की ओर आकर्षित होंगे। संगीत, चित्रकला, कविता, साहित्य, मूर्तिकला अन्य ललित कलाओं और नाटक के आप प्रेमी होंगे। किसी एक

कला में नाम भी कमा सकते हैं।

आप सामारिक सुखो और सुन्दर वातावरण से भी प्रेम करेंगे। अनेक रोमांस और प्रेम प्रसग रहेंगे। प्रेम के प्रति आपकी रुचि बदलती रहेगी। एक से अधिक विवाह होंगे और विवाहित जीवन में कुछ अनोखे अनुभव होने की पूरी सम्भावना है। एक विवाह से आप भारी कठिनाई में पड़ सकते हैं और सम्बन्धीगण आपके शत्रु बन सकते हैं।

आप भावुक, पीड़ितो के प्रति सवेदनशील, दयालु, दानशील और उदार, आदर्शवादी, सामाजिक, मित्रों के सत्कार के प्रेमी तथा अच्छे मेजबान होंगे, किन्तु अपव्यय की प्रबल प्रवृत्ति रहेगी। आप अनेक लोगों को अपना मित्र बना लेंगे जो आपके प्रति परम भक्ति भाव रखेंगे।

आप ऐसे धधो में पैसा कमा सकते हैं जिनका सम्बन्ध मौज-मस्ती से हो, जैसे होटल रेस्तरा, मनोरजन के साधन, भोजो का आयोजन, पुरातत्त्व या कला-वस्तुओं की बिक्री आदि। आपको अकर्मण्यता आत्मरति तथा अपव्यय से बचना चाहिए और बुढ़ापे के लिए पैसा बचाकर रखना चाहिए।

आर्थिक दशा

आम तौर से आप रुपये-पैसे के मामले में भाग्यशाली होंगे। रुपया-पैसा, उपहार और कीमती रत्न अप्रत्याशित ढग से आएगे। जब तक आप बुढ़ापे के लिए पैसा बचाकर अलग रखने का इरादा न करें, खर्चीले स्वभाव के कारण बुढ़ापा गरीबी में कटने का खतरा है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आपका शरीर बहुत स्वस्थ रहगा, लेकिन फिर भोग-विलास का जीवन बिताने से उसके बर्बाद होने का खतरा है। बुढ़ापे मे दिल की किसी बीमारी और उच्च रक्तचाप का शिकार होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक '6' और 'तीन' हैं। अपनी योजनाए इन्ही मूलाको वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्ही मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले ही होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए शुक्र (सभी प्रकार के नीले) और गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) के रग के कपड़े पहनिए। इन्ही रगो के रत्न और नग धारण कीजिए।

7, 16, 25 (मूलाक 7) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं नेप्चून, चन्द्र तथा गुरु। नेप्चून तथा चन्द्र का प्रभाव

आपके राशिगत गुणों में और वृद्धि करेगा और अत्यंत अप्रत्याशित घटनाओं का कारण बनेगा।

आप उच्च आदर्शों और भारी महत्वाकांक्षा वाले होंगे लेकिन स्वतंत्र गैर पर-म्परागत जीवन बिताने की ओर झुकाव रहेगा। उदारमना होंगे किन्तु धर्म के बारे में विचित्र विचार होंगे और आपका अपना देखने का ढंग होगा। प्रकृति के रहस्यों को खोजने की स्पष्ट प्रवृत्ति रहेगी। जो भी काम करेंगे, उसमें बड़े-बड़े सपने और असा-धारण प्रेरणा रहने की सम्भावना है।

इसे सांसारिक योग नहीं कह सकते। इसलिए रुपये-पैसे के मामले में बहुत सतर्क रहिए, हालांकि कुछ परिस्थितियों में व्यावसायिक मामलों में अन्तर्ज्ञान से आप बहुत धनी बन सकते हैं।

आपका स्वभाव विरोधों से पूर्ण होगा। एक ही समय में सबल और दुर्बल दोनों होंगे। दूसरे लोग आपके आदर्शवाद का कुरेदकर आप पर हावी हो सकते हैं, लेकिन आप उनकी बातों में नहीं आएंगे। ऐसे अवसर पर आप अपने निजी हित के विरुद्ध भी अत्यन्त हठी सकल्प का परिचय देंगे।

आप कला-प्रेमी और कल्पनाशील होंगे। चित्रकला, लेखन, संगीत, नाटक और उच्च कलाओं में सफलता मिलनी चाहिए। आपमें सुप्रेरणा के गुण हैं किन्तु उनका सबसे अच्छा विकास शान्त एकान्त में कर सकते हैं, जहां दूसरे लोग अपने प्रभाव से आपको परेशान न करें।

विवाह शुभ रहने में बहुत सन्देह है बशर्ते वह बड़ी आयु में और आपके सिद्धान्तों से सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति के साथ न हो।

आप उदार तथा दानशील होंगे और जनसेवा में लगी संस्थाओं की सहायता करना चाहेंगे। चाहे परिस्थितियां आपकी कला-प्रतिभा को विकसित न होने दें, फिर भी पैसा पास में होने पर आप कलाकारों की खुशी से सहायता करेंगे, उनकी कला-कृतियों को खरीद लेंगे, या कला दीर्घाओं को उपहार देंगे।

आर्थिक दशा

अपने निजी मानसिक प्रयासों से आप आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। किसी भी काम से पैसा कमा लेंगे। कभी-कभी अति उदार हो सकते हैं या अपने विचारों से दूसरों को आर्थिक लाभ कमाने दे सकते हैं। धन-संग्रह आपके जीवन का एकमात्र लक्ष्य नहीं होगा।

आप जहाजों द्वारा एक देश से दूसरे देश को माल भेजने और जन्म-स्थान से सुदूर स्थानों में पैसा कमाने में सफल हो सकते हैं लेकिन अपने स्वभाव के प्रेरणा-पक्ष का विकास कीजिए और अपने अन्तर्ज्ञान पर चलिए।

स्वास्थ्य

आप जैसे दिखाई देते हैं, अन्दर से वैसे शक्तिशाली नहीं होंगे। आप उच्च

मानसिक तनाव में रहेंगे और कभी-कभी गहरी थकान के दौरों से गुजरेंगे। आप परिवर्तन की इच्छा करेंगे, सागर और व्यापक जलराशि से प्रेम करेंगे। थकान या बीमारी में समुद्री यात्रा से सदा आपको लाभ पहुंचेगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात', 'दो' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलांका वाली तिथियों को अपने सभी महत्वपूर्ण काम कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांको वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांको वाली तिथियों में जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 'एक' और 'चार' मूलांको वाली तिथियों का जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए नेप्चून (बकुनटी, विशेषकर शोख मिनेटी, चन्द्र (सभी हरे, सफेद व क्रीम) और गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं—हरा जेड, चन्द्रकान्त मणि, मोती, कटैला और जामुनी नग।

8, 17, 26 (मूलांक 8) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और गुरु हैं। शनि का प्रभाव आपके स्वभाव की गम्भीरता को बढ़ाएगा। यह ग्रहयोग प्रारम्भिक वर्षों में जीवन का बहुत कठोर और कठिन बनाएगा। किन्तु 33वें या 35वें वर्ष से पर्याप्त सुधार की पूरी आशा है।

इन लोगों का प्राय गलत समझा जाता है और उनकी काफी बदनामी होने की भी सम्भावना रहती है। ऐसी बातें योजनाएं और महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए धनाभाव से, नाते-रिश्तों से या दूसरों के सम्पर्क से हो सकती हैं।

आपको इन प्रच्छन्न दुःखों तथा निराशाओं का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार रखना चाहिए। इच्छाशक्ति के विकास, संकल्प और महत्वाकांक्षाओं पर अडिग रहकर अन्त में आप सभी कठिनाइयों में पार पा सकते हैं।

आपके कन्धों पर भारी जिम्मेदारियां डाली जा सकती हैं। आपको सफलता या पद प्राप्त करने में योग्यता के अभाव में कठिनाई नहीं होगी, वरन् ऐसी परिस्थितियों के कारण होगी जो आपकी योग्यता और पुरस्कार छीनने के लिए उठ खड़ी होंगी।

यदि विवाह जल्दी हुआ तो घरेलू बन्धनों के कारण या जीवन-साथी की बीमारी के कारण आपकी गतिविधियों पर अंकुश लगने की सम्भावना है। विवाह आपके लिए बहुत सुखद अनुभव नहीं रहेगा बशर्ते कि आप उसे दार्शनिक भाव से न लें।

इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में असाधारण कर्तव्य भावना और घर तथा परिवार के प्रति गहरा प्रेम पाया जाता है। विशेषकर जनता के लिए उनके उच्च आदर्श होते हैं और वे प्राय मानव जाति के कल्याण की बड़ी-बड़ी योजनाओं से सम्बद्ध होते हैं। वे कोई वृत्ति अपनाएं, अपनी आन्तरिक भावनाओं को छिपा रखने के लिए

मर्यादा और गम्भीरता का वातावरण बनाए रहते हैं। वे आम तौर से प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी वाले ऊंचे पदों पर पहुंचते हैं तथा सम्मान और यश प्राप्त करते हैं।

आर्थिक दशा

उक्त ग्रहयोग में जन्मे व्यक्ति शायद ही कभी धन को निजी दृष्टिकोण से देखते हों। वे अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए पैसा चाहते हैं और प्रायः प्राप्त कर भी लेते हैं। आपको अपने निजी खर्च के मामले में जल्दबाजी और सट्टेबाजी के जोखिम से बचना चाहिए। हालांकि दूसरे क्या करें, इस बारे में आपको अच्छा अन्तर्ज्ञान रहेगा तथापि स्वयं अपनी ही सलाह पर नहीं चलेंगे। आप ऐसे लोगों के प्रभाव में आ सकते हैं जो आपके बजाय अपने लाभ की बात अधिक सोचें।

जीवन में भाग्य के कारण आकस्मिक विपदाएं आने की सम्भावना है और ऐसी परिस्थितियों के लिए 'सुरक्षित कोष' रखने का प्रयास करना चाहिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सभी मामलों में मानसिक दशा का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता बीमारी के विरुद्ध आपकी लड़ने की शक्ति को तोड़ देगी। आपको उदासी तथा निराशा के दौर पड़ेंगे। आप देर तक परेशान करने वाले जुकाम, सर्दी और दुर्बल रक्त-संचार के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर 7 या 16 मार्च को जन्म होने पर।

आपको शुष्क जलवायु में रहना चाहिए। अधिक से अधिक घर से बाहर रहें, यात्रा करें और सम्भव हो तो हवा बदलें, नहीं तो गठिया और वाय के शिकार हो सकते हैं—विशेषकर पांवों, एड़ियों और घुटनों में।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'आठ' तथा 'तीन' हैं। ये अंक और इनके मूलांकों वाली तिथियां आपके जीवन में बार-बार आएंगी और गम्भीर परिणामों के साथ सम्बद्ध होंगी। अपने निजी लाभ के लिए 'तीन' अंक का काम में लीजिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन अंकों या 'तीन' के मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपका मन अधिकतर गहरे रंगों के कपड़े पहनने को होगा, लेकिन हमेशा बैंगनी, फालसई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र अपने परिधान में अवश्य रखिए।

आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती और काला हीरा। इसके साथ कटैला या नीलम भी धारण कीजिए।

9, 18, 27 (मूलांक 9) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मंगल और गुरु हैं। मंगल के प्रभाव से आपमें अशुभ लक्षणों से लड़ने की शक्ति आएगी। आपका शरीर भी तगड़ा होगा जिससे सम्भावित रोग के प्रतिरोध में सहायता मिलेगी। कभी अपने सोचने और काम करने में जल्द-

चालाकी और आवेश से भी काम लेंगे। स्वभाव कुछ चचल होगा। अशात रहेंगे, अपने धन्धे या वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। उचित विचार किए बिना नयी योजनाओं की ओर दौड पडने की प्रवृत्ति रहेगी।

आपको अपने स्वभाव पर, विशेषकर छोटी-छोटी बातों पर, काबू पाना सीखना चाहिए। अपने आसपास के लोगों और सहकर्मियों के साथ सहिष्णु बनने का प्रयास करना चाहिए।

आपको गुप्त शत्रुओं, बदनामी और झूठी खबरों से काफी नुकसान उठाना पडेगा। यदि मुकदमेबाजी में फसना पडा तो आपके साथ कठोर और अनुचित व्यवहार हो सकता है आप उसके अधिकारी हो या न हो।

व्यापारिक योजनाओं में साझेदारों या सहकर्मियों से अत्यन्त सावधान रहना चाहिए। यदि कोई गडबड हुई तो दोष आपके सिर मढ़ा जा सकता है।

आप रुपये-पैसे के मामलों में अति उदार होंगे, सट्टेबाजी की ओर भी दौडेंगे। आप बहुत महत्वाकाक्षी भी होंगे। अपने को स्वतत्र बनाने की तीव्र इच्छा रहेगी, इस कारण पैसा जमा करने के लिए पूरा दम लगाएंगे और उसमें जोखिम भी उठाएंगे।

कठिनाइयों और दुर्भाग्य में एक सीमा तक आप भारी साहस का परिचय देंगे, किन्तु यदि हिम्मत ने जवाब दे दिया तो उदास और चिडचिडे हो सकते हैं और कोई ऐसा काम कर सकते हैं जिससे बाद में पछताना पडे।

आप उच्च पदस्थ व्यक्तियों को आसानी से मित्र बना लेंगे किन्तु अपने समकक्षों या अपने से नीचे के लोगों में अनेक कटु शत्रु पाल लेंगे।

प्रेम में अनेक कठिनाइयों और निराशाओं का सामना करना पड सकता है और बच्चों के साथ काफी परेशानी हो सकती है।

कभी-कभी शराब पीने या मादक द्रव्यों का सेवन करने की प्रवृत्ति हो सकती है, यह आपकी इच्छा और महत्त्वाकाक्षा पर निर्भर है। रुपये-पैसे को खुले हाथों खर्च करेंगे, अपव्यय भी कर सकते हैं।

व्यापार या उद्योग में लगे होने पर अधिकार के पद पर पहुँचेंगे किन्तु दुश्मन पाल लेने की प्रवृत्ति के कारण उसे अपने हाथों में रख नहीं पाएंगे। सरकारी नौकरी में होने पर काफी ऊचे पहुचेंगे और भारी जिम्मेदारी का कोई पद सम्हालेंगे।

आपका व्यक्तित्व बडा आकर्षक होगा। लेखक, वक्ता, धर्मप्रचारक जैसी किसी भी सार्वजनिक वृत्ति में या किसी बडे आदोलन के नेता के रूप में सफल होंगे। 18 और 27 मार्च की जन्म तिथियां विशेष शुभ हैं।

आर्थिक दशा

यदि आप धनी परिवार में पैदा नहीं हुए हो, आपके जीवन में रुपये-पैसे के मामले में और उतार-चढाव आने की सम्भावना है। सट्टेबाजी या पूजी विनियोग में आप भाग्यशाली नहीं रहेंगे, लेकिन अपने बजाय दूसरों को सदा अधिक लाभ पहुचा

सकते हैं। यदि सम्भव हो तो बुढ़ापे के लिए एक पालिसी खरीद रखें क्योंकि आपमें पैसा बचाने या उसे अपने लिए अलग रख लेने की अधिक इच्छा नहीं है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आप सभी गम्भीर बीमारियों से बचे रहेंगे। लेकिन चालीस की आयु के बाद काया में काफी बदलाव आने की सम्भावना है। यदि इस अवधि में आप स्वास्थ्य का विशेषकर भोजन के बारे में, सावधानी से अध्ययन कर लें तो अपने शरीर को एक और अवधि झेलने के लिए तैयार कर लेंगे। ऐसा नहीं किया तो अनेक गम्भीर रोगों के शिकार हो सकते हैं जैसे जिगर और गुर्दे की परेशानी, अनड़ियों में रुकावट, दिल की कमजोरी। शल्य चिकित्सक के चाकू का भी काफी अनुभव करना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिए। 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियां अशुभ होंगी। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांक वाले होंगे। नौ मूलांक वाली और कुछ सीमा तक 'तीन' तथा 'छः' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग लाल और गुलाबी (मंगल) तथा बैंगनी, फालसई और जामुनी (गुरु) हैं। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामड़ा, पितौनिया और कटैला।

अध्याय 4

अप्रैल

अप्रैल मास मेष राशि के प्रभाव मे है। यह राशि 21 मार्च से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसकी संधि चलती है। 27 मार्च के बाद 19 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर अगले सात दिन तक आगामी राशि के साथ, 'संधि काल' चलने के कारण इसके प्रभाव मे उत्तरोत्तर कमी आती जाती है। आगामी राशि शुक्र के स्वामित्व वाली वृष है।

21 मार्च से 19 अप्रैल तक जन्मे व्यक्तियों मे दृढ इच्छाशक्ति, संकल्प और अपना लक्ष्य पूरा करने का हठ पाया जाता है। वे जन्मजात योद्धा होते हैं। उनमें *बड़े-बड़े व्यावसायिक या जनबहुल संगठनों के संचालन की भारी योग्यता रहती है।*

वे काम करने मे अत्यन्त स्वच्छन्द होते हैं। सभी बातें उनकी अपनी मर्जी की होना चाहिए। हस्तक्षेप होने पर वे प्रायः बाहर निकल आते हैं और दूसरों को काम सम्हालने देते हैं।

जहां तक भौतिक सफलता या अधिकार की बात है, ऐसी कोई ऊंचाई नहीं जहां तक वे न पहुंच सकें। शर्त यह है, कि वे अपने आपे मे रहें। किन्तु सफलता प्राय उनके विनाश का कारण बन जाती है। प्रशंसा और चापलूसी से उनका सिर फिर जाता है। वे सीधे नही देख सकते और अनेक मामलों मे हठ और अहंकार से अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मार बैठते हैं।

उनमे भारी मानसिक ऊर्जा होती है। जिस बात मे भी उनकी दिलचस्पी होती है उसी के बारे मे उनके पास नयी-नयी और मौलिक योजनाएं रहती है। वे अपने मे खोए रहते हैं और केवल कठोर सचाई और तर्क मे ही वे अपने अलावा किसी और के दृष्टिकोण से देख सकते हैं। उनमे सतर्कता का अभाव होता है, स्वभाव से संवेगी तथा काम करने मे जल्दबाज होते हैं।

प्रायः हर बात मे वे अति तक जाते हैं। बहुत पुरे दिल के और मुंहफट होते हैं और व्यवहार कुशलता के अभाव मे दुश्मन पाल लेते हैं। वे अत्यन्त महत्वाकांक्षी होते हैं। जीवन मे प्रायः सफलता प्राप्त करते हैं—या तो सम्पत्ति अर्जित करते हैं या उत्तराधिकार से पदों पर पहुंचते हैं।

हीन भावना वाले अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए युद्ध भी कर सकते हैं। शासक के रूप मे वे नृशंस और अत्याचारी होते हैं तथा प्रायः हिंसक मृत्यु को प्राप्त करते हैं। उच्च भावना वाले अच्छे शासक होते हैं किन्तु साथ ही कठोर अनुशासन-

प्रिय भी होते हैं और दूसरो से कमकर काम लेते हैं । दोनो वर्गों मे भविष्य मे झाकने की स्पष्ट इच्छा होती है और उन्हे प्राय सही पूर्वानुमान का वरदान मिला होता है । वे चाहते हैं कि घर मे, व्यापार मे और कार्यक्षेत्र मे, सभी जगह उन्हे 'मुखिया' समझा जाए ।

इस मास मे जन्मे व्यक्ति प्रेम-सम्बन्धो मे भारी यातना भोगते हैं । वे महिलाओ के मन को शायद ही पढ पाते हो और उनके साथ सम्बन्धो मे प्राय बडी गलतिया कर बैठते हैं । नर-नारी दोनो को सबसे अधिक प्रसन्नता काम करने और बाधाओ पर विजय पाने से मिलती है ।

मगल (ओज) की यह राशि सूर्य का उच्च भाव भी है । इससे मगल ग्रह की आग ऊर्जा और निडरता को व्यक्ति के स्वभाव और भाग्य मे घनीभूत होने मे सहायता मिलती है । युद्ध और कर्म का प्रतीक मगल अप्रैल मे जन्मे व्यक्तियो पर शक्तिशाली प्रभाव डालता है जो लडाकू तत्त्व को प्रखर बना देता है । वे सभी बाधाओ को चीरते हुए अपना मार्ग बनाते हैं अनेक खतरो का सामना करते हैं और अपने जीवन तथा वृत्ति मे अनेक परिवर्तनो का अनुभव करते है ।

इन लोगो का स्वभाव मूलत ओजस्वी, दबग और साहसी होता है और उनमे असामान्य शक्ति होती है । वे प्रतिकूल परिस्थितियो मे भी समर्थ होते हैं । सफलता के लिए उन्हे अपने आवेश पर रोक लगानी चाहिए क्योकि उनमे उचित-अनुचित का विचार किए बिना विवाद मे कूद पडने की प्रबल प्रवृत्ति रहती है । वे प्राय आवेश मे निर्णय करते हैं और तत्काल के लिए भविष्य की चिन्ता नहीं करते । वे दूरदर्शिता के अभाव म नहीं, बल्कि क्षणिक भावना मे बह जाते हैं । साथ ही, यह विरोधाभास मालूम हो सकता है लेकिन वे जन्मजात नेता, साहसकर्ता, व्यावहारिक, उद्यमी और महत्त्वाकाक्षी होते हैं, सदा प्रगति के मार्ग पर रहते हैं और नये विचार का समर्थन करने मे सबसे आगे होते है ।

वे स्वभावत सभी प्रकार की परम्पराओ और अनुशासन से विद्रोह करते हैं । उनका घरेलू जीवन बहुत सुखी नहीं होता बशर्ते कि उनका जीवन-साथी आसानी से उनकी योजनाओ और इच्छा पर चलने वाला न हो । लेकिन जहा तक भौतिक सफलता की बात है, ऐसी कोई ऊचाई नहीं जिसे ऐसे व्यक्ति अटल सकल्प, प्रशासनिक योग्यता और शानदार साहस-शक्ति से प्राप्त न कर सकें ।

आर्थिक दशा

इन लोगों में आमतौर से धन कमाने की अच्छी क्षमता होती है लेकिन धन के प्रति भी लम्बे-चौडे ढर्रों के भाव रहते हैं । जहा तक दूसरो के प्रबन्ध की बात है वे बहुत व्यावहारिक हो सकते हैं लेकिन सभी महत्त्वपूर्ण मामलो मे आवेश से काम करने की प्रवृत्ति रहती है । ध्यान मे आने वाली किसी भी बडी आर्थिक योजना की ओर वे दौड सकते हैं । अपने मनमौजी स्वभाव और लम्बे चौडे विचारो के कारण वे अन्य

आकस्मिक और भारी धनहानि तथा भाग्य म उतार-चढाव के शिकार हो जाते है।

उनमे सम्पत्ति अर्जित करने का दृढ सकल्प होता है किन्तु भाग्य के बजाय बुद्धिमानी से विनियोग, उद्योग तथा व्यापार मे उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। उनमे मुकदमेबाजी और विवादो मे उलझने की प्रवृत्ति रहती है और ऐसे मामलो मे भाग्य उनका साथ प्राय नही देता।

स्वास्थ्य

मगल का प्रबल प्रभाव शानदार स्वास्थ्य और शक्ति देता है, हालाकि अत्यधिक कार्यशक्ति खतरनाक भी हो सकती है। उनकी अधिकाश परेशानिया अतिश्रम से पैदा होती हैं। एकदम प्रतिकूल परिस्थितियो मे और अनुपयुक्त समय पर ही अपने उद्यम से चिपके रहने की जिद बार-बार की निराशाओ के लिए जिम्मेदार होती है। फलस्वरूप चिडचिडाहट और बेसब्री से दिमाग की कमजोरी या स्नायविक थकान पैदा हो सकती है जिससे बाद मे पेट या गैस की परेशानी हो सकती है।

वे बहुत सावधानी नही बरत सकते। उन्हें शान्त और सदा सयम की सीमा मे रहना चाहिए। कभी-कभी हरारत या सूजन की प्रवृत्ति हो सकती है। उन्हे नित्य खुली हवा मे कसकर व्यायाम करना चाहिए और शराब या मादक द्रव्यो से बचना चाहिए।

शरीर के अन्य भागो की अपेक्षा सिर से सम्बन्धित अगो में बीमारी की सम्भावना अधिक रहेगी, जैसे दात, कान और आख मे दर्द, सिर मे खून का दबाव, सिर-दर्द और मिरगी। इस मास म पैदा शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जिसने दुर्घटना या मार-पीट में चोट, घाव या सिर पर काट न खाई हो।

उनमे पेट, गुर्दे और जिगर की बीमारियो की अधिक प्रवृत्ति रहती है। वे पित्ताशय की परेशानी के भी शिकार हो सकते है और आमतौर से डाक्टर के चाकू का काफी अनुभव रहता है।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

उनके सबसे मधुर सम्बन्ध अपनी निजी राशि मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त), धनु (21 नवम्बर से 20 दिसम्बर), के पीछे के सात दिन के सधि-काल और 21 सितम्बर, से 21 नवम्बर तक पैदा हुए लोगो के साथ रहेंगे। 21 अक्तूबर से 21-28 नवम्बर तक मगल (सौम्य) का प्रभाव रहता है, अत 21 मार्च से 19-27 अप्रैल तक (मगल-ओज मे) जन्मे लोगो का उनके प्रति काफी लगाव रहता है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य और मगल (ओज) हैं। यह एक प्रबल योग है जिससे आप अपनी योजनाए और महत्वाकाक्षाए सफलता से पूरी कर सकेंगे। आपके शक्ति-

वाली गुणो का परिचय वृत्ति के प्रारम्भिक काल मे ही मिल जाएगा।

आप अपनी योजनाओ मे अति रचनात्मक और मौलिक रहेगे तथा लक्ष्य-प्राप्ति के लिए भारी निडरता और संकल्प से काम लेंगे। आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे। अपने साथियो से ऊपर उठेंगे। परिवार मे या सम्बन्धियो मे आप सबसे अधिक प्रमुख रहेंगे।

आप साझेदारो के सहयोग के बजाय उनके बिना अधिक सफल होगे। किसी भी प्रकार के अंकुश को नापसंद करेंगे। अपना कानून आप होंगे और फलस्वरूप जीवन-संघर्ष मे जूझते हुए अनेक दुश्मन पाल लेंगे।

यदि मनमानी करने दी गई तो अत्यंत उदार होंगे किन्तु विरोध होने या आप से जरा भी लाभ उठाने का प्रयास होने पर लोहे जैसे कठोर हो जाएगे। आप प्यार के भूखे रहेंगे लेकिन जब तक महत्वाकांक्षा मे अनुकूल बैठने वाले व्यक्ति नही मिलेंगे, इसके लिए तरसते ही रहेंगे। बच्चो के साथ और घरेलू मामलो मे आपका विवाद रहेगा।

आपमे घर से बाहर जीवन बिताने और हर प्रकार के खेल-कूद के लिए बलवती इच्छा होगी। लेकिन बंदूक ले जाते समय अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आग, विस्फोट, मोटरकार दुर्घटना तथा ऐसी ही बातो से काफी खतरा रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलो मे मुख्यत जल्दबाजी और अपने सामर्थ्य से बाहर के उद्यम अपनाने के कारण अनेक उतार-चढ़ाव आएगे। आकर्षक प्रकृति के कारण दूसरो पर, विशेषकर विपरीत लिंगियो पर, आपका भारी प्रभाव रहेगा।

आप कम्पनी प्रोमोटर, उपदेशक, वक्ता, संगठनकर्ता के रूप मे या किसी भी सार्वजनिक जीवन मे सफल रहेंगे। आपमे सदा धन कमाने की योग्यता रहेगी लेकिन अनेक लोगो को अपना कट्टर दुश्मन बना लेंगे।

स्वास्थ्य

आपमे बहुत जीवनी शक्ति और सुगठित काया होगी, हालांकि कभी-कभी अधिक परिश्रम से आप उसे चोट पहुचा सकते हैं। सबसे अधिक खतरा उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी या लकवे मे रहेगा। सादा भोजन कीजिए और शराब तथा उत्तेजना पैदा करने वाले पदार्थों से बचिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' तथा 'नौ' हैं। अपनी योजनाए इन्हीं मूलांको वाली तिथियो पर पूरी कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलांको वाले रहेंगे। 'चार' और 'आठ' के अंक भी आपके जीवन में बार-बार आएगे लेकिन जहां तक हो सके उन्हें टालना ही बेहतर है। उन्हें चेतावनी समझकर काम कीजिए।

'एक', 'चार', 'आठ' या 'नौ' मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य (सुनहरी, पीला, नारंगी,

भूरा) और मगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रग धारण कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं, पुखराज, अम्बर, हीरा, लाल, तामड़ा और अन्य नग।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मगल (ओज) के साथ चन्द्र और नेप्चून हैं। इनके प्रभाव से आपका चरित्र विरोधाभास से पूर्ण होगा। आपमे जबर्दस्त व्यक्तित्व, इच्छाशक्ति और सकल्प होगा लेकिन कल्पनाशील और रूमानी गुणो मे बहने की प्रवृत्ति रहेगी। विचार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे। रचनात्मक और शोधपूर्ण काम के लिए काफी कल्पनाशक्ति होगी।

आप किसी एक ढर्रे से बधे रहना पसद नही करेंगे और अकुश तथा परम्पराओ से विद्रोह करेंगे। यदि रूमानी भावनाओ पर काबू नही पाया तो घरेलू जीवन मे काफी परेशानी अनुभव होने की सम्भावना है। परम्परागत जीवन नहीं अपनाया तो विवाह के सुखद रहने की आशा नही है।

आप हर काम बडे उत्साह से करेंगे लेकिन अपनी राय को इतना आगे तक ले जाएगे कि अतत उससे भला होने वाला नही है। व्यवसाय म अनेक परिवर्तन करेंगे और किसी एक विशेष काम से बधे नही रहेंगे। कोई पद मिल जाए, उससे सतुष्ट नही होंगे।

अधिकारी पदो पर आप दबग, कुशल और आत्मनिर्भर होंगे। राजनीतिक जीवन या सैनिक सगठन मे दिलचस्पी लेने पर आप एक प्रमुख नेता के रूप मे उभर-कर आगे आएगे। ऐसे मामलो मे आपके भाषण या लेख जोशीले रहेंगे। साथ ही बडी सख्या मे लोगों को अपना अनुयायी बना लेंगे। व्यापार या उद्योग मे आपका लक्ष्य प्रमुख बनने का रहेगा और अपने मौलिक विचारो के लिए जाने जाएग।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलो मे आपकी बात का वजन और प्रभाव होगा। साझेदारो ने रोडा नही अटकाया तो आप सफल भी होंगे। लेखक या कलाकार की योग्यताओ का विकास होने पर आपको काफी यश मिलेगा। आप कुछ भी करें, आपका 'दबग व्यक्तित्व' होगा।

स्वास्थ्य

आपका शरीर गठीला होगा। लेकिन उत्तेजना और उत्साह के दौर मे उसमे अत्यधिक काम लेने की प्रवृत्ति रहेगी। आप बुखार और रक्तदोष की बीमारियो, जैसे फोडे-फुसी के शिकार हो सकते हैं। अनेक बार शल्य-चिकित्सक से वास्ता का अनुभव करना पड सकता है। अतडियो को खतरा रहेगा। दात, मसूडे, नाक, कान आदि की बीमारियो से सावधान रहिए। आप अनेक वाहन दुर्घटनाओ के शिकार होगे, दुश्मनो से जीवन का खतरा रहेगा और हत्या या उग्र मृत्यु का भी खतरा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांको वाले होंगे। 'दो' या 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए चंद्र (क्रीम, हरा और सफेद) नेप्चून (मिलेटी) और मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के कपड़े पहनिए। भाग्यरत्न हैं हरा जेड, चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया, उपल, मोती, लाल, तामड़ा और सभी लाल नग।

29 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि वृष का प्रभाव शुरू हो जाएगा जिसका स्वामी शुक्र है। यह मंगल के गुणों को हल्का कर देगा। ऐसे व्यक्ति अधिक आकर्षक और जोशीले होंगे लेकिन विपरीत लिंगियों की पैदा की हुई उलझनें बढ़ जाने की सम्भावना है।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और मंगल (ओज) हैं। यह योग आपको सामान्य से अधिक महत्वाकांक्षी बनाएगा। आप सभी अधिकारी पदों पर सफल, अपने विचारों में बहुत स्पष्ट और कुछ-कुछ तानाशाह होंगे।

संगठन, व्यवस्था और नियंत्रण की आपमें अच्छी योग्यता होगी। कानून का पालन इंसाफ और कठोरता से करेंगे, यहां तक कि दूसरों को उदाहरण पेश करने के लिए जरूरत होने पर अपने निजी सम्बन्धियों का बलिदान करने से भी नहीं चूकेंगे।

आप प्रबल शत्रु और इतने ही प्रबल मित्र बनाएंगे। स्वभाव असाधारण रूप से स्वतंत्र होगा और किसी बंधन या अंकुश को पसंद नहीं करेंगे। घर में हर प्रकार से 'मुखिया' बनकर रहना चाहेंगे, नहीं तो काफी परेशानी और झगड़ा होगा।

अनेक प्रकार से आप चमत्कारी जीवन जिएंगे और ऐसी दुर्घटनाओं तथा खतरों से बच निकलेंगे जिनमें दूसरे लोग मारे जाएंगे।

आपको प्रगतिशील और जोशीला दोनों कहा जा सकता है किन्तु आपमें आम भलाई की उच्च भावना रहेगी। अपने समाज में सम्मान मिलेगा, उच्च पदस्थ व्यक्तियों में आपके प्रभावशाली मित्र होंगे, फिर भी निचले वर्गों के प्रति विशालहृदयता और उदारता का परिचय देंगे।

आपको जिम्मेदारी के पद मिलेंगे। सरकारी पद भी मिल सकते हैं। सेना और नौसेना में जाने पर तेजी से उन्नति होगी और सम्मान मिलेंगे। सम्भावना दो पदों पर रहने की है, एक अपने विशेष व्यवसाय में, दूसरा नगरपालिका या सरकार में।

अपने मनुचित निर्णय और सबके साथ न्याय करने की आंतरिक भावना के कारण आप एक उत्तम न्यायाधीश हो सकते हैं। आपमें साहित्य विज्ञान और गम्भीर अध्ययन के प्रति निश्चित प्रेम होगा। परिस्थितियों में सुधार के लिए आपके नाम

मौलिक विचार होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे। काफी सम्पत्ति अर्जित करने की सम्भावना है। सट्टेबाजी, ठोस संस्थाओं में पूंजी-विनियोग और उद्योग तथा व्यापार खड़े करने के बारे में सावधान रहें।

स्वास्थ्य

आपका शरीर सुगठित होगा। आप बाहरी जीवन और हर प्रकार के खेलों को पसंद करेंगे, लेकिन जानवरों से दुर्घटना का कुछ खतरा रहेगा। कभी-कभी दावतों में उलटा-सीधा खा लेने से तीव्र अपच की शिकायत हो सकती है। अधेड़ आयु में मोटापा चढ़ने और दिल की बीमारी हो जाने की सम्भावना रहेगी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'छ' और 'नौ' हैं। लेकिन अंक 'छ' महत्वपूर्ण होते हुए भी 'छ' अंक से सम्बन्धित व्यक्तियों के साथ काफी परेशानी पैदा कर सकता है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

30 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति अगली राशि वृष के प्रभाव में होंगे, जिसका स्वामी शुक्र है। वे अधिक दयालु, स्नेहशील और उदार होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने तथा भाग्य चमकाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी), शुक्र (नीले) तथा मंगल (लाल) के रंग के कपड़े पहनिए।

4, 13, 22 (मूलांक 4) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और मंगल हैं। यह एक शक्तिशाली, किन्तु कुछ विचित्र योग है जिसमें आपको जीवन में अजीब विरोधाभासों का सामना करना पड़ेगा।

आप सफलता के दौरों और विफलता के दौरों से गुजरेंगे। प्रत्याशित के बजाय प्रायः अप्रत्याशित ही अधिक घटेगा। आप परिस्थितियों के अधीन रहेंगे और भाग्य महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

जब तक किसी ऐसे निर्णय पर न पहुंच जाएं जिसमें जी-जान से जुट सकें, तब तक आप अपनी वृत्ति और योजनाओं में अनेक परिवर्तन करेंगे तथा बेचैनी और अस्थिरता महसूस करते रहेंगे। सच्चे मित्र बनाने में भारी कठिनाई होगी और जिन्हें मित्र बनाएंगे वे विचित्र और असामान्य होंगे। आपके छिपे दुश्मन होंगे और काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा। जहां तक भौतिक जीवन की बात है, आपको कभी चैन नहीं मिलेगा।

आपके विचार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे। अपने निजी धर्म और ध्यान की रचना करेंगे। आप राजतन्त्र होंगे, मशीनों में भी आपकी रुचि होगी,

किन्तु विशेषकर नये ढंग की बिजली की मशीनों, रेडियो, टेलीविजन आदि में।

आपके स्वभाव में कुछ ऐसी बात है कि साझेदारों के साथ आपके अनेक विवाद, टकराव और मुकदमेबाजी होंगी। आपको सलाह देना आसान नहीं होगा क्योंकि जीवन के प्रति आपकी एक खास दृष्टि है। तर्क में आप विरोधी विचार प्रकट करेंगे और आपमें इतनी व्यवहार-बुद्धि नहीं होगी कि जिनसे आप सहमत नहीं हैं, उनके प्रति अपने रोष को छिपा सकें।

कभी-कभी रूखे और मुहफट व्यवहार से लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं, भले ही आपका वैसा आशय न हो। आम तौर से आपको गलत समझा जाएगा, लेकिन आप इसकी परवाह नहीं करेंगे कि कोई आपको चाहता है या नहीं।

आप अध्ययनशील होंगे, अच्छे साहित्य में आपकी गहरी रुचि होगी। अपने हर काम में आप तीक्ष्ण मानसिक शक्ति और ओवटपन का परिचय देंगे।

आर्थिक दशा

आप दूसरों के साथ मिलकर आसानी से काम नहीं करेंगे किन्तु अपने निजी विचारों पर अमल में काफी सफल हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि आपकी ख्याति 'कंजूस' के रूप में हो सकती है।

भविष्य के लिए आप कुछ अधिक ही चिन्तित रहेंगे, इसलिए बुढ़ापे के लिए अच्छी रकम बचा लेने का प्रयास करेंगे। यदि व्यापार में लगें तो शीघ्र अवकाश लेने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में बहुत असामान्य रहेंगे। कभी जमकर काम करेंगे, कभी प्रयास करने को भी मन नहीं होगा। रहस्यमय बीमारियों के, जिनका निदान मुश्किल होगा, शिकार हो सकते हैं। ऐसे में प्राकृतिक जीवन और सादा भोजन से ही मुक्ति मिलेगी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'एक' और 'नौ' हैं। 'आठ' का अंक भी आपके जीवन में काफी आएगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए यूरेनस (सिलेटी और शोख), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) तथा मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए। लेकिन 22 अप्रैल को जन्मे होने पर लाल के बजाय नीले रंगों को काम में लीजिए।

आपके भाग्य रत्न नीलम और नीले नग, पुखराज, पीले हीरे और अम्बर हैं। 22 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों को यथासम्भव फीरोजा और नीलम धारण करना चाहिए।

5, 14, 23 (मूलांक 5) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध और मंगल हैं। यह योग बहुत शुभ भी हो सकता है, बहुत अशुभ भी। यह इस पर निर्भर है कि आप अपनी इच्छाशक्ति और आत्म स्वभाव का किस प्रकार विकास कर सकते हैं।

आप बहुमुखी प्रतिभा वाले, चतुर और बुद्धिमान होंगे किन्तु विचारों को सही दिशा मिलनी चाहिए। उच्चाकांक्षाओं को नियंत्रण में रखने पर ऐसा कुछ नहीं जिस पर काबू न किया जा सके या जिसे पूरा न किया जा सके।

सोचने, बोलने और काम करने में शीघ्रता की प्रवृत्ति रहेगी। जवाब और दलीलें देने में तेज रहेंगे, लेकिन तर्कशक्ति अच्छी होगी और प्रायः सभी विषयों के अनुकूल मन को ढाल सकेंगे। इस प्रकार के नये विचारों को पसन्द करेंगे और आप सड़ियल परम्परा का पालन करने के विरुद्ध सक्रिय विद्रोह की प्रवृत्ति रहेगी।

पढ़ने और इतिहास के गहन अध्ययन में रुचि होगी। तथ्यों और तिथियों को याद रखने की अद्भुत क्षमता होगी। वाणी या कलम के वरदान से दूसरों पर भारी प्रभाव डालेंगे।

इच्छाशक्ति का विकास कर लेने पर भारी जिम्मेदारियों वाले किसी उच्च पद को प्राप्त करेंगे। यदि स्वभाव के अशुभ पक्ष को हावी हो जाने दिया तो बुरे साथियों, सामाजिक अपव्यय, मद्यपान, जुआ खेलने आदि की ओर आकर्षित होंगे और नष्ट जीवन व्यतीत करेंगे।

दूसरों से भारी प्यार और श्रद्धा मिलेगी किन्तु स्वयं अपनी भावनाओं में निरपेक्ष होंगे और प्यार के चक्कर से कुछ दूर ही रहे आएंगे। एक से अधिक विवाह होने और घरेलू जीवन में काफी परेशानी का सामना करने की सम्भावना है।

तत्काल जवाब दे देने और मुंहफटपन से लोग दुश्मन बन जाएंगे, लेकिन सब मिलाकर दूसरों पर आपका उल्लेखनीय प्रभाव रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप स्वयं अपने भाग्य निर्माता होंगे, लेकिन आपकी सफलता पहले आड़े आएगी। यदि आप उच्च धरातल वाले हैं तो, अपने ध्येय के लिए अपेक्षित धन की कभी कमी नहीं रहेगी। लेकिन निम्न धरातल वाले मादक द्रव्यों, शराब तथा व्यसनों में अपने अवसर गंवा देंगे।

स्वास्थ्य

आपके अत्यधिक सक्रिय मस्तिष्क के कारण स्नायु-प्रणाली अत्यन्त संवेदनशील रहेगी। जीवन में स्थिरता न आने का खतरा है। कभी-कभी चेहरे या आंखों में तनाव महसूस करेंगे जो इस बात की चेतावनी होगी कि आप अपनी मानसिक शक्ति की सीमा से अधिक व्यय कर रहे हैं। पाचन अंगों और आंतों में भी गड़बड़ी होने की

आशका है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'पाच' और 'नौ' है। इन्ही मूलको वाली तिथियो को अपनी योजनाए पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे महत्वपूर्ण वर्ष भी 'पाच और 'नौ' मूलाको वाले ही होगे। किसी मास की 5, 14 या 23 तारीख को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए आपको जहा तक हो सके, हलके रगो के कपडे पहनने चाहिए जिनमे लाल-गुलाबी रग की भी कुछ झलक हो। आपके भाग्य रत्न हीरे और लाल और सभी सफेद या चमकीले नग है।

6, 15, 24 (मूलाक 6) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और मगल है। यह एक शुभ योग है जो आपको मगल की शक्ति और उत्साह के साथ शुक्र का मिलनसार और उदार स्वभाव प्रदान करता है। स्वभाव से आप स्नेहालु, प्रदर्शनकारी, सुहृदय और कामी होगे तथा विपरीत लिगियो की ओर आपका भारी आकर्षण रहेगा। आप समाज मे लोकप्रिय होगे, जहा जाएगे मित्र बना लेगे। बहुत उदारमना होगे, और दूसरो की सहायता को पुकार पर दौडे आएगे।

आप धन को दोनो हाथो से खर्च करेगे। घर और पडोस मे उसका अच्छा प्रदर्शन करेगे। आपमे भोग-विलास की ओर आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन अन्यथा मित्रो तथा धन के मामले मे आप भाग्यशाली रहेगे। आपको अपनी उदारता पर नियत्रण लगाने और गरीबो को न त्यागने के लिए सावधानी से काम लेना चाहिए।

छोटी आयु मे ही विवाह की सम्भावना है। तर्क के बजाय भावना मे अधिक बहेंगे। ऐसा विवाह आपके लिए सुखद नही रहेगा। बाद मे दूसरा विवाह अधिक शुभ होगा।

आपको चित्रकारी, सगीत, मूर्तिकला, काव्य या साहित्य जैसी किसी कला मे सफलता मिलनी चाहिए। आपको नाटक और आपेरा मे रुचि होगी और ऐसे धन्धो मे मन रमाना चाहिए।

आप यात्रा के अत्यत शौकीन होगे और दूसरे राष्ट्रो के रीति-रिवाजो तथा परम्पराओं मे आपको गहरी दिलचस्पी होगी।

आर्थिक दशा

जीवन के प्रारम्भिक वर्षो मे धन के मामले मे बहुत भाग्यशाली रहेगे, लेकिन अपव्यय और भविष्य के लिए जमा पूजी रखने के कारण अन्त समय आने से काफी पहले ही स्वय को गरीबी की दशा मे पाएगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आपका सुगठित शरीर होगा। बीमारी से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करेंगे। लेकिन गला, नाक और कान की कमजोरी तथा भयंकर सिरदर्द और चेहरे की बीमारियों से पीड़ित होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक '6', 'तीन' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष '6' और 'नौ' मूलांकों वाले रहेंगे। 'तीन', '6' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और मंगल हैं। यह विचित्र योग आपको बहुत जटिल स्वभाव और बहुत असामान्य जीवन देगा।

आप रहस्यवादी और गुप्त संगठनों के प्रति तथा गुप्त विद्या और अतिभौतिक विषयों के अध्ययन के प्रति भी आकर्षित होंगे और उनकी खोज में जाना चाहेंगे। आपके मन में संगीत के लिए गहरा प्यार होगा और सम्भवतः किसी एक वाद्ययंत्र को बजाने में काफी कुशल भी होंगे।

धर्म और समाज के बारे में आपके मन में बहुत गहरी भावनाएं और मौलिक विचार रहेंगे। आपको न समझने वाले आपको 'पागल' या 'सनकी' कह सकते हैं लेकिन विरोध के बावजूद आप प्रसन्नतापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहेंगे।

आपमें जन्म-स्थान से सुदूर देशों की यात्रा तथा दर्शन की प्रबल इच्छा रहेगी। आपका सबसे बड़ा दोष स्वभाव में अस्थिरता तथा अपने वातावरण को निरन्तर बदलते रहने की इच्छा है।

किसी कला में या आपकी शोधपरक कल्पनाशील योग्यताओं को अभिव्यक्ति देने वाले किसी काम में आप अत्यधिक सफल हो सकते हैं। अपने व्यापार में आप अनेक परिवर्तन करेंगे। नियमित जीवन आपकी प्रकृति के अनुकूल नहीं है। नेप्चून भावनाओं को तेज करता है, लेकिन व्यावहारिकता प्रदान नहीं करता। इसलिए नियमित परम्परागत जीवन अपनाना आपके लिए कठिन होगा।

परोपकारी संस्थाओं में आपकी दिलचस्पी हो सकती है और ऐसे किसी राष्ट्रीय या राजनीतिक काम से सम्बद्ध हो जाएं तो अच्छी सफलता मिल सकती है।

सम्पर्क में आने वाले अनेक व्यक्तियों के प्रति आपको गहरी अरुचि हो सकती है। स्वभाव के इस पक्ष पर नियंत्रण का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपके बारे में काफी गलतफहमी हो सकती है।

विपरीत लिंगियो के बारे मे सपनो तथा भ्रम की दुनिया मे रहने की प्रवृत्ति होगी और अनेक निराशाओ का सामना करना होगा।

आर्थिक दशा

आपके लिए आर्थिक प्रश्न बहुत विचित्र रहेगा। धन के मामले मे सदा काफी अनिश्चितता और उतार-चढाव रहने की सम्भावना है। कभी-कभी अपने खोजी विचारो से भारी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। आपको सट्टेबाजी और जुए से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपकी शारीरिक दशा मे तेजी से परिवतन हो सकते हैं। आप पर वातावरण का काफी प्रभाव पडेगा। आप सर्दी-जुकाम नजला, बुखार, इन्फ्लुएंजा और मलेरिया से अक्सर पीडित होते रहेंगे। जब कभी आप पर असामान्य भार पडेगा, आप बीमार पड जायेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'सात' और 'दो' हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को अपनी योजनायें या कार्यक्रम पूरे कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले होंगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके सबसे भाग्यवर्धक रग नेप्चून (कबूतरी और शोख), चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) और मगल (लाल) के रग हैं।

8, 17, 26 (मूलाक 8) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

8 व 17 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियो के कारक ग्रह शनि और मगल हैं, लेकिन 26 अप्रैल शुक्र की राशि वृष के प्रभाव मे आ जाने से इस दिन जन्मे व्यक्तियो का भाग्य बहुत भिन्न होगा। शनि और मगल का योग बहुत शुभ योग नही है, अत 8 व 17 अप्रैल को पैदा होने पर आपको अपने सभी कामो मे भारी सतर्कता और बुद्धिमानी बरतनी होगी। जीवन के प्रथमार्द्ध मे आकाक्षाओ की पूर्ति के मार्ग मे भारी कठिनाइया और बाधायें आएगी। घर और परिवार के बधन आपका रोके रखेंगे और आपको अनेक लोगो का भरण-पोषण करना पड सकता है।

आप बहुत महत्वाकाक्षी होंगे। परिस्थितियो से जूझने मे झुझलाहट पैदा होगी, लेकिन आपकी सबसे बडी सम्पत्ति आपकी दृढता और सकल्प हैं।

व्यापार और विवाह के साझेदारों के साथ भाग्यशाली रहने की आशा नही है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों मे। आपको काफी विरोध और अप्रसन्नता का सामना करना पड सकता है। बडी आयु में साझेदारिया और विवाह अधिक शुभ रहेंगे।

नये उद्योग शुरू करने और बडे पैमाने पर व्यापार फैलाने के लिए आपके पास अद्भुत विचार और योजनायें रहेंगी। आपकी सबसे बडी कठिनाई दूसरे ऐसे

लोग पाने की होगी जो आपसे सहमत हो सकें। बड़े पैमाने पर काम करने का प्रयास कर सकते हैं। अध्यवसाय, इच्छाशक्ति और संकल्प से अन्त में आपको सफलता मिल सकती है।

आप अपने तक सीमित रहेंगे, लोगों का आसानी से विश्वास नहीं करेंगे, अजनबियों के प्रति बहुत-कुछ सदेहशील होंगे और सदा अपनी बात छिपाए रखने की प्रवृत्ति होगी। आप संग्रहशील होंगे, अलमारियों और ट्रंकों में ऐसी वस्तुएं जमा करके रखेंगे जिनका कभी उपयोग नहीं करेंगे।

8 या 17 अप्रैल को जन्मे लोग आम तौर से नामी डाक्टर, शल्य-चिकित्सक, वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या हर प्रकार के संगठनकर्ता होते हैं।

26 अप्रैल को जन्मे होने पर शुक्र आपके स्वभाव को काफी नरम बना देगा। विरोध होने पर अपने विचारों के लिए अन्त तक लड़ेंगे लेकिन लड़ाई खत्म होने पर अत्यन्त क्षमाशील बन जाएंगे और जल्दबाजी में कहे गए शब्दों पर पश्चात्ताप करेंगे।

आपमें धैर्य का अभाव होगा और जरा में भड़काने पर आप से बाहर हो जाएंगे। आपके अनेक मुकदमों में फंसने की सम्भावना है। आम तौर से वकीलों से काफी परेशानी और निराशा मिलेगी तथा अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे।

अधेड़ आयु तक रुपये पैसे के मामले में भाग्यशाली रहने की सम्भावना नहीं है, लेकिन एक बार भाग्योदय होने पर पिछली सब भरपाई हो जाएगी। भूमि के विकास, अचल सम्पत्ति, मकान आदि से आपको अच्छा लाभ होगा। शुक्र से सम्बन्धित सभी वस्तुएं आपके लिए शुभ रहेंगी, जैसे इत्र का निर्माण, फल फूल की खेती। आप संगीत, चित्रकला और साज-सज्जा की आम कला के भी अत्यन्त शौकीन होंगे।

आपके मुख्य दोष विचारों तथा कार्यों का अपव्यय, हर काम को बड़े पैमाने पर करने की इच्छा, बहुत अधिक जिद्दी होने की प्रवृत्ति, कब झुकना चाहिए या कब में बुद्धि बेहतर है को सीख न जानना है। आपका जीवन विरोधाभासों से पूर्ण होगा।

आर्थिक दशा

आपका अड़ियल स्वभाव सदा आपके पक्ष में एक बड़ी सम्पत्ति होगी, लेकिन बहुत कम व्यक्ति आपको ऐसे मिलेंगे, यदि मिले तो, जिनके साथ मिलकर आप काम कर पाएंगे। दूसरों से सहायता पाने के बजाय आप अपने भाग्य के स्वयं निर्माता होंगे, लेकिन कोई कारण नहीं कि अन्ततः आप सफल न हों और सम्पत्तिवान न बनें।

स्वास्थ्य

आपको कुछ बहुत विचित्र अनुभव हो सकते हैं, जैसे बीमारी का गलत निदान या गलत दवाओं की तजवीज। आपको सभी मादक द्रव्यों, शराब तथा नशीली दवाओं से बचना चाहिए। अपने भोजन की जांच कर अच्छा डाक्टर रखें, नहीं तो भोजन विष, फोड़े-फुंसी, अंदौठ, फोड़ा, त्वचा की शिकायतें, बदहजमी या रक्त विकार हो सकते हैं।

अनेक बार आपरेशन होने की भी सम्भावना है, विशेषकर जबडे, दांत और सिर की हड्डियों के। छोटी आयु मे टॉसिल का आपरेशन हो सकता है। नाक, गला, कान और फेफडा की भी शिकायते हो सकती हैं।

'चार' और 'आठ' के अक आपके जीवन मे काफी महत्वपूर्ण रहेगे। मेरा परामर्श है कि जान-बूझकर इन अको या इन मूलाको वाली तिथियो को अपने काम के लिए मत अपनाइए, किन्तु यदि वे आ ही जाए तो उनसे लाभ उठाइए।

27 अप्रैल को पैदा होने पर शुक्र के अक '6' और सूर्य के अक '1' का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलाको वाले होगे। इन्ही मूलाको वाली और 'एक' तथा 'छ' मूलाको वाली भी तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए मैं आपको जहा तक सम्भव हो, सूर्य के रगो का और उनके बाद शुक्र और मगल के रगो का उपयोग करने का परामर्श दूगा। ये रग हैं सूर्य (सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा), शुक्र (नीला), मगल (लाल)। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, लाल, तामडा, लाल नग, नीलम और पन्ना।

9, 18, 27 (मूलाक 9) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह मगल है। 27 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि वृष के स्वामी शुक्र के प्रभाव मे भी आते हैं।

आप विचारो तथा कार्यों मे अत्यन्त स्वतन्त्र होंगे। सभी अकुशो और किसी भी प्रकार की सीमा लगाए जाने पर आपको सख्त नाराजगी होगी। दूसरो की भावनाओं की चिन्ता किए बिना अपने विचार और राय व्यक्त करने मे आप बहुत मुहफट होंगे। आप शीघ्र आवेश मे आने वाले, झगडालू और क्षणिक आवेश मे विवाद या झगडा मे उलझ जाने वाले होंगे।

हर प्रकार के खेलकूद मे आपको गहरा प्यार होगा। हर अवसर पर आप दुस्साहस की खोज मे रहेगे। भारी जोखिम उठाने को तैयार रहेगे, खतरे मे भी निडर, सभी अवसरो पर लडाई की सच्ची भावना प्रदर्शित करने वाले। आपमे सैनिक जीवन के लिए प्रतिभा होगी, अवसर आने पर एक क्षण की सूचना पर युद्ध के लिए जाने को तैयार रहेगे।

दुर्घटनाओ, चोट, घाव, आग, विस्फोट आग्नेयास्त्र और शल्य-चिकित्सा के खतरे का सामना किए बिना आप कभी रह ही नही सकते। आखो और चेहरे तथा सिर के ऊपरी भाग मे चोट खाने की सम्भावना अधिक रहेगी। घर से बाहर रहना पसद करेंगे। आप पशुओं के प्रेमी होंगे लेकिन उनमें काफी खतरा भी उठाएगे।

आप दूसरे व्यक्तियों के आगे आसानी से घुटने नही टेकेंगे। ऐसी किसी वृत्ति

मे सबसे सपन्न रहेंगे जहा आप अपनी मर्जी के मालिक हो सकें ।

आपमे प्रबल निजी आकर्षण होगा, विपरीत लिंगी आम तौर से आपको पसद करेंगे और औसत से अधिक आपके प्रेम-प्रसग रहेंगे । इन प्रवृत्तियो के बावजूद यदि आप ऐसा साथी पा जाते हैं जो आपकी वीरता के गुणो के कारण आपके दोषो को क्षमा कर सके तो विवाह शुभ रहेगा ।

कभी-कभी आप मद्यपान भी कर सकते हैं, किन्तु शराब से लगाव के बजाय सामाजिक सम्पर्क के प्रेम के कारण ।

आर्थिक दशा

सभी प्रकार के उद्योगो, व्यापार, सगठन या दूसरो की जवा से धन कमाने की आपमे भारी योग्यता होगी । आप कुछ भी काम करना पसद करें, सदा कठिनाइयो से निकलने का रास्ता निकाल लेंगे और आत्मनिर्भर तथा सकल्पवान होंगे । आप निडर और साहसी होंगे । आप निडर और साहसी तो हैं, किन्तु शायद इतने जिद्दी हैं जिससे आपका भला नही होगा । आप हर काम मे बड़े पैमाने पर दाव लगाने वाले होंगे । आप जीवन को गम्भीरता से लेने के बजाय खेल अधिक समझेंगे । आम तौर से अधिकतर जीवन मे भाग्य आपका साथ देगा ।

स्वास्थ्य

आपका शरीर सुगठित और आपमे जीवनी-शक्ति होगी । किसी भी बीमारी से शीघ्र उठ खड़े होंगे । सबसे अधिक खतरा दुर्घटनाओ से रहेगा, विशेषकर आग्नेयास्त्रो, आग, विस्फोट या सड़क-दुर्घटनाओ से । आप उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी और पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'नौ' और 'एक' हैं । सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलाक वाले रहेंगे । 'एक' या 'नौ' मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मगल (लाल) और सूर्य (पीला, सुनहरा, भूरा, नारगी) के रग के कपड़े पहनिए । 27 अप्रैल को जन्मे लोग नीले रग के भी कपड़े पहन सकते हैं ।

आपके भाग्य रत्न हैं—लाल, तामड़ा, लाल नग, हीरा, पुखराज, और अम्बर । 27 अप्रैल को जन्मे लोग फीरोजा और नीले नग भी धारण कर सकते हैं ।

अध्याय 5

मई

मई मास वृष राशि के प्रभाव मे है। यह राशि 19 अप्रैल से प्रारम्भ होती है, किन्तु सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसका सधि-काल रहता है। अत 26 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव दृष्टिगोचर नही होता। उसके बाद 20 मई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि मिथुन के साथ इसका सधि-काल रहने के कारण इसका प्रभाव क्रमश कम होता जाता है। वृष राशि शुक्र का ओज भाव है जो बल-त्रिकोण का पहला भाव भी है। मिथुन राशि का स्वामी बुध (ओज) है और यह राशि वायु-त्रिकोण का पहला भाव भी है।

जैसा नाम से विदित होता है, वृष राशि स्थिर और दृढ स्वभाव, काम के प्रति भारी लगन और दृढ सकल्प प्रदान करती है। 21 मई के बाद इन गुणो मे कमी होती जाती है, अत मई मे शुरू की तिथिया बाद की तिथियो से अधिक ओजस्वी होती हैं।

कुछ मामलो मे यह सबसे अधिक विरोधाभास वाली राशियो मे एक है। इस राशि मे जन्मे लोगो मे वृष या बैल के गुण पाए जाते हैं। जब तक क्रोध या अन्याय से फुफकारें नही, धीरे-धीरे धैर्यपूर्वक अपना काम करते रहते हैं। वे अपने सकल्प मे अडिग रहते हैं और प्राय जिद्दी कहलाते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति उनके प्रेमी स्वभाव को कुरेद सके तो उन्हे सबसे अधिक आसानी से वश म किया जा सकता है।

वे अपनी शारीरिक और मानसिक सहन-शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते है। जब तक सकल्प कायम रहता है कितना भी तनाव सहन कर सकते हैं।

व अत्यन्त सामाजिक होते हैं और सबसे अधिक प्रसन्नता उन्हे अपने मित्रो या प्रेमपात्रो का सत्कार करने मे मिलती है। व उत्तम मेजबान होते हैं, भोजन के बारे मे सुरुचिपूर्ण, और अवसर पडने पर श्रेष्ठ व्यजन तैयार कर सकते है। कलात्मक साज-सज्जा मे निपुण और हर वस्तु को करीने से रखने वाले होते हैं। उनमे नाटकीय प्रदर्शन की गहरी समझ होती है। अवसर के अनुकूल जीवन के मच पर वे कोई भी रूप रख सकते हैं और उसकी भूमिका को पूर्णता से निभा सकते हैं। आम तौर मे वे वास्तव मे कहीं अधिक अमीर समझे जाते हैं और वे अपने हर काम मे कम-अधिक दिखावटी होते हैं।

ये अधिकतर अपनी भावनाओ और सवेदनाओ के वश मे रहते है लेकिन काम मे अधिक प्रेम उन पर हावी होता है।

पुरुषों के आम तौर से चौड़े कन्धे, मोटी गर्दनें और चौड़े माथे होते हैं। महिलाओं के उन्नत उरोज और प्राय: छोटे हाथ-पैर रहते हैं।

स्त्री-पुरुष दोनों अन्तिम सीमा तक उदार होते हैं। जिन्हें चाहते हैं उनके लिए किसी बलिदान को अधिक नहीं समझते किन्तु जिन्हें घृणा करते हैं उनसे मृत्युपर्यन्त टक्कर लेते हैं। वे खुले और धर्मयुद्ध में विश्वास करते हैं, अतः प्रारम्भ में इस प्रकार की क्षति उठाते हैं लेकिन रक्त में एक बार उबाल आ जाने पर समर्पण करना नहीं जानते।

वे अपने वातावरण के प्रति विशेषकर सवेदनशील होते हैं। घटिया और प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने को विवश होने पर प्रायः उदास या दुखी हो जाते हैं।

इस राशि वाले न तो पुरुषों को और न महिलाओं को छोटी आयु में विवाह करना चाहिए। उनका पहला प्रेम-प्रसंग या विवाह आम तौर से गलत रहता है। लेकिन वे जल्दी युवा होते हैं और विवाह भी शीघ्र करते हैं।

पुरुष और स्त्री दोनों प्रेम के मामले में ईर्ष्यालु होते हैं। उनकी ईर्ष्या तर्कहीन कार्यों या आवेश से उपजती है। बाद में उसका ज्वर उतर जाने पर बुरी तरह पछताते हैं। थोड़ी-सी भी सहानुभूति या दया दिखाने पर वे सारा गुस्सा भूल देते हैं। अपने इस स्वभाव के कारण ऐसे काम करते हैं जिन्हें दुनिया मूर्खता कहती है।

किसी ध्येय के लिए नेता के रूप में वे अनुयायियों से प्रेम और लगन प्राप्त करते हैं और प्रायः उन पर भारी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है।

इनमें सामंजस्य, लय और रंग की अन्तर्निहित समझ होती है और वे प्रायः संगीत, काव्य तथा कला में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। लेकिन विचित्र बात यह है कि कुछ खास तिथियों को जन्मे व्यक्तियों को छोड़ वे अपने गुणों या प्रतिभा का पूरा आर्थिक लाभ नहीं उठा पाते।

इस राशि में पैदा हुए लोग अत्यन्त निष्ठावान मित्र, उत्तम सरकारी कर्मचारी, सरकार में या सेना और नौसेना में अधिकारी या प्रमुख बनते हैं। वे अच्छी नर्स व डाक्टर भी बनते हैं। प्रायः सभी को बागवानी, फूलों और घर से बाहर के जीवन के प्रति गहरा लगाव होता है।

आर्थिक दशा

जहां तक धन प्राप्ति का सवाल है, इस मास में जन्म लेना आम तौर से शुभ है। सहकारिता, साझेदारी, सम्पर्कों तथा विवाह से लाभ होने की आशा है। लेकिन गुरु का प्रभाव उन्मुक्त प्रेम की प्रवृत्ति प्रदान करता है और दूसरों की सहायता करने में कुछ कटु अनुभव भी हो सकते हैं।

इन लोगों में धन कमाने और सम्पत्ति जमा करने की प्रबल इच्छा रहती है किन्तु इसके मूल में स्वार्थ उतना नहीं होता जितना आराम का जीवन बिताने और अपने प्रेमपात्रों की सहायता करने का भाव होता है।

महिलाएं आम तौर से सम्पन्न घरानों में विवाह करती हैं लेकिन सामान्यत उनके एक से अधिक विवाह होते हैं। वे अच्छी व्यावसायिक योग्यता और सगठन-शक्ति का परिचय देती हैं तथापि कला-प्रेम को जो उनके स्वभाव का एक मूल गुण है, दृष्टि से कभी ओझल नही होने देती।

पुरुष और स्त्री दोनो के लिए भूमि, खानो तथा खनिजो का विकास विशेष शुभ रहता है। होटल, रेस्तरा जैसे उद्यमो की योजनाए बनाना और उनकी सम्पत्तियो की देखभाल करना भी अच्छा रहता है और उन्हें सफलता प्रदान करता है।

स्वास्थ्य

कारक ग्रह शुक्र प्रचुर मात्रा में जीवनी-शक्ति देता है। उसे सही मार्ग पर और दूसरो की भलाई के लिए लगाना चाहिए, नही तो वह अपना ही भक्षण कर उदासी की दशा पैदा कर सकता है। स्वास्थ्य को सबसे बडा खतरा निष्क्रियता और आरम-रति म है। अन्तिम दिनो में जलोदर की भी आशका हो सकती है, अत भोजन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गुर्दों, गले और जनन-अगो में भी गडबड हो सकती है। ऐसे लोगों को शराब और गरिष्ठ पकवानो से बचना चाहिए।

य लोग नाक तथा फेफडो के ऊपरी भाग की बीमारियो के भी शिकार हो सकते हैं। उनमें गले की खराश, टासिल बढने, डिप्थीरिया आदि की शिकायत होने की भी प्रवृत्ति रहती है। अति श्रम से दिल पर भार पडता है। बिना किसी प्रकट कारण के इन लोगो को मूर्च्छा के दौरे पड सकते है। सिर की ओर बडी मात्रा में रक्त जाने या पक्षाघात होने की भी प्रवृत्ति रहती है। उनकी त्वचा में खरोच बडी जल्दी आती है। नम स्थानो या नम जलवायु में रहने के लिए बाध्य होने पर ट्यूमर और आन्तरिक वृद्धि की भी सम्भावना रहती है।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

अपनी निजी राशि वृष (19 अप्रैल से 20 मई तक), धन त्रिकोण की अन्य दो राशियो कन्या (21 अगस्त से 20 सितम्बर तक) तथा मकर (21 दिसम्बर से 29 जनवरी तक), हर राशि के अन्त में सात दिन के सधि-काल और वृष से सातवी राशि वृश्चिक (21 अक्तूबर से 20-27 नवम्बर तक) की अवधि में जन्मे व्यक्तियो के साथ उनके सबसे अधिक सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रहेगे।

1, 10, 19, 28 (मूलाक 1) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और सूर्य हैं। यह बहुत शक्तिशाली योग है और यदि सोच-समझकर इसे काम में लिया जाए तो आपको काफी सफलता मिल सकती है।

28 मई को बुध (ओज) के स्वामित्व वाली आगामी राशि मिथुन शुरू हो जाता है। अत इस तिथि को जन्म लेने पर आपकी मानसिक शक्ति और भी तेज होगी।

आपको अपने पर काफी भरोसा होगा। आपकी सभी योजनाए रचनात्मक

और मौलिक होंगी। यदि ईर्ष्या या गुप्त प्रयासों से आपको क्रोध न दिलाया जाए तो आप बहुत धैर्यवान तथा विनम्र रहेंगे। लेकिन योजनाओं, आकांक्षाओं का विरोध होने पर कभी-कभी गुस्से से उबल भी पड़ेंगे।

जिस काम में भी लगे हों आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा, किन्तु किसी प्रकार का हस्तक्षेप, चिड़चिड़ाहट या आलोचना आपको सह्य नहीं होगी।

जनता के सामने लाने वाले किसी भी काम में आप सफल होंगे। दफ्तरी या प्रशासनिक काम में ही, जैसे अस्पताल, संस्थानों और बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में आपको सफलता मिलेगी।

आर्थिक दशा

आपका शरीर सुगठित और आपमें प्रचुर जीवनी-शक्ति होगी। कभी-कभी अपनी योजनाओं में अत्यधिक शक्ति लगाने और ठीक से विश्राम या शयन न करने के कारण आप उसे आघात पहुंचाएंगे। जुकाम की उपेक्षा करने से फेफड़े और छाती प्रभावित हो सकते हैं किन्तु स्वच्छ हवा और सूर्य-स्नान से आप ऐसी बीमारियों से बचे रहेंगे।

28 मई को जन्म होने पर स्नायु-प्रणाली अत्यधिक तनावग्रस्त और संवेदनशील हो सकती है।

अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'दो' तथा 'छ' और इन मूलांकों वाली तिथियां हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, नारंगी, पीला, भूरा), चंद्र (हरा, सफेद, क्रीम) तथा शुक्र (नीला) के रंगों का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिए। 28 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के हलके रंगों का प्रयोग कर सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि, जेड और फीरोजा। 28 मई वालों के लिए सभी चमकीले नग।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चन्द्र, नेप्चून और शुक्र (ओज) हैं, लेकिन 29 मई को जन्म लेने पर आप शुक्र के बजाय बुध (ओज) के प्रभाव में आते हैं जो कि राशि मिथुन का स्वामी है। चन्द्रमा अपनी उच्च राशि में होने के कारण आपको अधिक प्रभावित करेगा।

आप कल्पनाशील, रूमानी और कलाप्रिय होंगे। आदर्शवाद, रहस्यवाद, गुप्त विद्याओं और अध्यात्मवाद के अध्ययन की ओर आपका निश्चित झुकाव होगा। ये बातें आपको अपनी ओर आकर्षित करेंगी और आपके जीवन पर काफी प्रभाव डालेंगी।

आप अपनी प्रतिभा को साहित्य, कला, सगीत और नाटक मे व्यक्त करना चाहेंगे।

आप अपने घर को सुन्दर वस्तुओ से सजाने का प्रयास करेंगे। मनोनुकूल वातावरण से आपके सवेदनशील स्वभाव को सन्तोष मिलेगा। आप अपने निवास को कई बार बदलेंगे। आपका मन यात्रा के लिए बेचैन रहा आएगा। लेकिन स्थिर राशि मे जन्म लेने के कारण आपकी इस इच्छा की पूर्ति मे काफी कठिनाई होगी। 20 और 29 मई को पैदा हुए व्यक्तियो के लिए यह कठिनाई इतनी नही आएगी।

दूसरो के दुःख देखकर आपकी सहानुभूति शीघ्र उमड पडेगी। इसमे आपका समय भी खच हो सकता है।

आपका स्वभाव सहज ही मधुरता लिए होगा, अजनबियो को भी आकर्षित करेगा और आप नये वातावरण मे बहुत जल्द रच-खप जाएगे। आपके अनगिनत मित्र होंगे, इतने कि उनसे आपका भला नही होगा, लेकिन आम तौर से आप भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर विपरीत लिंगियो के साथ सम्बधो मे। आपमे अद्भुत अन्त-प्रेरणा होगी और आपके सपने बहुत सच हो सकते हैं।

पृथिवी और उससे पैदा सभी वस्तुए आपके लिए शुभ रहेगी लेकिन आपको बहुत अधिक भोग, मनोरजन और अच्छी-अच्छी वस्तुए पाने को इच्छा से सावधान रहना चाहिए।

आर्थिक दशा

आर्थिक दशा बहुत उतार-चढाव की रहेगी। कभी भाग्य जोर मारेगा। फिर उतना ही समय उतार का रहेगा जिसमे कोई काम ठीक होता दिखाई नही देगा। आपको हर प्रकार की सट्टेबाजी से बचना चाहिए और फिजूलखर्ची की अपनी प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। जनता की निगाहो मे आने वाली किसी वृत्ति मे आप पैसा कमा सकेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले मे आपको नजला-जुकाम और इन्फ्लुएजा से सावधान रहना चाहिए। ये श्वासनली, फेफडो और गले को प्रभावित कर सकते हैं। मध्य आयु मे नाक की हड्डी बढने की या साइनस की बीमारी हो सकती है और सुनने मे कुछ दोष आ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'दो', 'सात' और छ' हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को अपनी योजनाए पूरी कीजिए। 29 मई को पैदा हुए लोगो के लिए अक 'पाच' भी इतना ही महत्वपूर्ण होगा। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' 'सात' 'छ' मूलाक वाले ही होंगे। 'एक', 'दो', 'छ' और 'सात' मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे। 29 मई को जन्मे व्यक्ति 'पाच' मूलाक वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चन्द्र (हरा, सफेद तथा क्रीम), शुक्र (नीला) और

जामुन (कबूतरी तथा गाढ़) रंग के कपड़े पहनिए। 29 मई को जन्मे लोग बुध के रंग के चमकीले कपड़े पहनें।

आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, पन्ना, चन्द्रकान्त मणि, लहसुनिया, मोती, फिरोजा सभी नीले नग। 29 मई वालों के लिए सभी चमकीले नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) मई को जन्म व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और शुक्र (ओज) हैं। यह योग बहुत शुभ है। यदि आप गुस्से या अपने स्वभाव के प्रेम-पक्ष को अधिक हावी न होने दें तो आपको बहुत सफल होना चाहिए। आपको अपनी आकांक्षाओं को खुल-खेलने का अवसर देना चाहिए और सामाजिक या व्यापारिक क्षेत्र में अपने से ऊंचे व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

आप हर अन्याय का विरोध करेंगे और जहां आपकी सहानुभूति होगी वहां संघर्ष में शोषितों का पक्ष लेने की कोशिश करेंगे।

धर्म के बारे में आपके बहुत दृढ़ और स्वतन्त्र विचार होंगे। आप अपना निजी दर्शन बनाना चाहेंगे। अपने सभी विचारों में ओजस्वी और संकल्पवान होंगे तथा अपनी योजनाओं पर अमल में कुछ हठी भी होंगे।

आप कम आयु में ही विवाह करना चाहेंगे, लेकिन सम्भावना यह है कि आप तीन विवाह करेंगे और उनमें तीसरा विवाह सबसे शुभ रहेगा। आपके जीवन में कुछ प्रेम-प्रसंग असाधारण भी हो सकते हैं। आपका स्वभाव हर अर्थ में अत्यन्त कलाप्रिय होगा। आप चित्रकला, संगीत, साहित्य और अनेक प्रकार के जनजीवन में श्रेष्ठता का परिचय देंगे किन्तु आपकी प्रतिभा इतनी बहुमुखी होगी कि आपके लिए यह निश्चय करना कठिन होगा कि आप क्या करें।

घर और मातृभूमि के प्रति आपके मन में गहरा लगाव होगा। आप सदा अपने देश के लिए लाभकारी राष्ट्रीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

आप परोपकारी और धर्मार्थ संस्थाओं की सहायता करेंगे, उनके लिए समय भी देंगे। समाज से आपको सम्मान मिलेगा। अपने सम्प्रदाय के आप अत्यन्त सम्मानित सदस्य होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में डर की कोई बात नहीं। आपके रास्ते में महान अवसर आएंगे। न करने से भी बहुत कुछ कर लेंगे। एकमात्र खतरा यही है कि दांव लगाने की बड़ी-बड़ी योजनाओं में अपने साधन गंवा सकते हैं।

स्वास्थ्य

शुरू के वर्ष बीत जाने पर आपका स्वास्थ्य और शक्ति अच्छी रहेगी। अधिक परिश्रम और सेवा-कार्यों के लिए आपका आह्वान ही आपके स्वास्थ्य के एकमात्र दुश्मन होगे। आपका मूलमन्त्र होगा, 'घिसो लेकिन जग मत लगने दो।' इसीलिए आप दीर्घायु नही भोगेंगे। आपमे फेफडो और गले की कमजोरी की प्रवृत्ति रहेगी लेकिन मध्य आयु तक पहुच लेने के बाद आप उससे पार पा लेंगे।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अक 'तीन' और 'छ' हैं। 30 मई को जन्मे व्यक्तियो के लिए 'पाच' भी महत्वपूर्ण है। अपनी योजनाए इन्हीं मूलाको वाली तिथियो को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले होगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 मई को जन्मे लोगो के लिए 'पाच' का अक भी जोड लेना चाहिए।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) और शुक्र (नीला) के रग धारण कीजिए। 30 मई वालो के लिए बुध के हलके और चमकीले रग भी। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला (अमेथिस्ट), बैंगनी रग के नग और फीरोजा। 30 मई वालो के लिए हीरा और चमकदार नग।

4, 13, 22, 31 (मूलाक 4) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और शुक्र हैं। 31 मई को जन्मे व्यक्ति बुध (ओज) के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के प्रभाव मे आते हैं। यह विचित्र योग है जो सबसे अलग और असामान्य जीवन की सम्भावना देता है। दार्शनिको, लेखको और सगीतकारो के लिए यह योग अत्यन्त शुभ है।

हो सकता है, दुनियावी दृष्टिकोण से आप भाग्यशाली न ठहरें। आर्थिक मामलो मे अनेक परिवर्तन आते रहने की सम्भावना है लेकिन वे हमेशा आकस्मिक या अप्रत्याशित होंगे। आप दूसरे लोगों के विचारो के साथ आसानी से मेल नही बैठा पाएगे और आपके काम तथा विचारो का आम तौर से विरोध होगा। लेकिन आप बाधाओ को चीरने और अवसर के अनुकूल ऊपर उठने मे अपने सर्वोत्तम गुणो का परिचय देंगे।

चितन मौलिक होने के कारण नये विचार और तरीके आपको आकर्षित करेंगे। नये आविष्कार या असाधारण बातें भी, विवाह भी असाधारण होगा, अधिकतर परीक्षण के लिए या किसी खास उद्देश्य के लिए अपने विचारो और राय पर कट्टर होंगे। निष्कर्ष पर पहुचने के लिए पूरा विश्लेपण और समीक्षा करेंगे।

लोगो और वातावरण मे आप बहुत रच-पच नही सकेंगे। अपने तक अधिक सीमित रहेंगे और कम ही साथियों की चिता करेंगे, लेकिन जिन्हे चाहेंगे उनका पूरा

ख्याल रखेंगे।

आपमें बहुत असाधारण कलाकार, लेखक या आविष्कारक बनने की क्षमता होगी, लेकिन आप जो भी करेंगे उस पर आपके गहरे व्यक्तित्व का कुछ-न-कुछ रंग अवश्य रहेगा।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के मामले में आपकी अजीब हालत रहेगी। यहां भी अप्रत्याशित के घटने की सम्भावना है। आपके मस्तिष्क से पैदा मौलिक विचार और योजनाएं दूसरे लोगों के विचारों से मेल नहीं खाएंगी। आप असाधारण ढंग से पैसा कमाएंगे। आप आविष्कर्ता या परम्परा से अलग लेखक, चित्रकार या संगीतज्ञ बन सकते हैं। रोजमर्रा का साधारण काम-काज आपको आकर्षित नहीं करेगा और आपका दूसरों के साथ मिलकर काम करना अत्यधिक कठिन होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की भी विचित्र दशा रहेगी। बीमारी आकस्मिक और अप्रत्याशित होगी। कभी-कभी उसका निदान भी कठिन होगा। जैसे पेट में दर्द और मरोड़, अन्दरूनी घाव, बिना चेतावनी के नजला-जुकाम, इन्फ्लुएंजा, फेफड़ों की सूजन आदि। आपको हलका लेकिन थोड़ी-थोड़ी देर में भोजन करना चाहिए और आम भोजन करने के बजाय यह देखना चाहिए कि आपको क्या खाना अनुकूल बैठता है।

'चार', 'छ', और 'आठ' अंक आपके मामलों में बार बार आएंगे और महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'छ' मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मई वालों के लिए 'पांच' का मूलांक भी महत्वपूर्ण है।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) यूरेनस (सिलेटी और शोख) तथा शुक्र (नीला) के रंगों को धारण कीजिए। 31 मई वाले इसमें बुध के सफेद, क्रीम और हल्के चमकीले रंग भी जोड़ सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं : पुखराज, अम्बर, हीरा, नीलम।

5, 14, 23 (मूलांक 5) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध और शुक्र (ओज) है। मानसिक पक्ष के लिए यह एक शुभ योग है। यह मस्तिष्क को असाधारण गहराई, मौलिकता और सतर्कता देता है। आपमें तर्क करने की अच्छी शक्ति होगी। आलोचना, विश्लेषण और निरीक्षण करने वाले रहेंगे।

आप भावना में बहुत स्वतन्त्र होंगे लेकिन लोगों का और वातावरण का असर

पर किसी तरह का प्रभाव न पडने देकर उनमे बहुत आसानी से रच-खप जाएगे।

आप बहुमुखी काम वाले होंगे और यदि मन मे पर्याप्त दिलचस्पी पैदा कर सकें तो किसी काम मे भी सफल हो सकते हैं।

आप किसी एक वस्तु या व्यक्ति मे आसानी से बंधेंगे नही। फलत जीवन और वृत्ति मे अनेक बार परिवर्तन की सम्भावना भी है।

आप पर आपके विपरीत लिंगियो का काफी प्रभाव होगा। फिर भी विचित्र बात यह है कि आप उनसे स्वतन्त्र रहेंगे। आपके अनेक प्रेम-प्रसग होंगे, लेकिन आप अपने प्रेम पात्रो को बदलते रहेंगे।

आप कम आयु मे विवाह कर सकते हैं, लेकिन ऐसा विवाह अधिक समय तक टिकने वाला नही होगा। उसमे आपकी वृत्ति मे बाधा और निराशा पैदा होगी।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलो मे आप अपने मित्रो के लिए और अपने लिए पहेली बने रहेंगे। आप उलटे-सीधे और असामान्य ढग से पैसा कमाएगे। यदि इरादा करें तो आम तौर से पैसा बनाने और सम्पत्ति जमा करने मे भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर जमीन, मकान या सट्टेबाजी के सम्बन्ध मे। असामान्य वृत्ति अपनाकर दुनिया मे नाम और पद प्राप्त करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य मे आप स्नायविक परेशानियो के शिकार हो सकते हैं। आपको शल्य चिकित्सक के चाकू का भी कई बार अनुभव करना पड सकता है। सिर, चेहरे, दातों और जबडे म चोट लगने की सम्भावना है। जननेंद्रिय कमजोर होगी और सूजन तथा नजले से पीडित होने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन 23 मई को जन्मे लोगो को ये अला-मतें इतना नही सताएगी जितना 5 और 14 मई को जन्मे लोगो को।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'पाच' और 'छ' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहेगे। इन्ही मूलाको को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए बुध (हलके और चमकीले), शुक्र (नीले) और चद्र (हरे, क्रीम व सफेद) के रग के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - हीरा, फीरोजा, पन्ना, हरा जेड और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 (मूलाक 6) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और चन्द्र हैं। आपके लिए आपके स्वभाव का प्रेम-पक्ष सम्बन्धी कोई भी मामला या स्वय मानव-प्रेम सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। इसके लिए आप कुछ भी करने, कोई भी बलिदान देने या कोई भी कठिनाई झेलने के लिए तैयार रहेंगे।

अत्यन्त भावुक, समर्पित, अपने उद्देश्य के लिए उत्साह मे बह जाने वाले होंगे चाहे वह आपको युद्ध या क्रांति मे घसीट ले जाए, चाहे आप धर्मोपदेशक, कलाकार, लेखक का शान्तिपूर्ण मार्ग अपनाएं, चाहे अपने प्रेमपात्रों के लिए केवल अपना कर्तव्य-पालन कर रहे हों। कट्टर उन्माद की इस अन्तर्धारा के बिना आपको जीवन में कोई आनन्द नही आएगा।

आपमे वृषभ और शुक्र के सभी गुण और कमजोरियां अपनी पूरी मात्रा मे होंगी। आप दुहरे शुक्र के प्रभाव मे हैं लेकिन मंगल (सौम्य) की विरोधी दृष्टि उस पर है। आप पूरी गहराई से या तो प्यार करेंगे या घृणा। आपकी भावनाएं आपको देवता बना सकती हैं या शैतान। यदि अपने स्वभाव को अच्छी तरह काबू मे नहीं रखेंगे तो ईर्ष्या से आपको खतरा है। यदि आपका ऐसा खयाल है कि मानवता के भले के लिए क्रांति आपके जीवन का उद्देश्य है तो आप उसके लिए कोई कसर उठा नही रखेंगे। इतिहास मे इसके अनेक उदाहरण हैं—फ्रांसीसी क्रांति के दौरान रोब्सपीरी और मरे, जिन्होंने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए मित्रों का भी खून बहाया। दूसरी ओर फ्लोरेंस नाइटिंगेल का उदात्त उदाहरण है जिसने युद्ध के बीमार और घायल सैनिकों की सेवा-सुश्रूषा के लिए भारी विपदायें झेलीं।

दिल मे सुलगती हुई भावना और उत्साह की आग को काबू मे रखकर आपको किसी ऊंचे आदर्श मे अपने को लगाना चाहिए और दुनिया मे अपनी निशानी छोड़ जानी चाहिए।

आपके स्वभाव का एक अच्छा पक्ष यह है कि आप प्रकृति के गहन प्रेमी होंगे। आप सुन्दर दृश्यों, बागों और फूलों की पूजा करेंगे और अपने घर मे अत्यन्त कला-प्रेमी होंगे। संगीत और हर प्रकार की कलाएं आपको आकर्षित करेंगी और इस दिशा मे आपमे प्रचुर प्रतिभा होगी।

आप अपने मित्रों को आनन्द प्रदान करने मे सुख अनुभव करेंगे। सामाजिक जीवन मे, मेलों, दावतों और हर प्रकार के तमाशों का आयोजन करने मे विशेष सफल होंगे।

आपको बच्चों मे बहुत प्यार होगा। अपने बच्चे न होने पर दूसरों के बच्चों को गोद ले लेंगे। विपरीत लिंगियों के साथ आपकी अनेक दोस्तियां होंगी लेकिन वासना से अधिक उनमें प्रेम और बन्धुत्व की भावना रहेगी। आप अपनी जवानी बनाए रखेंगे और जीवन भर युवा दिखाई देंगे।

आर्थिक दशा

आपको अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे और आम तौर से रुपए-पैसे के मामले मे अधिकतर सौभाग्यशाली रहेंगे। यदि व्यापार मे जाना पड़ा तो जीवन को शान शौकत प्रदान करने वाले उद्यमों मे अधिक लाभ होगा, जैसे घर की साज सज्जा, महिलाओं के शिरोवस्त्र, पोशाकें, फूलों की दुकानें अथवा रेस्तरां या होटल आदि। आपके स्वभाव

का दूसरा पक्ष आपको किसी कलात्मक धंधे की ओर धकेलेगा, जैसे संगीत, चित्रकला, लेखन, रंगमंच या भाषण कला। आप इनमें अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

आप सुगठित काया से जीवन की शुरुआत करेंगे लेकिन भोग-विलास और शान-शौकत से रहने की प्रवृत्ति के कारण अपनी कब्र स्वयं खोदते दिखाई देंगे। बहुत मिठाइयां और गरिष्ठ पकवान खाकर अपने छरहरे बदन को बर्बाद कर लेंगे। चर्बी बढ़ जाने से दिल की बीमारी पकड़ सकती है। बाद के वर्षों में जलोदर की शिकायत हो सकती है। लेकिन इच्छा-शक्ति से इस पर काबू पाना आपके अपने हाथ में है। फेफड़ा, श्वास-नलिका और गले में भी कमजोरी की प्रवृत्ति हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'नौ' और 'छ' है। मेरे 'दो' का अंक बताने का कारण यह है कि चंद्र मई मास में अपनी उच्च राशि में होता है। 'नौ' का अंक इतना शुभ नहीं है क्योंकि वह आम तौर से विरोध में काम करता है।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'छ' मूलांकों वाले होंगे। 'दो', 'नौ' या 'छ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी आकर्षण अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरे, सफेद, क्रीम), शुक्र (नीले) और गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया, जेड, उपल पन्ना, सभी हरे नग और कटैला भी।

7, 16, 25 (मूलांक 7) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चंद्र और शुक्र है। 25 मई को जन्मे होने पर आप बुध (ओज) के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के प्रभाव में भी आ जाएंगे। यह तिथि वृष और मिथुन के संधि-काल में है।

आपके स्वभाव का विनम्र या अधिक स्वप्नदर्शी पक्ष उभरकर आगे आएगा। 25 मई वालों में प्रबल मानसिक गुण अधिक प्रकट होंगे। इन ग्रहों का योग आपको विचित्र वस्तुओं के प्रेम, रहस्यवाद, गुप्त विद्या तथा इन विषयों से जुड़ी बातों की ओर प्रवृत्त करेगा।

कभी-कभी आपको अद्भुत सपने आएंगे, अजनबियों के साथ सम्पर्क में विचित्र अनुभव होंगे, मानव-जाति से सम्बन्धित भावी घटनाओं का इल्हाम होगा।

असामान्य ढंग के आविष्कारों की ओर आपका झुकाव होगा। नये विचारों और वायरलैस, टेलीविजन, रेडियो जैसी वस्तुओं में आपको बहुत सफलता मिलेगी।

किसी प्रकार की एकरसता में आपको आनन्द नहीं आएगा। लेकिन असाधारण कामों में या जन-कल्याण के मानवीय कार्यों से जुड़ी किसी वृत्ति में आप सफलता की भली प्रकार सकते हैं। यदि आपके पास धन कमाने की प्रेरणा उभरना उसे आप निश्चित,

अस्पताल या परोपकारी संस्थाओं की सहायता में लगाना चाहेंगे।

आपके ऐसी गुप्त संस्थाओं या राजनीतिक संगठनों में रुचि लेने की आशा है, जिनका विशाल जनसमुदाय से पाला पड़े। आपको लिखने और बोलने का वरदान होगा जिससे आपको व्यापक क्षेत्रों में पद और महत्त्व मिलेगा।

आप जीवन के सामान्य आनन्दों की परवाह नहीं करेंगे और अपने रहन-सहन के ढंग से लोग आपको अजीब या सनकी समझ सकते हैं।

आप स्वभाव से दयालु और उदार होंगे, लेकिन आप अपने पैसे का क्या करें, इस बारे में आपके अपने विचार होंगे। स्वयं को विवाहित जीवन के अनुकूल ढालने में कठिनाई होगी, और यदि बचना सम्भव हो तो छोटी आयु में विवाह मत कीजिए।

आपमें असाधारण विचारशक्ति होगी और लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या आविष्कर्ता के रूप में सफल हो सकते हैं।

आर्थिक दशा

प्रारम्भिक वर्षों में आपको अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। इसके बावजूद *श्रेष्ठ मानसिक शक्ति की बदौलत, जो भाग्य या अवसर पर निर्भर नहीं होगी,* आप काफी आर्थिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

आम तौर से आप अपने को बहुत शक्तिशाली महसूस नहीं करेंगे और परिश्रम से शीघ्र थकान महसूस कर सकते हैं। अन्तड़ियों के भाग में भी कुछ गड़बड़ी हो सकती है। भोजन के बारे में पूरी सावधानी बरतिए।

आपमें जितना स्नायविक बल, धैर्य और सहनशक्ति होगी उतना शारीरिक स्टैमिना नहीं होगा। कभी-कभी आप पर उदासी छा जाएगी। निराशा के मूड से बचने के लिए नशीली और उत्तेजना देने वाली दवाओं से दूर रहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात', 'दो' और 'छः' हैं। आप अपने कार्यक्रम या योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। 'दो', 'सात' और 'एक' व 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप अधिक आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्चून (कबूतरी, गोंद), चन्द्र (हरे, क्रीम, सफेद) और शुक्र (नीले) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं पन्ना, मोती, चन्द्रकांत मणि और फीरोजा।

8, 17, 26 (मूलांक 8) मई को जन्मे व्यक्ति

शनि, चन्द्र और शुक्र आपके कारक ग्रह हैं। 26 मई को जन्मे व्यक्ति बुध (बोध) के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के सन्धि-काल में पैदा होने के कारण बुध के

प्रभाव मे भी होगे।

आप बहुत असाधारण जीवन और वृत्ति की आशा कर सकते हैं। या तो बहुत भाग्यशाली और शक्तिशाली रहेंगे या इससे एकदम उलटे। आपको 'भाग्य की सन्तान' कह सकते हैं। परिस्थितियां और वातावरण आपके जीवन मे अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

आप दूसरों से स्नेह के लिए लालायित रहेंगे, और जीवन मे बहुत अकेलापन महसूस करेंगे। आप अपनी भावनाओ का प्रदर्शन नहीं करेंगे, उन्हें व्यक्त करने में भारी कठिनाई होगी।

आप दूसरो के लिए, विशेषकर अपने सम्बन्धियो और प्रेम-पात्रो के लिए, भारी त्याग करेंगे, तथापि महसूस करेंगे कि आपको उसका उचित प्रतिदान नही मिला। सम्बन्धी लोग आपको काफी दु ख और हानि पहुचाएंगे। सभी प्रेम-प्रसगो मे आपको अनेक गम्भीर परीक्षणो से गुजरना होगा।

अपनी निजी महत्वाकाक्षाए पूरी करने मे अनेक बाधाए और कठिनाइया आडे आएगी। आप बहुत ऊचा पद प्राप्त कर सकते हैं किन्तु आप पर हमेशा काम का भारी बोझ या दायित्व डाल दिया जाएगा। आपका स्वभाव गहन चिन्तनशील, अपने तक सीमित और निजी वृत्ति के बारे मे सावधानी का होगा।

26 मई को जन्मे लोग व्यक्तियो और परिस्थितियो में अधिक रच-खप सकेंगे।

आर्थिक दशा

कठोर किफायत, सावधानी और बुद्धिमानी से किए गए ठोस पूजी-विनियोग से आपको लाभ होगा, शीघ्र अमीरी के नुस्खों या दाव खेलने से नही। भूमि और खानों के विकास और मकान खडे करने की भी आपमे काफी योग्यता होगी।

स्वास्थ्य

आपका शरीर ठोस और कसा हुआ होगा, लेकिन काफी कुछ उत्साह रहित। आपमे फोडो, आतरिक घावो, अपेंडिसाइटिस, अतडियो मे रुकावट आदि की प्रवृत्ति रहेगी। गठिया के गम्भीर दौरे होने की आशका है। जहा तक सम्भव हो, ऊचे और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्र मे रहने का प्रयास कीजिए।

'चार' और 'आठ' के अक अनक असामान्य तरीको से आपके जीवन मे आते दिखाई देंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाकों वाले रहेंगे। इन्ही मूलाकों वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए मैं आपको सूर्य (सुनहरा, पीला, भूरा, नारगी), चद्र (हरा, क्रीम, सफेद), शुक्र (नीला) के रगो को धारण करने का परामर्श दूगा। आपके भाग्य रत्न हैं तामड़ा हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा जेड, मोती, नीलम और फीरोजा।

9, 18, 27 (मूलांक 9) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मंगल, शुक्र और चन्द्र हैं। 27 मई को पैदा होने पर आप मिथुन राशि के संधि-काल या बुध (ओज) के प्रभाव में भी आ जाते हैं।

यह असाधारण शक्तिशाली योग आपके जीवन को बहुत घटनापूर्ण बनाएगा लेकिन वह अधिकतर दुस्साहस, खतरा, प्यार और रोमांस पर आधारित होगा। इन गुणों के पीछे अच्छा या बुरा, आपका साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और उद्देश्य या संकल्प रहेगा।

आपमें पर्याप्त संगठन प्रतिभा, बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं की इच्छा और धन तथा सम्पत्ति जमा करने की योग्यता है किन्तु साथ ही अपने सभी उद्यमों में आपको भारी खर्च में बंध जाने की प्रवृत्ति है।

आप शक्तिशाली दुश्मन और भारी विरोध पाल लेंगे। कभी-कभी खतरे और हिंसा का भी सामना करना पड़ेगा। आप लम्बी और खर्चीली मुकदमेबाजी के लिए बाध्य होंगे और भारी आर्थिक हानि भी उठा सकते हैं।

यदि अपने पर काबू पा सकें तो अपने महान गुणों का काफी लाभ उठा सकेंगे। लेकिन खतरा यह है कि कहीं मंगल आपको धोखा न दे और आपका जल्दबाजी का स्वभाव आपके निर्णय पर हावी हो विरोध खड़ा न कर दे।

विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होंगे। ईर्ष्या का भी खतरा है। शायद ही आप चोट, घाव और सम्भवतः हिंसक मृत्यु के बिना पूरी आयु भोग सकें। इस योग में साथ पैदा हुए स्त्री और पुरुष दोनों में मद्यपान की प्रवृत्ति होगी, सफलता के बजाए विफलता की अवधि में अधिक।

आपमें बहुत व्यावहारिक गुण होंगे। प्रबंधक, निरीक्षक या किसी दायित्वपूर्ण अधिकारी के पद की भारी योग्यता होगी। सेना, नौसेना या सरकारी कार्य में आप तेजी से उन्नति करेंगे। इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास से अपनी हर महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आप व्यापार में या उद्योग में अच्छा पैसा कमा सकेंगे। अपने जिद्दी स्वभाव पर काबू पा सकें तो पैसा जमा करने के अनेक अवसर भी मिलेंगे, अन्यथा आपका यह स्वभाव खर्चीली मुकदमेबाजी और शक्तिशाली दुश्मनों से आपके अच्छे भाग्य को तबाह कर सकता है।

अपनी संगठन-शक्ति और जनता को प्रभावित करने की योग्यता से आप पैसा बनाएंगे लेकिन व्यक्तियों के साथ निपटने और विवाद टालने में नीति से काम लेना सीखना चाहिए।

आप हाजिर जवाब होंगे और योजनाएं बनाने में दूरदर्शिता का परिचय देंगे लेकिन विनम्र या विरोध होने पर धैर्य खो बैठेंगे। फिर भी आप इन प्रयासों में

पर्याप्त सफलता की पूरी आशा कर सकते हैं।

ये बातें 27 मई को पैदा हुए लोगों पर उतनी लागू नहीं होंगी जितनी 9 और 18 मई को पैदा हुओं पर। 27 मई को सूर्य मिथुन राशि मे प्रवेश कर चुका होता है और मानसिक पक्ष अधिक प्रबल हो जाता है।

स्वास्थ्य

शरीर कसा हुआ और शक्ति से भरपूर होगा। लेकिन आपको अनेक बार शल्य-चिकित्सक के चाकू का अनुभव करना होगा। सिर, चेहरा, दांत, जबड़े, जननेंद्रिय प्रभावित होंगे। अपेंडिक्स भी निकालना पड सकता है। दुर्घटना, आग, विस्फोट आदि का भी खतरा होगा। पशुओं, बाहरी जीवन और नये स्थानों की खोज के शौकीन होंगे, किन्तु उनमे काफी खतरा भी रहेगा।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' और 'छः' हैं। घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलांको वाले रहेंगे। इन्ही मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने लिए मंगल (लाल), शुक्र (नीला) और चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) के रंग के कपड़े पहनिए। 26 मई को जन्मे लोग हलके चमकीले रंगो के कपड़े भी पहन सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामड़ा, लाल नग, फीरोजा, पन्ना, हरा जेड, चन्द्रकांत मणि, हीरा और 27 मई वालो के लिए सभी चमकीले रंग भी।

अध्याय 6

जून

21 मई से मिथुन राशि आरम्भ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि वृष के साथ इसका संधि काल चलता है, अत 28 मई तक यह पूर्ण प्रभाव में नही आ पाती। उसके बाद 20 जून तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कर्क के साथ सात दिन तक के संधि-काल मे इसके प्रभाव मे उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

21 मई से 20-27 जून तक जन्म लेने वाले व्यक्तियो मे मिथुन राशि के गुण पाए जाते हैं। वे बहुत-कुछ दुहरे स्वभाव और मानसिकता वाले होते हैं। उनका दिमाग तीक्ष्ण, बहुमुखी और प्रतिभाशाली होता है। सभी राशियो वालो मे उन्हे समझ पाना सबसे कठिन होता है। वे सोचने मे तेज होते हैं और जहा कुशाग्र बुद्धि की आवश्यकता होती है, वे अपने सभी प्रतिद्वन्द्वियो को पीछे छोड देते हैं।

समाज को वे अपनी बातो से मोह लेते हैं। यदि उनके उस समय के मूड को देखें तो उनसे मिलकर आपको सबसे अधिक प्रसन्नता होती है। लेकिन यह आशा करना व्यर्थ है कि आप उन पर कोई गहरा प्रभाव डाल सकेंगे या वे अपने वादे का पालन करेंगे। हा, उनका मतलब सधता हो तो दूसरी बात है।

अपने दिल मे वे यही समझते हैं कि वे न बदलने वाले और वफादार हैं। उस क्षण के लिए यह बात ठीक भी हो सकती है, लेकिन हर क्षण का उनके लिए अलग अस्तित्व है।

उनके सामने यदि कोई योजना रखी जाए तो वे शीघ्र ही उसकी एक-एक बात को हृदयगम कर लेते हैं या फिर अपने तर्कों, व्यग्य वाणी या आलोचना से उनकी बखिया उधेडकर रख देते हैं। यदि वे एक बात पर जमे रहने मे अपनी इच्छाशक्ति का उपयोग करें तो जो भी काम करेंगे उसी मे बहुत शानदार सफलता प्राप्त करेंगे।

जहा तक धन कमाने की बात है, इस अवधि मे पैदा हुए कुछ लोग सट्टेबाजी मे, शेयरो मे, कम्पनी प्रोमोटरो के रूप मे, अथवा व्यापार मे नये आविष्कारो या नये विचारो से लाभ उठाने मे सबसे अधिक सफलता प्राप्त करते हैं। वे कूटनीतिक वार्ताओं मे, लोगो से भेंटवार्ता करने मे, देश-विदेशो मे घूमने मे और अजनबियो को मोहने मे भी ठीक रहते हैं।

प्रेम-प्रसगो मे वे सबसे बडी पहेली होते हैं। एक ही क्षण मे हसकर प्यार कर सकते हैं और गैर वफादार भी हो सकते हैं। उनके प्राय दो परिवार होते हैं और

अपनी अद्भुत व्यवहार-कुशलता के कारण पकड़े जाने से भी प्राय बचे रहते हैं।

वे मित्रो का खूब सत्कार करते हैं और उस घडी जो भी उनके ख्यालो मे हो उसके प्रति दयालु और उदार भी होते हैं, लेकिन आख से ओझल होते ही वह दिमाग से भी गायब हो जाता है। उनके भुलक्कडपन के दौरो को सिर्फ इसी प्रकार समझा जा सकता है। -

वे अति सवेदनशील और चचल रहते हैं। पैसा पास हुआ और घूमने की सुविधा हुई तो कभी एक जगह नही बैठेंगे। वे गति से प्यार करते हैं। वे एक्सप्रेस गाडियो, तेज मोटर कारो, विमानो और दूरी तथा समय की बचत करने वाले अन्य साधनो के सबसे बडे ग्राहक होते हैं।

उनके जीवन मे प्राय उतार-चढाव आते रहते हैं लेकिन उनका उन पर अधिक प्रभाव नही पडता। एक क्षण उदास होते हैं, दूसरे क्षण उतने ही प्रसन्न हो सकते हैं। वे अपनी वृत्ति के दौरान कई बार जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलते हैं। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के प्रति उनकी भावना या प्रेम मे बदलाव आए तो ऐसा समझना चाहिए कि वह व्यक्ति उनके लिए मर चुका। वे प्राय सफलता की घडी मे ही अपनी महत्वाकाक्षा का त्याग कर देते हैं। अपना दायित्वपूर्ण पद भी बडी आसानी से केवल इस कारण छोड देते हैं कि उसमे दिलचस्पी नही रही।

ग्रह-योग और मिथुन मे सूर्य की स्थिति पूरे स्वभाव पर बुध का शक्तिशाली प्रभाव डालते हैं, उन्हें बौद्धिक मानसिक शक्तिया प्रदान करते हैं और साथ ही स्वभाव को दुर्बोध और गूढ बनाते हैं। ऐसे लोग विविधता की अतृप्त प्यास लिए हुए होते हैं। और दैनिक जीवन की एकरसता तोडने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। उनका मन इतना चचल रहता है कि उस एक ही समय मे अनेक दिशाओ मे अभिव्यक्ति चाहिए।

ये लोग काम पूरा होने पर शायद ही कभी सन्तुष्ट होते हो क्योकि उनमे बाद मे अपने ही किए काम की कडी आलोचना करने की प्रवृत्ति होती है। वे प्राय किसी प्रगतिशील आदोलन मे प्रमुख स्थिति पा जाते हैं किन्तु आम तौर से दो व्यवसाय अपनाते हैं, एक जनता के मतलब का और दूसरा अपने मतलब का।

आर्थिक दशा

इन लोगो की आर्थिक दशा को बता पाना कठिन है। बुध मूलत मन का ग्रह है। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि मन किस दिशा मे सक्रिय होता है। हो सकता है कि केवल बौद्धिक वस्तुओ की ओर ही मन की प्रवृत्ति हो, जैसे विज्ञान, कला, साहित्य, सगीत आदि। इस दशा मे व्यक्ति की महत्वाकाक्षाए उसे इनमे से किसी मे श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए विवश कर सकती हैं।

लेकिन यदि मन धन-सग्रह की ओर दौडता है तो व्यक्ति शीघ्र धन कमा पाने वाले कामो की ओर प्रवृत्त होगा। व्यापार, विशेषकर सट्टेबाजी, उसे आक-

पित करेंगे। खतरा यह है कि इस अवधि में पैदा हुए पुरुष या स्त्री अपनी सफलता से कभी सन्तुष्ट नहीं होंगे और पैसा कमाने के चक्कर में सीमा से बाहर निकल जाएंगे। इसी प्रकार मन यदि बुद्धि-पक्ष की ओर दौड़ता है तो व्यक्ति अपनी सारी शक्ति खर्च कर स्नायविक टूटन तक पहुंच सकता है जिससे प्रयास जारी रखने को आघात पहुंचेगा। दोनों दशाओं में परिणाम एक ही होगा—प्रयास का रुकना और फलस्वरूप आर्थिक अनिश्चितता।

यदि स्वभाव को ठीक से काबू में रखा जाए तो ऐसा समय आना जरूरी नहीं। लेकिन खतरा तो है ही।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में भी यही बात है। उसमें भी केवल 'शरीर पर मन के प्रभाव' का सवाल है। यदि व्यक्ति सफल और प्रसन्न है तो वह बीमारी को चकमा दे देगा। यदि नहीं, तो वह स्नायविक प्रणाली से सम्बन्ध रखने वाली हर प्रकार की बीमारियों का शिकार हो सकता है।

ये लोग शायद ही कभी शरीर से तगड़े होते हों। वे अपने स्नायुओं के भरोसे रहते हैं और स्नायविक शक्ति को खर्च करते रहते हैं। वे बिजली की बैटरियों की तरह हैं जिन्हें समय-समय पर चार्ज करने की जरूरत होती है। यदि वे ठीक से सोकर ऐसा कर सकें तो स्नायविक टूटन के खतरे से बच सकते हैं।

उनमें हकलाने, जिह्वा में रोग होने और कुछ मामलों में कैटेलेप्सी की प्रवृत्ति रहती है। फेफड़े कमजोर हो सकते हैं और प्लूरिसी *तथा निमोनिया* आसानी से होने का खतरा रहता है। छाजन, खुजली और रक्त की बीमारियां भी हो सकती हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इन लोगों के लिए विवाह, सम्बन्ध या साझेदारियां शायद ही कभी सफल रहती हों। हां, अपवाद हो सकते है, जैसे सभी नियमों के होते हैं। सफलता की सबसे अधिक सम्भावना अपनी निजी राशि मिथुन (21 मई से 20 जून), तुला (21 सितम्बर से 20 अक्तूबर), कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी), इनके पीछे के सात दिनों के सन्धि-काल और अपने से सातवीं राशि धनु (21 नवम्बर से 21-28 दिसम्बर) में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेगी।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस और बुध (ओज) हैं। 28 जून को जन्म लेने पर मिथुन के बजाय आप कर्क राशि के क्षेत्र में और उसके स्वामी चन्द्र के प्रभाव में आ जाते हैं।

आप अत्यधिक दयालु और सहानुभूति दिखाने वाले होंगे। सहानुभूति और

प्रशंसा से आसानी से प्रभावित हो जाएंगे, जिससे आपका प्रायः अहित भी होगा। बहुत संवेदनशील, आदर्शवादी और मुखर कल्पनाशील योग्यता वाले होंगे।

आपका दिमाग बहुत तेज होगा और किसी आपात स्थिति के लिए सदा तैयार रहेगा। आप महत्वाकांक्षी होंगे और अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने में आपको भारी कठिनाइयों से गुजरना होगा।

एक ही समय में आपके दो व्यवसायों में लगे होने की सम्भावना है लेकिन आप अपने ढंग से काम करेंगे क्योंकि दूसरों का हस्तक्षेप सहन नहीं कर सकते। आप दुहरे स्वभाव के होंगे और दूसरे लोगों के लिए आपको समझना कठिन होगा।

आप चंचल, हमेशा गतिशील और यात्रा तथा परिवर्तन की तीव्र इच्छा लिए रहेंगे। इसके बावजूद विज्ञान की सभी समस्याओं में गहरी दिलचस्पी लेंगे। आप अच्छा तर्क करने वाले और बाल की खाल निकालने वाले होंगे। आप अध्ययनशील भी होंगे और स्वयं को लेखक के रूप में अभिव्यक्त करना चाहेंगे। आपके मन में सुखद घरेलू जीवन की इच्छा होगी और उसके लिए पूरा प्रयास भी करेंगे लेकिन इसमें भारी कठिनाइयां आने की सम्भावना है।

आप हर समय किसी-न-किसी काम में लगे रहेंगे और बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे। 28 जून को पैदा होने पर आपका व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक होगा और अपने विचारों में असाधारण रूप से स्वतन्त्र होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक सफलता के लिए, लेकिन अपने ही मानसिक प्रयासों से आपके ग्रह-योग बहुत अच्छे हैं। शेयरों और उद्योगों के उतार-चढ़ाव के बारे में आपको इल्हाम हो जाया करेगा। सट्टेबाजी और दाव लगाने की ओर आपका प्रबल झुकाव होगा। अपने निजी विचारों और अन्तःप्रेरणा पर चले तो सफल होने की भी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

आपका शरीर तगड़ा न होकर—दुर्बल और मोटा न होकर छरहरा होगा। आप अपने स्नायुओं से काम लेंगे और कभी-कभी अत्यधिक परिश्रम से बैटरी की तरह चुक लेंगे। तब फिर से शक्ति लाने के लिए विश्राम और निद्रा की आवश्यकता होगी। आपको अपच के अलावा कोई खास बीमारी नहीं होगी। बचपन में फेफड़ों में परेशानी की भी शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' 'चार' और 'पांच' हैं। सबसे महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 28 जून को जन्मे व्यक्ति 'दो और सात' मूलांकों वाले व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी), यूरेनस (सिलेटी) और बुध (हलके चमकीले) के रंगों के कपड़े पहनिए। 28 जून को जन्मे लोग हरे, विशेषकर हलके हरे रंग के कपड़े भी पहन सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम और चमकीले नग। 28 जून वालों के लिए चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया और मोती भी।

2, 11, 20, 29, (मूलांक 2) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध (ओज) के साथ चन्द्र और नेप्चून हैं। 29 जून को जन्म लेने पर बुध के बजाय आप चन्द्र के प्रभाव में आते हैं।

आपमें अधिक नम्र और कल्पनाशील गुणों की अधिकता रहेगी। आम तौर से नए विचारों को ग्रहण करने के लिए तैयार रहेंगे। आप उदार विचार वाले और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले हैं।

लड़ाई-झगड़े या युद्ध से आपको स्पष्ट घृणा होगी। आप कूटनीति से या बातचीत से झगड़े निपटाने में कुशल होंगे, लेकिन प्रायः कठिन परिस्थितियों में फंस जाएंगे। आपको कूटनीति या कला से जुड़ा व्यवसाय अपनाना चाहिए।

पुस्तकों, साहित्य और इतिहास से आपको गहरा प्रेम होगा। आप बहुत यात्राएं करेंगे और अनेक बार स्थान तथा निवास बदलेंगे। साहित्य में सफल हो सकते हैं।

सामरस या व्यापारी का जीवन आपके अनुकूल नहीं होगा। आजीविका के लिए लेखकों के या कलाकारों के लिए लिखा-पढ़ी करना, स्वयं साहित्य-रचना, विशेषकर कल्पनाशील ढंग का, आपके लिए ठीक रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप बहुत समझदार नहीं हो सकते। आप 'धन खींचने' के काम के नहीं हैं। आप मानसिक, बुद्धिजीवी वर्ग के हैं और यदि तत्काल जरूरतें पूरी करने लायक पैसा मिल जाए तो धन की अधिक परवाह नहीं करेंगे। आप सपनों की दुनिया में रहने वाले आशावादी वर्ग में हैं, किन्तु अवसर आपके सपने सच में बदल जाने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

यह योग आपको बहुत ताकत या शारीरिक दृष्टि से मजबूत होने का आश्वासन नहीं देता। पेट का ऊपरी भाग कमजोर होने की सम्भावना है। भोजन पर ध्यान देना और सोच समझकर खाना ठीक रहेगा। इससे आप गम्भीर बीमारी से बचे रहेंगे और लम्बी आयु भोग सकेंगे, हालांकि बहुत ताकतवर कभी नहीं रहेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक योजनाएं और आकांक्षाएं पूरी करने के लिए 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'पांच' मूलांकों वाले रहेंगे। 'दो,

'पांच' और 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को, और 'एक' तथा 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को भी, पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र, (हरा, क्रीम, सफ़ेद), नेप्चून (कबूतरी, शोख) और बुध (हलके चमकीले) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - जेड, चन्द्रकान्त मणि, लहसुनिया, मोती, नीलम, हीरा और चमकीले नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध (ओज) के साथ गुरु हैं। 30 जून को जन्मे व्यक्ति कर्क राशि के प्रभाव में आते हैं जिसके स्वामी चन्द्र और नेप्चून हैं।

आपका सबसे प्रमुख गुण अपने काम को सफलता तक पहुंचाने की आकांक्षा होगा। इसने काफी ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं, फिर भी कभी सन्तुष्ट नहीं होंगे। अन्त तक उस दिशा में सोचते रहेंगे।

आपमें पर्याप्त संगठन कुशलता है। आप बड़े व्यापार के प्रमुख या सरकारी नगरपालिकाओं, बड़े निगमों आदि के अधिकारी रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। छोटे तौर पर यात्री या किसी व्यापारिक सम्मान के प्रतिनिधि के रूप में और नये आविष्कारों का प्रचार कर सफल होंगे।

आप जहां जाएंगे दोस्त बना लेंगे और लोगों को शीघ्र प्रभावित कर लेंगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर लेंगे। किसी भी विषय पर बोल सकते हैं।

आपके दिमाग में आविष्कार का रुझान है। विमान यात्रा, वायरलेस, टेली-विजन या खोज सम्बन्धी सभी मामलों में आपके दिलचस्पी लेने की सम्भावना है। इनमें और साहित्यिक तथा वैज्ञानिक कार्य में आपको भाग्यशाली रहना चाहिए। आप गति से प्रेम करेंगे।

आर्थिक दशा

आपको आसानी से धन कमाने, सम्पत्ति जमा करने और ऊंचे पद प्राप्त करने की स्थिति में होना चाहिए, लेकिन आपको कभी सन्तोष नहीं होगा और सदा कुछ ऐसी बात की लालसा करते रहेंगे जो आपकी पहुंच से बाहर होगी। रुपए-पैसे के मामले में आप अत्यन्त उदार होंगे। परोपकारी संस्थाओं को पैसा देकर और अपने सम्बन्धियों तथा समुरालियों की सहायता कर जमा-पूंजी कम कर लेने की प्रवृत्ति रहेगी।

स्वास्थ्य

अधिक परिश्रम या थकान से आपमें स्नायविक टूटन की प्रवृत्ति रहेगी। आप शीघ्र बीमार पड़ जाएंगे लेकिन उतनी ही जल्दी ठीक भी हो जाएंगे। भारी सिरदर्द

मानसिक रोगों, फेफड़े मे गड़बड़ या श्वास लेने मे आम परेशानी से आप पीड़ित हो सकते हैं। आखो के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। चश्मा पहनना पड़े तो बदलते रहिए जिससे आखो पर जोर न पड़े। आपका बदन इकहरा होगा। आप लम्बे समय तक थकान अनुभव करते रहेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'पाच' हैं। 30 जून को जन्मे व्यक्ति 2-6 अंक का भी काम मे ले सकते हैं। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' मूलांको वाले होंगे। 3 मूलांक वाली तिथियो को जन्म लेने वालो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 जून को जन्मे व्यक्ति दो-सात मूलांको वालो के प्रति भी आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई जामुनी) और बुध (हलके चमकीले) के रंगो को धारण कीजिए। 30 जून वाले हल्के हरे रंग के वस्त्र जोड़ सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला, बैंगनी नग, हीरे और चमकीले नग। 30 जून वालो के लिए कटैला और बैंगनी नग के साथ मोती, चन्द्रकांत मणि और लहसुनिया।

4, 13, 22 (मूलांक 4) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध (ओज) के साथ यूरेनस और सूर्य हैं। यूरेनस और बुध के प्रभाव से आपका जीवन असामान्य रहने की सम्भावना है। आपका अलग व्यक्तित्व होगा। आप खास लोगो या वस्तुओ को ही पसन्द करेंगे। आकस्मिक और अप्रत्याशित घटनाएं आपके जीवन मे सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगी।

आप अपने सभी कामों मे भारी मौलिकता का परिचय देंगे। नयी खोजो, नये विचारो, समाज-सुधार और असामान्य अध्ययन के लिए आपको अद्भुत अन्तःप्रेरणा या ज्ञान प्राप्त होने की सम्भावना है। आप बिजली, टेलीविजन टेलीफोनी, वायु तथा विमान-यात्रा सम्बन्धी खोजो जैसे विषयो की ओर आकर्षित होंगे। सरकारी समस्याओ और सामाजिक प्रश्नो के बारे मे आपके विचित्र विचार होंगे।

आपको विमानो, तूफानो, बिजली और हवा से जुड़ी सभी वस्तुओ से खतरा हो सकता है।

जब तक अपनी जैसी विचारधारा वाला साथी ही न मिले विवाह आपके लिए शुभ रहने की सम्भावना नही है।

आपके रहस्यवाद की किसी शाखा की ओर आकर्षित होने की सम्भावना है। ऐसा हुआ तो साहित्यिक कृतियो द्वारा और सम्भवत भाषणो द्वारा भी, आप उसे जनता के सामने ला सकेंगे।

सम्बन्धियो की ओर से आपको काफी चिढ और परेशानी होने की सम्भावना है। बहुत स्वतन्त्र स्वभाव के होने के कारण आप उनसे अलग होकर रहना पसन्द करेंगे आपको काफी मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ेगा। सम्भव हो तो इन मामलो

आर्थिक दशा

आप कुछ अजीब और अनिश्चित हालत में रहेंगे। आप अकस्मात् धन प्राप्त कर सकते हैं लेकिन उसे हाथ में रख पाने की सम्भावना नहीं है। आपके विचार आपकी अपनी पीढ़ी से बहुत आगे होंगे। आपमें दाव खेलने की इच्छा होगी लेकिन आम तौर से आप पिछड़े लोगों की सहायता करना चाहेंगे।

आपके सबसे अच्छे अवसर बिजली सम्बन्धी खोजों, वायरलेस, रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन, सिनेमा, कोई असाधारण इमारत बनाने में और साहित्य या अत्यन्त कल्पनाशील रचना में भी हैं।

स्वास्थ्य

आपके तगड़े होने की सम्भावना नहीं है, लेकिन रहस्यमय बीमारियां होंगी। आप डाक्टरों की बातों में आसानी से नहीं आएंगे और बार-बार उन्हें बदलेंगे। दवाओं के प्रति अत्यन्त संवेदनशील रहेंगे। जरा-सी दवा भी शरीर पर बड़ा असर करेगी। अपने पर अनेक प्रयोग करेंगे, विशेषकर मानसिक उपचार में। आप नये ढंग के अच्छे डाक्टर बन सकते हैं लेकिन आपके बारे में काफी विरोध और गलतफहमी होगी। अब गए, अब गए, वाली स्थिति में रहने पर भी आपके दीर्घजीवी होने की आशा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'पांच' हैं। 'तीन' का अंक और 'तीन' मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए लोग भी आपके जीवन में अक्सर आएंगे लेकिन विरोध की परिस्थितियों में अधिक। आप इस 'अंक' को काम में लाने से बचिए। 'आठ' के अंक को भी टालिए।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'पांच' मूलांकों वाले होंगे। 'चार', 'पांच' और 'एक' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और यूरेनस (सिलेटी व खाकी) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - नीलम, हीरे, और सभी सफेद या चमकीले नग।

5, 14, 23 (मूलांक 5) जून को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह दुहरा बुध होने से इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों पर बुध का प्रभाव दुगना हो जाता है।

आपका दिमाग अत्यन्त चंचल, साधन सम्पन्न और तत्काल सोचने तथा अमल करने वाला होगा। आप धीमी गति से आगे बढ़ेंगे और एकरस काम को नापसन्द करेंगे। आपके लिए ऐसे साझेदार या सहयोगी पाना कठिन होगा जिनके साथ आप जमकर काम करें। फलस्वरूप यह आशा करनी चाहिए कि आपका जीवन या वृत्ति अनेक बार परिवर्तनों से प्रभावित होगा। शीघ्र धन कमाने की सभी योजनाएं आपको

आकर्षित करेंगी, विशेषकर जब आप जून के मध्य में पैदा हुए हों।

आपका रुझान सट्टेबाजी में होगा। आप शेयरों में या ऐसे व्यापार में जोखिम उठाना चाहेंगे जिसमें तत्काल पैसा आने का आश्वासन रहे। कभी आपको भारी सफलता भी मिलेगी, और फिर अनेक दुर्भाग्यों से पाला पड़ेगा। फलस्वरूप, यदि आप सम्पन्न परिवार में पैदा नहीं हुए हैं और सम्पत्ति दूसरों के नियन्त्रण में नहीं है तो आपको दुर्दिनों के लिए, जो आने ही हैं, पैसा बचाकर रखना चाहिए।

आप अत्यंत चंचल होंगे। कई बार घर बनाएंगे लेकिन उनमें अधिक काल तक टिकेंगे नहीं। आपमें यात्रा की बलवती भावना होगी, एक क्षण की सूचना पर चल देने के लिए तैयार रहेंगे और सबसे तेज वाहन पकड़ेंगे। विमान, एक्सप्रेस गाड़ी और तीव्रगामी कारों से चलना आपकी नियति का अंग होगा। गति के लिए हर क्षण जीवन को खतरे में डालने को तैयार रहेंगे। कई बार बाल-बाल बचेंगे, लेकिन आम तौर से ऐसे मामलों में भाग्यशाली रहेंगे।

लोगों में आपकी दिलचस्पी अधिक समय तक नहीं रहेगी। अपनी मित्रता में अति उदार होंगे, लेकिन आपका मुख्य गुण 'आंखों से दूर मन से दूर' होगा।

आप दुहरे स्वभाव वाले होंगे। प्रायः सदा दो या अधिक कामों में उलझे रहेंगे। आप एक ही साथ दो व्यक्तियों को प्यार करेंगे और यह निश्चय नहीं कर पाएंगे कि किसे अधिक प्यार करते हैं। जीवन में किसी समय दो परिवार रखने और दो विवाह करने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

शीघ्र सोचने वाला आपका कुशल दिमाग भारी अवसर प्रदान करेगा। कभी आपके बहुत सम्पन्न होने की आशा और कभी इसका ठीक उलटा। जब पैसा होगा, आप दोनों हाथों से लुटाएंगे। जब नहीं होगा तो विपन्नता में ही गुजारा कर लेंगे। दरअसल, आपको सबसे बड़ा खतरा यही है कि स्वभाव से आप दूसरे व्यक्तियों और परिस्थितियों में तत्काल रच-खप जाते हैं।

यदि आप अपने स्वभाव पर काबू पा सकें तो जिस उद्यम, उद्योग या काम से सम्बद्ध होंगे उसी में आसानी से सफलता प्राप्त करेंगे। यह उन सभी लोगों के लिए बहुत शुभ ग्रहयोग है जिन्हें जनता की निगाह में आना होता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन आप स्वयं होंगे। आपका शरीर उत्तम किन्तु अति संवेदनशील होगा। आप हर प्रकार से अपनी शक्ति का बहुत अपव्यय करेंगे। चलते रहने के लिए कभी-कभी उत्तेजक दवाओं का भी प्रयोग करेंगे जो आपके पाचन अंगों को हानि पहुंचाएगी। आप कायदे-कानूनों से घृणा करते हैं, इसलिए अपनी चर्या में नियमित नहीं होंगे। दिन-रात में कभी भी खाते रहते हैं और जब मिल

जाए, सो सकते हैं। इस प्रकार आप अपने शानदार स्वास्थ्य को चौपट कर सकते हैं।

आपको स्नायुओं की परेशानी, पलकें झपकाने, जिह्वा या बोलने में कुछ दोष, रक्त में गड़बड़ी, खाजन और त्वचा की बीमारियां हो सकती हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक पांच है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे।

आपको बुध के हलके चमकीले रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हीरा और सभी सफेद चमकीले नग हैं।

6, 15, 4 (मूलांक 6) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। जहां तक जनता की निगाहों में आने की बात है, यह एक बहुत शुभ ग्रह योग है। आप एक से अधिक स्रोतों से धन प्राप्त करेंगे और आपके जीवन में बड़े-बड़े अवसर आएंगे।

इस ग्रहयोग वाला एक वर्ग निश्चित रूप से कल्पनाशील होता है और संगीत, कला या साहित्य में और अच्छे वक्ता या धर्म प्रचारक के रूप में सफल होता है।

आप सफलता और यश की आशा कर सकते हैं किन्तु भाग्यवाद की अन्तर्धारा के साथ, जो कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के दौर से गुजारेगी।

आपमें प्रबल आकर्षण है। विपरीत लिंगी आपकी ओर सबसे अधिक आकर्षित होंगे। आपके अनेक असाधारण प्रेम-प्रसंग और रोमांस होंगे तथा आपका जीवन घटनापूर्ण रहेगा। आप किसी प्रकार के अंकुश को पसंद नहीं करेंगे। आपमें स्वतंत्रता की तीव्र उत्कंठा और अपने साथियों को ऊपर उठाने की आकांक्षा रहेगी।

आर्थिक दशा

रुपए पैसे के मामले में आपके भाग्यशाली रहने की अधिक सम्भावना है। आपको अनेक उपहार और सम्पत्ति विरासत में मिलेगी।

स्वास्थ्य

आपके अति संवेदनशील स्नायुओं से पीड़ित होने की सम्भावना है। कभी-कभी हे फीवर, श्वास नलिका में सूजन और दमे की शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छः' और 'पांच' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और शुक्र (नीले) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, पन्ना, फीरोजा, सभी नीले और चमकीले सफेद नग।

7, 16, 25 (मूलांक 7) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चंद्र और बुध हैं। आपका स्वभाव दूसरों के विचारों के लिए अति ग्रहणशील होगा, हालांकि अपने स्वभाव के इस पक्ष को आप तानाशाही ढंग से छिपाने की कोशिश कर सकते हैं। दिल में आप असाधारण आदर्शवादी, संवेदनशील, उदात्त विचारों वाले, काव्य-प्रतिभा के धनी, स्वप्नदर्शी और भावी घटनाओं का पूर्वाभास पा जाने वाले होंगे।

रहस्यवाद के प्रति आपमें गहरा आकर्षण होगा। इस दिशा में आपके अनेक असामान्य अनुभव रहेंगे। आपकी आकांक्षाएं आम नहीं होंगी। वे इतनी प्रबल होंगी कि अपने आस-पास के व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकेंगी।

आप नये विचारों के किसी रूप, मनोविज्ञान, झाड़-फूंक और ऐसे अध्ययनों में ठीक रह सकते हैं। इन पर अच्छी तरह बोल या लिख सकते हैं या इन गुणों को आम लोगों से छिपाकर रख सकते हैं।

आपमें लम्बी यात्राओं के लिए, विशेषकर जलमार्ग से, प्रबल उत्कंठा रहेगी। समुद्र, नदी या झील के निकट रहना आपको सबसे भला लगेगा। इस महयोग में पानी में दुर्घटनाओं या डूबकर मृत्यु की भी काफी सम्भावना है।

सांसारिक दृष्टि से, निकट सम्बंधियों द्वारा पैदा की गई परेशानियों के कारण पारिवारिक जीवन काफी अस्त-व्यस्त रहने की सम्भावना है। विवाह में बहुत शुभ होने की आशा नहीं। ऐसे मामलों में आपके बारे में काफी गलतफहमी रहेगी।

आपको जितना हो सके, बुढ़ापे के लिए पैसा बचाकर अलग रख लेने का प्रयास करना चाहिए। आपको धड़्यन्त्रकारी बेईमान लोग धोखा दे सकते हैं।

आप प्रकृति के हर रूप से प्यार करेंगे। कला में आपकी गहरी रुचि होगी। और आप विचित्र तथा सुन्दर वस्तुओं का संग्रह करना चाहेंगे।

25 जून को कर्क राशि के संधि-काल में जन्म लेने पर आपमें खून में और भी अधिक घुमक्कड़ प्रवृत्ति होगी और आप परिवर्तन तथा समुद्र यात्राओं से प्रेम करेंगे।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के मामले में विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। आपके लिए वसीयत में छोड़ा गया धन कोई धोखा देकर आपसे ले लेगा और आपको अपना उचित भाग मिलने में कठिनाई होगी। आर्थिक दशा बहुत अनिश्चित रहेगी। आपको सट्टेबाजी के फेर में कभी नहीं पड़ना चाहिए, जो कुछ पास हो उसे सावधानी से बचाकर रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

मन के शरीर पर प्रभाव से आपको कुछ विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। चिन्ता या दुखद वातावरण से पेट और पाचन अंग शीघ्र गड़बड़ा जाएंगे। समस-

समय पर निराशा और उदासी की प्रवृत्ति आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। आप जुकाम, फेफड़ों की कमजोरी और दुर्बल रक्त-संचार के शिकार होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'पांच' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आप आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद), बुध (हलके चमकीले) और नेप्च्यून (कबूतरी) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, हीरा।

8, 17, 26 (मूलांक 8) जून को जन्मे व्यक्ति

बुध (ओज) के साथ शनि आपका कारक ग्रह है। 26 जून को पैदा होने पर आप कर्क राशि के संधि काल में आते हैं और उसके गुण आपके स्वभाव में प्रमुखता से रहते।

आपमें भाग्यवादी गुण अधिक प्रकट होंगे। आपके सभी काम प्रबल व्यक्तिवाद से प्रेरित रहेंगे। आप बहुत-कुछ भाग्य की संतान' रहेंगे और आप पर ऐसी परिस्थितियों तथा दशाओं का प्रभाव होगा जिन पर आपका बहुत कम या बिलकुल काबू नहीं होगा।

आपके दुर्भाग्यपूर्ण कानूनी मामलों में फसने की सम्भावना है और यदि आप अधिकतम सावधानी नहीं बरतेंगे तो वे आपके विरुद्ध जा सकते हैं। आप दुष्प्रचार, बदनामी और गुप्त शत्रुओं से अपना बचाव करने के लिए बाध्य होंगे तथा पड़ोसियों, सजातीयों और निकट सम्बन्धियों के साथ परेशानी में उलझेंगे। आप महसूस करेंगे कि संकट-काल में बहुत कम मित्रों पर आप भरोसा कर सकते हैं।

यदि आप बंधनकारी वातावरण से मुक्त हो सकें और दूसरे लोगों के मामलों से स्वतन्त्र हो जाएं तो आप पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं, विशेषकर विज्ञान गणित, गम्भीर साहित्य में और दर्शन या किसी धर्म के अध्ययन में।

अपने व्यवसाय या ध्येयपूर्ति में आपका अकेले रहना ही अच्छा है क्योंकि दूसरे लोग आपको काफी गलत समझेंगे।

अपने विषय के आप गहन चिन्तनशील छात्र होंगे। हर बात में बाल की खाल निकालेंगे। छोटी छोटी गलतियों से काफी चिढ़ महसूस करेंगे। आप नये विचारों के शौकीन होंगे लेकिन आपके विचार आपके आस-पास के लोगों से अलग रहेंगे। परेशानियों और गलतफहमियों के बीच अपने को शान्त रखने के लिए आपको जीवन के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जहां तक सम्भव हो, विमान से यात्रा को टालिए।

आर्थिक दशा

धन के बारे में आप समय और सतर्कता से काम लेंगे। व्यापार में धीर-गम्भीर उपाय पसन्द करेंगे और धीरे-धीरे तथा कुछ कष्ट के साथ भी, पैसा बचाएंगे। आप अपने में सीमित रहेंगे और बहुत कम लोगों का विश्वास करेंगे। सावधानी के बावजूद आपको हानि उठानी पड़ेगी और जहां रहेंगे वहां नौकरों तथा भाड़े पर रखे लोगों द्वारा चोरी के शिकार हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्नायविक प्रणाली आपको सबसे अधिक परेशान करेगी। क्रोध, चिन्ता या निराशा के प्रभावों में आप शीघ्र अस्त-व्यस्त हो जाएंगे और आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

अन्तड़ियों में गड़बड़, रक्त में विष और नशीली वस्तुओं से पीड़ित हो सकते हैं। हरी शाक-सब्जियां खूब खाइए और ढेर-सा पानी पीजिए। आप सिर-दर्द से भी पीड़ित हो सकते हैं। आंखों की ठीक से देखभाल कीजिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'आठ और 'चार' हैं लेकिन आपको यथासम्भव उनसे बचने का प्रयास करना चाहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आपका लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे काले रंगों के वस्त्रों से बचिए और हल्के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं : काला मोती, काला हीरा, काला नीलम।

9, 18, 27 (मूलांक 9) जून को जन्मे व्यक्ति

बुध (ओज) के साथ मंगल आपका कारक ग्रह है। यह योग आपको गहरी, तीक्ष्ण बुद्धि प्रदान करेगा लेकिन मानसिक रूप से आपको झगड़ालू और बहस करने वाला बना सकता है। आप मुंहफट होंगे और वाग्बाणों से चोट पहुंचाकर लोगों को शत्रु बना लेंगे।

आप आविष्कारक, यान्त्रिक और विलक्षण बुद्धि वाले होंगे। रसायन, गणित और विज्ञान से आपको प्रेम होगा। आपमें डायनमो जैसी बिजली रहेगी जिसकी चिनगारियां चारों ओर छिटकती दिखाई देंगी।

लेखन और आम अभिव्यक्ति में अपनी साफगोई और व्यंग्य शैली से आप काफी विरोध पैदा कर लेंगे। सम्बन्धियों से आपका तनाव रहेगा और भाइयों, बहनों तथा परिजनों से परेशानी। आप बहुमुखी प्रतिभा वाले और कुशल होंगे, किन्तु लीक पर चलना आपके बस का नहीं होगा। आप स्वतन्त्रता-प्रेमी होंगे और किसी भी अंकुश का विरोध करेंगे।

आर्थिक मामलो मे अनेक बार उतार-चढाव आएगे लेकिन कोई बात आपको देर तक निराश या प्रभावित नही कर सकेगी। प्रतिकूल परिस्थितियो मे भी आप भारी साहस से काम लेंगे • आप लडाई मे हार सकते हैं लेकिन हर बार मुस्कुराते हुए उठ खडे होगे।

विपरीत लिंगियो के साथ आपके अनेक प्रसग और परेशानिया रहने की सम्भावना है। आप कानूनी विवादो मे फसेंगे और अपनी अधीरता तथा जल्दबाजी मे उनमे हार सकते हैं।

आर्थिक दशा

आवेशी स्वभाव के कारण बिना सावधानी से सोचे-समझे आप योजनाओ की ओर दौड पडेंगे। लेकिन जोखिम या सयोग वाले आविष्कारो या व्यापार मे अनेक प्रकार से भाग्यशाली हो सकते हैं। काम करने के ढग पर आपके पास कुशल मौलिक विचार होगे, लेकिन आसानी से साझेदार न मिल पाने के कारण आपकी अनेक उत्तम योजनाए धरी ही रह जाएगी। यदि भविष्य के लिए सावधानी से व्यवस्था नही की तो बुढापा कष्ट मे कट सकता है।

स्वास्थ्य

बीमारी के बजाय दुर्घटना के शिकार होने की सम्भावना अधिक है। कमर, कधो, बाहो और हाथो को चोट आएगी। बिजली, हर प्रकार के मोटर, वायु सम्बन्धी दुर्घटनाओ और 27 जून को पैदा होने पर पानी से भी खतरा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'नौ' और 'पाच' हैं। 27 जून को पैदा होने पर 'दो-सात' का भी प्रभाव रहेगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' और 'नौ' मूलाक वाले रहेंगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति लगाव होगा। 27 जून को पैदा होने पर 2-7 मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढाने के लिए मगल (लाल) और बुध (हलके चमकीले) के रग के कपडे पहनिए। 27 जून वाले हरे और सफेद रग के भी। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामडा, लाल या गुलाबी नग, हीरा तथा चमकीले नग। 27 जून वाला के लिए इनके साथ चद्रकात मणि, मोती और लहसुनिया भी।

अध्याय 7

जुलाई

जल त्रिकोण की पहली राशि कर्क 21 जून को प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि मिथुन के साथ इसका संधि-काल रहता है। अतः यह 28 जून तक पूर्ण प्रभाव में नहीं आती। उसके बाद 20 जुलाई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि सिंह के साथ इसका संधि-काल प्रारम्भ हो जाता है और सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है। संधि-काल में पैदा हुए व्यक्ति दोनों राशियों के गुण ग्रहण कर लेते हैं, अस्त होती राशि और उदित होती हुई राशि के।

प्राचीन काल में इसे कर्क राशि इसलिए कहा गया क्योंकि इस समय सूर्य आकाश में कर्क (केकड़े) की भांति गति करता हुआ आगे बढ़ता और पीछे हटता दिखाई देता है।

21 जून से 27 जुलाई तक कर्क राशि के दौरान पैदा हुए व्यक्ति अपने सभी कामों में मेहनती और उद्यमी होते हैं किन्तु उनके भाग्य में अत्यन्त शुभ और अत्यन्त अशुभ रहने की प्रवृत्ति होती है। शेयरों पर दाव लगाने में वे प्रायः हानि उठाते हैं जबकि सीधे-सच्चे प्यार में सर्वाधिक सफल हो सकते हैं। फिर भी आम तौर से उनमें सट्टेबाजी की प्रबल भावना होती है और प्रायः अपने स्वभाव की इस प्रवृत्ति के कारण वर्षों के कठोर परिश्रम से जमाए व्यापार को चौपट कर बैठते हैं।

'कर्क' के प्रतीक की भांति वे काम और विचारों में प्रायः आगे बढ़ते हैं, पीछे हटते हैं। एक निश्चित योजना या वृत्ति में वे एक खास बिन्दु तक पहुंच जाते हैं और फिर अत्यन्त नाजुक क्षण में रुककर या पीछे मुड़कर सभी को आश्चर्य में डाल देते हैं।

यदि उन्होंने प्रारम्भिक जीवन में अपनी सट्टेबाजी की प्रवृत्ति को काबू में नहीं किया और धन बचाकर उसे आगत काल के लिए सुरक्षित नहीं रखा तो आम-तौर से उनके जीवन में रुपए-पैसे के मामलों में भारी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति प्रायः बहुत ऊंचे पदों पर पहुंचते हैं या भारी यश प्राप्त करते हैं और प्रचार की चकाचौंध से बच नहीं पाते। लेकिन पारिवारिक जीवन में उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और शायद ही कभी प्रसन्नता में डूबते हों, बाहर वालों की निगाह में वे कितने ही सफल क्यों न दिखाई दें।

आम तौर से वे बड़ी-बड़ी योजनाओं का सपना देखने वाले होते हैं। दूसरों के

कल्याण के लिए वे बडे-बडे आदर्शों को कायम करते हैं किन्तु यदि उनका विरोध और आलोचना हो तो उनके मन को भारी आघात पहुचता है और उनके मन की हो जाने तथा स्वय को अपने कटघरे मे बन्द कर लेने की सम्भावना है।

हालाकि उनका स्वभाव बहुत स्नेहालु होता है, तथापि वे शायद ही कभी इसका प्रदर्शन करते हो। उन्हे गलती से रूखा और भावनाहीन समझ लिया जाता है। उनमे अपने निजी लोगो, पारिवारिक रीति-रिवाजो और परम्परा के लिए भारी प्रेम होता है।

उनमे बहुत कल्पनाशक्ति होती है और वे प्राय उत्तम कलाकार, लेखक, सगीतज्ञ या नाटककार बनते हैं। कुछ खास तिथियो को पैदा हुए लोग व्यापार या उद्योग का भी सगठन करते हैं। आम तौर से उनकी स्मरणशक्ति तेज होती है और वे हर प्रकार का ज्ञान अपने मस्तिष्क मे समेट रहते हैं। वे उत्तम मनोविश्लेपक बनते हैं या गुप्त विद्याओं, धर्म या किसी असाधारण जीवन-दर्शन मे गहरी दिलचस्पी पैदा कर लेते हैं।

आर्थिक दशा

नेप्चून तथा चन्द्र का प्रभाव उनके जीवन मे अनेक अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा। दूसरो के छलपूर्ण वातावरण अथवा कम पूजी पर बडी आय का प्रलोभन देने वाली कम्पनियो तथा सिंडीकेटो द्वारा आर्थिक क्षति के प्रति उन्हे सतर्क रहना चाहिए। उन्हे आर्थिक लेन-देन मे बहुत सावधान रहना चाहिए। ऐसे कागजो, करारो, समझौतो आदि पर, जिनमे जरा भी अनिश्चय का तत्व हो, हस्ताक्षर करते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

उन्हे बडे विचित्र ढग से या विचित्र व्यक्तियो के सम्पर्क से आर्थिक लाभ होगा। वे प्राय किसी एकदम अप्रत्याशित सूत्र से धन प्राप्त करते हैं और विचित्र साधनो से धनवान बनते हैं। उन्हे तेल-शोधन, कोयला, जहाजरानी, रेडियम, प्लेटिनम बिजली, पुरावस्तुओ, क्यूरियोज आदि मे पैसा लगाने और दवाओ तथा द्रवो के आयात मे प्राय सफलता मिलती है। सार्वजनिक जीवन और दायित्वपूर्ण पदो पर भी। जन उपयोग की बडी-बडी कम्पनियो और ऐसोसिएशनो मे पैसा लगाना आम तौर से अच्छा रहता है लेकिन ऐसे सस्थानो पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आम जनता की आवश्यकताए पूरी करते हैं।

इस अवधि मे पैदा व्यक्ति प्राय अन्वेषक और खोजकर्ता के रूप मे और भूमि तथा खानो के विकास मे सफल रहते हैं।

स्वास्थ्य

उन्हे अपने भोजन के बारे मे विशेष सावधान रहना चाहिए, क्योकि पाचन अग और पेट की सूजन, गैस की परेशानी, अन्दरूनी फोडे, कैंसर और जलोदर के वे शिकार हो सकते हैं। चन्द्र का प्रभाव शरीर को कमजोर बनाता है किन्तु इच्छाशक्ति

से इस कमजोरी पर काबू पाया जा सकता है। अधिक भावुकता के कारण अधिकांश बीमारियां अनियन्त्रित भावनाओं और उदास कल्पना से पैदा होंगी।

भविष्य की चिंता और भय से बचना चाहिए। इन लोगों को गठिया, रक्त-संचार ठीक से न होना, सर्दी-जुकाम, फेफड़ों की कमजोरी आदि का भी डर रहेगा।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इन लोगों के सबसे मधुर सम्बन्ध अपनी निजी राशि कर्क (21 जून से 20 जुलाई) जल त्रिकोण की दो अन्य राशियों—वृश्चिक (21 अक्तूबर से 20 नवम्बर), तथा मीन (19 फरवरी से 20 मार्च) और इन राशियों के पीछे के सात दिन के संधि-काल में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस, नेप्च्यून और चन्द्र हैं। यह ग्रह-योग आपकी वृत्ति या पद में अनेक परिवर्तनों का स्थान देता है। आपके अनेक विचित्र अभियान और अनुभव होंगे तथा आप पर अपने वातावरण का भारी प्रभाव पड़ेगा।

आप अपने घर और परिवार से काफी बंधे हुए होंगे। आपके काम आत्मा की आवाज पर होंगे और आप अपने देश के प्रति भक्ति भावना रखने वाले होंगे। इस ग्रह-योग में जीवन में ख्याति का अच्छा आश्वासन मिलता है।

आप स्वभाव से शांत और अपने तक सीमित लेकिन बहुत संवेदनशील होंगे। प्रकटतः इससे विपरीत आप चाहें या न चाहें, आपका काफी नाम होगा। आपमें पैसा जमा करने की प्रबल भावना रहेगी, सम्पत्ति के प्रति प्रेम के बजाय उसके संरक्षण के लिए अधिक।

दिल से आप गहन धार्मिक स्वभाव के होंगे, लेकिन दिखावे के धर्म के बजाय सीधे-सादे धर्म की ओर आपका ध्यान होगा। धनवान बनने पर आप सादगी से रहेंगे और धन को मानव कल्याण की बड़ी-बड़ी संस्थाएं खड़ी करने या उनकी सहायता करने में लगाए जाने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

आर्थिक रूप से इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के दो स्पष्ट भिन्न वर्ग हैं एक लुढ़कते पत्थर के समान चपल प्रकृति के जो एक बात या एक स्थान पर टिककर नहीं रह सकते। घुमक्कड़पन उनके खून में होता है, वे यात्रा और परिवर्तन के बिना तथा किसी भी कीमत पर दुस्साहसिक अभियान के बिना नहीं रह सकते। ऐसे लोगों को उनकी आंखों की चंचलता, हर समय हाथ पैर हिलाते रहने और शांति से न बैठ पाने से आसानी से पहचाना जा सकता है। उनका शायद ही भला होता हो।

दूसरे वर्ग के लोग ठीक इसके उलट होते हैं—शांत, अपने तक सीमित, घर और परिवार के प्रति भारी प्रेम प्रदर्शित करने वाले। कभी-कभी वे यात्रा पर भी

निकलते हैं लेकिन किसी खास उद्देश्य में। वे बोलते कम हैं, काम ज्यादा करते हैं।

ये दो विरोधी वर्ग अन्य किसी राशि की अपेक्षा इस राशि मे अधिक मिलते हैं। चंचल प्रकृति वालो के लिए रुपए-पैसे की हमेशा कठिनाई रहेगी। दूसरी प्रकृति वालो के लिए यह एक समस्या होगी जिसे वे धैर्य और ईमानदारी से हल कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपमे काफी जीवनी-शक्ति होगी, फिर भी ऊपर से बहुत तगडे दिखाई नही देंगे। पाचन अंगो और आंतो मे परेशानी हो सकती है। किन्तु आप खुद अपने डॉक्टर बन जाएंगे और भोजन की सावधानी बरतकर बीमारियो को नियंत्रण मे रखेंगे। अपनी जीवनीशक्ति और लम्बी आयु से आप अपने मित्रो को आश्चर्य मे डाल देंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'दो', 'चार' तथा 'सात' हैं। अपनी सबसे महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम पूरा करने के लिए इन्ही मूलांको वाली तिथिया से काम लीजिए। 'चार' और 'आठ' के अंको से जहां तक हो सके, बचिए।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक', 'दो', 'चार', तथा 'सात' मूलांको वाले ही रहेंगे। इन्ही मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा), यूरेनस (शोख नीला सिलेटी), चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) और नेप्चून (कबूतरी और शोख रंग) के रंगो के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम, और चंद्रकांत मणि।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चंद्र, सूर्य, यूरेनस और नेप्चून हैं। आपमे कल्पनाशील गुण अधिक प्रकट होंगे। आप बडे-बडे सपने देखेंगे और सम्भावना यह है कि वे पूरे होंगे। आप अपना हर काम उत्साह से करेंगे और दूसरो के लिए कायदे-कानून बनाने मे अत्यन्त तानाशाही रुख का परिचय देंगे।

आप ऐसी नाटकीय परिस्थितियां पैदा कर देंगे जिनमे आपकी प्रमुख भूमिका रहेगी और आपका नाम फैलेगा।

मन से आप कलाप्रिय, मानी और भावुक होंगे। आप कविता, साहित्य संगीत और नाटक के प्रेमी होंगे। दूसरो की भावनाओ को जगाने की आपमे काफी योग्यता रहेगी।

आप एकरस जीवन को नापसद करेंगे। अन्य देशो को बरतने मे समुद्र यात्राएं करना चाहेंगे और उनमे सफलता भी प्राप्त करेंगे

कभी-कभी आप तेज-तर्रार भी हो सकते हैं और अपनी रूखी वाणी से लोगो को दुश्मन बना लेंगे।

लेखक, संगीतज्ञ या कलाकार के रूप में आप भारी कल्पनाशक्ति का परिचय देंगे और आपकी प्रतिभा बहुमुखी होगी। आप क्यूरियोज, पुरावस्तुओं, पुराने फर्नीचर आदि के शौकीन होंगे और जहां तक हो सकेगा, उनका अधिक से अधिक संग्रह करेंगे।

आप नदियों, झीलों और समुद्र के निकट रहना पसन्द करेंगे। यात्रा-कथाएं पढ़ने के बहुत शौकीन होंगे और विदेशों के बारे में काफी जानकारी जमा कर लेंगे।

आप अपना कोई अलग रास्ता बनाएंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसमें आपके किसी प्रमुख पद पर पहुंचने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

आर्थिक दशा भी बदलती हुई रहेगी। अनिश्चय की भावना रहने की सम्भावना है। पैसा पैदा करने के लिए किसी भी अवसर का लाभ उठा लेने की इच्छा होगी। अंत में एक दुश्चक्र बन जाने की सम्भावना है जो आयु के साथ बदतर हो सकता है।

आपको आर्थिक मामलों में अत्यन्त सावधानी से काम लेना चाहिए। सट्टेबाजी और दांव लगाने के सभी प्रयासों से बचिए। धीरे-धीरे ही सही, पूंजी जमा करने का प्रयास कीजिए। शीघ्र धन कमाने की योजनाओं से दूर रहिए। हो सके तो जमे-जमाए कारोबार में अपने को जोड़िए या उसके लिए काम कीजिए। आपके यह जहाजरानी, आयात-निर्यात, माल तथा मनुष्यों की ढुलाई या अविकसित देशों की खोज जैसे कामों के लिए शुभ है।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य का विश्लेषण कर पाना कठिन है। या तो बहुत तगड़े और गठीले होंगे, या एकदम उलटे। 29 जुलाई वाले व्यक्ति दूसरे वर्ग में आ जाते हैं। वे अगली राशि सिंह में प्रवेश कर चुके होते हैं। यह बहुत सम्भावनाओं वाली राशि है लेकिन सफलता के लिए उनकी प्रबल महत्वाकांक्षा को जगाना होगा।

यदि आप 2, 11 या 20 जुलाई को पैदा हुए हैं तो चन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आप अपने वातावरण के प्रति अत्यंत संवेदनशील होंगे। यदि वह भाग्यशाली और अनुकूल हुआ तो आप बीमारी से अधिक परेशान हुए बिना जीवन काट देंगे। इसके विपरीत यदि निराशाजनक या दुःखद परिस्थितियां हुईं तो आपको बीमारियों से काफी कष्ट उठाना होगा। आम प्रवृत्ति अंदरूनी अंगों में दर्द और ऐंठन की रहेगी। आंतों में फोड़े, रुकावट या वध की भी कुछ सम्भावना है। इन तिथियों को पैदा हुए पुरुष और स्त्री दोनों के लिए बहुत सादा भोजन करना और अधिक से अधिक पानी पीना लाभकारी रहेगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांक वाले रहेंगे। 'एक', 'दो' और 'सात' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए (हरा, क्रीम, सफेद), सूर्य (सुनहरा पीला, नारंगी, भूरा) और नेप्चून (कबूतरी व शोख) के रंगो के कपडे पहनिए। आपके मान्य रत्न हैं जेड, मोती, चन्द्रकांत मणि, पुखराज, अम्बर, हीरा।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु, नेप्चून और चन्द्र हैं। यह योग आपके व्यक्तित्व को बढाएगा और आपके जीवन तथा वृत्ति को अधिक महत्वाकांक्षी करेगा, विशेषकर 30 जुलाई को जन्म लेने पर। आप बहुत स्वतन्त्र भावना वाले और अपने विचारो तथा राय मे निडर और साहसी होंगे। फिर भी उदार, दूसरो के साथ उपकार करने वाले तथा महानुभुति रखने वाले होगे। आप अपने से छोटे और समकक्ष दोनो लोगो म लोकप्रिय होगे, विशेषकर यदि आप समय-समय पर मिलने वाले दायित्वो को कधे पर ले लें।

आप जीवन को अधिक ऊंचे और बौद्धिक धरातल से देखेंगे। दूसरो पर अधिकार के पदो, सरकारी, नगरपालिका या सार्वजनिक कार्यों या बडे उद्यमो के प्रमुख के रूप मे आपको अच्छी सफलता मिलनी चाहिए।

परिवार और देश के प्रति आपके मन मे बहुत गहरा प्रेम होगा और साथ ही यात्रा कर दूसरे देशो की दशा जानकर ज्ञान बढाने की मन मे प्रबल उत्कंठा होगी।

आप उद्यम या व्यापार खडे करने मे बहुत सफल होंगे किन्तु इतनी ही आसानी से किसी पेशेवर सार्वजनिक या राजनीतिक जीवन को अपना सकेंगे।

प्रारम्भिक जीवन मे सम्भवत आपको ऊपर उठने मे कठिनाई हो और हर लाभ के लिए अपने भरोसे रहना पडे। ऐसा हुआ तो करीब 30 या 35 वर्ष की आयु तक आपका मार्ग कठिन हो सकता है उसके बाद भाग्य आपका पूरी तरह साथ देगा। आप अपने समाज या देश से सम्मान और जिम्मेदारी के पदो की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के मामले मे डरने की कोई आवश्यकता नही। एक बार प्रारम्भ के वर्ष कटे और नींव के फल मिलने शुरु हुए, आप सम्पत्ति और पद दोनो प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

आपका शरीर स्वस्थ होगा और जीवन के प्रति प्रसन्न दृष्टिकोण से ठीक रहेगा। आप सयमी और नियम से चलने वाले होंगे और बहुत गम्भीर बीमारियों के शिकार होंगे। आप यथासम्भव अधिक-से-अधिक बाहर जाते रहेंगे। आपके साथ सबसे बडा खतरा यह है कि अपने कधो पर बहुत अधिक जिम्मेदारियां उठा लेंगे और अनियम से अपनी आयु को कम कर लेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'तीन', 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलांको वाले रहेंगे। इन्ही मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियों के प्रति

आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) और नेप्चून, (कबूतरी व ग्रोव) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला, बैंगनी रंग के नग, हीरा चन्द्रकांत मणि, मोती।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य, नेप्चून और चन्द्र हैं। यह ग्रहयोग आपको बहुत असाधारण व्यक्तित्व प्रदान करेगा, लेकिन सम्मानित घटनाओं या सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के साथ उसका तालमेल बैठना आसान नहीं होगा। आपमें मौलिकता के प्रति प्रबल रुझान होगा जो सनकीपन की ओर झुकाव लिए होगा।

सम्बन्धियों द्वारा अथवा उन्हें माध्यम बनाकर और घरेलू मामलों में आपके लिए काफी परेशानी और तनाव पैदा होने की सम्भावना है। आप अनेक मुकदमों में फंस सकते हैं और अनेक बार भारी अन्याय का अनुभव करना पड़ेगा। आपको साझेदारियों, सम्बन्धों और विवाहों के मामलों में अत्यन्त सावधान रहना चाहिए।

आपमें उच्च अन्तःप्रेरणा होगी और स्वप्न पूर्वज्ञान आदि के मामलों में विचित्र अनुभव होंगे लेकिन इतने संवेदनशील होंगे कि उसका रहस्य कुछ चुने हुए मित्रों को ही बताएंगे।

आपमें असामान्य मानसिक योग्यता होगी और जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसमें ऊंचा पद प्राप्त करेंगे। अत्यन्त सफल होने पर भी आपको काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और आराम नहीं मिलेगा।

आर्थिक दशा

आप बहुत कम व्यक्तियों के साथ आर्थिक मामलों में जुड़ना पसन्द करेंगे। आप में पसन्दगी और नापसन्दगी की तीव्र भावनाएं होंगी और आपको अपनी अन्तःप्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए। सबसे अच्छा यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर अकेले काम करें। आप कुछ विचित्र आविष्कार भी कर सकते हैं जो आपके लिए भाग्यशाली होंगे। आपके विचित्र ढंग से, लीक से हटकर पैसा पैदा करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपके अनेक असामान्य अनुभव होंगे। डाक्टरों के लिए आपको समझने में कठिनाई होगी। वे आपके बताए लक्षणों पर विश्वास नहीं करेंगे। आपके अपने सम्बन्धियों को भी आपके बारे में काफी गलतफहमी होगी। कहीं विष का प्रभाव न हो जाए, इसके लिए आपको अपने भोजन में भारी सतर्कता बरतनी चाहिए। सब्जी, पौधे, कैंकड़े आदि समुद्री भोजन के बारे में विशेष सावधानी की जरूरत है और स्नान बचना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति

आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छे रंग नीले या सुनहरी, पीला, नारंगी व भूरा रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम, मोती, हीरा, चन्द्रकांत मणि।

5, 14, 23 (मूलांक 5) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध, चन्द्र और नेप्चून हैं। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यन्त संवेदनशील और उन पर अपनी छाप छोड़ने वाले होंगे। दया के सभी कामों से आप तत्काल प्रभावित होंगे। आपके स्वभाव के लिए प्रशंसा और प्रोत्साहन वही काम करेंगे जो फूलों के लिए पानी करता है।

प्रारम्भिक वर्षों में आप स्वयं में और अपनी योग्यताओं में विश्वास करने में अत्यन्त कठिनाई महसूस करेंगे। एक बार पांव पर खड़े हो जाएं, फिर आगे बढ़ते ही जाएंगे और अपनी उद्देश्यपूर्ति में कभी नहीं लड़खड़ाएंगे।

आपका दिमाग बहुत तेज होगा। बौद्धिक वस्तुओं के लिए प्रबल इच्छा होगी और जो भी वृत्ति चुनेंगे उसमें दूसरों पर प्रभुत्व पाने की बलवती आकांक्षा होगी। परलोक-विषयक प्रश्नों की खोजबीन के लिए आपके मन में भारी ललक होगी।

आपका सबसे बड़ा दोष यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर आवश्यकता से अधिक जोर देकर लोगों को दुश्मन बना लेंगे और भारी विरोध पैदा कर लेंगे।

आपमें यात्रा की, विशेषकर जलमार्ग से, तीव्र लालसा रहेगी और जहां तक परिस्थितियां अनुमति देंगी, आप इसे पूरा करेंगे। रुपए-पैसे के मामले में आपका भाग्य कभी-कभी चमकेगा लेकिन उसे हाथ में रखने में आपको भारी कठिनाई होगी।

आप दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं। इन दो शक्तिशाली हथियारों से जीवन संघर्ष में आसानी से विजय प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि आपको असाधारण बुद्धि का वरदान मिला हुआ है। आपमें काफी नीति कुशलता है। यदि आपकी दिलचस्पी जाग जाए तो आप राजनयिक के रूप में बहुत सफल हो सकते हैं। आप दूसरे देश के लोगों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकते हैं और उनका दृष्टिकोण समझ सकते हैं, भले ही उनके विचार आपके अपने विचारों के विपरीत हों।

आर्थिक दशा

यदि आप अपनी अन्तःप्रेरणा पर चलें और अपने ढंग से काम करें तो पैसा कमाने में बहुत सफल हो सकते हैं। आपका दिमाग इतना तेज और बहुमुखी है कि आप लीक वाले या एकरस जीवन से शीघ्र ऊब जाएंगे।

स्वास्थ्य

आप गम्भीर बीमारी से भी शीघ्र उठ खड़े होंगे। प्रमुख कठिनाई अत्यन्त

संवेदनशील स्नायुओं और पर्याप्त विश्राम न कर पाने से ही होगी। बुढापे मे चेहरे और आखो की नसो मे तनाव आ सकता है। टागो तथा पैरो मे चोट या पक्षाघात का भी खतरा है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अक 'पाच' और फिर 'दो' तथा 'सात' हैं। अपने महत्वपूर्ण कार्यक्रम या योजनाए इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष पाच मूलाक वाले होंगे। 'पाच', तथा 'सात' मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रग हैं बुध (हलके रग), चन्द्र (हरा, सफेद, क्रीम), नेप्चून (कबूतरी)। आपको काले या गहरे रग के वस्त्र नही पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, सफेद चमकीले नग, जेड।

6, 15, 24 (मूलाक 6) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र, चन्द्र और नेप्चून हैं। इस प्रयोग मे आपका जीवन दिलचस्प और असामान्य रहेगा लेकिन प्यार, रोमास और महत्वाकांक्षा बडी भूमिका अदा करेंगे।

आप दयालु, उदार, दूसरो पर अपनी छाप डालने वाले और अत्यन्त आकर्षक होंगे किन्तु अन्त मे आपकी सफलता का राज आपकी महत्वाकाक्षा ही होगी।

रहस्यवाद के प्रति आपकी काफी रुचि होगी, लेकिन इसे अच्छी तरह नियन्त्रण मे रखेंगे और बेकार के अधविश्वास को हावी नही होने देंगे। साथ ही आप भाग्य मे विश्वास करने वाले होंगे।

अपने परिवार को, विशेषकर मातृ पक्ष को, बहुत प्यार करेंगे। आप सम्बन्धियो के हितो को साधेंगे और इससे आपके कन्धो पर जो बोझ आएगा, उससे घबराएगे नही। विवाह और आपका निजी घरेलू जीवन विशेष भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलो मे आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत लिंगियो के साथ भाग्यशाली होंगे। विवाह से पैसा मिलने की सम्भावना है। विरासत मे सम्पत्ति भी मिल सकती है। अथवा आप अपनी निजी मनोशक्ति से पैसा कमाएगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों मे शरीर गमा हुआ और शक्ति से भरपूर होगा। लेकिन बाद मे अधिक परिश्रम और तनाव से आप अपने स्वास्थ्य को चौपट कर सकते हैं। आपको आन्तरिक बीमारिया हो सकती हैं, जैसे आतो मे रुकावट, ट्यूमर, अपेंडीसाइटिस हर्निया

आदि। सावधानी से रहने और सादे भोजन से ये शिकायतें ठीक की जा सकती हैं।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'छ', 'दो' और 'सात' हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को अपने कार्यक्रम और योजनायें पूरी कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले रहेंगे। 'छ', 'तीन', 'नौ' मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे लेकिन इनमे 'नौ' का मूलाक इतना शुभ नहीं है।

अपना प्रभाव बढाने के लिए शुक्र (नीला), चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) और नेप्चून (कबूतरी) के रगो के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं फीरोजा, सभी नीले नग और पन्ना भी।

7, 16, 25 (मूलाक 7) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून और चन्द्र हैं। यदि आप चरित्र-बल और इच्छा-शक्ति का विकास करें तो यह ग्रहयोग आपकी बौद्धिक उपलब्धियों से आपको दूसरो से अधिक लाभकारी स्थिति मे पहुचाएगा। आप असामान्य मानसिक व्यवसाय की ओर जाना चाहेंगे।

आप भावुक, कलाप्रिय और कल्पनाशील होंगे तथा आपको ऊचे दर्जे की प्रेरणा और आध्यात्मिक शक्ति का वरदान होगा। इस पृष्ठभूमि में आप चित्रकार, लेखक, सगीतज्ञ, वक्ता या धर्म-प्रचारक के रूप मे काफी सफल हो सकते हैं। लेकिन आपकी इच्छाए भौतिक धरातल की न होने के कारण आपको प्रारम्भिक वर्षों मे अपने काम से पैसा कमाना बहुत कठिन होगा, जब तक कि आप साधन-सम्पन्न न हो।

आपकी रुचि और आदर्शों मे परिष्कार की भावना होगी और आपका जीवन किन्हीं दशाओ या परिस्थितियो मे प्रारम्भ हुआ हो, आपकी इच्छाए महान होंगी। आप अध्ययन से अपने मानसिक गुणो का हर प्रकार विकास करने का प्रयास करेंगे। यह ग्रहयोग दार्शनिक और गम्भीर धार्मिक स्वभाव प्रदान करता है।

25 जुलाई को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि, सूर्य के स्वामित्व वाली सिंह राशि के सधि-काल मे प्रवेश कर जाने से भौतिक दृष्टिकोण से अधिक सफल हो सकते हैं। वे सार्वजनिक मामलो मे अधिक प्रकाश मे आयेंगे लेकिन दार्शनिक रुझान फिर भी पृष्ठभूमि मे रहा आएगा।

7, 16 या 25 जुलाई को पैदा हुए सभी लोगो मे समुद्र-यात्रा या लम्बी भूमि-यात्राओं की तीव्र उत्कठा रहती है। परिस्थितिया अनुकूल होने पर वे अज्ञात देशो के अन्वेषक बन सकते हैं।

घर के प्रति गहरा लगाव होने पर भी घरेलू जीवन मे उनके अनुभव असाधारण होते हैं। विवाह होता है तो विचित्र परिस्थितियों में। जितनी देर से हो, उतना ही अधिक उसके सफल रहने का अवसर होता है।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में मैं बहुत अधिक चेतावनी देना नहीं चाहता। इन लोगों के अत्यन्त असाधारण अनुभव रहने की सम्भावना है। एकदम अजनबी व्यक्ति सहसा उनके जीवन में आकर उनमें और उनकी प्रतिभा में गहरी दिलचस्पी लेने लगते हैं और फिर अकस्मात् छोड़कर चल देते हैं। यही बात सम्बंधियों के बारे में है, कभी भारी दिलचस्पी लेंगे और सहायता करेंगे, कभी इसका उलटा होगा।

उन्हें सशर्त विरासत मिलने की भी सम्भावना होती है। मैं ऐसे व्यक्तियों को परामर्श दूंगा कि वे आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास करें, अपनी प्रतिभा को बनाए रखें और अपने हृदय में सदा आशा-आकांक्षा की ज्योति को जगाए रखें। मेरे ख्याल से इस नियम पर चलने से कभी-न-कभी उनके बौद्धिक गुण उन्हें वांछित पद तक पहुंचा देंगे।

स्वास्थ्य

इस राशि में स्वास्थ्य की दशा मनःस्थिति पर निर्भर रहती है। आप शरीर से इतने मोटे-ताज़े नहीं होंगे लेकिन यदि आपका दिमाग किसी निश्चित उद्देश्य को पूरा करने में जुट जाए तो आप भारी सहनशक्ति का परिचय देंगे।

शरीर में आप किसी विचित्र बीमारी के शिकार हो सकते हैं। ट्यूमर, आतंरिक अंगों में घाव, लम्बा नजला-जुकाम और इन्फ्लुएंजा की सम्भावना है। लेकिन प्रसन्न मुद्रा में रहने पर ये प्रवृत्तियां गायब हो सकती हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपने काम या योजनाएं पूरी कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 25 जुलाई को जन्मे लोग 'एक-चार' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्चून (कबूतर) और चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) के रंगों के वस्त्र पहनिए। 25 जुलाई वाले लोग सुनहरे, पीले, नारंगी तथा भूरे रंग को भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, चन्द्रकान्त मणि, लहसुनियां, मोती।

8, 17, 26 (मूलांक 8) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

8 और 17 जुलाई को पैदा हुए लोगों के लिए कारक ग्रह हैं शनि, नेपच्यून तथा चन्द्र। 26 जुलाई को सूर्य कर्क राशि छोड़कर अपनी राशि सिंह में प्रवेश कर लेता है। यह तिथि उन लोगों के लिए शुभ है जो पादरी, संपादक, आदि के रूप में काम करते हैं जिनका काम आम जनता को आकर्षित करता है।

यदि आप 8 या 17 जुलाई को पैदा हुए हैं तो आप बहुत गम्भीर स्वभाव के, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और अपनी राय में बहुत स्पष्ट होंगे। मध्य आयु तक दूसरे लोगों के बाधा डालने से आप पर अंकुश और जिम्मेदारियां रहने की सम्भावना है। आप पिंजड़े में बन्द कैदी के समान होंगे जो सीखचों से बाहर की दुनिया को देख तो सकता है लेकिन अपनी हालत नहीं बदल सकता।

आप कम-अधिक 'भाग्य की सन्तान' होंगे, जहां आपकी परिस्थितियों का निर्माण दूसरे लोग करेंगे। आप अपनी भावनाओं में अत्यन्त गम्भीर और ईमानदार होंगे लेकिन प्रदर्शन नहीं करेंगे और न यह व्यक्त कर पाएंगे कि आपके मन में क्या है।

प्रारम्भिक वर्षों में दूसरों के लिए आपकी बलि चढ़ाई जाएगी और आपको अपने काम के लिए बहुत कम सन्तोष या श्रेय मिलेगा। प्यार के मामले में आपको कुछ बहुत कड़े परीक्षणों और भारी जिम्मेदारियों से गुजरना होगा।

मध्य आयु तक आपको अपनी आकांक्षाएं पूरी करने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा लेकिन अन्त में आप अपने संकल्प और दृढ़ता का पुरस्कार मिलने की आशा कर सकते हैं।

आपके साथ दो बातें हो सकती हैं। आप उन व्यक्तियों में हो सकते हैं जिन्हें वातावरण और पारिवारिक मजबूरियां किसी लीक वाले काम में धकेल देती हैं और जहां उन्हें दूसरों के लिए काम करते हुए अपने जीवन का अधिकांश भाग बिताना होता है। अथवा आप अधिक भाग्यशाली वर्ग में से हो सकते हैं जिसे धीरे-धीरे धन जमा करने और भाग्याधीन शक्ति बनने का अधिक शीघ्र अवसर मिल जाता है। आम तौर से इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों का प्रारम्भिक जीवन भारी कठिनाई में बीतता है।

ये व्यक्ति या तो अत्यन्त धार्मिक स्वभाव के होते हैं या उससे बिलकुल उलटे। उनके लिए सबसे अच्छा काम किसी ठोस धन्धे को अपनाना रहेगा, जैसे भूमि या खान का विकास, तेल या धरती से निकलने वाले द्रव्यों का व्यापार।

आर्थिक दशा

यदि आप सट्टेबाजी के फेर में न पड़ें तो आपका अध्यवसाय और संकल्प आपको पैसा बचाने और बचाए रखने का अवसर देगा। आप 'चार' और 'आठ' अंकों को बार-बार अपने जीवन में आता पाएंगे। वे और उनसे जुड़े व्यक्ति आपके मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निबाहेंगे।

स्वास्थ्य

आप पाचन अंगों, गुर्दों, जिगर और बड़ी आंतों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के शिकार होंगे। आपके अंदर अम्ल का प्रकोप होने और विशेषकर घुटनों, एड़ियों और पांवों में गठिया की शिकायत होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। मैं आपको जहा तक हो सके, 'नौ' नम्बर से बचने की सलाह दूगा। 26 जुलाई वाले लोगो के लिए 'एक' और 'चार' के अक अधिक महत्वपूर्ण होंगे, किन्तु 'आठ' का अक भी समान महत्व का रहा आएगा। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' के मूलाको वाले होंगे।

आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती, काला हीरा, गहरे रग का पन्ना या हरे रग, विशेषकर चादी या प्लेटीनम में जडे हुए।

9, 18, 27 (मूलाक 9) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

9 या 18 जुलाई को जन्म लेने पर आपके कारक ग्रह मगल, चन्द्र और नेप्चून होंगे। 27 जुलाई को जन्मे व्यक्ति सूर्य और मगल के प्रभाव मे आते हैं। यह एक बहुत प्रबल योग है और जो भी वृत्ति आप अपनाएगे उसी मे काफी सफलता और यश की आशा कर सकते हैं। आप किसी भी जिम्मेदारी और उच्च पद के लिए उपयुक्त रहेंगे। आपका स्वभाव हसमुख, आशावादी और हिम्मत वाला होगा। आपात या सकट काल मे आप अपने सर्वोत्तम गुणो का परिचय देंगे।

कर्क मे मगल अपनी नीच राशि मे होता है। अत यदि आप 9 या 18 जुलाई को पैदा हुए हैं तो आपका जीवन विरोधाभास से पूर्ण होगा और अपने लक्ष्य या आकाक्षा की पूर्ति के लिए दृढ इच्छाशक्ति और चरित्र-बल का विकास जरूरी है। आपमे अकुशो के विरुद्ध विद्रोह करने की प्रवृत्ति होगी। व्यवहार मे व्यवहार-कुशलता और समझदारी लानी होगी।

आप निडर और आजाद होंगे लेकिन प्रारम्भिक जीवन मे आवेग के दौरे पडने की सम्भावना है। उन पर ठीक से काबू पाकर प्रेरक शक्ति के रूप मे उनसे काम लेना होगा।

आप अपने सभी कामो मे दक्ष और उद्यमी होंगे। आप मे एक प्रकार की नेतृत्व भावना और दुस्साहस से प्रेम होगा। आप अपने निवास को बार-बार बदल सकते हैं और अधिक समय तक एक स्थान पर जमकर बैठना आपके लिए आसान नहीं है।

सम्बन्धियो मे आपका काफी मन-मुटाव रहने की सम्भावना है। विवाह कम आयु मे न करना बेहतर होगा। जहां तक खतरो और दुर्घटनाओ की बात है, आपके जीवन मे विचित्र घटनायें घटेगी, विशेषकर आग, आग्नेयास्त्र, तूफान, भूकम्प और पानी से। आपको सदा अच्छा बीमा कराकर रखना चाहिए और बुढ़ापे के लिए पैसा बनाकर अलग रख छोडना चाहिए, नही तो आपको आर्थिक कठिनाइयो का सामना करना पड सकता है।

आपको अनेक मुकदमो से पाला पडेगा जिनमे आप आम तौर से हारेंगे ही

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलो मे या तो आपको भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। बीच के रास्ते की कोई सम्भावना नही है। इस पार या उस पार। फिर भी आपके पास पैसा कमाने के लिए इतने उद्यमी विचार और योजनाए होगी कि किसी-न किसी योजना के सफल हो जाने और आपके धनी बन जाने की आशा है। आपको प्रतिवर्ष जुलाई, अक्तूबर, दिसम्बर और अप्रैल मे कठिनाइयो, परेशानियो या विघ्न से सतर्क रहना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपके लिए यह महत्वपूर्ण विषय नही है। आपमे भारी जीवनी-शक्ति होगी और किसी भी बीमारी से शीघ्र स्वस्थ हो जाएगे। महत्वपूर्ण बात दुर्घटनाओ से खतरे की है। टागो और पावो मे चोट लगने की सम्भावना अधिक रहेगी। रेल, मोटर तथा जहाज की दुघटनाओ से भी खतरा है।

आपको आखो पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मोतिया बिन्द आदि का आपरेशन कराना पड सकता है।

आपके महत्वपूर्ण अक 'नौ' 'दो' और 'सात' हैं। अपनी योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पूरा करने का प्रयास कीजिए। अपना प्रभाव बढाने के लिए मगल (लाल), चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) और नेप्चून (कबूतरी) के रगो के वस्त्र धारण कीजिए। आपके भाग्य रत्न लाल, तामडा और नग हैं। इनके बाद मार्गा, चन्द्रकात मणि और जेड का नम्बर है, किन्तु ये इतने महत्वपूर्ण नही हैं।

27 जुलाई को जन्मे लोगो को सूर्य (सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा) और मगल (लाल) के रगो के कपडे पहनने चाहिए। इनके लिए महत्वपूर्ण अक 'एक', 'चार' और 'नौ' है। इन्ही मूलाको वाली तिथियो पर अपनी योजनाए और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास करना चाहिए।

तीनो तिथियो वालो के लिए सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'नौ' मूलाको वाले रहेंगे। 'नौ' मूलाक वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति इनका गहरा लगाव रहेगा।

अध्याय 8

अगस्त

सिंह राशि का प्रारम्भ 21 जुलाई को होता है, लेकिन पूर्व राशि कर्क के साथ इसका संधि-काल चलने के कारण यह 28 जुलाई को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इस तिथि से 20 अगस्त तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कन्या के साथ इसका संधि-काल प्रारम्भ हो जाता है और इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। 21 जुलाई से 20-28 अगस्त तक जन्मे व्यक्तियों में प्रबल विशिष्ट गुण पाए जाते हैं। आम तौर से वे महत्वाकांक्षी होते हैं। उनका लक्ष्य आम लोगों से ऊपर उठने का होता है। वे भले ही छोटे परिवारों में जन्म लें, इच्छाशक्ति, संकल्प और योग्यता से खास तौर से ऊंचे अधिकारी पदों पर पहुंचते हैं।

वे अन्य दबंग व्यक्तियों के प्रति गहराई से आकर्षित होते हैं। दरअसल, जब तक उनका अपना अलग व्यक्तित्व और उद्देश्य रहता है, वे उनके सौ कसूर भी माफ करने को तैयार रहते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति विशाल हृदय और उदार होते हैं। वे अत्यन्त स्वतन्त्र भावना वाले होते हैं। अंकुश लगाए जाने या आदेश दिए जाने से घृणा करते हैं। उनमें अपने ध्येय के प्रति काफी आग्रह और इच्छाशक्ति होती है। यदि किसी योजना, उद्देश्य या पद पर ध्यान लगाएं तो हर कठिनाई या बाधा के बावजूद आम तौर से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं। लक्ष्य प्राप्त न होने पर उनमें निराशा और असंतोष पैदा होता है, लेकिन अपनी कमियों के लिए वे स्वयं को ही दोष देते हैं।

उनमें आश्चर्यजनक आकर्षण शक्ति होती है। दूसरों को महान कार्य करने की प्रेरणा दे सकते हैं। इस राशि (15 अगस्त) में जन्मे नेपोलियन की भांति दूसरों के भक्ति भाव को आकर्षित करते हैं और अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को अपने पीछे चलने को प्रेरित कर सकते हैं। ऐसे लोगों को हमेशा सक्रिय बने रहना चाहिए। यदि परिस्थितिवश वे जीवन-संघर्ष की सरगर्मी और हलचल से अलग हुए तो उदास और निराश हो जाते हैं।

आम तौर से वे अत्यन्त धीर और देर तक सब कुछ सहने वाले होते हैं, लेकिन एक बार उत्तेजित हो उठने पर शेर की तरह भय नहीं जानते और हार नहीं मानते।

वे अपनी साफ़ बयानी और छिपकर घात लगाने से घृणा के कारण लोगो को दुश्मन बना लेते हैं। वे अपने मित्र की हर हमले से रक्षा करेंगे। केवल धोखेबाजी या गैर-वफादारी से ही उनके अभिमान को चोट पहुच सकती है। वे उच्च आदर्श और आकाक्षा का परिचय देते हैं। स्वय विशाल हृदय, ईमानदार और सच्चे होने के कारण अपने आस-पास के लोगो से भी ऐसी ही अपेक्षा करते हैं और प्राय भारी निराशा और धोखे के शिकार होते हैं।

अपनी सहिष्णुता, स्नेह, दया और प्रबल सम्मोहन-शक्ति से वे अत्यधिक लोक-प्रिय हो जाते हैं। वातावरण के प्रति अत्यन्त सवेदनशील होने से उनमे दूसरों की आदत और परिस्थितिया ओढ लेने की गहरी प्रवृत्ति होती है।

मानवीय स्वभाव मे बढ-चढकर विश्वास, प्रेम और मित्रता के मार्ग मे उनके लिए रोडा बन जाता है। इसमे उन्हे अनेक दु खद परिस्थितियो, दिल टूटने और तनावो का सामना करना पडता है। उनमे शानदार सगठन क्षमता और महत्वाकाक्षा होती है, लेकिन अपने कन्धो पर बहुत अधिक जिम्मेदारिया ओढ लेते हैं। उन्हे अपने 'शाही स्वभाव' को भी ज्यादा खीचने से बचना चाहिए अन्यथा वे दूसरो पर छाने का प्रयत्न करने लगते हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि मे पैदा हुए लोगो का शरीर गठा हुआ और उनमे रोग से मुक्ति पाने की अच्छी शक्ति होती है। उनकी मुख्य परेशानी आम तौर से दिल की अनियमित धडकन रहती है जिससे रक्त-सचार पर प्रभाव पडता है। बेमेल वातावरण का भी उनके स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव पडेगा।

कभी-कभी तेज बुखार होने पर उन्हें गठिया के तीव्र हमले का भी शिकार होना पड सकता है। वास्तव मे बहुत कम बीमारियो का सकेत मिलता है लेकिन जो आती हैं, उनका इलाज कठिन होता है। सूर्य-स्नान से लाभ होगा। दवाओ से अधिक लाभ खुली ताजा हवा पहुचाएगी। शोक या लम्बी चिन्ता अन्य बातो की अपेक्षा स्वास्थ्य को अधिक शीघ्र आघात पहुचाती है।

आर्थिक दशा

इस अवधि मे जन्मे लोग आर्थिक मामलो मे अन्य मामलो की अपेक्षा आम तौर से अधिक भाग्यशाली समझे जाते हैं। वे जो भी न्यायपूर्ण धधा अपनाएगे उसी मे सफलता मिल सकती है। पद और आयु मे बडे लोगो से लाभ मिलने की आशा है। प्राय सट्टेबाजी और समझदारी से किए गए विनियोग से आर्थिक लाभ मिलना है। उनकी आर्थिक योजनाए बडे पैमाने की होनी चाहिए और उन्हे व्यक्ति के बजाय आम जनता का सरक्षण प्राप्त होना चाहिए। सोने की खान, पीतल के काम, हीरे,

उपयोगी वस्तुओं के आयात निर्यात मे पूजी लगाने और सरकार या नगरपालिकाओ से बरतने मे अच्छी आय होगी।

विवाह, सम्बन्ध और साझेदारी

इन लोगो के अपनी निजी राशि सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त), अग्नि-त्रिकोण की अन्य दो राशियो धनु (21 नवम्बर से 20 दिसम्बर), तथा मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), इन राशियो के पीछे के सात दिन के संधि-काल और सिंह से सातवी कुम्भ राशि (21 दिसम्बर से 1५-27 फरवरी) के दौरान जन्मे लोगो के साथ सबसे अधिक मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

सूर्य और यूरेनस आपके कारक ग्रह हैं। यह योग आपको त्वरित तोड़ण विचार शक्ति प्रदान करता है, महत्वाकांक्षी, योजनाओ पर अमल मे सकल्पबद्ध, मेहनती, काम या वायदो मे ईमानदार बनाता है, हसमुख और प्रसन्नचित्त स्वभाव, आकर्षक व्यक्तित्व, जीवन म सफलता और सम्मान का आश्वासन देता है। आप सरकार, नगर पालिका, जन जीवन, बधु समाज और बडे-बडे सगठनों स सम्बन्धित कामो मे विशेष रूप से सफल होंगे।

यूरेनस आपको असाधारण अत प्रेरणा, मौलिकता के साथ विचारों की स्वतत्रता आग बढने की उद्यमी भावना प्रदान करता है। आपकी पसदगी और नापसदगी होगी। आप तीव्र आसक्ति मे फसकर शीघ्र विवाह-सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। आप शीघ्र क्रोध मे उबलने लगेंगे लेकिन उतने ही शीघ्र तुष्ट भी हो जाएगे। आप अत्यन्त ईमानदार स्वभाव के हैं, चुपचाप ढेर सारा काम निपटा सकते हैं।

आप दूसरो से सम्मान और सराहना प्राप्त करना चाहेंगे। आप राजनीतिक जीवन मे भी प्रवेश कर सकत हैं।

आर्थिक दशा

आर्थिक दृष्टि मे आपके ग्रह-योग बहुत शुभ हैं। प्रारम्भिक वर्षो मे कठिनाई हो सकती है, लेकिन प्रतिकूल-परिस्थितियो को पार कर लेंगे। आपके सम्पन्न होने तथा अपने समाज मे अधिकार व पद पाने की पूरी सम्भावना है।

आपकी जीवन-वृत्ति दो कालो मे विभाजित होगी—करीब 36 वर्ष की आयु तक कठिनाइयों से जूझने मे कठोर परिश्रम करना होगा, उसमे आगे आप बहुत-कुछ सम्पन्न और सफल जीवन बितायेंगे।

स्वास्थ्य

बचपन मे और जवानी के प्रारम्भ में अनेक छोटी-मोटी बीमारियां हो सकती हैं, विशेषकर बुखार, गठिया, रक्त मे जल, फोडे फुसी आदि। करीब 28 वें वर्ष से आप स्वस्थ और जीवित हो जाएगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'चार' हैं। महत्वपूर्ण योजनायें या कार्यक्रम पूरे करने के लिए इन्हे काम मे लीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक' और 'चार' मूलाको वाले ही रहेंगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए आप सूर्य (सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा) और यूरेनस (सिलेटी, गहरा नीला, शोख) के रंगो के कपडे पहनिए।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चन्द्र, नेप्चून और सूर्य हैं। 29 अगस्त को जन्म लेने पर आप आगामी राशि कन्या के क्षेत्र मे प्रवेश कर चुके होते हैं और तब सूर्य के स्थान पर बुध के प्रभाव मे आ जाते हैं।

आपका ग्रह योग बहुत शुभ है। यह आपको मानसिक और सामाजिक रूप से ऊपर उठाएगा। आपमे लोगो का विश्वास पैदा करेगा और आपकी वृत्ति मे आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्रदान करेगा।

आप विपरीत लिंगियो मे लोकप्रिय होंगे, आदर्शवादी प्रेम-प्रसग और रोमास आपके जीवन मे विचित्र और असाधारण घटनाओं को जन्म देंगे। सगीत, साहित्य, कला या नाटक में आप काफी प्रतिभा का परिचय दे सकते हैं।

अपने जीवन-वृत्त मे आप प्रमुख पद प्राप्त करेंगे और भारी व्यवहार-कुशलता, कूटनीति तथा सुप्रबन्ध का परिचय देंगे। आप अपने मित्रो और प्रेम पात्रो के प्रति अत्यन्त वफादार होंगे, इतने उदात्त और विशाल हृदय कि आपका कोई दुश्मन नहीं होगा, भले ही वह आपके विचारो से मतभेद रखने वाला हो। आप दूसरो मे सर्वोत्तम गुणों को ही देखना चाहेंगे और सम्भव हुआ तो उन्हे निखारने मे सहायता भी करेंगे।

आपको भाषण या लेखन-कला के वरदान का विकास करने मे समर्थ होना चाहिए। आप धर्म-प्रचारक शिक्षक या जज के रूप मे सफल हो सकते हैं। आम लोगों के बारे मे आपको गहरा अंतर्ज्ञान होगा, कठोर आलोचना की दृष्टि से नहीं, उन्हे समझने और समझाने की दृष्टि से।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के मामले मे आप भाग्यशाली होंगे, फिर आपके लिए उसका

अधिक मूल्य नही होगा। पैसा विचित्र ढग से आएगा, उपहार से, विरासत से, वसीयत से, लेकिन कभी-कभी अपनी उदारता से स्वय को गरीब बना सकते हैं। आप अपने मानसिक गुणो से, जैसे भाषण देना, कला, सगीत, लेखन आदि से व्यापार की अपेक्षा अधिक धन कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपको स्वास्थ्य के बारे मे सावधान रहना चाहिए और अपनी शक्ति जहा तक हो सके, सचित रखनी चाहिए। फेफडो और गले मे कमजोरी, दिल की धडकन मे अनियमितता और रक्त का ठीक से सचार न होना आदि शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 2, 7 और उसके बाद 1, 4 हैं। 29 अगस्त वालो के लिए भी ये ही अक ठीक रहेगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलाको वाले ही रहगे। इन्ही मूलाको और 'एक तथा 'चार' मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आपका गहरा लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद), नेप्चून (कबूतरी), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा) और यूरेनस (सिलेटी और शोख) के रगों में वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं मोती, चन्द्रकात मणि, जेड, पुखराज, नीलम और अम्बर।

3, 12, 21, 30 (मूलाक 3) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु, सूर्य और यूरेनस हैं। 30 अगस्त को आगामी राशि कन्या का क्षेत्र आरम्भ हो जाता है, अत उस दिन जन्म लेने वालो के कारक ग्रह गुरु और बुध (सौम्य) हैं।

आपके स्वभाव मे प्रबल महत्वाकाक्षा है, साधारण सफलता मे आपको कभी सन्तोष नही होगा। देर-सवेर आपके मन मे अपने समाज के प्रमुख और जिम्मेदार पदों पर पहुचने की तीव्र इच्छा जाग उठेगी।

आप पूरी क्षमता और ईमानदारी से अपना काम करेंगे और उसमे अपने को भी नही बख्शेंगे। फलस्वरूप आप अपनी शक्ति को कम कर लेंगे।

आप बहुत आदर्शवादी होंगे, अनेक मित्र भी बनाएगे लेकिन प्रेम के मामले मे अनेक निराशाओं और दिल टूटने का सामना करना पडेगा।

आपके ग्रहयोग हर प्रकार की सरकारी नौकरी अथवा राजनीति या नगर-पालिका के कामो मे सफलता का आश्वासन देते हैं। आप अधिकारी पदो पर दूसरो से अधिक योग्यता का परिचय देंगे। आपके आस-पास के लोग आपको सराहेंगे, प्रशसा और बढावे से आप बिगड़ेंगे नही, उलटे इनसे आपको और आगे बढ़ने के लिए बल मिलेगा।

आपका स्वभाव बहुत स्नेह-भरा है। आपमे पारिवारिक जीवन की गहरी समझ है, बच्चो से भारी प्यार है या उन्हे सिखाने-पढाने की भावना है। आपकी उच्च आकाक्षाए हैं। चाहे नाली मे पैदा हुए हो, लेकिन स्वभाव मे कुछ-न-कुछ राजसीपन अवश्य रहेगा।

आप ऊचे पद प्राप्त करेंगे। एकमात्र खतरा यह है कि आपकी महत्वाकाक्षा की कोई सीमा नही होगी। आप अपने कन्धो पर बहुत अधिक बोझ उठाने का प्रयास करेंगे, ऐसे काम हाथ मे लेना चाहेगे जिनके भार से दबकर और अत्यन्त परिश्रम कर आप अपने को खत्म कर लेंगे।

पूजी लगाने मे आप सफल होंगे, बशर्ते कि अपनी अन्त प्रेरणा से कार्य करें और खुशामदियो के बहकावे मे न आए। आप जैसे पदो पर होंगे उनमें ऐसे व्यक्तियो से पाला पडना निश्चित है।

आर्थिक दशा

अपने अच्छे निर्णय से आप सम्पत्ति और आर्थिक स्थिति मे निरन्तर सुधार की आशा कर सकते हैं। व्यापार तथा उद्योग पर प्रभाव डालने वाले घटनाचक्र पर आपकी अलौकिक पकड होगी। आप पैसा जमा नही करेंगे बल्कि बडी बडी योजनाओ को आगे बढाने के लिए उसका खुलकर सदुपयोग करेंगे।

स्वास्थ्य

यदि आप गरिष्ठ भोजन का लोभ सवरण कर सकें तो जीवन-भर अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं। सार्वजनिक भोजो के कारण कभी-कभी ऐसा करना कठिन होगा। आपको सबसे बडा खतरा अत्यधिक परिश्रम के कारण उच्च रक्तचाप या दिल के दौरे से होगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'तीन', 'एक' और 'चार' हैं। इनमे 'तीन' और 'एक' सबसे शक्तिशाली हैं। *अपनी योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाको वाली* तिथियो को पूरा करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'तीन' मूलाको वाले हो रहेगे। 'चार' मूलाक वाले वर्ष घटनापूर्ण और महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इतने शुभ नही होंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैगनी फालसई, जामुनी), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा) और यूरेनस (गहरा नीला और शाख मिलेटी) के रगो के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला, जामुनी नग, हीरा, अम्बर, पुखराज, नीलम।

4, 13, 22, 31 (मूलाक 4) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

यूरेनस और सूर्य आपके कारक ग्रह हैं। 31 अगस्त को जन्म लेने पर अगली

राशि कन्या का क्षेत्र प्रारम्भ हो चुका होगा और आप पर सूर्य, यूरेनस तथा बुध सौम्य) का प्रभाव अधिक रहेगा।

यूरेनस के प्रभाव से आपके चरित्र का व्यक्तिगत पक्ष अधिक प्रमुखता से उभरकर सामने आयेगा। आपमे विचारो तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए निश्चित मोह होगा।

आप हर प्रकार से लीक से हटकर चलना चाहेगे। आपको बहुत कुछ सनकी समझा जाएगा और आप दूसरो की याजनाओ मे आसानी से नही बैठ सकेंगे। आपके अपने लोग और निकट-सम्बन्धी ही आपका साथ देने मे सबसे अधिक कठिनाई महसूस करेंगे। आप अकुश और आलोचना सहन नही करेंगे। यदि ऐसा करने की स्थिति मे हुए तो घर-बार छोडकर लम्बी यात्राओ पर चल देंगे।

आपको भारी धैर्य के विकास की जरूरत होगी, विशेषकर निकट के सम्बन्धियो के साथ व्यवहार मे। आप शायद किसी असामान्य कार्य या वृत्ति मे सफलता प्राप्त

धर्म और जीवन के प्रति आपके विचार लीकसे हटकर होंगे। अपने मुहफटपन से आप अनेक लोगो को दुश्मन बना सकते हैं। अपने जीवनकाल मे आप अनेक दुस्साहसिक अभियान करेंगे। प्रेम-प्रसगो मे अनेक निराशाओ का सामना करना पडेगा, विशेषकर पारिवारिक जीवन मे। 31 अगस्त को जन्मे व्यक्तियो पर यह बात इतनी लागू नही होगी।

आर्थिक दशा

आपकी आर्थिक दशा को समझ पाना कठिन होगा। प्रकटत आप रुपए-पैसे की परवाह नही करेंगे, फिर भी उसकी शक्ति से प्रभावित होंगे। व्यापार मे या तो सम्बद्ध व्यक्तियो पर आख मूदकर भरोसा करेंगे या उनके प्रति सन्देहशील होंगे।

आपके लिए अकेले काम करना अच्छा रहेगा। आप हर प्रश्न के दोनो पहलू देख सकते हैं और उन पर समान रूप से वाद-विवाद कर सकते हैं। आप साहूकार के रूप मे सफल हो सकते हैं। देर-सबेर आपके दिमाग मे कोई ऐसा नया विचार आने की सम्भावना है जो आपको बडी धन प्राप्ति करा सकता है।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा किन्तु अधिकतर इस पर निर्भर होगा कि वातावरण सौहार्दपूर्ण है या नही। मन की स्थिति का स्वास्थ्य की अच्छाई बुराई पर भारी प्रभाव पडेगा। दुखी होने पर चिन्ता करेंगे, उदास हो जाएगे और अपने मे सिमट जाएगे। आपमे विष फैलने, खरोंचें आने और कठिनाई मे निदान होने वाली बीमारियो की प्रवृत्ति होगी।

हड्डिया चटकने वाली होगी। आपको अकस्मात् गिर पड़ने और टांग-पाव मे चोट से विशेष सतर्क रहना होगा। रीढ़ मे कमजोरी या चोट की भी सम्भावना है।

आपमे दो वर्ग विशेष रूप मे मिलते हैं। एक वर्ग उन लोगों का है जिन्हे मध्य आयु के बाद तेजी से मोटापा चढ़ने लगता है। यदि आप इस वर्ग मे से हैं तो दिल की बीमारी या मस्तिष्क के फैलाव से अपनी रक्षा कीजिए। इसके विपरीत यदि आप उन लोगो मे से हैं जो मध्य आयु के बाद तेजी से पतले होने लगते हैं तो सभी प्रकार की स्नायविक बीमारियो से सावधान रहिए। ऐसा न करने पर बाद मे पक्षाघात का खतरा रहता है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अक 'चार' है जो जीवन भर महत्वपूर्ण रहेगा। 21 जून से अगस्त के अन्त तक और 21 दिसम्बर से 19 फरवरी तक 'आठ' का अक विशेष महत्वपूर्ण होगा। आप उक्त मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। आप देखेंगे कि आपके भाग्य मे उनकी बहुत-कुछ, निर्णायक भूमिका रहती है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलाक वाले ही होंगे।

आपको सफलता प्रदान करने वाले रग वे ही हैं जो जुलाई मे इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियो के लिए हैं गहरा नीला, या समुद्री नीला और सुनहरा, पीला नारगी तथा भूरा। भाग्य रत्न हैं नीलम, हीरा, लाल और पुखराज।

5, 14, 23 (मूलाक 5) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक अच्छा मानसिक ग्रह-योग है। इससे बौद्धिकता और निर्णय की शक्ति बढ़ती है। मुख्य खतरा यह है कि यह व्यक्ति को जल्दबाज बनाता है। यह महत्वाकाक्षी स्वभाव प्रदान करता है। लेखको, कलाकारो, अभिनेताओ आदि के लिए यह योग विशेष लाभकारी है।

बुध और सूर्य का योग आत्मविश्वास और अधिक योग्यता देता है, लेकिन कभी-कभी सट्टेबाजी मे भारी जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी देता है। इस प्रवृत्ति को ठीक से काबू मे रखने पर यह एक भाग्यशाली योग है।

बुध और यूरेनस का योग जीवन मे आकस्मिक और अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा। वृत्ति या व्यवसाय मे भी। साथ ही स्वभाव मे चचलता और स्थान परिवर्तन या यात्रा की बलवती उत्कठा देता है। आप अत्यन्त सवेदनशील और आम तौर से भारी तनाव की स्थिति मे रहेंगे।

साथ ही, छोटी अवधि के किसी निश्चित लक्ष्य की सिद्धि के लिए काम करने मे आपमे इच्छाशक्ति और आत्मसयम दोनो रहेगे। देर तक चलने वाले कामो या एकरसता से घृणा करेंगे। सबसे अधिक सफलता आकस्मिक आपात स्थिति मे काम

करने अथवा अपनी मन पसन्द योजना, उद्देश्य या आदर्श के लिए धुआंधार गति से काम करने मे मिलेगी।

प्रेम-प्रसगो मे भी आप परिवर्तन चाहेगे। नया चेहरा सदा आपको लुभाएगा। नयापन रहने तक आप व्यक्तियो और परिस्थितियो मे खूब रच-खप कर रहेगे।

आप नृत्य, गीत और चचलता या शीघ्रता चाहने वाले खेलो के शौकीन होगे। आप विमानो और तेज मोटरकारो मे, दरअसल दूरी घटाने वाले सभी साधनो मे, दिलचस्पी लेगे। आपको सलाह देना या समझाना आसान नही होगा क्योकि आप मे अपने ही कायदे-कानूनो पर चलने की प्रवृत्ति है।

आर्थिक दशा

दूसरो के लिए योजनायें बनाने मे आप अत्यधिक कुशल होगे। आप इतने बहु-मुखी और हर काम के अनुरूप अपने को ढाल लेने वाले होगे कि कोई काम आपसे छूटेगा नही। सबसे बडा खतरा ऐसे अवाछनीय परिचितो से होगा जो आपके सम्हलने से पहले ही आपको परेशानी मे डाल सकते हैं।

स्वास्थ्य

आप अपने स्नायुओ से बहुत अधिक काम लेगे और अपने को थका लेगे। आप शरीर के विभिन्न भागो मे नसो मे दर्द से पीडित हो सकते हैं। कभी-कभी आपको अपचन की तीव्र शिकायत और अन्दरूनी अगो मे गडबडी की शिकायत होगी। इस स्थिति मे आप ऐसे उपायो की ओर दौडेगे जो आपको जल्दी-से-जल्दी आराम दे सकें। आप मादक द्रव्यो या उत्तेजक दवाओ के आदी हो सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अक, विशेषकर जून और सितम्बर मे 'पाच' है। इसके बाद 'एक' है। आपको अपने कार्यक्रम और योजनायें इन्ही मूलाको वाली तिथियो पर पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही मेरा कहना है कि जहा तक अक का नियम है, पाच अक वाले व्यक्ति उससे सबसे कम प्रभावित होते हैं। वे सभी अको और व्यक्तियो के अनुरूप अपने का ढाल लेते है।

यही बात रगो के बारे मे है। आप कोई भी रग पहन सकते हैं किंतु दिल से हलके रगो को पसन्द करेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, और चमकीले नग।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलाक वाले होंगे। इसी मूलाक वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप कुछ लगाव महसूस कर सकते हैं।

6, 15, 24 (मूलाक 6) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके बारक ग्रह शुक्र, सूर्य और यूरेनस हैं। आपके जीवन और वृत्ति मे शुभ या स्नेही या प्रेमी स्वभाव प्रमुख रूप मे प्रकट होगा। आप स्वभावत सम्पर्क

मे आने वाले सभी व्यक्तियो के साथ सहानुभूति और उदारता से पेश आएगे। विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होगे। आपमे प्रेम की तीव्रता इतनी अधिक होगी कि उसके किसी-न-किसी रूप के बिना जी नही सकेंगे। इसका यह मतलब नही है कि वासना या पाशविक वृत्ति आपके जीवन मे छाई रहेगी। इसके विपरीत यह योग आपको परिवार के प्रति आशा से अधिक स्नेहालु और उच्च आदर्शों वाला बनाएगा।

आप जहा कही होगे, आसानी और तेजी से मित्र बना लेंगे। आप सामाजिक जीवन के लिए तरसेंगे। मित्रो का सत्कार करना सामर्थ्य के अनुसार उन्हें अच्छे-से-अच्छा खिलाना-पिलाना चाहेंगे। पूरी सम्भावना यह है कि अपनी इस इच्छा के कारण आप शुक्र का एक या अधिक गुण अपना लेंगे, जैसे सगीत, कला, विशेषकर मचकला, फिल्मी दुनिया, साहित्य, कविता, गायन, नृत्य आदि।

आप युवको मे गहरी दिलचस्पी लेंगे और सदा उनसे घिरे रहेगें। शायद इसीलिए आप न कभी बूढ़े दीखेंगे और न बुढापा महसूस करेंगे। अपने स्वभाव के इस पक्ष को जीवन्त रखने के लिए आप इस बात के लिए लालायित रहेंगे कि आपका घर हमेशा नये-नये चेहरो से भरा रहे। इसके लिए आपको बहुत गलत भी आका जाएगा और यही आपकी जीवन-नौका के ध्वस्त होने का खतरा है। यूरेनस के प्रभाव से आप विचित्र, लीक से अलग चलने वाले लोगो को काफी आकर्षित करेंगे।

अपने उदार स्वभाव के कारण आप अपने मित्रो के दोषो की उपेक्षा कर देंगे और जिस बदनामी को आप टाल सकते हैं, उसे अपने सिर पर ले लेंगे। फिर भी यह ग्रह योग शुभ है और आप आशा से अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

मैं आपको चेतावनी देना चाहता हू कि अपने मित्रो और सम्बन्धियो के प्रति अति उदार मत बनिए, दिखावे के चक्कर मे अपव्यय कर अपने आर्थिक कोष को खाली मत कीजिए। लेकिन आम तौर से आप भाग्यशाली और सफल जीवन बिताएंगे तथा जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी मे महत्वपूर्ण पद प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आप धन कमाने के बारे मे आश्वस्त हो सकते हैं, पूजी लगाना आपके लिये आम तौर से भाग्यशाली रहेगा और आप धनी व्यक्ति बनेंगे। सगीत, साहित्य, नृत्य, रगमच आदि अपनी किसी प्रतिभा को विकसित करके भी धन कमाएंगे।

स्वास्थ्य

आपको बहुत स्वस्थ जीवन बिताना चाहिए। कुछ खतरा पशुओं से रहेगा। शायद उनके प्रति आपका प्रेम इसका कारण हो। बुढ़ापे मे दिल की कमजोरी से कुछ परेशानी हो सकती है। जलोदर की भी प्रवृत्ति होगी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छः' 'एक' और 'चार' हैं। मैं आपसे अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए 'चार' अंक को काम में लेने की सिफारिश नहीं करूंगा। इसके प्रभाव पर नजर रखिए। यह आपके जीवन में बार-बार आएगा, लेकिन आशा के बजाय चेतावनी के रूप में।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'छः' मूलांकों वाले रहेंगे। 'एक' 'चार' 'तीन' या 'छः' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीला और सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा हैं। आपके भाग्य रत्न हैं फीरोजा, सभी नीले रंग, हीरा, पुखराज और अम्बर।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्च्यून, चन्द्र, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक बहुत विचित्र संयोग है।

नेप्च्यून आपको अत्यन्त महत्वाकांक्षी बनाएगा लेकिन सामान्य ढंग से नहीं। यह महत्वाकांक्षा दूसरों पर प्रभुत्व या शासन की नहीं होगी बल्कि आपके काम से सम्बन्धित होगी, उसकी सफलता के लिए।

आपके मन में गुप्त विद्याओं और दार्शनिक विषयों के साथ ही सभी ललित कलाओं के प्रति प्रेम होगा, जैसे संगीत, चित्रकला, काव्य, मंचकला, ऑपेरा आदि। आपका व्यवहार शान्त और शालीन होगा। आपमें भावुकता होगी जिसका झुकाव बहुत-कुछ अध्यात्मवाद की ओर होगा। अपने साथियों के प्रति आप सहृदय और उनका भला करने वाले होंगे। आपके प्रेम-प्रसंगों में अनेक दर्द और निराशाएँ होंगी लेकिन उनके कारण आप अपनी भावनाओं को कठोर और कटु नहीं होने देंगे।

आप अपने विचारों और दूसरों की राय के बारे में मौलिक लीक से हटकर और स्वतन्त्र होंगे। आप स्पष्ट पसन्द और नापसन्द वाले होंगे। आपके जीवन में लोमहर्षक अभियान और असामान्य तथा विचित्र प्रेम-प्रसंग आएंगे जिनकी आलोचना होगी तथा आपको परेशानी होगी।

आप किसी ऐसे काम में सफल होंगे जिसमें आप विशुद्धतः अपने व्यक्तित्व पर निर्भर रहें, व्यापार-व्यवसाय में नहीं।

आपमें सदा यात्रा और स्थान-परिवर्तन की तीव्र इच्छा रहेगी लेकिन आपको अपने स्वभाव की चंचलता को अच्छी तरह नियन्त्रण में रखना चाहिए। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होंगे। आपको प्रेरणा और अन्तर्ज्ञान का वरदान होगा। रहस्यवादी या गुप्त विषयों पर लिखने में, या कल्पनाप्रधान चित्रकारी में, या अपने निजी व्यक्तिवादी दृष्टिकोण से साहित्य-रचना में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आपका न तो रुपये-पैसे से मोह होगा और न लीक वाले व्यापारिक जीवन मे। फिर भी दूसरो के कल्याण के लिए आत्मत्याग की भावना से धन कमाना चाहेंगे और अपने मन को भाने वाले पद स्वीकार कर लेंगे। इसका यह मतलब नहीं कि आप धन नही कमा सकेंगे बल्कि आपके लिए स्वभाव के अनुकूल कुछ कर पाना कठिन होगा। यदि निजी प्रयासो से अलग कोई आय हो तो सट्टेबाजी से या दूसरो की सलाह पर चलकर उसे बढ़ाने का प्रयास कीजिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य का प्रश्न पूरी तरह आपके मन पर निर्भर होगा। आम भाषा मे आप देखने मे बहुत तगड़े नही होंगे, पर तगड़े दीखने वाले लोगो से आपमे सहन-शक्ति अधिक होगी। आप भोजन के बारे मे विचित्र धारणा रखेंगे और इसमे आपको अपनी अन्तःप्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए।

आपके लिए 'सात' और 'दो' अक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। 21 जून से 30 अगस्त तक और 25 दिसम्बर से मार्च के अन्त तक उनका और भी विशेष मतलब होगा। आपको अपने कार्यक्रम निश्चित करने मे इन अको का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। आपको इन्ही अको वाले मकानो मे रहने का प्रयास करना चाहिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' क मूलाको वाले होंगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रग हलके हरे, कबूतरी, नारगी, पीले या सुनहरी हैं। नीला रग भी चलेगा लेकिन गहरे और काले रगो से यथासभव बचिए। आपके भाग्य रत्न हैं, चद्रकात मणि, हीरा, मोती, जेड और अम्बर।

8, 17, 26 (मूलाक 8) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि, यूरेनस और सूर्य हैं। 'चार' और 'आठ' के अको का आपके जीवन या वृत्ति मे भारी महत्व रहेगा।

यह एक बहुत विचित्र योग है। यदि आपको अपने जीवन से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करना है तो अधिकतम समझदारी से काम लेना होगा। यह योग आपके चरित्र और जीवन को विरोधो से पूर्ण बनाएगा, जिससे दूसरे लोगो के लिए आपको समझना या आपके लिए परिस्थितियो का लाभ उठाना बहुत कठिन होगा।

आपका स्वभाव उदार और दूसरो का भला करने वाला होगा, लेकिन आपको उसका उचित श्रेय नही मिलेगा। आपमे अत्यधिक दृढ इच्छाशक्ति होगी, लेकिन

कठिनाई या विरोध को देखते हुए आपमें हठी होने की प्रवृत्ति रहेगी। आपमें भारी महत्वाकांक्षा होगी, लेकिन दूसरों की योजनाओं से उसका मेल नहीं बैठेगा। इसलिए आपके लिए सभी प्रकार की साझेदारियों से दूर रहना अच्छा रहेगा। आपको अपने साथियों में अकेले पड जाने का डर नहीं होना चाहिए।

दो एकदम विरोधी विचारधाराओं में आप एक पक्ष को चुनेंगे। आप या तो धर्म के प्रति अनास्थावान और नास्तिक बन जाएंगे अथवा इसके एकदम उलट, अर्थात् बहुत कुछ कट्टर और अंध श्रद्धा वाले। अपने हर काम में तीव्र भावनाओं तथा इच्छाओं का परिचय देंगे। दरअसल अपनी प्रसन्नता और भौतिक सफलता के लिए ता बहुत ही अधिक। एक विचित्र विरोध की बात यह होगी कि यदि आप प्रारम्भिक आयु में अनास्थावादी या भौतिकतावादी हैं तो बाद में आपके इसका ठीक उलटा बन जाने की पूरी सम्भावना है। इसी प्रकार यदि प्रारम्भ में कट्टर और अंधश्रद्धा वाले हैं तो बाद में अनास्थावादी या भौतिकवादी हो जाएंगे। हर हालत में आपको विचित्र अनुभव हो सकते हैं।

आपके अनेक गुप्त शत्रु होंगे और अनेक बार बदनामी तथा घोटालों का सामना करना होगा। आप किसी पद पर पहुंच जाए, छिपे हमलों का खतरा रहेगा ही। अतः आपके लिए सभी प्रकार की क्षतियों और दुर्घटनाओं के लिए बीमा करा लेना अच्छा रहेगा।

पारिवारिक जीवन और विवाह दोनों में आपको असामान्य अनुभव होने की सम्भावना है। अपने और ससुराल वाले सम्बन्धियों से दुःख या परेशानी हो सकती है। आपके सबसे अच्छे मित्र या साथी असामान्य लोग या असाधारण धन्धों में लगे लोग होंगे।

आपको निराशा या गलत समझे जाने की भावना से सावधान रहना चाहिए।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के लेन-देन में आपको भारी सतर्कता बरतनी होगी। आप दूसरों पर भरोसा नहीं कर सकेंगे। नौकर या छोटे लोग आपको लूट सकते हैं या धोखा दे सकते हैं। सफल होने के लिए अपने कारोबार को अपने ही हाथों में रखना चाहिए। पुराने जमे-जमाए कारोबार में, अथवा भूमि, मकान, खान और खनिज के व्यापार में आप पैसा कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में भी परस्पर-विरोधी बातें होंगी। आप या तो असाधारण रूप से तगडे होंगे या इसके उलट। कुछ रहस्यमय मानसिक प्रभाव ऐसे व्यक्तियों के जीवन का नियन्त्रण करते हैं। अपने विरोधियों का विचार ही आपका

बीमार कर सकता है। ऐसी हालत मे बीमारी भी विचित्र होगी और साधारण उपाया से उसे ठीक कर पाना आसान नही होगा। बढ़िया-से-बढ़िया डाक्टर भी गलत इलाज कर बैठेंगे।

आप अन्दरूनी दर्दों मे पीडित हो सकते हैं जिनका निदान बहुत कठिन होगा। आप पर दवाओ का विष शीघ्र प्रभाव करेगा। आतो मे रुकावट होने की सम्भावना है। इनके बावजूद आप इतने ही रहस्यपूर्ण उपायों से ठीक हो जाएगे। सम्भावना आपके लम्बी आयु भागने की है।

आप अनेक दुर्घटनाओ के शिकार हो सकते है। इनमें पैरो की हड्डिया टूटने या मोच आने की सम्भावना ह। आप गठिया से भी यातना भोग सकते हैं।

आपके महत्त्वपूर्ण अक 'चार' और 'आठ' हैं। मैं इनके भाग्यवर्द्धक होने का आश्वासन नही दे सकता, क्योंकि ये बहुत-कुछ भाग्याधीन हैं। उनका सामना करने के लिए आप पहले से तैयार रह।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलाको वाले रहेगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सभी गहरे रग, विशेषकर गहरा जामुनी, काला, गहरा नीला, आपके लिए अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न है काला हीरा, काला नीलम, काला मोती और सभी काले नग।

9, 18, 27, (मूलाक 9) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह, मगल, सूर्य और यूरेनस हैं।

मगल आपको काफी ऊर्जा शक्ति देगा लेकिन आपको अपने काम मे बहुत आवेशी भी बनाएगा। आप बोलने मे जल्दबाजी से काम लेंगे, बहुत मुहफट होंगे, शीघ्र क्रोध मे आने वाले होंगे और अपने अडियल कामो से लोगो को दुश्मन बना लेंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्रताप्रिय होगा। किसी प्रकार का अकुश या आदेश दिया जाना पसद नही करेंगे। आपमे न्याय और कानून की गहरी समझ होगी और सभी विवादो मे आम तौर से कमजोर पक्ष का साथ देंगे।

आप बहुत ईमानदार होंगे और दूसरो से सीधे व्यवहार पर बल देंगे। उद्यमी भावना के कारण अपने कधो पर बहुत अधिक बोझ उठा लेने का रुझान होगा। अपनी सुरक्षित शक्ति को नियन्त्रण मे और बचाकर न रखा तो अपने को थका डालेंगे और औसत आयु नही भोग पाएगे। आपका सबसे अच्छा उपयोग व्यापार मे या नगर-पालिका, सरकारी दफ्तर, राजनीति, सरकार मे या सैनिक मामलो मे जिम्मेदारी के पदो पर हो सकता है।

आपकी वृत्ति मे अनेक उतार-चढाव आने की सम्भावना है। कभी उच्च पदों पर आसीन हो सकते हैं और कभी प्रकटन घटनाचक्र से मेल न खाने के कारण निष्क्रिय होकर बैठ सकते हैं। जाने-अनजाने म आप जो कुछ करेंगे, उसमे काफी दुश्मनी और अपनी योजनाओ का विरोध पैदा कर लेंगे। आप ऐसे दुश्मन पाल सकते हैं, जिनकी दुश्मनी जीवन भर चलेगी।

दिल से आप वास्तव मे उदात्त और उदार होंगे, लेकिन लडाई जारी रहने तक इन गुणो को प्रकट नही कर सकेंगे। जब दुश्मन पिट चुकेगा तब सम्भवत आप उसे अपने पैरो पर खडे होने मे सहायता करें।

अनेक असामान्य स्थितियां, हिंसा, आग, विस्फोट, आग्नेयास्त्रों मे जीवन को खतरा आदि का सामना करना पड सकता है। दुघटनाओं मे सिर या पावों को चोट पहुच सकती है। लेकिन मृत्यु का सबसे बडा खतरा अत्यधिक परिश्रम के फलस्वरूप मूर्च्छा से या दिल के दौरे मे हो सकता है।

आपके अनेक विचित्र प्रेम-प्रसग, गुप्त मैत्रिया और रूमानिया सम्बन्ध रहने की सम्भावना है, लेकिन आम तौर मे गलत आदमियो के साथ। उनमें प्राय खतरे का भी कुछ तत्व रहेगा।

आप दमदार खेलों और जोखिम मे भरे दुस्साहसपूर्ण अभियानों के शौकीन होंगे। आपमे मशीनो से काम लेने, उनका कारोबार करने और उनसे सम्बन्धित आविष्कारो की काफी योग्यता होगी। आपको अपने मे उच्च पदो पर बैठे व्यक्तियो से मेल रखना चाहिए। आपको सबसे अधिक परेशानी छोटे लोगो या नौकरों से होगी।

आर्थिक दशा

रुपये-पैसे के मामले मे शुरू के वर्षों मे काफी कठिनाइयो और निराशा का सामना करना पडेगा। 36 वर्ष के बाद व्यापारिक सगठनो और वित्तीय मामलो मे आम तौर से बहुत सफल होने की आशा है। आपको सभी प्रकार की सट्टेबाजी और शेयरो की खरीद मे बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपका शरीर तगडा और जोशीला होगा, लेकिन अकस्मात् तापमान बढने और बुखार चढने की प्रवृत्ति रहेगी। कमर मे लचक या चोट की सम्भावना है। अनेक दुघटनाओं और हाथ-पैरों मे चोट की भी प्रवृत्ति रहेगी। आपके सबसे भाग्य-वर्द्धक अक 'नौ' और 'एक' है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांको वाले रहेंगे। 'नौ' और 'एक' मूलांक वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके भाग्यवर्धक रंग हैं लाल, सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा। आपके भाग्य रत्न हैं—लाल, तामडा, रक्तमणि, हीरा, पुखराज।

अध्याय 9

सितम्बर

कन्या राशि 21 अगस्त से प्रारम्भ होती है लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि सिंह के साथ इसका संधि-काल चलता है, इसलिए 28 अगस्त से ही यह पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 सितम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि तुला के साथ इसकी संधि के कारण इसका प्रभाव उत्तरोत्तर कम होता जाता है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 अगस्त से 20-28 सितम्बर तक पैदा हुए व्यक्ति आम तौर से जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उनमें आश्चर्यजनक स्मरण-शक्ति वाली बुद्धि होती है। अपने सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहते हैं और उनके प्रति अच्छे-बुरे की समझ होती है। आम तौर से उन पर न हावी हुआ जा सकता है और न उन्हें धोखा दिया जा सकता है।

वे हर बात का गहराई से विश्लेषण और परख करते हैं। वे अच्छे आलोचक होते हैं, आम तौर से इतने अधिक कि उन्हें भलाई या प्रसन्नता नहीं मिल पाती। बेमेल वस्तुओं पर उनका ध्यान बड़ी जल्दी जाता है। अपने घरों के बारे में उनकी उत्तम रुचि होती है।

आमतौर से वे किसी काम के प्रारम्भकर्त्ता नहीं होते, लेकिन जो योजनाएं या काम उन्हें आर्पित करते हैं अथवा जिन्हें दूसरे लोग पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें वे सफलता से पूरा कर देते हैं। जिस लक्ष्य की ओर उनका ध्यान जाता है, पूरे दत्तचित्त होकर उसके लिए काम करते हैं और जब तक उसे प्राप्त नहीं कर लेते, चैन से नहीं बैठते।

वे पद का बहुत अधिक सम्मान करते हैं। कानून तथा कानून के फैसले का उत्साह से समर्थन करते हैं। वे उत्तम वकील और वक्ता बन सकते हैं, लेकिन उनका झुकाव नये विचारों को जन्म देने के बजाय पूर्व दृष्टान्तों का समर्थन करने की ओर अधिक रहता है। मेहनती स्वभाव, इच्छाशक्ति और संकल्प के कारण वे वैज्ञानिक खोज और व्यापार में भी सफल होते हैं।

उनमें अपने तक और अपने विचारों तक सीमित रहने की प्रवृत्ति होती है। लक्ष्य-प्राप्ति के लिए वे स्वार्थ से भी काम लेते दिखाई देते हैं। अन्य किसी वर्ग की अपेक्षा उनमें अच्छाई और बुराई की हद तक जाने की क्षमता अधिक होती है। यदि उनमें पैसे का मोह पैदा हो जाए तो उसे पाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

वे प्रायः किसी भी भाग के अनुरूप अपने को ढाल सकते हैं।

प्रेम के विषय मे उन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। सबसे अच्छे और सबसे बुरे स्त्री-पुरुष वर्ष के इस भाग मे पैदा हुए हैं। प्रारम्भिक वर्षो मे प्रायः सभी नेक और साफ दिल वाले होते हैं। लेकिन जब बदलते हैं तो पूरी प्रतिहिंसा से बदलते हैं और इसके ठीक उलटे बन जाते हैं। फिर भी कानून के प्रति जन्मजात सम्मान-भावना और अपनी स्वाभाविक कुशलता के कारण वे दूसरे वर्ग के लोगो की अपेक्षा अपनी भावनाओ को छिपाने मे अधिक सफल रहते हैं। यदि स्वयं पर काबू नही हुआ तो उनमे प्रायः मादक द्रव्यों और शराब के सेवन की प्रवृत्ति पैदा हो जाती है।

स्वास्थ्य के बारे म आम तौर से वे रोगो के अपेक्षाकृत कम शिकार होते हैं, लेकिन उनमे एक विचित्र बात यह होती है कि अखबारो मे पढकर हर बीमारी म स्वयं के पीडित होने की कल्पना करने लगते है।

भोजन के बारे मे वे बहुत सुरुचिपूर्ण होते हैं। रुचि का भोजन न मिलने पर उनकी भूख मर जाती है। वातावरण के प्रति वे अत्यन्त सवेदनशील होते हैं। तालमेल मे जरा-सी कमी या चिढन से उनकी स्नायु प्रणाली पर प्रभाव पडता है और उन्हें कब्ज या पेचिश की शिकायत हो सकती है। उनमे फेफडो की परेशानी की भी प्रवृत्ति होती है। कधो और भुजाओ की नसो मे दर्द हो सकता है।

इस अवधि मे पैदा हुए लोगो को अपेक्षाकृत अधिक धूप और ताजी हवा की आवश्यकता होती है।

ऐसे लोग सबसे प्रबल मानसिक धरातल पर होते हैं। जीवन के प्रति उनके विचार आम तौर से यथार्थवादी, विश्लेषणात्मक, सदेही, चतुर और पारखी होते हैं। भीड का साथ देने के बजाय वे प्रायः एक अलोकप्रिय उद्देश्य की हिमायत करते हैं।

मानव स्वभाव के उत्तम पारखी होने के कारण वे आम तौर से अपनी पहली धारणा पर भरोसा कर सकते है। लेकिन वे बाल की खाल निकालने वाले होते हैं और यदि इस प्रवृत्ति का ठीक से नियन्त्रण न नही रखेंगे तो बाद मे रोगभ्रमी हो जाएगे। इन लोगो के लिए पैसे की बहुत कीमत होती है।

साहित्य-समीक्षक और कला-समीक्षक के रूप मे वे प्रायः अत्यन्त कुशल रहते हैं। स्मरणशक्ति अच्छी होती है, तेजी से पढ सकते हैं और उनका ध्यान कमजारियो की ओर शीघ्र चला जाता है। कडी मेहनत, दूरदर्शिता और असाधारण परिशुद्धता से वे प्रायः सफलता प्राप्त कर लेते हैं, हालांकि वर्षो तक वे छिपे रहे आते हैं। देर-सवेर उन्हें प्रमुखता मिलती ही है।

उनमे प्रेम का बहुत गहरा भाव होता है, लेकिन भावुक या दिखावे वाला नही। एक बार प्रेम पैदा हो जाने पर वे बहुत वफादार रहते हैं, लेकिन ईर्ष्यालु होने की भी प्रवृत्ति होती है। उनके विचार दृढ और ओजस्वी होते हैं। एक बार निश्चय

कर लेने पर दुनिया का कोई उपदेश उन्हें अपने विचारों से तिलभर नहीं डिगा सकता। उनमें प्राय वस्त्रों और साज-शृंगार पर बहुत अधिक ध्यान देने की प्रवृत्ति रहती है।

दृढ इच्छाशक्ति और सकल्प के कारण वे असफलताओं से हिम्मत नहीं हारते। उनकी बौद्धिकता मूलत प्रगतिशील होती है, किन्तु विस्तार पर वे बहुत अधिक ध्यान देते हैं। उन्हें दूसरों के गुणों को सराहने, अधिक सहिष्णु होने और आलोचना में अधिक नर्मी बरतने की आदत डालनी चाहिए।

कन्या राशि में जन्मे लोग गम्भीर और विचारक होते हैं। वे सदा ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं और प्राय भाषणों और कक्षाओं में उपस्थित रहते हैं। अच्छे वक्ताओं को सुनना पसन्द करते हैं और स्वय भी भाषा पर अच्छा अधिकार रखते हैं।

इन लोगों के बारे में एक विचित्र बात यह है कि वे सदा जवान रहते हैं और उनकी आयु मालूम नहीं होती है। छोटी-छोटी बातों पर वे चिढ और नाराज हो जाते हैं लेकिन रक्तपात से घृणा करते हैं। वे अच्छे मध्यस्थ और प्रतिनिधि होते हैं।

आर्थिक दशा

वर्ष के इस मास में पैदा होना आर्थिक दृष्टि से शुभ है। व्यापार की अच्छी योग्यता, सावधान अल्पव्ययी स्वभाव। दूसरों के बहकावे में न आने वाले मकानों, भूमि आदि में पूजी लगाने के लिए यह शुभ योग है।

स्वास्थ्य

कन्या में जन्मे लोग अत्यन्त सवेदनशील होते हैं और उन पर चिन्ता का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पडता है। पाचन अग आम तौर से कमजोर होते हैं और भोजन में सावधानी न बरतने पर अक्सर आमाशय में घाव हो जाते हैं। हलका सादा भोजन, ढेर सारा पानी, ताजा हवा, धूप स्नान और सामान्य से अधिक निद्रा और विश्राम आम तौर से इन लोगों को पुन स्वस्थ कर देते हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारियां

अपनी निजी राशि कन्या (21 अगस्त से 20 सितम्बर) थल त्रिकोण की दो अन्य राशियों वृष (21 अप्रैल से 20 मई) और मकर (21 दिसम्बर से 20 जनवरी) इनके पीछे के सधि-काल के सात दिन तथा अपने से सातवीं राशि- मिथुन (फरवरी से मध्य मार्च तक) के दौरान पैदा हुए व्यक्तियों के साथ कन्या राशियों के वैवाहिक या साझेदारी के सम्बधों की सफलता की सबसे अधिक सम्भावना है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य यूरेनस और बुध (सौम्य) हैं। इस राशि में सूर्य आपको बहुत सक्रिय मस्तिष्क देगा जो ज्ञान को आसानी से ग्रहण कर सकेगा।

आप जो भी काम या अध्ययन हाथ में लेंगे उसी में विचारशील प्रकृति के सच्चे अध्येता और बहुत परिश्रमी होंगे।

आपका भाषा पर अच्छा अधिकार होगा। सुन्दरता को हर रूप में प्यार करेंगे। लेकिन अपना सच्चा व्यवसाय चुनने में भारी कठिनाई होगी। आप अनेक दिशाओं में प्रयास करेंगे और अतत: जिस रास्ते पर चलना है, उस पर पांव जमाने के लिए मध्य आयु या उसके बाद तक प्रतीक्षा करनी होगी। आपमें सम्पत्ति प्राप्त करने की काफी उत्कंठा होगी, लेकिन शुरू के वर्षों में उसका संग्रह करने में भारी कठिनाई होगी।

आपका मुख्य दोष यह है कि बडी आसानी से ऊब उठते हैं, और बहुत अधिक चिन्ता करने लगते हैं। आपको एकाग्रचित्त होने, अपने में तथा अपने लक्ष्य में विश्वास पैदा करने और अपनी योजनाओं के अमल में विलम्ब या उत्साह भंग को बाधक न बनने देने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार काम करने से अन्त में आप अधिकांश अन्य लोगों से अधिक सफल होंगे।

आर्थिक दशा

पैसा कमाने के लिए आपकी परिस्थितियां आम तौर से बहुत शुभ हैं। आप आसानी से दूसरों का विश्वास प्राप्त करेंगे और वे आपको विश्वास तथा जिम्मेदारी के पदों पर बैठाएंगे। स्वयं पूंजी लगाने में और उद्योग या व्यापार जमाने में भाग्यशाली होंगे।

स्वास्थ्य

आप अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति की अपेक्षा कर सकते हैं लेकिन एकदम ठीक रहने के लिए अधिक-से-अधिक ताजा हवा लीजिए और व्यायाम कीजिए। स्वभाव से आप तंग बस्तियों में या घर में घुसकर रहने लायक नहीं हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' है। 'पांच' भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' मूलांक वाले रहेंगे। 'एक', 'दो', 'चार' और 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सभी हलके रंग भाग्यवादी रहेंगे, विशेषकर हलका पीला, सुनहरी, नारंगी और हलका नीला। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, नीलम।

2, 11, 20, 29, (मूलांक 2) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चन्द्रमा, नेप्चून और बुध हैं

आपमें बहुत उर्वर कल्पना शक्ति और उत्तम मानसिक क्षमता होगी किन्तु बार-बार परिवर्तन का चाव आपको अपनी योग्यताओं से पूरा लाभ उठाने नहीं देगा। आपमें नभी बौद्धिक अध्ययनों की गहरी इच्छा होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में जाने के बजाय ऐसे काम करना अधिक पसन्द करेंगे।

आपमें आडम्बर नहीं होगा, बल्कि बिना दिखावे का शांत जीवन पसन्द करेंगे। जिस काम में भी लगे होंगे पूरे भरोसे और ईमानदारी से काम करेंगे लेकिन पर्याप्त आत्मविश्वास और अपनी योग्यता में यकीन न होने के कारण उत्साह का अभाव रहेगा। प्रयत्न से आप अपनी इस दुर्बलता को दूर कर सकते हैं।

आप शोध छात्र के रूप में, साहित्य में, कलात्मक काम में और कैमिस्ट या किसी विज्ञान के काम में भी, अच्छी सफलता पा सकते हैं। आपको फूलों, बागवानी और प्रकृति से घनिष्ठ रूप में जुड़ी वस्तुओं तथा धरती के पदार्थों से प्रेम होगा, लेकिन व्यावसायिक भावना न होने से उनसे आर्थिक लाभ नहीं उठा सकेंगे।

आपमें मित्र बनाने और मित्रता बनाए रखने की क्षमता है, विशेषकर अपने विपरीत लिंगियों से। आप अनेक बार स्थान परिवर्तन और यात्रायें करेंगे।

अपने जीवन साथी के चुनाव में विशेष सावधानी बरतिए और जल्दबाजी में निर्णय मत कीजिए। अच्छा हो यदि बड़ी आयु में विवाह करें क्योंकि मध्य आयु के लगभग या बाद में आपके विचारों में क्रान्तिकारी परिवर्तन हो सकता है।

कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के दौरे पड़ने की भी सम्भावना है। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि चन्द्रमा का आप पर कितना प्रभाव है। आपका सबसे अच्छा समय शुक्ल पक्ष का होगा। इसी में अपनी योजनायें पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। कृष्ण पक्ष में चुपचाप रहे आना बेहतर होगा। निराशा और उदासी से दूर रहिए क्योंकि इसका आपके पाचन अंग और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

आप दूसरों का मन पढ़ने के गुणों का विकास कर सकते हैं। किन्तु उन्हें बहुत कुछ अपने तक सीमित रखेंगे

आर्थिक दशा

आप व्यापार के बजाय दिमागी काम से धन कमाएंगे, किन्तु धन की इच्छा से आकर्षित होने पर बड़े उद्यम के प्रमुख के रूप में भी अच्छा काम कर सकते हैं। आप साहित्य में आलोचक, पुस्तक समीक्षक, प्रूफरीडर के रूप में, शिक्षक, सचिव, या नई-नई वस्तुओं के लिए यात्री के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। आप अल्पव्ययी और पैसे का सावधानी से खर्च करने वाले होंगे। भविष्य के बारे में बहुत चिन्तित

रहेंगे लेकिन अपनी आवश्यकताओं के लायक आपके पास काफी धन रहने की आशा है।

स्वास्थ्य

पाचन अंगों, पेट और आंतों की गड़बड़ी से आपको अनेक धक्के लगेंगे। भोजन का अध्ययन कर और अपने शरीर के अनुकूल पदार्थ चुनकर उनसे बच सकते हैं। बच्चे-पक्के खाने के प्रति आप अत्यधिक संवेदनशील होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' के मूलांक वाले रहेंगे। 'दो-सात' मूलांकों वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्धक रंग हैं हलके हरे, सिलेटी और नीले। आपको गहरे, काले रंगों से बचना चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं जेड, चन्द्रकांत मणि, मोती। हरा जेड सर्वोत्तम रहेगा।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और बुध हैं।

दिल से आप अत्यन्त महत्वाकांक्षी होंगे और अपने जन्म के तथा प्रारम्भिक जीवन के वातावरण से ऊंचे उठने के लिए संकल्पबद्ध होंगे। आप किसी पद पर पहुंच जायें, आसानी से सन्तुष्ट नहीं होंगे। आप बेतहाशा गति से आगे बढ़ना चाहेंगे। यदि इस प्रवृत्ति पर नियन्त्रण नहीं लगाया तो कभी-कभी निढाल होकर बैठ जाने का खतरा है।

आपके लिए अपने आस-पास के लोगों पर प्रभुत्व जमाना एकदम स्वाभाविक है। अपनी योजनायें पूरी करने के लिए आपमें दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प होंगे, लेकिन साथ ही दूसरों के विरोध के मुकाबले में बहुत आगे तक नहीं बढ़ेंगे और अपने को वश में रखेंगे।

सम्पत्ति जमा करने की इच्छा में आप सांसारिकता बरतते दिखाई देंगे, किन्तु अपने ढंग से उदार और उदात्त भी होंगे। अपने व्यवहार में आप विवेक और संयम से काम लेंगे। आपका मस्तिष्क व्यावहारिक ढंग का होगा और सामने आने वाले किसी भी मामले का शीघ्र विश्लेषण कर देगा।

आप वैज्ञानिक जांच-पड़ताल और शोध से आकर्षित होंगे लेकिन अपनी लक्ष्य-पूर्ति के लिए उनका नौकर की भांति उपयोग करेंगे। यदि सम्पत्तिवान हुए तो विश्व-विद्यालयों को दान देंगे और शोध कार्य में छात्रों की सहायता करेंगे। आपका सबसे अच्छा काम उत्तरदायित्व-अधिकार और विश्वास के पदों पर होगा।

आप अच्छे संगठनकर्ता होंगे। दूसरों के लिए कानून बनाएंगे लेकिन अपने

कानून आप स्वय होगे। सम्भवत आपको अपनी योजनायें पूरी करने मे कुछ भी अनुचित या लीक से हटकर दिखाई नही देगा। आप उच्च श्रेणी के बुद्धिजीवी होंगे। कार्यकाल के विभिन्न चरणो मे सामने आने वाली कठिन-से-कठिन समस्याओ को भी मन से स्वीकार कर लेंगे।

आप दूसरो की जमकर आलोचना करने वाले और मित्रो तथा परिचितो के चुनाव मे सावधान होंगे। कुछ ही लोग आपके निकट आ पाएगे। विवाह एक विचित्र अनुभव रहने की सम्भावना है। विवाह अपने से नीचे काम करने वाले या ऐसे व्यक्ति से करेंगे जिस पर आप मानसिक रूप से छाए हुए हो।

आपको भूमि या मकान मे पूजी लगाने अथवा देश के विकास मे पहल करने, अथवा विदेशो या जन्म-स्थान से बहुत दूर के स्थानो मे सम्पर्कों से लाभ होगा। आप जन-जीवन मे या जनता के सामने लाने वाले किसी धधे में भी सफल होंगे।

आपके जीवन का पूरा रुख सफलता का रहेगा। एकमात्र खतरा सीमा से बाहर निकलने या किसी अति महत्वाकाक्षी योजना मे सब कुछ दाव पर लगा देने का है। यदि आप अपने को नियन्त्रण मे रखेंगे तो अपने साथियो से कही ऊचे उठने की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

आपको अधिक डरने की आवश्यकता नही है, हालाकि आप अति चिन्तित हो सकते हैं। आप किसी एक ढग के काम से चिपके नही रहेंगे। लेकिन कई कामो मे अपने पाव फसाए रहेंगे। आप मे भारी दूरदर्शिता और निर्णय-बुद्धि होगी तथा अपने काम मे सदा अपने प्रतिस्पर्द्धी से एक कदम आगे ही रहने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सम्बन्ध मे प्रमुख प्रवृत्ति पेट के ऊपरी भाग, जिगर, तिल्ली और पाचन अगो मे गडबडी और मधुमेह की होगी। आप अपने को मशीन समझकर अपना इलाज खुद करना चाहेंगे और डाक्टर को उसी भाति बुलाएगे जैसे मशीन ठीक करने के लिए मैकेनिक को बुलाते हैं।

आपके सबसे महत्वपर्ण अक 'तीन', 'पाच', और 'छ' हैं। अपनी योजनायें इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन मूलाक वाले रहेंगे। 'तीन', 'पाच', या 'छ' मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्ति के प्रति गहरा लगाव महसूस करने की सम्भावना है।

30 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियो के लिए आगामी राशि तुला शुरू हो जाती है। आपमे सितम्बर की 'तीन' मूलाक वाली अन्य तिथियो को जन्मे व्यक्तियो जैसे ही गुण होंगे, लेकिन उनसे अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आपके लिए सभी हलके रग और उनके साथ जामुनी, फालसाई तथा बैगनी रग भाग्यवर्द्धक रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, सभी चमकीले नग और कटेला।

4, 13, 22 (मूलांक 4) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और बुध हैं। यूरेनस के प्रभाव का बडा दिलचस्प महत्व है। यह आपको विचारो और कार्य मे इतना मौलिक और स्वतन्त्र बनाएगा कि अधिकाश लोग शायद आपको विचित्र और सनकी समझें। यदि आपको दूसरे लोगो से घुलने-मिलने के लिए विवश होना पडा तो आमतौर से इसे बहुत कठिन और परेशानी वाला पाएगे।

आप आसानी से मित्र बनाने वाले व्यक्ति नही होगे और जिन्ह मित्र बनाएगे उनके आपके और आपकी योजनाओ के लिए सहायक होने की आशा नही है। आप जीवन को अधिकाश लोगो से भिन्न कोण से देखेंगे। अन्य लोगों के और विशेषकर अपने परिजनो के, विचारो से आपके विचार मेल नही खाएगे।

आप असाधारण रूप से प्रबल इच्छाशक्ति और सकल्प वाले होंगे। हठी भी हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से आप दूसरो जैसे सफल नहीं रहेंगे क्योंकि प्राय अपने हितो के विरुद्ध काम करेंगे और सामने उठने वाले प्रश्न के भौतिक या अधिक फलि-ताथ की अधिक चिन्ता नही करेंगे।

आप अनेक लोगो को दुश्मन बना लेंगे क्योंकि आपके उद्देश्यो को ठीक मे नही समझा जाएगा। आपको ऐसे लोगो से विचित्र अनुभव होंगे। वे आपको गिराने की योजना और षड्यन्त्र रचेंगे और कभी-कभी आपको भारी परेशानी मे भी डाल सकते हैं।

आपके बारे मे झूठी कहानिया और गुमनाम पत्र प्रचारित किए जायेंगे। बार-बार गुप्त सूत्रो से घोटाले और बदनामी की खबरें उडने की भी सम्भावना है। आपके लिए यथासम्भव मुकदमेबाजी से दूर रहना उचित होगा क्योंकि आपको निजी तौर पर या अपने उद्देश्य के लिए न्याय मिलना कठिन है।

किसी अदृश्य कारण से दूसरे लोग आपके मामलो म एक के बाद एक ताल-मेल पैदा करेंगे और मामलो को सीधा करने के आपके प्रयासो मे भारी रोडा अट-काएगे। ऐसा होने पर यदि आप अपनी पहल पर काम करें और अपने निर्णय तथा अन्तःप्रेरणा पर भरोसा करें तो आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आप किसी प्रश्न पर वाद विवाद की गर्मी मे फैसला न करें। आपका स्वभाव तर्क के उलटे पक्ष को देखने का है। इससे मामला उलझेगा ही और लोग आपके विरोधी हो जाएगे।

यदि आप किसी स्वतन्त्र पद पर है और लोगो मे विचारो के अनुसार

नहीं चलना होता, तो आप अपने लीक से हटे विचारों पर अमल कर पाएंगे और अपनी मौलिकता से सफल होंगे। लेकिन यदि आप इतने शक्तिशाली नहीं हैं कि दूसरे लोगों के विचारों की चिन्ता न करें तो हर हालत में आलोचना के शिकार बनेंगे। आपके साथ और आपके लिए सदा 'अप्रत्याशित' ही घटेगा।

इस प्रयोग के साथ साझेदारी या विवाह से प्रसन्नता मिलना बहुत सन्देहास्पद है। विवाह में सफलता तभी मिल सकती है जब आपका जीवनसाथी आपके विचारों और योजनाओं को अपना ले।

आप सबसे अधिक बौद्धिक वस्तुओं की चिन्ता करेंगे। आप 'नये विचारों' पर चलेंगे। दर्शन, विज्ञान, रसायन शास्त्र, बिजली, टेलीविजन या रेडियो, दरअसल लीक से हटकर किसी भी काम से सम्बन्धित बातों में आपको सफलता मिलने की आशा है।

आर्थिक दशा

वसीयत में कमी या मुकदमेबाजी से आपका रुपया-पैसा छिन सकता है। धन कमाने के लिए अधिकतर अपने प्रयासों पर निर्भर रहना होगा। लीक से हटकर रचनात्मक कामों से आप ऐसा कर सकते हैं लेकिन सदा अकेले काम करते हुए ही सफल होंगे। आपका कर्मचारियों, नौकरों और अपने से छोटे लोगों की धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आप डाक्टरों के लिए पहेली रहेंगे। अधिकांशतः दुर्बोध ढंग की आकस्मिक और असामान्य बीमारियां होंगी। जितनी जल्दी बीमार पड़ेंगे, उतनी ही जल्दी ठीक हो जाएंगे। मन के संकल्प से आप अपेक्षाकृत दूसरों से अधिक स्वयं को ठीक कर लेंगे।

ये सभी लक्षण 22 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के बारे में इतने प्रबल नहीं होंगे। देर-सवेर में लोग अपने जीवन में 'चार' और 'आठ' अंकों के महत्त्व को देखेंगे। मैं इन्हें 'भाग्यवर्द्धक अंक' नहीं समझता क्योंकि आम तौर से उनके गंभीर या भाग्याधीन परिणाम होते हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' -मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आप नीले, सुनहरे, पीले और भूरे रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं- नीलम, पुखराज, हीरा और चमकीले नग।

5, 14, 23 (मूलांक 5) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह बुध है, जिसका मूलांक पांच है। आप इस अंक में अन्य

लोगों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे।

वैसे इस अंक में अन्य सभी अंकों के अनुरूप अपने को ढाल लेने का विचित्र गुण है। 'पांच' अंक वाला व्यक्ति भी अपने सम्पर्क में आने वाले तरह-तरह के लोगों के अनुरूप अपने को बना लेने की क्षमता रखता है। 21 अगस्त से 23 सितम्बर तक जन्मे व्यक्तियों पर अन्य वर्गों की अपेक्षा भाग्य का प्रभाव कम पड़ता है। उनको काम करने की अधिक स्वतन्त्रता रहती है। सम्भवतः इसी कारण वे किसी विशेष कार्यक्षेत्र में न मिलकर सभी कार्य क्षेत्रों में मिलते हैं।

आप ऐसे किसी काम में सफल हो सकते हैं जिसमें दिमाग और मानसिक योग्यता चाहिए। लेकिन आपका सबसे बड़ा दोष यह है कि आप अति बहुमुखी होंगे, कई नावों पर सवार रहेंगे और अनेक बार रास्ता बदलेंगे।

आप किसी भी एकरस काम को नापसन्द करेंगे। आपको सबसे अधिक लाभ ऐसे व्यवसाय में होगा जिसमें आप शीघ्र पैसा कमा सकें। दूसरों के प्रभाव में आए बिना यदि आप अपने ख्याल का काम अपनाएं तो बहुत सफल होंगे, लेकिन दूसरों के प्रभाव में आना बहुत-कुछ निश्चित ही है क्योंकि सौम्य बुध के प्रभाव के कारण आपमें आज का प्रभाव रहेगा। आप दूसरों की सलाह से बहलकर या तात्कालिक सनक में अपना धन्धा बदलकर अपने सर्वोत्तम अवसर गंवा देंगे। अतः इन तिथियों में पैदा होने पर आपको अधिक दृढ़ और ओजस्वी बनने का प्रयास करना चाहिए और जो भी काम करें, प्रयास जारी रखने की आदत डालनी चाहिए।

आप जहां जाएंगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। विदेशों की परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढाल लेंगे। आप भाषाएं सीखने के बजाय बोलना पसन्द करेंगे। आप किसी क्षण चल देने के लिए कमर कसे रहेंगे। आपके अनेक घर होंगे, लेकिन स्वयं उनमें रहने के बजाय, कम-से-कम कुछ समय तक टिककर, दूसरों के लिए घर बनाने की ओर आपका झुकाव होगा।

आपमें काफी व्यवहार-कुशलता और कूटनीतिक प्रतिभा होगी। आप मिलनसार और कुशल सत्कारकर्ता होंगे। जहां जाएंगे वहीं लोग आपके आस-पास घिरे रहेंगे।

लेकिन अब तसवीर का दूसरा पहलू देखिए—यदि आप सावधान नहीं रहे तो आपके स्वभाव के ये ही गुण आपके पतन का कारण बन जाएंगे। आपके मिलनसार स्वभाव पर दूसरे लोग आसानी से छा सकते हैं। कुशल बहुमुखी दिमाग और शीघ्र पैसा कमाने की भावना का लाभ आर्थिक मगरमच्छ उठा सकते हैं। मित्र बनाने और दूसरों के अनुरूप अपने को ढालने की प्रवृत्ति से आप हर प्रकार के खतरे में पड़ सकते हैं। उनमें कुछ आपको परिवर्तन के लिए गहरी उत्कण्ठा और आवेश के फलस्वरूप हो सकते हैं। यदि आप अपने को टीक से अंकुश में रखें तो यह सब कुछ घटना जरूरी नहीं है।

आपमें नई-नई बातों की खोज के लिए काफी प्रतिभा, मानसिक योग्यता और अपनापन है, अतः आप साहित्य या पत्रकारिता में अच्छा काम कर सकते हैं। कठिनाई यही है कि आप जमकर प्रयास नहीं करना चाहते और किसी भी अंकुश या एकरस काम को नापसन्द करते हैं।

विवाह बहुत भाग्यशाली रहने के संकेत नहीं हैं और एक से अधिक विवाहों की निश्चित सम्भावना है।

आर्थिक दशा

धन कमाने के लिए कोई एक धन्धा अपनाना प्राय असम्भव होगा। आप किसी पद और किसी काम में पैसा कमा सकते हैं। कभी-कभी 'सौभाग्य के दौर' भी आएंगे लेकिन आप बुढ़ापे के लिए पैसा जमा नहीं कर सकेंगे। मेरी सलाह है कि अच्छे दिनों में वार्षिकी ऋणपत्र आदि खरीद रखिए जो भविष्य में जरूरत के समय काम आ सकें।

स्वास्थ्य

आप आम तौर से कृशकाय होंगे और अपनी स्नायुओं से बहुत काम लेंगे। सदा ऊंचे तनाव की स्थिति में रहेंगे जिसका परिणाम स्वाभाविक टूटन में हो सकता है। आपके चेहरे के किसी भाग में फड़कन, हकलाहट, जिह्वा की नसों में परेशानी और बुढ़ापे में पक्षाघात या पावों में ऐंठन हो सकती है। आप कम सोने वाले या अनिद्रा के शिकार हो सकते हैं और आपको पर्याप्त विश्राम तथा नींद नहीं मिल पाएगी।

आप अपनी योजनायें या कार्यक्रम 'पांच' मूलांक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए, हालांकि अंकों और तिथियों का आपके लिए इतना महत्व नहीं होगा। आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेषकर आपके अपने महीने, जून और फरवरी में पैदा हुए लोगों के प्रति लगाव महसूस कर सकते हैं।

आप किसी खास रंग तक सीमित नहीं रहेंगे लेकिन आम तौर से सभी हलके रंग अधिक शुभ रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं: हीरा और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24, (मूलांक 6) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। शुक्र के गुण विशेष रूप से परिलक्षित होंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त सहानुभूतिपूर्ण होगा—ऐसा जहां प्यार और रोमांस

महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। लेकिन प्रेम प्रसंगों में काफी कठिनाइयां आने की सम्भावना है—प्रायः सदा एक साथ दो प्रेम-प्रसंग चलेंगे। प्रारम्भिक वर्षों में आप 'गलत व्यक्ति' की ओर झुकते दिखाई देंगे—पहले से विवाहित या आपके पद से छोटा व्यक्ति। बाद में आप इस सबको उलटकर ठीक से विवाह करेंगे।

आपमें शीघ्र वयस्क होने की प्रवृत्ति होगी—'जवान कंधों पर बुजुर्ग सिर'। शुरू में ही आपके सामने दो रास्ते खुले होंगे। एक भक्ति भाव या गहरे धर्मभाव के रुझान वाला बहुत कठोर, शुद्ध जीवन होगा जिस पर आपके परिवार और लालन-पालन का भारी प्रभाव होगा। दूसरा घर के वातावरण से मुक्ति की भावना का, दुस्साहसिक अभियान और सक्रिय जीवन से प्रेम का रास्ता होगा। प्रारम्भिक जीवन की परिस्थितियों और प्रेम-सम्बन्धों के अनुसार इनमें से आप एक या दूसरा रास्ता चुनेंगे।

आप खुले जीवन के शौकीन, हर प्रकार के खेलों में उत्तम और कुत्तों, घोड़ों तथा जानवरों से भारी लगाव रखने वाले होंगे। आप सेनों बाड़ों में या किसी बड़े कृषि-विकास कार्य में या, देशों की खोज में बहुत सफल हो सकते हैं।

आपके स्वभाव का एक दूसरा पक्ष भी है जो उतना ही प्रबल होगा। शुक्र और बुध के सहयोग में जन्मे होने के कारण आप संगीत, चित्रकारी या मंच जैसा कोई कलात्मक व्यवसाय अपना सकते हैं। इनमें आपको काफी सफलता मिलेगी। कुछ भी हो, आप जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में कोई ऊंचा पद प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आपके लिए यह भाग्यशाली सवाल है। कठिनाई के समय लोगों या मित्रों से सहायता मिलेगी। विरासत और उपहारों से लाभ मिलेगा। अपनी ओर से अच्छी जगह पूंजी लगाएंगे, विशेषकर घर, भूमि, सम्पत्ति आदि में।

स्वास्थ्य

इस सवाल को अधिक परेशान नहीं करना चाहिए क्योंकि आपका स्वास्थ्य बढ़िया होगा लेकिन खुले-जीवन से लगाव के कारण आप इसे आघात पहुंचा सकते हैं। बीमारियों में आपको गले, श्वास-नलिका और फेफड़ों की परेशानी, छाती, कन्धों, भुजाओं तथा पांवों में घाव या चोट की सम्भावना है।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'छः' हैं। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम जहां तक हो सके, इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों में पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्धक रंग हैं—नीले, सफेद, क्रीम और चमकीले। भाग्य-रत्न हैं फीरोजा और नीले नग, हीरा, मोती और हलके चमकीले नग।

-7, 16, 25 (मूलांक 7) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और बुध हैं। जून की इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के स्वभाव से आपके स्वभाव की बहुत-सी बातें मिलती-जुलती होंगी। उनके साथ आपकी पटरी भी बैठेगी लेकिन आप उन जैसे ओजस्वी नहीं होंगे। आपमें वैसा ही आदर्श, विचारों का परिष्कार और कल्पना-क्षमता होगी, किन्तु आप उनसे अधिक भौतिकवादी होंगे।

आप भी रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं की ओर काफी आकर्षित होंगे लेकिन अधिक आलोचना करने वाले और सदेही होंगे। हर बात को तर्क से समझना चाहेंगे। एक बार सतुष्ट हो-जाने पर अपने विश्वास में अत्यन्त ईमानदार रहेंगे, लेकिन अपने विचार दूसरे लोगों पर लादेंगे नहीं। इन विषयों पर शोधकार्य में आप काफी समय लगाएंगे। ऐसी सम्भावना है कि अपने विश्वास पर अंतिम रूप से पहुंचने से पहले आप अनेक धर्मों और विश्वासों की छानबीन करेंगे।

आप मनोविज्ञान और ऐसे अन्य विषयों में और लेखक, संगीतज्ञ, रसायन-शास्त्री या उद्योगों के संगठनकर्ता के रूप में भी अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

भौतिक दृष्टि से जीवन के प्रारम्भिक वर्ष अच्छे रहने की सम्भावना नहीं है लेकिन बाद की आयु में अपनी वृत्ति में धन, अच्छा पद और सफलता, सभी का आश्वासन रहेगा।

आप बूढ़ों को अपनी ओर अधिक आकर्षित करेंगे और आपके सबसे अच्छे मित्र विचित्र सनकी और अपने काम तथा विचारों में सबसे अलग लोग होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप अति चिंताग्रस्त दिखाई देंगे। आप दूसरे लोगों के हिसाब किताब की अच्छी व्यवस्था करेंगे और उन्हें धन कमाकर भी दे सकते हैं, लेकिन निजी मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि मार्ग में आने वाले अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य पर भी आपके मन का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता से शीघ्र अस्त-व्यस्त और तनावग्रस्त हो जाएंगे। पाचन अंग आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और उसके बाद 'दो' है। अपनी योजनाएं

और कार्यक्रम इन्ही मूलाको वाली तिथियो पर पूरे करने का पूरा प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलाको वाले होंगे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस कर सकते हैं।

अपना प्रभाव बढाने और भाग्य चमकाने के लिए नेप्चून (कबूतरी व हलके) और चन्द्र (हलका हरा, क्रीम, सफेद) के रगो के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं : हरा जेड, मोती, चन्द्रकात, मणि, चमकीले नग।

8, 17, 26 (मूलाक 8) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और बुध (सौम्य) हैं। आपके स्वभाव मे भी बहुत-सी बातें ऐसी होगी जो जून मे इन्ही तिथियों को जन्मे व्यक्तियो के स्वभाव मे है। आपकी उनके जैसे ओजस्वी या उग्र नही होंगे।

प्रारम्भिक वर्षों मे, लगभग 35 वर्ष की आयु तक आपको अनेक बाधक प्रभावो का सामना करना पडेगा। उसके बाद आप अपने प्रतिकूल वातावरण से मुक्त हो जाएगे और आपकी आकाक्षाए पूरी होंगी।

आप धीर गम्भीर होंगे, असामान्य विषयो का अध्ययन करना चाहेंगे और आपमे अपने ही खोल मे रहे आने की प्रवृत्ति होगी। आम लोगो के बारे मे आपका रुझान उनकी अति आलोचना करने और सदेही होने का होगा।

अपने काम मे आप पूरे ईमानदार होंगे लेकिन उसमे जितना दिमाग लगाएगे उसका आपको उचित श्रेय नहीं मिलेगा। आप पुरानी पुस्तकें, पुस्तकालय और सग्रहालय पसद करेंगे और ऐसे विषयो पर पुस्तकें लिखना या सकलित करना चाहेंगे।

लेकिन यदि आप 26 सितम्बर को पैदा हुए है तो आप आगामी राशि तुला के सधि-काल मे इतने आगे बढ चुके होंगे कि ये सभी गुण पृष्ठभूमि मे पडने के साथ ही आप भौतिक दुनिया मे अधिक आगे आएगे। आपकी आम वृत्तिया भी अधिक प्रकट होंगी।

आर्थिक दशा

हर हालत मे अति-सतर्कता की भावना के कारण आप धन कमाने के अनेक अच्छे अवसर गवा देंगे। इसके लिए आप प्रायः पश्चाताप भी करेंगे। लेकिन आप कुछ ठोस धधो मे या कोयला खान, भूमि और मकान जैसी सम्पत्ति मे अच्छी पूजी लगाएगे।

स्वास्थ्य –

आप शरीर से बहुत तगड़े होंगे और दिमागी काम में भी भारी सहन-शक्ति और क्षमता होगी। बहुत अधिक बैठकर काम करने से आंतों की रुकावट, हर्निया, खुजली जैसे रोगों के आप शिकार हो सकते हैं। खुले में जितना व्यायाम कर सकते हों, कीजिए। अनेक दुर्घटनाओं का सामना करने और अल्प-मृत्यु की भी आशंका है।

'चार' और 'आठ' के अंक आपके जीवन में बार-बार आते रहेंगे। सबसे घटना-पूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे रंगों से बचिए और हलके रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती, काला हीरा, गहरा नीलम और सभी काले नग।

9, 18, 27 (मूलांक 9) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति –

9 या 18 सितम्बर को जन्मे होने पर आप मंगल और बुध के प्रभाव में आते हैं। आपके गुण बहुत कुछ वैसे ही होंगे जैसे जून में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के। अंतर इतना ही होगा कि आप विचारों में या अपनी योजनाएं पूरी करने में अधिक कूटनीतिज्ञता दिखाएंगे।

मेरे मत से मंगल और बुध एक दूसरे के मित्र हैं। मंगल बुध को अपना काफी जोश, ऊर्जा और संकल्प प्रदान करता है। यह सहयोग आपको मन से बहुत सक्रिय बनाएगा और जोखिम तथा दुस्साहस से प्रेम देगा। 9 और 18 जून को पैदा हुए व्यक्तियों की तरह आप भी अपने मुंहफटपन से और वाणी से सीधी चोट कर दूसरों को अपना दुश्मन बना लेंगे।

कभी-कभी आप व्यंग्य में बात करेंगे। बहुत पारखी, आलोचक और छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाने वाले होंगे। उद्यमों में, या इंजीनियरी में, या कारखानों के निर्माण में, रचनात्मक काम के लिए आप बहुत उपयुक्त रहेंगे। अपने उद्यमों में मशीनों का काफी उपयोग करेंगे।

शल्य-चिकित्सक या दंत-चिकित्सक के रूप में और महीन औजारों से काम लेने में भी आप में काफी योग्यता होगी। सभी नई वैज्ञानिक खोजों में आपकी गहरी दिलचस्पी होगी। दार्शनिक, विचारक या लेखक के रूप में अपने को अभिव्यक्त करने में आपको सफलता मिलेगी।

अपने स्वभाव के एक और पक्ष से आप कृषि भूमि के विकास में या नई मशीनों से काम लेने में पहल करेंगे।

जून की इन्हीं तिथियों को पैदा हुए लोगों की भांति आप दुर्घटनाओं और

मशीनो से कुछ अधिक ही दुघटनाग्रस्त होंगे। पशुओं विमानो और विमान-यात्रा से भी खतरा हो सकता है।

27 सितम्बर को पैदा होने पर दुर्घटनाए अधिक गम्भीर हागी। आग और आग्नेयास्त्रो से भी खतरा है। आपके कारक ग्रह मगल-बुध के साथ शुक्र भी हैं। वैसे 9, 18 और 27 सितम्बर को पैदा हुए व्यक्ति जो भी काम करेंगे, उसी मे सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आप पैसा कमाने मे आम तौर स सफल होंगे। जो काम करेंगे उसी में अपने नये विचारो से बहुत धनी हो जाएगे।

स्वास्थ्य

आप बीमारी के बजाय दुघटनाओं के अधिक शिकार होगे। 27 सितम्बर को पैदा होने पर अनेक बार शल्य-चिकित्सक के चाकू का भी अनुभव करने की सम्भावना है।

आपके सबस महत्वपूण अक 'नौ' और 'पाच' हैं। हो सके तो अपनी महत्व-पूर्ण योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाक वाली तिथियो को पूरा कीजिए। 27 सितम्बर को जन्मे लोग 'छ' और 'नौ' अको को सबस महत्वपूर्ण पाएंगे।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलाक वाले होग। आपके 'तीन' 'छ' और 'नौ' मूलाक वाले व्यक्तियो के प्रति आकर्षित होने की सम्भावना है।

अपना प्रभाव बढाने के लिए लाल, गुलाबी और हलके रगो के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामडा लाल या गुलाबी नग, हीरा, रक्त मणि।

अध्याय 10

अक्तूबर

तुला राशि 21 सितम्बर से प्रारम्भ होती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि कन्या के साथ इसका संधि-काल चलने से यह 28 सितम्बर से ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 अक्तूबर तक इसका प्रभाव पूर्ण रहता है। फिर आगामी राशि वृश्चिक के साथ इसकी संधि प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में, अर्थात 21 सितम्बर से 20-27 अक्तूबर तक, जन्मे व्यक्तियों के चरित्र में भारी विविधता मिलती है, लेकिन अपने सभी कामों में वे स्पष्टतः मन से प्रभावित होते हैं। उनमें इतनी प्रबल तर्क-भावना होती है कि वे प्रायः अपने को भी उस पर कसने से नहीं चूकते। लेकिन एक बार अपना मार्ग चुन लेने पर वे हर मूल्य पर उस पर आगे बढ़ते हैं।

उनके सामने जो भी तर्क आता है, उसे वे अपने मन में अच्छी प्रकार तोलते हैं। उनका भाषा पर या तो पूरा अधिकार होता है या वे अपनी बात छोटे-छोटे सशक्त वाक्यों में कहते हैं। लेकिन दोनों ही स्थितियों में उनके लिए भाषा का भारी महत्व होता है।

इस अवधि में जन्मे व्यक्ति प्रायः सार्वजनिक जीवन में मिलते हैं, लेकिन आम तौर से इसे वे अपने लोगों की दशा सुधारने के लिए सन्तुलन ठीक करने की भावना से अपनाते हैं।

साधारण परिस्थितियों में इनमें से अनेक लोग स्वभावतः कानून के अध्ययन की ओर उन्मुख होते हैं। उनमें तर्क की आश्चर्यजनक समझ होती है। उनमें कानून बनाने या ऐसे विषयों पर लिखने की काफी प्रवृत्ति रहती है। अनेक लोग अपना जीवन किसी विशेष अध्ययन या शोध कार्य में लगा देते हैं। कुछ उत्तम वैज्ञानिक और डाक्टर बनते हैं और अपने क्षेत्र में विशेष शाखा का अध्ययन करते हैं। वे कुछ भी करें, आम तौर से बहुत अच्छी तरह करते हैं।

वे अपने वातावरण के प्रति असामान्य रूप से संवेदनशील होते हैं। यदि वह अनुकूल न हो तो शीघ्र उदास हो जाते हैं, उनका मन बुझ जाता है और वे अपने खोल में सिमिट जाते हैं।

आम तौर से वे शान्त स्वभाव के होते हैं। वे जन्मजात शान्ति दूत होते हैं क्योंकि विवाद और झगड़े के दृश्यों को पसन्द नहीं करते। वे साफ-सुथरे रहते हैं और

अस्तव्यस्तता उन्हें नही सुहाती। अपने दिखावे और परिधान का काफी ध्यान रखते है किंतु वस्त्रों का दिखावा नही करते।

उनकी राशि का स्वामी शुक्र (सौम्य) है। शनि इस राशि मे उच्च का है और सूर्य नीच का। इस राशि मे सूर्य की विशेष स्थिति उनकी जटिल प्रकृति, समचित्तता की उनकी प्रबल समझ और उनके स्वभाव मे आशावादिता तथा उदासी के मिश्रण के लिए जिम्मेदार है। अपनी बहुरूपी प्रकृति के अनेक मूडो को वे अनेक प्रकार से अभिव्यक्त करते हैं। उदात्त आदर्शवाद और उच्च नैतिक सिद्धान्त उनके चरित्र का आधार है। वे विचारों और कार्य मे स्पष्ट और निर्णयात्मक होते हैं। अपनी आश्चर्यजनक स्वाभाविक अतः प्रेरणा को समीक्षात्मक तर्क से दबाए रखने की उनमें प्रबल भावना होती है। निश्चित प्रमाण के बिना वे किसी बात का स्वीकार नही करते।

प्रेम-सम्बन्धो मे ये व्यक्ति बहुत दिखावा करने वाले नही होते, बल्कि बाल की खाल निकालने वाले और उसके प्रयोजन को तौलने वाले होते है। वे भूल जाते हैं कि प्यार के पक्षो को खुर्दबीन से नही देखा जाता। अतः वे प्रायः भ्रम और निराशा के शिकार होते हैं। आम तौर से तुला वाले व्यक्ति भारी लोकप्रियता प्राप्त करते हैं, ढेर-सारे मित्र बना लेते हैं, और साथ ही बहुत कुछ अपने तक सीमित रहते हैं।

उनके लिए धन का बहुत कम या नगण्य महत्व है। वे शायद ही सट्टेबाजी या अविचारित उद्यम के चक्कर मे फसते हो।

वे अच्छा वातावरण पसद करते हैं और उनसे काफी प्रभावित भी होते हैं। अपने आस-पास के लोगो के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रति वे अत्यन्त सवेदनशील रहते हैं। उनके स्वभाव का कलात्मक पक्ष बहुत प्रबल होता है। वे सगीत और कला के भारी शौकीन होते हैं और प्रायः उनमे काफी दखल रखते हैं। अध्ययनशील, खोजी और शोध प्रेमी होने से वे शिक्षा-क्षेत्र मे भी प्रमुखता प्राप्त करते हैं। स्वभावतः वर्तमान मे रहे आने के कारण उन्हें विगत के बन्धनो को कम और भविष्य की कल्पनाओ की और भी कम चिंता होती है। शुक्र और शनि के सहयोग के कारण वे प्रेम या कर्तव्य भावना से प्रायः भारी त्याग करते हैं। आम जीवन मे साधारणतः उन पर किसी बुजुर्ग की छत्रछाया रहती है। ऐसा न होने पर वे कम आयु मे ही विवाह कर लेते हैं। प्रायः अपना जीवन साथी या बच्चे उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी होने मे बाधा पहुचाते हैं।

आर्थिक दशा

तुला राशि मे यो तो अनेक प्रसिद्ध और दबग व्यक्ति पैदा हुए हैं, फिर भी यदि ये लोग धन कमाने मे सफल हो जाते है तो बुढ़ापे मे शायद ही उसे अपने पास रख पाते हो। इसका एक उदाहरण सारा बर्न हार्ट है। वह 22 अक्तूबर को पैदा

हुई थी। अभिनेत्री के रूप में उसने विपुल धन कमाया लेकिन मरी अत्यन्त गरीबी की दशा में। दूसरा उदाहरण 16 अक्तूबर को जन्मे ऑस्कर वाइल्ड का दिया जा सकता है। किसी समय वह दुनिया के अधिकतम पैसा पाने वाले नाटककार थे, लेकिन अंतिम वर्षों में गुजारा भी मुश्किल से हो पाता था। उन्हें दफनाया भी बचे-खुचे थोड़े से मित्रों के दान से गया। थियोसोफिकल सोसाइटी की अध्यक्षा ऐनी बेसेंट, जो 9 अक्तूबर को पैदा हुई, तुला वाले जातक का एक और उदाहरण है जिन्हें ऊंचा पद मिला लेकिन धन नहीं। (इस सूची में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को भी जोड़ सकते हैं—सम्पादक)

ऐसा नहीं कि तुला राशि में पैदा हुए व्यक्ति धन कमा ही नहीं सकते लेकिन शायद ही कभी उसे अपने पास रख पाते हों या भविष्य के लिए व्यवस्था कर पाते हों।

स्वास्थ्य

तुला राशि स्वास्थ्य और सफाई की सहज प्रवृत्ति देती है। आम तौर से वे अपना संतुलन बनाए रखते हैं और गम्भीर बीमारियों के शिकार होने से बच जाते हैं। लेकिन बहुत अधिक परिश्रम करने या अत्यधिक भावुक हो उठने पर स्वास्थ्य पर उसका तत्काल प्रभाव पड़ेगा।

अधिक परिश्रम के सबसे अधिक लक्षण गुर्दों में प्रकट होते हैं जो आश्चर्यजनक रूप से संवेदनशील होते हैं। उनमें बहुत अधिक शारीरिक शक्ति नहीं होती, हालांकि शीघ्र स्वस्थ हो जाने की क्षमता रहती है। उन्हें बड़ी मात्रा में ताजा हवा चाहिए। सम्भव हो तो सादा जीवन बिताएं। भोजन के मामले में पूरी सावधानी बरतें।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारियां

इस अवधि में जन्मे व्यक्तियों के आम तौर से अपनी निजी राशि तुला (21 सितम्बर से 20 अक्तूबर), वायु-त्रिकोण की अन्य दो राशियां, मिथुन (21 मई से 20 जून) तथा कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी), इनके पीछे का सात दिन का संधि-काल और अपने से सातवीं राशि मेष (21 मार्च से अप्रैल के अंत तक) के दौरान जन्मे व्यक्तियों के साथ अत्यंत मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28, (मूलांक 1) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस, शुक्र और शनि हैं लेकिन 28 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि के प्रभाव में आते हैं जिसका स्वामी मंगल है। 28 अक्तूबर तक शुक्र अपनी सौम्य राशि में है, शनि उच्च का है, मंगल अस्त राशि में है और सूर्य नीच का है।

यह सहयोग बहुरूपी स्वभाव प्रदान करेगा। साधारणतः यह योग के लिए शुभ योग है। अपने निजी गुणों के विकास की दृष्टि से आपको अनेक सुअवसर मिलेंगे।

सूर्य न्याय से प्यार और संतुलन देगा। अपने वातावरण में शांति और सौहार्द पैदा करने की भावना होगी। आपमें 'शांति दूत' की प्रवृत्ति होगी। जब तक अपनी प्रबल न्याय-भावना से इसके लिए विवश ही न हो जाएं, आप हर प्रकार के रक्तपात और युद्ध से घृणा करेंगे। शुक्र अपने सौम्य भाव में होने से आप प्यार के लिए तरसेंगे, त्याग करेंगे और फिर भी आपको बहुत कम संतोष मिलेगा।

आपमें भारी महत्त्वाकांक्षा रहेगी, लेकिन उसे पूरा करने में अनेक बाधाएं आएंगी। आपकी योजनाओं का हमेशा काफी विरोध होगा।

दूसरों के प्रति न्याय की भावना आपके स्वभाव में इतनी समाई हुई है कि आप कानून के अध्ययन में भारी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। आप ईमानदार वकील या जज के रूप में प्रसिद्ध होंगे। आप किसी प्रकार के राजनीतिक जीवन में भी सफल हो सकते हैं, लेकिन साधारण राजनीतिज्ञ की दृष्टि के बजाय कानूनों में सुधार की दृष्टि से। आप चिकित्सा और सभी तरह के शोध-कार्य में भी सफल रहेंगे।

अपने इकट्ठे किए तथ्यों को जोरदार ढंग से पेश करने की तीव्र उत्कंठा में आप अनेक लोगों को शत्रु बना लेंगे। जो लोग तर्कपूर्ण ढंग से बात नहीं करते उनका आपके लिए कोई उपयोग नहीं है। अक्तूबर में इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति अनेक प्रकार की वृत्तियां अपना सकते हैं।

यदि आप 28 अक्तूबर को जन्मे हैं तो आपका सूर्य तुला के संधिकाल से निकलकर वृश्चिक में प्रवेश कर चुका है। अपने बारे में जानकारी के लिए आप नवम्बर में 'एक' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की जानकारी प्राप्त कीजिए।

आर्थिक दशा

आपके लिए साधारण ढंग के कामों की अपेक्षा मानसिक व्यवसायों से पैसा कमाने और अपनी निजी महत्त्वाकांक्षाएं पूरी करने की सम्भावना अधिक है। आप निजी संग्रह के बजाय अपने ध्येय के लिए सम्पत्ति की इच्छा करेंगे।

स्वास्थ्य

आपमें व्यक्तिगत रूप से अपने स्वास्थ्य के बारे में कम चिंता होगी। जब तक पूरी तरह से काम करेंगे, ठीक रहेंगे। निष्क्रियता तो आपके लिए मानो है मौत। यदि कभी कष्ट हुआ तो दुर्घटनाओं से चोट लगने के कारण होगा। दुर्घटनाओं के प्रति

सिर और बच्चे पर आने की अधिक सम्भावना है, लेकिन आपको पेट और आंतों का आपरेशन कराना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'एक' और 'छः' हैं। 'चार', 'आठ' तथा 'नौ' भी जीवन में बार-बार आएंगे लेकिन मैं आपको इन्हें अपना 'अंक' चुनने की सलाह नहीं दूंगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' 'छः' और 'आठ' मूलांकों वाले रहेंगे। 'एक' 'चार', 'छः' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला नारंगी, भूरा), यूरेनस (मिट्टी या शोख) और शुक्र (नीला) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चन्द्र, नेप्चून, शुक्र और शनि हैं। आप कोई वृत्ति अपनाएं आत्मप्रेरणा का वरदान प्राप्त होगा। आरम्भकाल में आपमें पूर्व ज्ञान की गहरी समझ रहेगी। आप अपनी योजनाओं के निष्कर्ष को पहले से ही भांप लेंगे और फिर हर विरोध के बावजूद उन्हें पूरी करेंगे।

आम बातों में आपमें अति-संवेदनशील होने और आलोचना को महसूस करने की प्रवृत्ति होगी, लेकिन आपात स्थिति पैदा होते ही आपके स्वभाव का प्रबल पक्ष सामने आ जाएगा। इसलिए महत्त्वपूर्ण मामलों पर फैसले उस समय लीजिए जब आप अकेले हों और दूसरों के विचारों के प्रभाव से मुक्त हों। कभी-कभी आपको निराशा के दौरे पड़ेंगे और आपको अपनी कार्यक्षमता पर ही संदेह होना दिखाई देगा।

दिल से आपका स्वभाव बहुत स्नेही है और आप प्यार की गहरी आवश्यकता महसूस करेंगे। लेकिन इन मामलों में आप इतने संवेदनशील और कटु आलोचक होंगे कि अच्छे अवसर गंवा सकते हैं। 2, 11, 20 या 29 तारीखों को जन्मे लोग यदि कम आयु में ही विवाह नहीं कर लेते तो प्रायः कुंआरे ही रह जाते हैं। आगामी राशि वृश्चिक में 29 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने विपरीत लिंगियों से भारी प्रभावित होंगे और उनके जीवन में अनेक रूमानी प्रसंग आएंगे। वे यात्रा के और जन्म स्थान से दूर देशों में रहने के भी बहुत शौकीन होते हैं। समुद्र या विशाल जल राशि से उन्हें मोह होता है लेकिन यात्रा के दौरान डूबने या दुर्घटनाग्रस्त होने का काफी खतरा रहता है।

आपके मन में संगीत, चित्रकला, काव्य और सभी ललित कलाओं के प्रति गहरा प्रेम होगा। यदि इन्हें वृत्ति के रूप में अपनाने का अवसर मिला तो काफी

सफलता मिलेगी। कपड़ों में आपकी गहरी रुचि होगी। लोग और दूसरों की नकल की भी इच्छा होगी।

20 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति, जब सूर्य वृश्चिक के संधि-काल में प्रवेश कर रहा होता है, 2 या 11 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति से अधिक आत्मविश्वासी होगा। 19 अक्तूबर को पैदा हुए लोग और भी आत्मविश्वासी होंगे। उनके लिए सफलता की संभावना भी अधिक रहेगी, विशेषकर कला, साहित्य, संगीत, काव्य या नाटक में।

आर्थिक दशा

जब तक आप में लाभ उठाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से आत्मरक्षा के लिए आप नाकेबंदी नहीं करेंगे, आपके लिए यह विषय शुभ नहीं होगा। व्यवसाय और लीक वाला काम आपको अरुचिकर होगा, लेकिन आपात स्थिति में कल्पना तथा प्रेरणा के वरदान से आप धन कमा सकते हैं और सफल हो सकते हैं। परिस्थितियां अनुकूल होने पर आप बहुत यात्राएं करेंगे, विदेशों में रुचि लेंगे और उनके सम्बन्ध में सफलता प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आपके मोटे-ताजे या शक्तिशाली होने की सम्भावना नहीं है। मन से आप बहुत सक्रिय होंगे और दिवास्वप्न वास्तविक लगेंगे। आप कमर या रीढ़ की विचित्र कमजोरी के शिकार हो सकते हैं और कमर झुक सकती है। आपको शीघ्र सर्दी-जुकाम पकड़ सकता है और सावधानी नहीं बरती तो गले, फेफड़ों, नासिका-रन्ध्रों और कानों में परेशानी हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'दो' और 'सात'। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्षों में 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) शुक्र (नीला), नेप्चून (कबूतरी, हलके और शोख) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चन्द्रकान्त, मणि, पुखराज, अम्बर, फीरोज़।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह, शुक्र और शनि हैं। गुरु के प्रभाव के कारण आपके दूसरे गुण अधिक प्रकाश में आएंगे, जैसे महत्वाकांक्षा, इच्छा शक्ति, सफलता। यह ग्रह

योग इतना शुभ है कि आपका कोई ध्येय हो, आपको जीवन मे काफी सफलता मिलेगी।

आपमे इतनी महत्वाकाक्षा होगी कि कोई साधारण पद आपको सतोष नहीं दे पाएगा किन्तु महत्वाकाक्षा बहुत उदात्त ढग की होगी। अपने साथियो से ऊचे उठकर आप जिम्मेदारी तथा विश्वास के पदो पर पहुचेंगे लेकिन आपका सबसे अधिक प्रयास आम मानवता के कल्याण के लिए होगा।

कुछ भी करें, स्वभाव से आप ईमानदार होंगे। आप न्यायप्रिय, अत्यत उदार और दानशील तथा सार्वजनिक संस्थाओ, अस्पताल, अनाथालय आदि मे समय और धन लगाने वाले होंगे। व्यक्ति के बजाय सस्थाओ की अधिक सहायता करेंगे। यदि आपके परिवारजन आपकी सलाह पर चलेंगे तो उनके प्रति भी इतने ही उदार होगे।

मूर्ख और लम्पट व्यक्तियो से आपको कुछ लेना-देना नहीं होता। आपकी जेब उनके लिए एक बार खुल सकती है, दो बार नहीं। आप न्यायप्रिय तो होंगे लेकिन साथ ही कठोर भी होंगे। किसी का आपसे लाभ उठाने का प्रयास आपको अच्छा नही लगेगा।

उच्च पदस्थ लोगो को, विशेषकर धर्म कानून या सरकार के महत्वपूर्ण पदो पर आसीन व्यक्तियों को शीघ्र अपना मित्र बना लेंगे। आप कानून और व्यवस्था के उत्साही समर्थक होगे, साथ ही अपने नीचे काम करने वालो के लिए एक अच्छे मालिक सिद्ध होंगे।

आपके वैवाहिक सम्बन्ध और घरेलू जीवन सुखद रहने की आशा है। बच्चो से भारी सुख मिलेगा।

कभी-कभी शत्रुता का भी सामना करना पडेगा और ईर्ष्यालु प्रतिसपर्द्धी आपके सम्मान को चोट पहुचाएगें। ऐसी बातो की आप कम ही चिन्ता करेंगे और अपने ध्येय से तिलभर नही डिगेंगे।

21 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियो का सूर्य, वृश्चिक के सधि-काल मे पहुंच चुका होता है। उनमे बहुत कुछ 3 और 12 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, किन्तु पारिवारिक जीवन इतना सुखद नही रहेगा। 30 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि मे प्रवेश कर गए होते हैं। उनको भी सासारिक सफलता के लिए शुभ परिस्थितिया हैं।

आर्थिक दशा

आप व्यापार, आर्थिक देने लेने या उद्योग मे आम तौर से काफी भाग्यशाली रहेंगे। शक्तिशाली मित्रों, विपरीत लिगिया या विवाह से लाभ होगा।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों के बाद स्वास्थ्य आम तौर से अच्छा रहेगा। 21 वर्ष की आयु इस बारे में मोड़ हो सकती है। किसी बीमारी का नाम लेना कठिन है, लेकिन दुर्घटनाओं से चोट खा सकते है, विशेषकर कार, रेल या ट्रक दुर्घटना से।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'छ', हैं। 'आठ' और 'चार' के अंक भी जीवन में आएंगे लेकिन आमतौर से विरोध या दुख लेकर आएंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छ' मूलांको वाले ही होंगे। इन्ही मूलांको वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी), तथा शुक्र (नीला) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला, सभी जामुनी नग, फीरोजा, सभी नीले नग।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य, शुक्र और शनि हैं। 4, 13 या 22 अक्तूबर का जन्म होने पर यूरेनस तथा शनि के मिले-जुले प्रभाव से जीवन असामान्य होने की सम्भावना है। अनेक ऐसे परिवर्तन और विचित्र अनुभव होंगे जिन पर आपका नियन्त्रण नही रहेगा। शुक्र के अपने सौम्य भाव में होने से प्रेम और विवाह के सम्बन्ध में अनोखे अनुभव होंगे। आप विचित्र और बहुत कुछ सनकी व्यक्तियों की ओर आकर्षित होंगे जो सांसारिक दृष्टि से आपके लिए भाग्यशाली नही रहेंगे।

यदि आप किसी को गहराई से चाहेंगे तो उसके कामों की कितनी ही आलोचना हो, आपके प्रेम में कमी नही आएगी। ऐसे मामलों में आप काफी जिद्दी होंगे। अपने परिवार के सदस्यों के विरोध और मनमुटाव का भी सामना करना पड़ सकता है। सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के कारण आपको दुखद या सनसनीखेज अनुभव हो सकते हैं और निर्दोष होते हुए भी बदनामी या घोटाले की सम्भावना है।

आपके विचार लीक से हटकर, कुछ सनकीपन लिए हुए होंगे। आपको साहित्यिक और कलात्मक कार्य में अपने को अभिव्यक्त करने का खासा वरदान मिला हुआ है जिसका आप लाभ उठा सकते हैं।

नातेदारियां या विवाह सम्बन्ध तभी ठीक हो सकते है जब असामान्य परिस्थितियों में हों और आप काफी आत्मत्याग का परिचय दें।

आपमें गुप्त विद्याओं के अध्ययन की प्रवृत्ति और सम्मोहन—या दूसरों के मन को पढ़ने की योग्यता हो सकती है। आपको आग्नेयास्त्र, विस्फोटों आदि से दुर्घटना का खतरा है। तूफान, बिजली, विमान दुर्घटना और हवाई सफर भी आपके जीवन में आ सकते हैं।

यदि आप 31 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आपका सूर्य वृश्चिक राशि के प्रारम्भ में होगा। जहां तक निजी प्रगति और भौतिक सफलता की बात है, यह आपके लिए अधिक शुभ है।

आर्थिक दशा

आपके प्रारम्भिक वर्ष आम तौर से आर्थिक कठिनाई में गुजारेंगे। या तो मा-बाप आपके लिए अधिक पैसा नहीं छोड़ेंगे या आप कोई ऐसा धन्धा चनेंगे जिसमें शुरू में योग्यता दिखाने की अधिक गुंजाइश नहीं होगी। लेकिन बाद में आप सफल होंगे, विशेषकर यदि 22 या 31 अक्तूबर को पैदा हुए हों। आपको सबसे बड़ा खतरा यह है कि कितना भी पैसा कमा लें, बुढ़ापे के लिए कुछ बचाकर नहीं रखेंगे और प्रायः गरीबी की दशा में मरेंगे।

स्वास्थ्य

4 या 13 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति अकस्मात किसी असामान्य बीमारी के शिकार हो सकते हैं। उन्हें गले, नाक, चेहरे और अदरूनी अंगों का आपरेशन भी कराना पड़ सकता है।

22 या 31 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति बचपन में आम तौर से कमजोर होंगे लेकिन 31 वर्ष की आयु के बाद बीमारी से लड़ने की भारी शक्ति पैदा कर लेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' है। लेकिन मैं आपको अपनी ओर से इन अंकों से काम लेने की सलाह नहीं दूंगा। 'एक' या 'छ' के अंक आपके लिए अधिक भाग्यशाली रहेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

कपड़ों में भी आप सुनहरे, पीले, भूरे, नारंगी और नीले रंग का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं पुखराज, हीरा, फीरोजा।

5, 14, 23 (मूलांक 5) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध, शुक्र, शनि और सूर्य हैं। यह बहुत दिलचस्प ग्रह योग और आम तौर से आपके चरित्र को बल प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भी।

शुक्र उच्च के शनि के साथ अपने सौम्य भाग में होने से आप प्रेम-प्रसंगों में समाद परीक्षाओं की आशा कर सकते हैं। अधिकांश जीवन-काल में आप माता, या या किसी सम्बन्धी के प्रति प्रबल कर्तव्य भावना से प्रेरित होकर आत्म-त्याग

करते रहेंगे। इस उच्च ध्येय के लिए अपनी योजनाओं तथा महत्वाकांक्षाओं को भी तिलांजलि दे देंगे। आपके लिए यह इस भावना के कारण और भी कठिन होगा कि आपको औसत से अधिक बुद्धि मिली हुई है और यदि आपको खुलकर काम करने की और अवसरों से पूरा लाभ उठाने की छूट मिले तो आप अपनी प्रतिभा से बहुत कुछ कर सकते हैं।

आपका स्वभाव अत्यन्त शालीन होगा, जरा-सा भी अक्खड़पन या भद्दापन आपको चुभेगा। हर पीड़ा के प्रति आपके मन में दया, सहानुभूति और करुणा होगी, फिर भी आप सही निर्णय और उत्तम तर्क-शक्ति की क्षमता से सम्पन्न व्यावहारिक तथा ठंडे दिमाग से सोचने वाले व्यक्ति होंगे। व्यवहार में शांत और सरल, सिद्धांतों में पक्के। आपकी सबसे बड़ी भावना अपने आस-पास के लोगों में सौहार्द और शांति स्थापित करने की होगी। आप रक्त बहाने वाले योद्धा नहीं होंगे। आप विवाद या झगड़े नापसन्द करेंगे लेकिन अपने सिद्धांतों पर अडिग रहेंगे और अन्याय के विरुद्ध अन्तिम दम तक लड़ेंगे।

इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा वाले और परिस्थितियों के अनुकूल अपने को ढाल लेने वाले दोनों होते हैं। जिस काम में भी हाथ डालेंगे कर सकेंगे। वे हर प्रकार के व्यक्तियों में रच-खप सकते हैं, केवल उनको छोड़कर जो अपनी रुचियों और विचारों में भद्दे और ग्राम्यता रहित होते हैं। वे महल और कुटिया दोनों में एक-जैसे धीर गम्भीर रहते हैं। वे धन के लिए मरते नहीं, लेकिन भविष्य की चिन्ता अवश्य करते हैं। इसलिए वे किफायतसार और सावधानी से खर्च करने वाले होते हैं तथा बुढ़ापे के लिए उचित व्यवस्था करने का जी-तोड़ प्रयास करते हैं।

14 अक्तूबर को जन्मे लोगों में ये गुण सबसे अधिक होते हैं लेकिन प्रेम और सम्बन्धों के कारण सबमें अधिक कष्ट भी वे ही भोगते हैं। वे बहुत युवा और हँसमुख दिखाई देते हैं और बुढ़ापे में भी दिल से युवा बने रहने के लिए अपना कोई दर्शन बना लेते हैं।

वे बहुत अच्छे समालोचक और प्रूफरीडर भी होते हैं। दूसरे कामों से समय निकाल सकें तो अच्छे लेखक भी बन जाते हैं।

आर्थिक दशा

आप दूसरों को अच्छी आर्थिक सलाह दे सकेंगे लेकिन स्वयं उस पर नहीं चलेंगे। 23 से 50 वर्ष की आयु तक किसी व्यवसाय में या मानसिक योग्यता से अच्छी आय होगी। लेकिन कितना भी धन कमा लेंगे, अपनी उदारता के कारण बुढ़ापे के लिए शायद ही अधिक बचा पाए।

स्वास्थ्य

आप भारी उत्तेजना के शिकार रहेंगे। काया कृश होगी लेकिन उसमे रोगो से लड़ने की काफी शक्ति रहेगी। सारी आयु पेट प्राय नाजुक बना रहेगा, पाचन अंग भी। आप अन्य लोगो की भांति नही खा सकते और भोजन के बारे मे विशेष सावधान रहेंगे। आंखो, चेहरे, हाथ-पैरो मे नसो की फड़कन हो सकती है। जिह्वा और मुख मे विकार तथा तीव्र न्यूराल्जिया भी हो सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच', और उसके बाद 'छ' है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे। 'पांच', 'छ' और 'आठ' मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

रंगो और रत्नो का आप पर अधिक प्रभाव नही होगा। सभी हलके रंगो के वस्त्र और हीरे तथा चमकीले नग ठीक रहेंगे।

6, 15, 24 (मूलांक 6) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और शनि हैं। शुक्र अपने सौम्य भाव मे आपके जीवन मे बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहां कहीं रहेंगे, आपके मित्रो की बड़ी संख्या होगी और आप काफी लोकप्रिय होंगे। विपरीत लिंगियो के लिए आपमें भारी आकर्षण और प्रभाव होगा।

आप दूसरो का सत्कार करना पसन्द करेंगे और उस पर काफी खर्च भी करेंगे, लेकिन घर बर्बाद करने वाले या अल्पखर्च नही होंगे। आपमे थोड़े-से खर्च मे बड़े ठाठ-बाट पैदा कर देने की क्षमता है।

आपके अनेक प्रेम-प्रसंग और एक से अधिक विवाह होंगे। लेकिन ऐसे मामले मे अनेक परेशानियो, निराशाओ और विचित्र अनुभवो से भी गुजरना होगा।

अपनी निजी प्रतिभा से आप उच्च सामाजिक पदो पर पहुंचेंगे और उच्च पदस्थ तथा धनी व्यक्तियो से सम्बन्ध बनाएंगे।

साहित्य, संगीत, चित्रकला, काव्य, नाटक और ललित कलाओं मे आम तौर से आपकी भारी रुचि होगी। यदि स्वयं नही अपनाएंगे तो उन्हें संरक्षण प्रदान करेंगे और कलाकारो मे दिलचस्पी लेंगे। यदि आप किसी कला को वृत्ति के रूप मे अपनाना चाहेंगे तो आपको उसमे भारी सफलता मिलेगी।

आर्थिक दशा

पूंजी विनियोग और आर्थिक मामलो मे आप भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर अपनी प्रेरणा के अनुसार चलने पर। आम जनता से जुड़ी साझेदारियां व्यापारिक विनियोग में शुभ होंगी।

स्वास्थ्य

आपकी काया में शीघ्र ठीक हो जाने का गुण है, अतः आपको घातक बीमारी नहीं होगी। कभी-कभी खरोंचों से फोड़े बन सकते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में टॉन्सिल फूलने और जिह्वा के पिछले भाग तथा गले में भी कुछ गड़बड़ी होने की सम्भावना है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छः' है, विशेषकर मई और अक्तूबर के महीनों में। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले होंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप भारी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, फीरोजा।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, शुक्र और शनि हैं, लेकिन यदि आप 25 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आगामी राशि वृश्चिक के संधि-काल में काफी आगे निकल चुके होंगे और आपके गुण पूर्व तिथियों पर जन्मे व्यक्तियों में अधिक प्रखर होंगे।

आपको उच्च मानसिकता का वरदान है। यदि सन्तुलन बनाए रख सकें तो जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उल्लेखनीय काम कर दिखाएंगे, विशेषकर काव्य, साहित्य, चित्रकला, संगीत या ललित कलाओं जैसे कल्पना-प्रधान क्षेत्रों में।

7 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः इतने संवेदनशील होते हैं कि वे अपने काम में पीछे हटकर खड़े होते हैं। 16 अक्तूबर को पैदा हुए लोग बहुत शीघ्र आपा खो बैठते हैं। 25 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने काम में अधिक साहसी और आवेश में काम करने वाले होते हैं।

अपने सभी कामों में इन तीनों प्रकार के व्यक्तियों का लीक से हटकर रुझान होता है। विशेषकर उनकी कटु आलोचना और बदनामी होती है। अनेक मामलों में घोटाले भी होते हैं। जब तक भारी सावधानी न बरती जाए, यह जन्म-काल विवाह तथा साझेदारियों के लिए शुभ नहीं है।

आर्थिक दशा

आपके आर्थिक मामलों में काफी उतार-चढ़ाव आएंगे। कभी भारी अमीरी होगी, कभी इसका उलटा। आम तौर से आप सट्टेबाजी में भाग्यशाली नहीं रहेंगे क्योंकि बेईमान लोग आपका पैसा हड़प लेंगे। आपको मैं यही सर्वोत्तम सलाह दे सकता हूं कि सरकारी बांडों में पैसा लगाइए। कम लेकिन भरोसेमन्द ब्याज से

गुजारा कीजिए। सबसे अधिक बुढ़ापे के लिए वार्षिकी (एनुटी) खरीदकर रखिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे मे अनेक विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। कभी विष का खतरा भी हो सकता है, खाने मे, सयोग से या आपकी अपनी असावधानी से। गुर्दे, तिल्ली और अपेंडिक्स परेशान कर सकते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'सात-दो' हैं। आप इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को अपनी योजनाए तथा कार्यक्रम पूरे करने और इन्ही मूलाको के मकानों मे रहने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलाको वाले ही होंगे। इन्ही मूलाको वाले व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चन्द्र (हरा, क्रीम, सफ़ेद), नेप्चून (कबूतरी, हलके या शोख) और शुक्र (नीला) के रगो के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न है - हरा जेड, मोती, चद्रकात मणि, फीरोजा।

8, 17, 36 (मूलाक 8) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और शुक्र हैं। लेकिन यदि आप 26 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि वृश्चिक के सधि-काल मे काफी आगे बढ चुके होंगे और आपकी परिस्थितिया अधिक अनुकूल होगी।

यदि विरासत मे आपको पैसा नही मिला है तो आपका समय आम तौर से आराम से नही बीतेगा और आपको आगे बढने के लिए कठोर परिश्रम करना होगा।

आप उच्च बुद्धिजीवी होंगे। सामाजिक जीवन मे आने के बजाय किसी गम्भीर अध्ययन मे अपना समय लगाना चाहेंगे। पुरुष अच्छे डाक्टर, वैज्ञानिक और वकील बन सकते हैं। महिलाए पढाकू, प्राय सामाजिक सुधारो पर लिखने वाली होती हैं। वे जनता को प्रभावित करने वाले व्यापक राजनीतिक प्रश्नो मे दिलचस्पी लेने लगती हैं, अथवा पूरे दिलो-दिमाग से किसी ऐसे काम मे लग सकती हैं जिसे वे मानवता के लिए कल्याणकारी समझती हैं। किन्तु स्त्री और पुरुष दोनो कोई मुश्किल वृत्ति चुनेंगे जिसमे अपने विचारो के लिए उन्हे भारी विरोध का सामना करना पडेगा।

सासारिक दृष्टिकोण से आप प्राय पैसे वाले बन जाएगे। ऐसा होने पर अपना पैसा किसी असाधारण काम मे लगाएगे, जैसे वैज्ञानिक शोध को आगे बढाने के लिए सस्थाओ तथा अस्पतालो की स्थापना अथवा कोई राजनीतिक सुधार का काम।

इन तिथियों को पैदा हुए लोगों को भारी दुख या कष्ट उठाने पडते हैं।

किसी प्रियजन की क्षति, माता-पिता या निकट सम्बन्धी की बीमारी तथा मृत्यु या परिवार में तनाव। इस अवधि में शनि इतना शक्तिशाली रहता है कि ये व्यक्ति किसी उच्च पद पर पहुंच जाते हैं। लेकिन बुढ़ापे में उनके हाथों से सभी कुछ निकल जाता है और उन्हें बदनामी तथा घोटालों का भी शिकार होना पड़ता है।

ये लोग यदि कर्मचारियों के रूप में काम करेंगे तो शायद ही कभी मनोनुकूल पदों पर पहुंचते और बहुत दुखी जीवन बिताते हैं। दूसरे, लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं। शांत स्वभाव के होने के कारण वे ठीक से अपनी सफाई भी नहीं दे सकते। अक्सर उन्हें कार्यभंग और अपने वरिष्ठ अधिकारियों से कठोर व्यवहार मिलता है।

आर्थिक दशा

आर्थिक दृष्टि से आप आम तौर से भाग्यशाली नहीं होंगे। पैसा कमाएंगे तो तत्काल खर्च हो जाएगा। आप भविष्य के प्रति प्रायः अति चिन्तित रहेंगे। एकाकी रहने पर विचित्र स्थानों पर पैसा जमा करने की प्रवृत्ति होगी। प्रायः वह खो जाएगा या लूट लिया जाएगा। हर प्रकार की सट्टेबाजी या जुए से बचिए। वैज्ञानिक, डाक्टर, वकील जैसे लोगों को भी अपनी मेहनत का पैसा पाने में भारी कठिनाई होगी।

स्वास्थ्य

मानसिक निराशा से और अपने साथ हुए अन्यायों के बारे में सोचते रहने से आप अनेक बीमारियों के शिकार हो जाएंगे। अनेक मामलों में आप यह विचार मन में पाल लेंगे कि आप शहीद हैं और अपनी गलतियों का वास्तविक या प्रायः काल्पनिक चिन्तन करेंगे। इसके फलस्वरूप पैदा होने वाली उदासी के कारण मन और शरीर दोनों की स्थिति बदतर होगी।

आमतौर से स्वास्थ्य सदा विचित्र रहेगा। खाना आसानी से हजम नहीं होगा, अपच रहेगा, मंदाग्नि होगी और भारी सिरदर्द रहा आएगा। सम्भव हो तो खुला जीवन बिताए, ढेर सारा व्यायाम कीजिए, सादा भोजन कीजिए और अधिक से अधिक फल तथा सब्जियां लीजिए।

आपके जीवन में 'चार' और 'आठ' के अंक एकदम अप्रत्याशित ढंग से आएंगे। दर-सवेर आप स्वयं देखेंगे कि आपके धंधे में और निजी जीवन में इन अंकों का कितना महत्व है। पहले से सोचे बिना ही इन अंकों वाले घरों को आप और उन व्यक्तियों को आप आकर्षित होंगे जिनकी जन्मतिथि इन अंकों वाली है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलांक वाले ही होंगे।

आपके लिए सबसे उपयुक्त रत्न काला मोती, काला हीरा और सभी काले नग रहेंगे।

9, 18, 27 (मूलांक 9) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मंगल, शनि और शुक्र हैं। यदि 27 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि वृश्चिक में प्रवेश कर चुके होंगे। यह मंगल (सौम्य) का भाव है और इसका अंक 'नौ' है। यह आपमें मंगल के गुणों को बढ़ाएगा, जिसकी आपके जीवन और वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आपमें जल्दबाजी और आवेश की प्रवृत्ति इतनी अधिक होगी कि उससे आपका अहित हो सकता है। अपनी विवादप्रियता और अपने विचारों तथा सिद्धांतों के लिए लड़ने की भावना से आप विरोध पैदा करेंगे और अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे। ऐसे मामलों में अपने मन को काबू में रखना और अधिक कूटनीति से काम लेना बेहतर होगा। हालांकि आपके स्वाभाविक गुण आपको सफल वकील या वक्ता बना सकते हैं, तथापि अपनी कटु आलोचना से आप ऐसी वृत्ति में भी मुश्किलें पैदा कर लेंगे।

शल्य-चिकित्सक के रूप में भी आप सफल होंगे। मंगल आपको शल्य के लिए चाकू चलाने और तेजी से आपरेशन करने की योग्यता देता है। विज्ञान और उसमें सम्बन्धित नए विचारों में भी आपका दिमाग खूब चलेगा, लेकिन अपने विचारों में आप इतने आग्रही होंगे कि उनका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

यदि किसी व्यवसाय में उतरे तो काफी उद्यमी रहेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उनमें कड़ी प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ेगा। संगठनकर्त्ता के रूप में और बड़े संस्थानों के प्रमुख के रूप में भी आप अच्छा काम कर सकते हैं और सफल भी हो सकते हैं, लेकिन आपको कर्मचारियों के विरोध, हड़तालों और जान पर हमले तक का सामना करना पड़ सकता है। सबसे बढ़िया आप किसी महत्वपूर्ण सरकारी पद पर रहेंगे जहां अपनी संगठन-क्षमता से आपको अच्छा लाभ होगा।

विपरीत लिंगियों को आपके प्रति भारी आकर्षण रहेगा, लेकिन प्रेम-प्रसंगों में तनाव से काफी चिन्ता और चिढ़न होगी। अपनी अधीर प्रवृत्ति के कारण आप कम आयु में ही विवाह की ओर दौड़ सकते हैं। फिर अपने जीवन साथियों से विवादों तथा असहमति में फंसेंगे। विस्तार की बात यह होगी कि बच्चों से आपको काफी संतोष मिलेगा। उनका ऊंचा बौद्धिक स्तर होने की सम्भावना है। व्यवसाय में आप अकेले काम करते हुए अधिक सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आम तौर से आप सफल रहेंगे। जिम्मेदारी और अधिकार के पदों पर पहुंचेंगे,

किन्तु यदि अपनी अधीर प्रकृति, क्रोध और कूटनीति की कमी पर काबू नही किया तो अधिक समय तक वहा नही टिक पाएगे ।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों मे नाजुक स्वास्थ्य, बुखार, गैस की परेशानी और फोड़े-फुसी आदि की प्रवृत्ति रहेगी, लेकिन इक्कीस वर्ष की आयु से स्वास्थ्य का एक नया चक्र शुरू होगा । आपमे शक्ति और ऊर्जा का सचार होगा । आपको आग, विस्फोटको तथा दुर्घटनाओ मे जान पर हमले का खतरा है । दातो, जबडे चेहरे और सिर की हड्डी मे परेशानी हो सकती है । घाव या चोटें भी लग सकती हैं ।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अक 'नौ' और उसके बाद 'छ' रहगा । अपनी योजनाए और कार्यक्रम इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पूरे करने का प्रयत्न कीजिए । इन्ही तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेगे । आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलाक वाले रहगे ।

जहा तक हो सके मगल (लाल) और शुक्र (नीला) के रगो के कपडे पहनिए । आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामडा, रक्तमणि, हीरा, फीरोजा ।

अध्याय 11

नवम्बर

21 अक्तूबर से वृश्चिक राशि प्रारम्भ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि तुला के साथ इसका संधि-काल चलता है, अतः 28 अक्तूबर तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। उसके बाद 20 नवम्बर तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि धनु के साथ संधि-काल प्रारम्भ हो जाने के कारण सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

वृश्चिक जल-त्रिकोण का दूसरा भाव है और इसका स्वामी मंगल (सौम्य) है। इस अवधि में अर्थात् 21 अक्तूबर से 20-28 नवम्बर तक जन्मे व्यक्ति या तो बहुत अच्छे होते हैं या बहुत बुरे। लगभग इक्कीस वर्ष की आयु तक वे अत्यंत पवित्र हृदय और धर्मात्मा होते हैं। लेकिन यदि उनकी काम-भावना जाग उठे तो प्रायः वे इसकी उलटी दिशा में मुड जाते हैं। फिर भी, कुछ अत्यंत उदात्त मनुष्य इस राशि में पैदा हुए हैं। लेकिन सभी अत्यंत भावुक होते हैं जो उनकी प्रकृति के सभी रूपों की विशेषता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों में असाधारण आकर्षण शक्ति होती है। वे उत्तम डाक्टर, सर्जन, कण्ट्रहर्ता, उपदेशक और वक्ता बनते हैं। सार्वजनिक जीवन में श्रोताओं पर उनका भारी प्रभाव पडता है जिन्हें वे अपनी इच्छानुसार किसी दिशा में मोड सकते हैं। उनका भाषा पर अधिकार होता है, बोलने और लिखने दोनों में, और अपनी वर्णन-शैली में अत्यंत नाटकीय होते हैं।

उनकी सबसे बडी कमजोरी यही है कि जिसके सम्पर्क में आते हैं, उसी जैसे बन जाते हैं। फलस्वरूप उन्हें प्रायः दूसरों के दोषों के लिए भुगतना होता है।

यदि वे इस राशि के उच्च धरातल वाले हों तो मानवीय, अत्यंत उदार और आत्म-त्यागी होते हैं। संकट काल और आघात स्थिति में शांति और दृढ-संकल्पी रहते हैं तथा उन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। व्यापार, राजनीति, साहित्य या जिस ओर भी दिमाग लगाए, विचारों में अत्यंत मौलिक होते हैं तथा आम तौर से सफल रहते हैं।

वे भाग्य की विचित्र प्रतिकूलता के भी शिकार होते हैं। प्रायः गलत अफवाहें और कहानियाँ फैलाकर उन्हें बदनाम किया जाता है। जीवन-संघर्ष में वे बहुत कुछ 'भाग्य की संतान' होते हैं।

शरीर के बजाय वे मन से अधिक लडने वाले होते हैं। यदि युद्ध के लिए

विवश हो ही जाए तो अच्छे संगठनकर्ता बनते हैं, लेकिन आम तौर से वे रक्तपात से घृणा करते हैं।

कूटनीतिज्ञ या वार्ताकार के रूप में वे उत्तम कार्य करते हैं। दूसरे लोगों के झगड़े निपटाने या शत्रुओं को एक स्थान पर लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

वे बिच्छू की तरह डंक भी मार सकते हैं लेकिन थोड़ा-सा भी दुःख प्रकट कर देने पर आम तौर से उनका क्रोध उतर जाता है और वे तत्काल अपने शत्रुओं को क्षमा कर देते हैं। लेकिन अच्छे गुणों की प्रधानता हो या बुरे गुणों की उनमें दुहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है—एक दुनिया को दिखाने के लिए, दूसरा अपने लिए। निचले या अधिक भौतिक धरातल पर यह प्रवृत्ति अधिक विकसित होती है। ऐसी दशा में वे एक सुखी पारिवारिक जीवन बिताते भी देखे गए हैं और एक दूसरी गृहस्थी को भी पालते पाए गए हैं। उच्च धरातल पर यह प्रवृत्ति मानसिक जीवन को अधिक प्रभावित करती है। आम तौर से वे दो धंधे अपनाते हैं और दोनों में सफल होते हैं।

देर-सवेर, वे गुप्त विद्याओं में दिलचस्पी लेने लगते हैं। वे शीघ्र अन्तर्ज्ञान की शक्ति पा लेते हैं और प्रायः लेखक, चित्रकार, कवि या संगीतज्ञ के रूप में नाम कमाते हैं। वे स्वाभाविक, दार्शनिक और प्रकृति के अध्येता होते हैं। दूसरों के चरित्र को बहुत अच्छी तरह से देख पढ़ सकते हैं।

जो उन्हें मानते हैं, वे आम तौर से प्यार और सराहना करते हैं। लेकिन शायद ही कुछ लोग कभी-न-कभी बदनामी या धोखों के शिकार होने से बच पाते हों।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्तियों की आय के आमतौर से दो साधन होते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें काफी परेशानियों और कठिनाइयों का सामना करना होता है। प्रायः एकांत वास भी करना होता है। लेकिन ऐसी परीक्षाओं में उनकी इच्छा शक्ति और महत्वाकांक्षा बढ़ती ही है तथा देर-सवेर सफलता और यश मिलते हैं।

जिस धंधे या व्यवसाय में लगे होते हैं, उसी में कठोर परिश्रम करते हैं। कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। उनकी इच्छाशक्ति और संकल्प उन्हें काम करते रहने को प्रेरित करते रहते हैं। उनकी खोज की अच्छी योग्यता होती है और अपने काम में उपाय-कुशल होते हैं।

वे अच्छे सरकारी कर्मचारी बनते हैं। विशेषकर उन्हें कूटनीतिक स्थितियों से निपटने और गुप्त मिशन पूरे करने का वरदान मिला होता है। वे प्रायः सफल जासूस और अपराधों का पता लगाने वाले पुलिस अधिकारी बनते हैं।

वे अच्छे वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या जांच पड़ताली बनते हैं, विशेषकर दवा के लिए। उनमें अक्सर खतरनाक उद्यमों में लगने की प्रवृत्ति रहती है, जैसे गुप्त

खजाने, छिपी खानों की खोज, रहस्यपूर्ण तथा जान-जोखिम के अन्य काम।

उच्च धरातल वाले गुप्त विद्याओं तथा मनोविश्लेषण में गहरी दिलचस्पी लेते हैं। निचले स्तर वाले गुटों और गुप्त संस्थाओं से सम्बन्ध जोड़ना चाहते हैं। उच्च स्तर वाले प्रायः उच्च कुल में विवाह करते हैं। उन्हें विवाह से लाभ होता है। यदि नहीं होता तो भी कम-से-कम ऐसा जीवन साथी चुनते हैं जो उच्च बौद्धिक स्तर वाला होता है अथवा नाम कमा चुका होता है।

स्वास्थ्य

वृश्चिक में जन्मे लोग बचपन में प्रायः नाजुक होते हैं और जीवन में अधिक बाल-रोगों के शिकार होते हैं। उनकी बीमारियां आम तौर से बड़ी आंतों और मल-मूत्र मार्ग से सम्बन्धित होती हैं। वे भगन्दर, पित्ताशय में सूजन, बवासीर के मस्से और ग्रंथियों की परेशानी से पीड़ित हो सकते हैं।

जीवन में वे शायद ही किसी दुर्घटना से या हाथों से स्थायी चोट से बच पाते हों। फेफड़े के रोगी भाग और श्वास नलिका कमजोर होते हैं। वृश्चिक में जन्मे सभी लोग अपने उन्तालीसवें वर्ष के बाद बीमारी में असाधारण प्रतिरोध का परिचय देते हैं।

आर्थिक दशा

इन लोगों का भाग्य के असाधारण उतार-चढ़ाव का अनुभव करना पड़ता है। उनमें दूसरों पर अधिक भरोसा करने और अधिक आशावादी होने की प्रवृत्ति पाई जाती है। वे आसानी से ऐसी योजनाओं में फंस जाते हैं जिनका अन्त अच्छा नहीं होता। वे अति उदार और उन्मुक्त भी होते हैं। सहायता की पुकार होने पर, विशेषकर विपरीत लिंगी से वे अपने आपको रोक नहीं पाते। पैसा उनकी जेब में काटता है। अपनी मानसिक योग्यताओं से वे पैसा कमा तो सकते हैं लेकिन शायद ही बटोर रख पाते हैं।

परिस्थितियां अनुकूल होने पर वे खूब व्यापार करते हैं और प्रतिकूल परिस्थितियों और वातावरण के अनुकूल शीघ्र अपने को ढाल लेते हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारियां आदि

इन लोगों के सबसे अधिक महत्वपूर्ण सम्बन्ध अपनी निजी राशि वृश्चिक (29 अक्तूबर से 20 नवम्बर), जल-त्रिकोण की अन्य राशियां मीन (19 फरवरी से 20 मार्च) तथा कर्क (21 जून से 20 जुलाई) इनके पीछे के सन्धिकाल में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहते हैं। वे अपनी राशि से सातवीं वृष (21 अप्रैल से 20-27 मई) के दौरान जन्मे लोगों से भी काफी प्रभावित होते हैं।

9, 10, 19, 28 (मूलांक 1) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य, उच्च का यूरेनस और मंगल (सौम्य) हैं। 28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि धनु के प्रभाव में आते हैं जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

वृश्चिक राशि में सूर्य का प्रभाव विशेष प्रबल होता है, अतः 1, 10 तथा 19 नवम्बर को पैदा हुए लोग अत्यधिक ऊर्जा का परिचय देते हैं और दूसरों पर उनका भारी प्रभाव होता है। वे सृजनशील और दबंग होते हैं। दूसरों पर शासन के बारे में उनके अच्छे विचार होते हैं और राजनीतिक जीवन में वे प्रायः भारी सफलता प्राप्त करते हैं। वे पारखी और आलोचक, अपनी योजनाओं में कुछ तेज और सफलता फिर भी अपने अधीनस्थों के लिए विनम्र और सहायक होते हैं।

उनमें व्यंग्य और परिहास की अच्छी समझ होती है। लेकिन उनके तीखे व्यंग्य बिच्छू की तरह डंक मार सकते हैं और वे गंभीर से-गम्भीर प्रश्नों को भी परिहास में उड़ा सकते हैं।

वे संवेदनशील होते हैं और उपेक्षा से शीघ्र आहत होते हैं, लेकिन क्रोध को मन में देर तक नहीं पाले रहते। वे विशाल हृदय और शत्रुओं को क्षमा कर देने वाले होते हैं।

ये सभी व्यक्ति और 28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति भी बड़े साहसी और उद्यम पसंद होते हैं। वे ठेकेदार, भवन-निर्माता, बड़े इंजीनियर आदि के रूप में सफल हो सकते हैं। दूसरी दृष्टि से उनमें साहित्य, नाटक, भाषण आदि के क्षेत्र में भी भारी सृजनात्मक योग्यता रहती है।

28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति दिल से भारी महत्त्वाकांक्षी होते हैं। जो भी वृत्ति अपनाएं, उसी में नाम कमाते हैं और प्रमुखता प्राप्त करते हैं लेकिन वृश्चिक राशि में पैदा हुए लोगों की भांति शायद ही कभी अमीर बन पाते हों।

आर्थिक दशा

आप धन कमाने और जीवन में सफल होने की आशा कर सकते हैं। आपकी एकमात्र कठिनाई अपने लाभ को बनाए रखने की होगी।

स्वास्थ्य

इक्कीस वर्ष की आयु में स्वास्थ्य में परिवर्तन होता दिखाई देगा। बचपन में काया नाजुक रहेगी, लेकिन बाद में शक्तिशाली और रोग प्रतिरोधी हो जाएगी। गले, फेफड़े और श्वासनली की बीमारियां होने की सम्भावना है। आपको ठंडी, नम जलवायु में नहीं रहना चाहिए, बल्कि धूप का अधिक से अधिक सेवन करना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 1-4 और 2-7 होंगे। इन्हीं मूलांको को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'चार' मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (पीला, सुनहरा, नारंगी, भूरा), यूरेनस (मिलेटी, हलका तथा शोख), चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) और नेप्चून (कबूतरी) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि, नीलम।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

2, 11 या 20 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए कारक ग्रह चन्द्र, नेप्चून और मंगल हैं। 29 नवम्बर इस वर्ग में नहीं है, क्योंकि यह तिथि धनु के प्रभाव में है जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

मंगल (सौम्य) के साथ वृश्चिक में नीच का चन्द्र विचित्र और परस्पर-विरोधी दशाओं वाला ग्रह योग बनाता है। चंद्र के लिए यह स्थिति शुभ नहीं है। अतः नवम्बर की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों को अपने सुझावों की बहुत सावधानी से परख करनी चाहिए। उन्हें अपने निर्णयों में स्पष्ट और अधिक आत्म-निर्भर बनना चाहिए। इन लोगों का प्रारम्भिक वर्षों में अपनी वृत्ति का निश्चय कर पाना प्रायः असम्भव होता है।

उनमें कलात्मक या कल्पनाशील कार्य के लिए काफी प्रतिभा होती है, किन्तु वे अपने ही सपनों के संसार में रहे आते हैं और उस प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग नहीं कर पाते।

दूसरों को संकट से उबारने के लिए वे उन पर भरोसा कर उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं। फलस्वरूप उन्हें अनेक कटु निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन उनके लिए एक कठोर युद्ध क्षेत्र बन जाता है, जिसके लिए वे बिल्कुल तैयार नहीं होते। महिलाएं पुरुषों से अधिक कष्ट उठाती हैं। अपनी अति भावुकता में वे प्रायः गलत व्यक्ति से विवाह कर लेती हैं और अनजाने में अपने सर्वनाश को न्योतती हैं। 2 नवम्बर को जन्मी फ्रांस की रानी मेरी एंतोनेत इसका उदाहरण है। उसने राजा से विवाह किया था लेकिन उसका हर काम उसे गिलोटिन की ओर खींच कर ले गया।

स्त्री-पुरुष दोनों रोमांस की चकाचौंध में फंसकर अपने तथाकथित प्रेम की भारी कीमत चुकाते हैं। वे विपरीत लिंगियों की ओर शीघ्र आकर्षित हो जाते हैं लेकिन उनका प्रेम का बंधन बहुत कम टिक पाता है। तलाक से कुछ समय के लिए तो उनके मन को चोट पहुंचती है, लेकिन आम तौर से यह गलती वे बार-बार दुहराते हैं।

फिर भी, यदि वे अपनी भावुकता पर काबू करने का प्रयास करें और अपनी किसी गुप्त प्रतिभा को प्रकट होने का अवसर दें तो वे क्या नहीं हो सकते! जरा सोचिए कितने कवियों, चित्रकारों, लेखकों या संगीतज्ञों को ये तिथियां छिपाए रहती हैं। यदि आप इनमें से किसी तिथि को पैदा हुए हैं तो आपको मेरी नेक सलाह है कि किसी एक विषय पर मन को केन्द्रित कीजिए। उसमें सफलता पाने के बाद फिर जितना जी चाहे प्रेम की पींग बढ़ाइए।

29 नवम्बर को जन्म व्यक्तियों को 2, 11 तथा 20 दिसम्बर को जन्म व्यक्तियों के साथ अपनी मूल प्रकृति और स्वभाव की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। वैसे लोगों का चरित्र अधिक ओजस्वी होगा और अपनी योजनाओं को सफलता तक पहुंचाने में ये अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आर्थिक दशा

यदि आप पूरी बुद्धिमत्ता और सावधानी से काम नहीं लेंगे तो आर्थिक मामलों में चिन्ता रहेगी। कभी अपने निजी प्रयासों से अथवा विवाह से आपको धन और सम्पत्ति मिल सकती है, लेकिन उसके टिकने की सम्भावना नहीं है। आप अपनी निजी प्रतिभाओं का विकास कर धन कमा सकते हैं, दूसरों के वायदों के भरोसे नहीं।

स्वास्थ्य

आपके बहुत मोटे-ताजे होने की सम्भावना नहीं है। अपनी शक्ति का भविष्य में अधिक संचय करके रखिए और अपने को अधिक थकाइए नहीं। आपमें आन्तरिक दुर्बलता या कोशिकाओं में सूजन की प्रवृत्ति होगी। नासिका-रन्ध्र, गले और आंतों में परेशानी हो सकती है। आप अति संवेदनशील होंगे और दूषित वातावरण का आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आपको निराशा के दौरों पर काबू पाने का जी-तोड़ प्रयास करना चाहिए।

आपकी योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। इन्हीं मूलांकों और 'एक' व 'चार' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घनिष्ठ मित्र भी 'दो' और 'सात' मूलांक वाले ही रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) और नेप्च्यून (बैंगनी, हल्का, [illegible]) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं [illegible], मोती, चन्द्रकान्त मणि, नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

यदि आप 3, 12, तथा 21 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आपके शासक ग्रह

गुरु और मगल हैं। 30 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति धनु राशि के अन्तर्गत आते हैं और उनके कारक ग्रह गुरु और सूर्य हैं।

गुरु और मगल का योग बहुत शक्तिशाली है। इसका ठीक से उपयोग करने पर आपको अपनी वृत्ति मे निश्चय ही सफलता और प्रमुखता मिलेगी। आपमे काफी आत्मविश्वास रहेगा जो देर-सवेर कन्धो पर आने वाली जिम्मेदारिया निभाने मे काम आएगा।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों मे अनेक बाधाओ और कठिनाइयो का सामना करना होगा। माता या पिता की मृत्यु, फलस्वरूप उसकी छत्रछाया न मिल पाना, और सम्भवत धन का अभाव भी, ऐसी बाधाए हो सकती हैं। लेकिन ऐसी कठिनाइया प्रच्छन्न वरदान सिद्ध होगी। वे कम आयु मे ही आपको जिम्मेदारिया उठाना सिखा देंगी।

बचपन की ओर देखने पर आप पाएगे कि एक या दूसरे कारण से आपके छोटे कधो को दूसरो का भार उठाना पडा। आयु के साथ-साथ जिम्मेदारिया भी बढती हैं। एक प्रकार से आप परिवार के मुखिया बन गए। शुरू मे इन सब बातों से कठिनाई हुई होगी। आपको योजनाओ और ध्येय की पूर्ति मे विलम्ब भी हुआ होगा। लेकिन चरित्र निर्माण के लिए यह आवश्यक था जिसका उद्देश्य शायद अन्त मे वृश्चिक राशि मे आपको गुरु और मगल की योग्य सन्तान बनाना था।

आप पुरुष हो या महिला, आत्मप्रमित या आत्मप्रवचित हुए बिना आपके मन मे सदा बडप्पन की चेतना रही है। आप दिल से जानते थे कि आपमे बडे-बडे काम करने की क्षमता है और अवसर मिलने पर आप उन्हें करेंगे भी। इसीलिए आपने किसी जिम्मेदारी से मुह नही मोडा। जब क्लब के सचिव का पद मिला तो आपने उसे स्वीकार कर लिया। बाद मे अध्यक्ष बन गए। इस प्रकार सदा ऊचे चढते चले गए। महिला होने पर भी आपने शायद यही रास्ता अपनाया। अथवा आपको घर की जिम्मेदारिया सम्हालने, बच्चे पालने आदि से छुट्टी न मिल पाई हो।

अब मैं आपके दोषो और कमजोरियो का विश्लेषण करता हू। अच्छे-से-अच्छे लोगो मे भी कुछ-न-कुछ दोष तो होते ही हैं। आप पुरुष हो या महिला, खतरा यह है कि आप कधो पर बहुत अधिक बोझ उठाकर अपने को थका मारेंगे। आपमे अधिकार या तानाशाही की प्रवृत्ति भी आ सकती है जिससे नौकरो, कर्मचारियो या अधीनस्थो मे परेशानी पैदा हो सकती है। इस कमजोरी से आपने दुश्मन पाल लिए होंगे और आपके मन मे कटुता या निराशा आ गई होगी। ऐसा है तो आप अपने मूल पर लौट जाइए, अपने कन्धो पर दोष लीजिए और सब कुछ नये सिरे से शुरू कीजिए। जान लीजिए कि अपनी कमजोरी को जीतने के लिए आपको यह करना है। यदि आप 30 नवम्बर को पैदा हुए हैं, जो गुरु (ओज) की धनु राशि में मूलांक 'तीन' की

प्रथम तिथि है तो आप अपने प्रयासो मे काफी सफलता की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

ईश्वर ने आपको जो भी काम सौंपा हो, उसी मे आप पैसा कमा सकेंगे। खतरा यह है कि अति-प्रयासो से आप सीमा पार करने लग सकते हैं या स्वास्थ्य मे टूट सकते हैं, जिससे कुछ समय के लिए धन्धे से अलग हो जाएगे।

स्वास्थ्य

यदि आप अत्यन्त परिश्रम से अपने स्वास्थ्य को खराब कर लें तो इसके लिए स्वय को ही दोषी ठहराना चाहिए। लेकिन आपको यह जानकर प्रसन्नता होनी चाहिए कि आपका जन्म सम्भवत अन्य सभी राशियो की तुलना मे अधिक स्वस्थ परिस्थितियो म हुआ है। केवल चिन्ता और भय से ही आप बीमार हो सकते हैं। लेकिन यदि बीमार होंगे तो गम्भीर रूप से होंगे और पुन स्वस्थ होने मे लम्बा समय लगाएगे।

आयु बढने के साथ दिल परेशान कर सकता है। उच्च रक्त चाप और निम्नार सिरदर्द की शिकायते हो सकती हैं। इलाज और बीमारी आपके अपने हाथो म है—जिम्मेदारिया कम कीजिए, सादा भोजन कीजिए और अधिक-से-अधिक सोइए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'तीन' और 'नौ' हैं, विशेषकर नवम्बर, दिसम्बर, फरवरी, मार्च, अप्रैल और मई मे। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को अपनी योजनाए और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्ही तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए गुरु (बैंगनी, पालाई, जामुनी) और मगल (लाल) के रगो के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं कटला, सभी बैंगनी, जामुनी और लाल रग।

4, 13, 22 (मूलाक 4) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और मगल हैं। वृश्चिक म यह एक विचित्र और जटिल ग्रहयोग है। ध्यान रखना चाहिए कि यूरेनस और मगल मौर मडल के सबसे विध्वसक ग्रह हैं और मगल (सौम्य) के भाव वृश्चिक म उनके साथ साथ रहने से अघटित की ही सम्भावना करनी चाहिए।

प्रसिद्ध ज्योतिषी विलियम लिली ने 1647 मे ही यूरेनस के बारे म लिखा था इस ग्रह के प्रभाव वाले व्यक्ति असामान्य विषयो के अध्ययन मे रुचि रखते हैं।

उनमें उल्लेखनीय आविष्कारक क्षमता होती है और उनके द्वारा नई-नई खोज होने की सम्भावना है।

एक अन्य प्रसिद्ध ज्योतिषी इवेंजलीन आदम्स का 1930 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'एस्ट्रोलोजी' में वृश्चिक में यूरेनस के बारे में कहना है —यूरेनस और वृश्चिक के बीच स्वभावतः एक प्रबल आकर्षण है। कुछ व्यक्तियों में वैज्ञानिक खोज-बीन प्रवृत्ति में प्रकट होगी जो वृश्चिक का महत्त्वपूर्ण तत्व है, कुछ में इस रहस्यमय राशि का कभी तथा सूक्ष्म बुद्धि वाला गुण प्रकट होगा। और एक तीसरे वर्ग में हम बहुत गहरी काम-वासना पाएंगे।'

31 अक्तूबर (वृश्चिक में 'चार अंक वाली पहली तिथि), 4, 13 तथा 22 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति यूरेनस के प्रभाव से उल्लेखनीय काम कर सकते हैं। मैं यहां कह दूं कि सम्पूर्ण भचक्र में ऐसा कोई ग्रह योग नहीं है जिस पर इतने आत्म-संयम की आवश्यकता हो। इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति यदि कोई काम करने का दृढ़ निश्चय कर लें तो वे आविष्कार के अपने वरदान, मौलिकता और सनकीपन तक का, जो उनके स्वभाव का निश्चित अंग है, अच्छा उपयोग कर भारी यश प्राप्त करते हैं। लेकिन उन्हें अपने इन गुणों पर अपनी इच्छा-शक्ति और संकल्प की लगाम दृढ़ता से थामे रहना चाहिए। इन लोगों का लक्ष्य अपने मन के आध्यात्मिक पक्ष का विकास करने का होना चाहिए जिससे वे क्रूर भाग्य के थपेड़ों और प्रहार से मुक्त रह सकें। ऐसा न करने पर दूसरे लोगों के व्यवहार पर उनके मन में कटुता भर जाएगी। उन्हें यह मानकर चलना चाहिए कि उनके विचारों और कामों को गलत समझा जाएगा, उनकी मौलिकता तथा सनक का मजाक उड़ाया जाएगा, उनके साथ भारी अन्याय होगा और दुनिया आम तौर से उनके प्रति बहुत कठोर होगी।

यदि उनके 'महान उद्देश्य' पर से उनका विश्वास डिग गया, उन्होंने अपने स्वभाव के पीछे रहने वाले मानसिक मंगल को यूरेनस की तोड़-फोड़कारी शक्तियों के साथ मिल जाने दिया, तो उनके सभी अच्छाइयों के विरुद्ध उठ खड़े होने की सम्भावना है। इससे उनको आम मानवों की तुलना में कहीं बहुत अधिक पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। इन व्यक्तियों को अपने स्वभाव के सनकीपन को काबू में रखना चाहिए।

इस ग्रहयोग में जन्मे व्यक्तियों के अच्छे गुणों में अपने कर्तव्य के प्रति लगन तथा देश के कानूनों, या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है। मैं इन लोगों को सलाह दूंगा कि वे अपने वातावरण में सौहार्द और प्रेम पैदा करने का लक्ष्य बनाएं। मन में शान्ति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् और आध्यात्मिक पक्ष का विकास करें।

आर्थिक दशा

इन लोगों को आर्थिक मामलों में सावधानी और बुद्धि से काम करना चाहिए।

वे दूसरों की सहायता या वायदों पर कम-से-कम निर्भर रहें। मिलजुल कर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहीं है, लेकिन ये व्यक्ति लीक से अलग अपने मौलिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कभी-कभी वे साहित्य-सृजन में या बिजली, वायरलेस, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन आदि के क्षेत्र में विकसित ढंग की खोजों में सफल होते हैं।

स्वास्थ्य

इन लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि अस्वास्थ्य केवल उनकी अपनी भावना की उपज होगा। यदि वे वृश्चिक में मंगल और और यूरेनस के विध्वंसक तत्वों को हावी होने देंगे तो इन ग्रहों में प्रतिबिम्बित बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। चिन्ता से नवस डिस्पेप्सिया, पेट की गड़बड़ी, आन्तिरिक घाव, ट्यूमर, भोजन विष, दिल की कमजोरी, दुर्बल रक्त-संचार जैसे रोगों के आ घेरने की सम्भावना है। उन्हें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और वातावरण के अनुकूल अपने को ढालने का प्रयास करना चाहिए।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'आठ', और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीले और लाल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं: नीलम, लाल, तामड़ा, सभी लाल नग और रक्तमणि।

5, 14, 23 (मूलांक 5) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध और मंगल हैं। मंगल (सौम्य) के भाव में बुध आपको बहुत हाजिर जवाब बनाएगा। आपमें भारी मानसिक योग्यता, संगठन क्षमता और साथियों की अच्छी परख होगी। आप चतुर, लेकिन दूसरों के प्रति संदेही और अविश्वासी होंगे। असाधारण ढंगों से या किसी असामान्य पेशे या वृत्ति से धन कमाएंगे। कला और सौन्दर्य के प्रति आपको गहरा प्रेम होगा और आपको कल्पना-शील कामों का वरदान होगा।

आप विपरीत लिंगियों के प्रति काफी आकर्षित होंगे। आपके अनेक प्रेम प्रसंग होंगे, लेकिन आपकी रुचि बदलती हुई और अस्थिर होगी। इनमें से किसी प्रसंग का आपके स्वभाव पर गहरा या स्थायी प्रभाव नहीं पड़ेगा। अपने इस स्वभाव को देखते हुए अच्छा हो यदि आप विवाह न करें, कम-से-कम मध्य आयु निकल जाने तक।

आप प्रवास रहेंगे, परिस्थितियों के अनुसार अधिक-से-अधिक यात्राएं करेंगे और अपना निवास कई बार बदलेंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलो मे आपके बहुत भाग्यशाली रहने की सम्भावना है, कम-से-कम सौभाग्य के क्षणो मे। लेकिन मगल के योग के कारण आप उड़ाऊ प्रकृति के होगे और लाभ को हाथ मे रख नही पाएगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों मे सभी बाल रोग आपको परेशान करेंगे। बाद मे आप कृश-काय होंगे। बीमारी को शीघ्र उतार फेंकेंगे लेकिन हमेशा भारी तनाव मे रहेंगे।

छोटी छोटी बातों पर शीघ्र चिढ जाना और क्रोध करना आपके शरीर मे विष घोल देगा। सब मिलकर आप स्वस्थ जीवन बिताएगे, लेकिन सम्भावना लम्बी बीमारी के बिना अकस्मात् जीवन का अन्त होने की है।

आपके महत्वपूर्ण अक 'पाच' और 'नौ' हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप कुछ लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रग हलके रग होगे, जैसे सफेद, क्रीम चमकीले और लाल भी। आपके भाग्य रत्न हैं सभी हलके चमकीले नग, लाल, तामड़ा और लाल नग।

6 15, 24 (मूलाक 6) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और मगल है। मगल (सौम्य) के भाव मे शुक्र की स्थिति अनेक प्रकार से शुभ है, केवल प्रेम मे निराशा और आम स्नेह-सम्बन्धो मे परेशानी उठानी होती है।

ऐसे व्यक्तियो का स्वभाव अत्यन्त स्नेही होता है। सम्बन्धियो या माता पिता के प्रति उनमे काफी आत्म-त्याग की भावना होती है। आम तौर से उन्हें सदा किसी न किसी की देखभाल करनी ही होती है। प्रारम्भिक वर्षों मे उन्हें अनेक कठिनाइयों के लिए तैयार रहना चाहिए, जैसे माता या पिता मे से किसी एक की मृत्यु। इससे उनके कन्धों पर जिम्मेदारी आ जाती है और उन्हें अपनी महत्वाकाक्षा पूरी करने मे बाधा पहुचती है।

सम्पन्न या उच्च समाज में पैदा होने पर स्थिति इतनी ही कठिन होगी। उन्हें अपना प्रिय शौक छोड़ना पड सकता है और दूसरो की इच्छा के अनुसार जीवन व्यतीत करना पड सकता है। ऐसी दशा मे अपनी मुक्ति के लिए अपने से नीचे स्तर के व्यक्ति से कम आयु मे ही विवाह कर सकते हैं और शुरू से ही अपने लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं।

इन व्यक्तियो में विपरीत-लिंगियो के लिए प्रबल आकर्षण रहता है, लेकिन

उनकी पसन्द प्राय ठीक नहीं होती—प्यार दूसरों के दोषों के प्रति उन्हें अन्धा बना देता है। अन्य मामलों में वे विवाह में काफी देर लगाते हैं और फिर जल्दबाजी में गलत जीवन-साथी चुन बैठते हैं। उन्हें प्रेम-प्रसंगों में गम्भीर दुर्घटनाओं और ईर्ष्या का सामना करना पड़ता है। वृश्चिक में शुक्र वाले लोग जितनी देर से विवाह करेंगे, सुख-सफलता के उतने ही अधिक अवसर होंगे।

कलाओं में उनकी प्रतिभा अधिक चमकती है। संगीत, चित्रकला, मूर्ति कला या अभिनय में, कभी-कभी लेखक के रूप में वे अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। प्राय उन पर भारी जिम्मेदारी के पद थोप दिए जाते हैं और उनका काफी नाम होता है।

परिस्थितिवश यदि उन्हें अपने धंधे में रोजमर्रा का काम करना पड़े तो वे कठोर परिश्रम करते हैं और पूरी ईमानदारी से मालिक की सेवा करते हैं। इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों का यश तथा सम्मान प्राप्त करना प्राय निश्चित है और अनेक लोग सम्पत्ति तथा उच्च पद भी प्राप्त करते हैं।

आर्थिक दशा

ये लोग यदि अपनी प्रेरणा पर चलेंगे तो आर्थिक मामलों में आम तौर से भाग्यशाली रहेंगे। परिधान और टीपटाप के शौकीन होते हुए भी वे धन कमा सकते हैं और जोड़ भी सकते हैं। महिलाएं प्राय धनी लोगों से विवाह करती हैं, विशेषकर जब वे बड़ी आयु में विवाह करें।

स्वास्थ्य

आम तौर से ये व्यक्ति बहुत स्वस्थ और दृढ़काय होते हैं। मगर उनका आयु बढ़ने के साथ-साथ मोटापा चढ़ने का है और अन्तिम वर्षों में वे दिल की बीमारी के शिकार हो सकते हैं। फेफड़ों, गले, नासिका-रन्ध्रों और कान में सूजन की सम्भावना हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ', और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं: फीरोजा या सभी नीले नग, लाल, तामड़ा और लाल नग।

7, 16, 25 (मूलांक 7) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चंद्र और मंगल हैं। नेप्चून मानसिक ग्रह है और मन के गुप्त गुणों पर उनका अधिकार है, जैसे उत्तेजना, स्वप्न, दिवास्वप्न, उच्च

आविष्कारी योग्यता। मगल (सौम्य) की वृश्चिक राशि मे यह अत्यन्त प्रबल होता है। सौम्य मगल और चद्र को भी मानसिक ग्रह ही कहा जा सकता है।

व्यक्तियो और अपने वातावरण के प्रति आप अति संवेदनशील होंगे। दुखद परिस्थितियो मे बहुत दुखी और असतुष्ट रहेंगे। मन मे अपनी भलाई का बहुत खयाल रखेंगे और दूसरे लोगो के साथ घुलने-मिलने में कठिनाई होगी। गुप्त विद्याओ से आपको गहरा प्रेम होगा, जैसे उच्च रसायनशास्त्र। हर प्रकार के वैज्ञानिक शोधो मे अथवा मनोवैज्ञानिक के रूप मे सफल होंगे।

आप भौतिकता से दूर रहना चाहेंगे। इससे आपको सनकी समझा जा सकता है। लेकिन निजी विचारो पर चलकर आप प्रमुखता प्राप्त कर सकते हैं। अपने काम मे आप असाधारण लगन का परिचय देंगे। आप अपने मन की बात छिपाने वाले और आत्मकेंद्रित भी होंगे।

यह ग्रह योग गुप्त विद्याओ, रहस्यवाद, सम्मोहन विद्या आदि के अध्ययन के लए भी सम्मान देता है। इसमें आप भौतिक से अधिक मानसिक पक्ष की ओर आकर्षित होंगे। आप ओझा भी बन सकते हैं। आपको बहुत गलत समझा जाएगा। हालांकि आप दूसरे लोगो के कार्यों के प्रति संवेदनशील हैं तथापि उनकी ऐसी रायो पर अधिक ध्यान नहीं देंगे।

आर्थिक दशा

आप अपनी योग्यताओ से भौतिक लाभ कमाना नही चाहेंगे, फिर भी आपको विचित्र ढग से आर्थिक लाभ होने की सम्भावना है। उपहार और विरासत से, वैज्ञानिक खोजा या आविष्कार से अथवा अपने निजी पूर्व ज्ञान से भी आपको लाभ हो सकता है।

स्वास्थ्य

आप बहुत दृढकाय नही होंगे। आप अपने मन पर बहुत बोझ डालेंगे। साथ ही भोजन के सम्बन्ध मे अपने किसी विचित्र दर्शन का विकास कर लेंगे जिससे आप औसत से अधिक आयु भोग सकेंगे।

आपके महत्वपूर्ण अक 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियो को अपनी योजनाए या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलाकों वाले होंगे। 2-7 और 1-4 मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए चद्र (हरा, क्रीम, सफेद) नेप्चून (कबूतरी, हलके, शोख) और मगल (लाल) के रगो के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं सिलेटी जेड, चद्रकात मणि, मोती, लाल, तामडा और लाल नग।

8, 17, 26 (मूलांक 8) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और मंगल हैं। मुझे यह कहते हुए खेद है कि इन तिथियों में जन्म लेने वालों के लिए यह ग्रह योग कदापि शुभ नहीं है, जब तक कि आप आत्मसंयम से काम न लें। अपने कुछ सद्गुणों का पूरा उपयोग करने के लिए कसर न करेंगे। शनि को अनेक ज्योतिषियों ने सौर मंडल का 'बुड्ढा स्कूल मास्टर' कहा है। वह निश्चय ही अपने छात्रों की जमकर पिटाई करता है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में।

इस अवधि में मंगल अपनी सौम्य राशि में आपकी पीठ पर है। शनि के भाग्याधीन प्रभाव को दूर करने में वह अपनी मानसिकता द्वारा सहायता करता है। अपने मानसिक गुणों का विकास करके ही आप आगे बढ़ सकते हैं और दूसरों के सामने सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने पर विजय ही सबसे बड़ी विजय है।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए तो जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में आपको बहुत बड़ी चढ़ाई चढ़नी होगी। 26 नवम्बर अधिक शुभ है क्योंकि यह गुरु के आगामी भाव धनु के संधि-काल में है। फिर भी शनि की भाग्यवादी प्रवृत्तियों का इस पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप मनमर्जी से काम करने वाले होंगे और आपके साथ निबाह कठिन होगा। सही हो या गलत, आप अपने विचारों पर अड़े रहेंगे। आप हर चीज को एक ही आंख से देखेंगे। लोगों के कामों पर सन्देह करेंगे, भले ही वे आपकी भलाई के लिए हों। यह महसूस करेंगे कि सभी लोग आपके विरोधी हैं। यदि आप इस भावना पर काबू नहीं करेंगे तो आप 'उत्पीड़न-भावना' से ग्रसित हो जाएंगे।

बदनाम प्रेम-प्रसंगों और गुप्त मैत्रियों से आपको काफी दुःख उठाना पड़ सकता है। ऐसे मामलों में आप जिद्दी होंगे और किसी की सलाह मानने को तैयार नहीं होंगे।

इसके बावजूद आप अति चतुर हैं। अपने ध्येय को पूरा करने में आप अपने अड़ियलपन का अच्छा उपयोग कर सकते हैं। अपने तीव्र प्रेम-भाव को आत्म-त्याग से सचित विचार तक पहुंचा सकते हैं। आपके प्रबल भावुक स्वभाव को यदि कानून में रखा जाए, तो यह आपके मार्ग की बाधाएं दूर करने और आपके लिए समर्थक जुटाने का साधन बन सकता है।

आम तौर से पहले पैंतीस या चालीस वर्ष आपके लिए सबसे कठोर होंगे, विशेषकर 17 नवम्बर को जन्मे लोगों के लिए यह समय बिना किसी दुर्घटना के निकाल देने पर प्रारम्भिक प्रवृत्तियां दूर हो जाने की आशा है। फिर अगले पैंतीस वर्ष अच्छे कटेंगे।

आर्थिक दशा

यह आप पर निर्भर है कि भारी सफलता प्राप्त करते हैं या विफलता। आपके लिए कोई मध्य मार्ग नहीं है—इस पार या उस पार। अपने अडियल स्वभाव से आप अपने ध्येय मे आगे बढ़ सकेंगे।

स्वास्थ्य

आप अत्यन्त सबल होंगे या अत्यन्त दुर्बल। कार्बंक्ल, फोडे आदि के शिकार हो सकते हैं। गठिया या रूमैटिक बुखार भी हो सकता है। मादक द्रव्यो या शराब से बचिए। इनका दुष्प्रभाव आपके दिमाग पर पड़ेगा। कभी-कभी भारी तनाव या उत्तेजना से मानसिक सन्तुलन खो सकते हैं। यह आपके आत्म-संयम पर निर्भर है कि आप बीमार रहते हैं या स्वस्थ।

'चार', 'आठ' और 'नौ' अंक आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं 'चार' और 'आठ' को चुनने की सलाह नहीं दूंगा। आप सावधानी से उन पर नजर रखिए। आप 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे।

गहरे रंगों के कपडो से बचिए, हालाकि उनकी ओर आपका झुकाव होगा। लाल फलक वाले हलके रंग के कपड़े पहनना बेहतर रहेगा। आपके भाग्य रत्न लाल, तामडा, रक्त मणि और सभी लाल नग हैं।

9, 18, 27 (मूलांक 9) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आप दुहरे मंगल के प्रभाव में हैं। लेकिन 27 नवम्बर को जन्मे होने पर आप गुरु (ओज) के भाव धनु, राशि के संधि-काल मे काफी आगे निकल चुके होंगे जो आपके जीवन तथा वृत्ति पर एकदम भिन्न प्रभाव डालेगा।

मंगल आग का प्रतीक है। आप सोच सकते हैं कि दुहरे मंगल का क्या मतलब हो सकता है। वृश्चिक मे 'नौ' का अंक अथवा मंगल 27 अक्तूबर से प्रारम्भ होता है। अमरीका के राष्ट्रपति थियोडोर रुजवेल्ट का जन्म इसी तिथि को हुआ था। सभी जानते हैं कि यह व्यक्ति मन से कितना लड़ाका था। न्यूयार्क के गवर्नर के रूप मे दुराचार और भ्रष्टाचार को दबाने के लिए उसने हर विरोध से टक्कर ली बाद में स्पेनिश-अमरीकी युद्ध मे उसने 'रुजवेल्टस रफ राइडर्स' का गठन किया। अमरीका के राष्ट्रपति के रूप मे वह अपने काल का लौह पुरुष था। जैसे महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचने वाले सभी मंगली व्यक्ति जान पर हमले के शिकार होते हैं, वह भी अपवाद नहीं रहा। 14 अक्तूबर, 1912 को एक अराजकतावादी द्वारा हत्या के प्रयास मे वह घायल हुआ।

'दुहरा माल' मेष राशि में भी आता है और 27 मार्च, 9 तथा 18 अप्रैल को जन्मे लोगों को प्रभावित करता है।

यदि आप 27 अक्तूबर, 9 नवम्बर या 18 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप में भारी कार्यकारी शक्ति और संगठन क्षमता होगी। आप ओजस्वी, दृढ़ संकल्प वाले और सरकारी कार्य तथा प्रशासन में उत्तम होंगे। निजी जीवन में आप शल्य-चिकित्सक के रूप में, या ऐसे धन्धों में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे जिनमें काटने वाले औजारों को काम में लिया जाता है। इन्जीनियरिंग या निर्माण-कार्य अथवा व्यापारी उद्यमों में अधिकारी पदों पर भी।

अपने आजाद स्वभाव, दृढ़ इच्छा-शक्ति और दबंगपन से आप अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें बढ़चढ़ कर सफलता प्राप्त करेंगे। 27 नवम्बर भी, जो गुरु के प्रभाव में होता है, इतना ही बलवान है।

आर्थिक दशा

प्रारम्भिक वर्षों में कठोर संघर्ष के बाद आप हर काम में सफल होंगे। आप सभी बाधाओं और कठिनाइयों से पार पाने तथा धन और पद प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। 27 नवम्बर को पैदा होने पर आप प्रारम्भिक वर्षों में अधिक भाग्य-शाली रहेंगे। बुढ़ापे के लिए सावधानी से पैसा बचाने का प्रयास कीजिए।

स्वास्थ्य

सभी प्रकार के बुखारों, उच्च रक्तचाप और दिल पर अधिक तनाव की शिकायतें हो सकती हैं। अनेक दुर्घटनाओं से पाला पड़ेगा, मुख्यतः मशीनों से तथा आग्नेयास्त्रों से भी। आप पर प्राणघातक हमला हो सकता है। दिल के दौरे से या दिमाग में रक्त का दबाव बढ़ जाने से आकस्मिक मृत्यु भी हो सकती है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलांक वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए लाल रंग का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं: लाल, तामड़ा और सभी लाल नग।

27 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए 'तीन' और 'नौ' के अंक अधिक शुभ रहेंगे। रंगों में फालसई, बैंगनी तथा जामुनी भी शुभ हैं। आप 'तीन' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अध्याय 12

दिसम्बर

धनु राशि 21 नवम्बर से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि वृश्चिक के साथ इसका सधिकाल चलता है जिससे यह 28 नवम्बर को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 दिसम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। उसके बाद आगामी राशि मकर के साथ सधि-काल प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव मे उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि मे, अर्थात् 21 नवम्बर से 20-27 दिसम्बर तक, पैदा होने वाले व्यक्तियो मे इस राशि के प्रतीक धनुर्धारी के गुण मिलते है। वे अपने काम में सीधा लक्ष्यवेध करते हैं। वे स्पष्ट बोलने वाले और मुह फट होते हैं जिससे प्राय. अनेको दुश्मन पाल लेते हैं। वे अपना सारा ध्यान उस क्षण कर रहे काम पर केंद्रित रखते हैं और जब तक पूरे प्रयास कर थक नही जाते, किसी दूसरी ओर निगाह भी नही करते हैं।

उनके मस्तिष्क मे इतनी शीघ्रता से विचार कौंधते हैं कि वे प्राय दूसरो के वार्तालाप मे बीच मे टपक पडते हैं और धीरे या रुककर बोलने वालो के प्रति अधीरता प्रकट करते हैं।

एकदम सत्यवादी होने से वे दूसरो को छलने के प्रयासो का भडाफोड कर देते हैं, भले ही उनका यह कार्य अपने हितों के विरुद्ध हो। वे अपने काम मे तब तक विश्राम नही लेते जब तक थककर चूरचूर नही हो जाते अथवा काम करते हुए मृत्यु को प्राप्त नही हो जाते।

व्यापार या अन्य किसी कार्य मे वे भारी उद्यमी होते हैं लेकिन अपने को कभी एक ढग के काम मे बधा महसूस नहीं करते। अत वे तेजी से अपने विचार बदलते रहते हैं। राजनीतिज्ञ के रूप वे अपनी नीतियो मे अनेक बार परिवर्तन करेंगे। धर्म-प्रचारक के रूप मे वे धर्म के बारे मे अपने विचार बदल सकते हैं। वैज्ञानिक प्राय अपना धधा छोडकर किसी उद्योग को अपना सकते हैं।

उनमें अति तक जाने की प्रवृत्ति होती है। तत्काल निर्णय ले लेते हैं जिसके लिए बाद मे पछता भी सकते हैं, लेकिन अभिमानी इतने होते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकार नही करते।

अधिकार से प्रेम उनका प्रमुख गुण होता है। यदि वे महसूस करें कि अपना लक्ष्य प्राप्त नही कर सकते तो बीच मे ही रुक जाते हैं। अपनी महत्वाकाक्षा

को तिलांजलि दे एकदम नया काम शुरू कर देते हैं अथवा फिर जीवन भर कुछ नहीं करते।

इस राशि में नर-नारी प्रायः भावुकता के क्षण में विवाह करते हैं और फिर बाद में पछताते हैं। लेकिन अभिमान के कारण अपनी गलती स्वीकार नहीं करते और लोग प्रायः उनके वैवाहिक सुख को आदर्श समझ बैठते हैं।

वे कानून और व्यवस्था के पक्के समर्थक होते हैं। पूजा-स्थलों पर नियमित रूप से जाते हैं, दूसरों के लाभ के लिए अपना उदाहरण प्रस्तुत करने के विचार से अधिक, स्वयं धार्मिक वृत्ति के होने के कारण कम। वे प्रायः भारी लोकप्रियता प्राप्त करते हैं, 'जन आदर्श' बन जाते हैं और उन पर यश तथा पद थोप दिए जाते हैं।

इस राशि में महिलाएं पुरुषों से अधिक उदात्त होती हैं। अपने पति और बच्चों की सफलता के लिए जितना कर सकती हैं, करती हैं और आत्म-त्याग को तैयार रहती हैं। घर से उन्हें गहरा प्रेम होता है तथा विवाह सुखी न होने पर भी वे इस घाटे के सौदे से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करती हैं। उनकी सम्मान और कर्तव्य के प्रति ऊंची समझ होती है, लेकिन जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण बहुत स्वतन्त्र होता है।

इस अवधि में जन्मे लोग स्नायुओं के तीव्र रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। आयु बढ़ने पर वे टांगों के दर्द से परेशान हो सकते हैं। यदि महीने के उत्तरार्द्ध में पैदा हुए हों तो पांवों के किसी पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। नाक का रोग भी हो सकता है।

जन्म-काल पर धनु में सूर्य की स्थिति से स्वभाव पर गुरु का जो प्रभाव पड़ता है, वह प्रवृत्ति को कुछ दुरंगी बनाता है। ये लोग एक पल में संवेदनशील, दूसरों के बहकावे में आने वाले और शान्त हो सकते हैं, दूसरे ही क्षण वे पूर्ण, आवेशी और दुस्साहसी हो सकते हैं।

सत्य, शांति और न्याय के पक्षधर होने के कारण उनका सच्चा धर्म पीड़ितों की सेवा है। सताये हुए और दबाए हुए लोगों के साथ उनकी प्रबल सहानुभूति होती है। कभी-न-कभी वे किसी मानवीय या सुधार काय में अपना झण्डा गाड़ते हैं। उनमें परिहास की गहरी समझ होती है और तर्क करना पसन्द करते हैं। वस्तुतः वे मित्रों म वाद-विवाद की असाधारण कुशलता के लिए जाने जाते हैं।

खुली हवा और घर से बाहर आमोद-प्रमोद के शौकीन होने के कारण वे जंगलों, ऊबड़-खाबड़ पर्वतीय प्रदेश की खोज करते या वहां विचरण करने अपने स्वाभाविक रूप में होते हैं। वे स्पष्ट, खुले दिलवाले और बहुत उदार होते हैं। उनका व्यवहार आम तौर पर विनम्र होता है लेकिन जब अपनी पर उतर आएं तो रूखे और उग्र हो जाते हैं। उनमें उच्चकोटि का पूर्वज्ञान रहता है और गुप्त ज्ञान तथा मन-विषयक मामलों में अभिरुचि प्रदर्शित करते हैं।

उनकी उदारता का लोग प्रायः अनुचित लाभ उठाते हैं। उन्हें धोखा देने और मनगढ़ंत कहानियों से उनकी सहानुभूति पाने का प्रयास करते हैं। वे संगीत और साहित्य के प्रेमी होते हैं तथा इनमें दखल भी रखते हैं। उनका स्वभाव मूलतः आशावादी होता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को एकमात्र खतरा मन और शरीर से सीमा से अधिक काम लेने से है। उनके हाथ में इतनी योजनाएं—परियोजनाएं रहती हैं कि सभी पर ठीक से ध्यान दे पाना सम्भव नहीं होता। फलस्वरूप शक्ति के अपव्यय से जीवनी शक्ति का निरंतर ह्रास होता रहता है।

वे गर्मी-सर्दी के बारे में भी लापरवाह रहते हैं जिससे तीव्र ब्रांकाइटिस के शिकार हो जाते हैं, लेकिन फिर जल्दी ठीक भी हो जाते हैं। आम तौर से रक्त और जिगर की बीमारियां होंगी। रक्त शुद्ध रखना चाहिए, मादक द्रव्यों से बचना चाहिए और सफाई से रहना चाहिए। दिमाग को अधिक आराम देना चाहिए और शरीर को अधिक-से-अधिक ढीला छोड़ने का अभ्यास करना चाहिए।

आर्थिक दशा

दिमागी काम से धन कमाने की सम्भावना सबसे अधिक है। उनमें विचारों की काफी मौलिकता होती है। अपने पूर्व ज्ञान से काम लेना चाहिए। साझेदारों और सहयोगियों से मिलकर शायद ही ठीक से काम कर पाएं। फिर भी कर्मचारियों, नौकरों और अधीनस्थों का काफी प्रेम मिलता है।

उन्हें प्रायः विरासत और उपहारों में लाभ होता है लेकिन आम तौर से अधिक सम्पत्ति नहीं जोड़ पाते। यदि जोड़ लें तो बुढ़ापे में किसी रहस्यमय कारण से डूब जा सकती है या कम-से-कम उसमें काफी कमी आ सकती है।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इस अवधि में जन्मे लोगों के सबसे अधिक हार्दिक सम्बन्ध अपनी निजी राशि धनु (21 नवम्बर से 19 दिसम्बर), अग्नि-त्रिकोण की अन्य दो राशियों सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त) तथा मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), तथा इनके पीछे के सात दिनों के संधि-काल में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे। मानवी राशि मिथुन (21 मई से 20-27 जून) के दौरान जन्मे लोगों का भी उन पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस और गुरु हैं। 28 नवम्बर को भी दिसम्बर

के क्षेत्र मे शामिल किया जाना चाहिए, क्योकि तब तक धनु राशि प्रारंभ हो चुकी होती है। वास्तव में 28 नवम्बर इस राशि की प्रथम अर्क-1 तिथि है। इसी प्रकार 28 दिसम्बर की तिथि धनु राशि के क्षेत्र से निकलकर आगामी राशि मकर के क्षेत्र मे प्रवेश कर गई होती है।

इन तिथियों मे जन्मे व्यक्ति हसमुख और आशावादी स्वभाव के होते हैं। कोई कठिनाई उनके उत्साह को शिथिल नही कर सकती। दूसरो के प्रति वे विचार मे भी उदार होते हैं, यद्यपि बात करने मे मुहफट और खुले दिल वाले रहते हैं। वे अत्यन्त उद्यमी और साहसी होते हैं। एक दिशा मे विघ्न होने पर दूसरी दिशा में और फिर तीसरी दिशा मे प्रयास करेंगे और अन्त मे सफलता प्राप्त करके ही रहेंगे।

वे अपना सर्वस्व देने के लिए तैयार रहते हैं। कम भाग्यशाली लोगों की सहायता की इच्छा से स्वयं गरीबी ओढने के लिए भी उद्यत रहते हैं। साथ ही वे शायद ही धोखा खाते हैं। जो उन्हें झांसा देना चाहते हैं, उन्हें वे अपने अन्तर्ज्ञान से पहचान लेते हैं। लेकिन उनके प्रति भी दुर्भावना नही दिखाते और उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं।

उनमें अत्यधिक ऊर्जा होती है। काम करते समय अपने को थकाते नही। वे किसी की अधीनता में काम करना पसन्द नही करते, इसीलिए आम तौर से अपने बल पर ही आगे बढते हैं। उनमें भारी महत्वाकाक्षा होती है लेकिन उस पर पूरी तरह काबू रखते हैं। कभी असम्भव की माग नही करते अथवा बौने की भाति चन्द्रमा को छूने का प्रयास नही करते।

वे अत्यन्त सम्मानप्रिय होते हैं और ऐसा कोई कर्जा नहीं लेते जिसे अदा न कर सकें। दिल से वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं। उन पर कर्तव्य-पालन में वैध सत्ता की सहायता के लिए भरोसा किया जा सकता है।

वे मैदानी खेलों को पसन्द करते है और आम तौर से उनमें महारत हासिल करते हैं। इस राशि का प्रतीक आधा घोडा आधा मानव है, अत उनमें प्रबल पाशविक भावनाएं होती हैं, लेकिन वे अच्छी तरह से मन के वश में रखते हैं।

विज्ञान, दर्शन और धर्म के लिए उनके मन मे गहरा आदर होता है, और वे प्राय उत्तम धर्म प्रचारक या पादरी बनते हैं लेकिन शब्दाडम्बर तथा पाखण्ड से दूर रहते हैं। वे अच्छे वक्ताओ को सुनना पसन्द करते हैं, अपने निजी विचार भी प्रकट करना चाहते हैं लेकिन अति सवेदनशील होने के कारण उनकी भाषणकला का जौहर तभी देखने को मिलता है जब वे कोई सन्देश देना चाहते हैं। उनका कहा हुआ वाक्य तीर की भांति अपने लक्ष्य पर चोट करता है।

आर्थिक दशा

वे हर काम मे पैसा पैदा कर सकते हैं लेकिन उनका झुकाव जोखिम उठाने

की ओर होता है और कभी-कभी वे सट्टे मे भारी रकम गवा बैठते हैं। हानि होने पर भी वे निराश नही होते और न उसके लिए दूसरो को दोष देते हैं। शांति से अपने काम मे जुट जाते हैं और पुन रकम जोडना शुरू कर देते हैं।

स्वास्थ्य

उन्हे उत्तम स्वास्थ्य का वरदान मिला होता है। एकमात्र खतरा अधिक परिश्रम से स्नायविक टूटन का है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक 'एक' और 'तीन' है। इन्ही मूलाको वाली तिथियो पर अपनी योजनाए और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्ही मूलाको वाले तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलाको वाले रहेगे।

अपना प्रभाव बढाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा) और गुरु (फालसई, जामुनी, बैंगनी) के रगो के कपडे पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर और कटैला।

2, 11, 20, 29 (मूलाक 2) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चन्द्र, नेप्चून और गुरु हैं। 29 नवम्बर को इन्ही तिथियो के साथ शामिल कर लेना चाहिए, जब कि 29 दिसम्बर धनु राशि के क्षेत्र से निकल कर मकर राशि मे प्रवेश कर चुका होता है। उसके गुण भिन्न होते हैं।

इस मास की दो मूलाक वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो मे एक मूलाक वाले व्यक्तियो जैसा दबगपन नही मिलता। वे अधिक विनम्र, कम आशावादी और कम आत्म-विश्वासी होते हैं। वे भौतिक से अधिक विचारो के आध्यात्मिक धरातल पर रहते हैं। साथ ही उन्हे बहुत उच्च स्तर का मानसिक वरदान मिला होता है। उनमे दर्शन, धर्म, रहस्यवाद और गुप्त विद्याओ के अध्ययन के लिए रुझान रहेगा। वे स्वप्नदर्शी और भविष्यवक्ता होते हैं। कम से-कम घटनाओ के मोड के बारे म उन्हे पूर्वाभास हो जाता है। आम तौर से वे इतने सवेदनशील होते हैं कि अपनी प्रतिभा का तब तक अधिक उपयोग नही कर पाते जब तक उनके दृष्टिकोण स पूरी सहानुभूति रखने वाले लोग न मिलें।

वे स्वाभाविक गुरु दिखाई देते हैं और इस रूप मे अथवा दुर्बोध वैज्ञानिक विषयो के अध्ययन मे सफलता प्राप्त करते हैं। वे भारी प्रकृति प्रेमी होते हैं और यात्रा करने तथा दूर देशो मे जाकर वहा के प्राकृतिक आश्चर्यों को देखने के लिए उनका तन सदा लालायित रहता है। उनकी रुचि परिष्कृत होती है।

अत्यन्त सवेदनशील और कलाप्रिय होने से स्वभावत सुन्दर वस्तुए उन्हे आकर्षित करती है जैसे कलाकृतियां, सगीत, चित्रकला, काव्य, उच्च स्तर का

साहित्य और भाषण-कला। उन्हें इस बात की बहुत कम परवाह होती है कि वे अमीर हैं या गरीब। उनकी सम्पत्ति उनके अपने मन मे रहती है और साधारणत: वे अपनी दशा से प्रसन्न और सन्तुष्ट रहते हैं। 11 तथा 20 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति अपने कार्यों तथा विचारो मे अधिक ओजस्वी तथा सकल्पवान होते हैं।

यदि आप 29 दिसम्बर को पैदा हुए हैं तो आप शनि (ओज) के भाव मकर मे दो अक वाले व्यक्तियो के वर्ग मे आते हैं। यह ठोस परिश्रमी स्वभाव प्रदान करता है और आप दूसरो के लिए भारी जिम्मेदारिया ओढ़ने के लिए तैयार रहते हैं।

आर्थिक दशा

वे लोग पैसा कमाने के मामले मे बहुत कुछ उदासीन होते हैं, लेकिन प्राय ऊचे पदो पर पहुच जाते हैं। जीवन मे किसी ध्येय के लिए या दूसरो की सहायता के लिए वे पैसा कमाने का काम कर सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत लाभ के लिए शायद ही ऐसा करें।

स्वास्थ्य

बड़ा चौखटा होते हुए भी ये लोग शायद ही दृढकाय होते हो। भोजन से उनको पूरा पोषण नही मिलता। यदि ऊचे और शुष्क स्थानों मे नहीं रहेंगे तो फफड़ो की परेशानी, श्वास नलिका की कमजोरी, गले मे परेशानी और जोडो के दर्द की शिकायतें हो सकती हैं।

आपके महत्वपूर्ण अक 'दो' 'तीन' और 'सात' हैं। इन्ही मूलांको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलांको वाले ही रहेंगे।

- कपडो मे हरे, सफेद, क्रीम, कबूतरी, फालसई, बैंगनी तथा जामुनी रगो का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं मोती, चन्द्रकांत मणि, हरा या सिलेटी जेड, कटैला और सभी जामुनी नग।

3, 12, 21, 30 (मूलाक 3) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और सूर्य हैं। 30 दिसम्बर की तिथि इस वर्ग मे नही आती। वह आगामी राशि मकर के अंतर्गत आती है। 3, 12 या 21 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति गुरु (ओज) के भाव मे 'तीन' अक वाले होने के कारण दुहरे गुरु के प्रभाव मे होते हैं। 30 नवम्बर की तिथि को भी इन्ही के साथ शामिल किया जाना चाहिए।

यह एक अत्यन्त बलवान ग्रहयोग है। इन तिथियो को जन्मे लोग कोई वृत्ति अपनाए, उसी मे पर्याप्त मे सफलता की आशा कर सकते हैं। वे अपने समाज मे नेता के

रूप में जीवन आरम्भ करते हैं। वे बढ़िया सगठनकर्ता होते हैं, विशेषकर राजनीतिक आन्दोलनो मे। आम तौर से सम्मान, पुरस्कार और जिम्मेदारी के ऊचे पद प्राप्त करते हैं। वे रेलो, परिवहन, जहाजरानी के उत्तम ठेकेदार, निर्माता और डिजाइनर बनते हैं अथवा औद्योगिक सस्थानो के प्रमुख बनते हैं। यदि सरकारी क्षेत्र मे जाए तो वहा भी प्रतिष्ठा के पद प्राप्त करते हैं।

उक्त तिथियो को पैदा हुए कुछ लोग अध्यात्मिक और धार्मिक रुझान वाले भी होते हैं, अथवा इसके एकदम उलटे, सभी धर्मों के प्रति अनास्थावादी हो जाते हैं।

कलम की शक्ति मे उनका गहरा विश्वास होता है और प्राय उच्च स्तर के पत्र-पत्रिकाओ की स्थापना करते हैं, अथवा अपने विशेष विचारो के प्रचार के लिए प्रचार सामग्री का प्रकाशन करते हैं।

अपनी शानदार प्रतिभाओ के बावजूद बुढापे मे वे अपने धन को अपनी आखो के सामने ही लोप होते देखते हैं और इसे रोकने के लिए कुछ नही कर पाते।

आर्थिक दशा

ऐसे लोगो को मेरी चेतावनी है कि सम्पन्नता के दिनो मे कुछ पैसा भविष्य के लिए बचाकर अवश्य रखें। पचास वर्ष की आयु के बाद दुर्दिनो से उनके प्रभावित होने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

ये लोग शानदार काया वाले होते हैं और साठ वर्ष की आयु तक बहुत कम बीमारिया उन्हें परेशान कर पाती हैं। इस समय परिवर्तन दिखाई पड़ने लगता है। यदि अपनी जिम्मेदारिया कम नहीं करेंगे तो स्नायविक प्रणाली टूटनी शुरू हो जाएगी। कुछ मामलो में रीढ, हाथ और दिमाग का पक्षाघात हो सकता है।

आपका महत्वपूर्ण अक 'तीन' है जिसकी 'छ' और 'नौ' से भी अदला-बदली हो सकती है। इन तीनो मूलाकों वाली तिथियो को जन्मे व्यक्ति आपको आकर्षित करेंगे, लेकिन 30 दिसम्बर वालो को 'तीन' और 'आठ' वाले सबसे अधिक आकर्षित करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' के मूलाक वाले रहेंगे।

आपके भाग्य रत्न कटैला और बैंगनी नग हैं। इसके बाद फीरोजा, लाल, तामडा और लाल नगों का नम्बर है। 30 दिसम्बर वालो को लाल नग न पहनकर उनकी जगह नीलम पहनना चाहिए।

4, 13, 22, 31 (मूलाक 4) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और गुरु हैं। 31 दिसम्बर का अक 'चार' है

किन्तु यह तिथि मकर राशि में होने से इस वर्ग में नहीं आती।

4, 13 या 22 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्तियों के जीवन में भाग्य के अप्रत्याशित मोड़ आते रहते हैं। उन पर यूरेनस का प्रबल प्रभाव रहता है जो 'शनि का जुड़वा भाई' कहलाता है। शनि के प्रभाव में पैदा हुए व्यक्तियों की भांति वे भी बहुत कुछ 'भाग्य की सन्तान' होते हैं।

वे कुशल, अत्यन्त बुद्धिमान अपनी विशेषता लिए हुए अद्भुत मानसिक गुणों वाले होते हैं। उन्हें आश्चर्यजनक कल्पना का और प्राय शोधपरकता का वरदान होता है। वे दूसरों से भिन्न जीवन जीने लगते हैं और आम लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं। आम तौर से वे क्रूरतम बदनामी के शिकार होते हैं और अपनी सफाई देने में असहाय लगते हैं।

उनके मन का झुकाव दिवास्वप्नों, विचित्र सपनों और पूर्वज्ञान की ओर होता है। देर-सवेर उनमें गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए प्रेम जाग उठता है।

उनका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्र होता है और वे विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए लालायित होते हैं। उनका जीवन कम अधिक लीक से अलग होता है और वे किसी प्रकार का बंधन या अंकुश सहन नहीं कर सकते। शायद इसीलिए उनका विवाहित जीवन कदाचित ही सफल रहता हो। अपने जीवन साथी से उनका मनमुटाव चला आता है।

वे शायद ही जोखिम, आग और खतरों से मुक्त रह पाते हों और आग, कार, लगाम तोड़कर भागे घोड़े आदि से अनेक दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। उन्हें विमान से कभी यात्रा नहीं करनी चाहिए। करेंगे तो देर-सवेर वटाधार होगा।

वे धार्मिक सम्प्रदायों या गुप्त संस्थाओं के विरोध और आक्रोश के शिकार होते हैं। ऐसी संस्थाओं से जुड़ना उनके हित में नहीं होगा। भौतिक दृष्टि से वे दिमागी कार्यों से या किसी असाधारण साहित्यिक कार्य से तथा संगीत और चित्रकला में भी धन कमा सकते हैं लेकिन कदाचित् ही उसे हाथ में रख पाते या बचा पाते हैं। खुले दिमाग के और अत्यन्त उदार होने पर भी रुचि-अरुचि में दृढ़ होते हैं, जिन पर अंकुश लाना उनके लिए कठिन होता है।

आर्थिक दशा

इन लोगों के लिए यह बहुत अनिश्चित प्रश्न है। पैसा अचानक या विचित्र ढंग से आ सकता है। वे कदाचित् ही देर तक उसे अपने हाथ में रख सकें। लेकिन जीवन को वे दार्शनिक ढंग से देखते हैं—कोई न कोई उनकी सहायता को आगे आएगा ही। और आश्चर्य की बात है कि आम तौर से ऐसा होता भी है।

स्वास्थ्य

इन लोगो मे दो वर्ग होते हैं। एक वर्ग जरा भी आभास के बिना सभी प्रकार की विचित्र या रहस्यमय बीमारियों का शिकार होता है जैसे पेट मे मरोड, तीव्र सर्दी, बुखार, फेफडे, गले और नाक की परेशानी। दूसरा वर्ग दृढकाय न होते हुए भी किसी गम्भीर बीमारी के बिना जीवन काट देता है, केवल दुर्घटनाओ का शिकार होता है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन मैं इन्हे स्वय चुनने की सलाह नही दूगा। आप 'एक' और 'तीन' के अक चुनिए। 'एक', 'तीन', 'चार' तथा 'आठ' मूलांकों वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले रहेंगे।

आपके कपडे के लिए सबसे शुभ रग सुनहरा, पीला, नारगी, भूरा, फालसई, जामुनी, बैगनी हैं। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम, हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा या नीला जेड।

5, 14, 23 (मूलांक 5) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध और गुरु हैं। आपके जीवन मे बुध का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। आप मन मे असामान्य रूप से चचल, कुशल तथा हाजिर जवाब होंगे। आपको दिमाग या हाथो मे किसी न-किसी काम मे लगे रहना आवश्यक है।

आप महत्वाकाक्षी, आजाद तबीयत और विचारो म ओजस्वी हैं। अपनी रुचि-अरुचि मे भी आप जल्दबाज तथा आवेशी है। साथ ही आपको दिमागी शक्ति का शानदार आधार मिला हुआ है। अपनी चचलता को काबू मे रखें तो अपने सभी कामो मे सफल होंगे।

आम तौर मे आप खेलो के बेहद शौकीन होंगे, विशेषकर घुडदौड या पशुओ से स्पर्धा प्रब मैंनो के। आप पर गति का भूत सवार होगा। परिस्थितियां ऐसी हुई तो तेज कारो या विमानो मे जीवन का या हाथ पैरो को जोखिम मे डालेंगे। आप शायद ही किसी भयकर दुर्घटना को टाल पाए। नहीं भी मरे तो अपग तो हो ही जाएंगे।

जमकर बैठने पर आप साहित्य-सेवा, विमान, चिकित्सा, कानून या मचट कालीन नेता के रूप मे सफल होंगे। आप तर्क या वाद-विवाद के बेहद शौकीन होंगे। कटु व्यग्योक्ति भी कर सकते हैं, लेकिन जहां बहस समाप्त हुई, आप विरोधी के प्रति कोई शत्रुता या मनमुटाव नही रखेंगे।

विपरीत लिंगियो की ओर आपका काफी आकर्षण होगा। आम तौर मे विवाह

ठीक रहेगा, लेकिन जितनी देर से विवाह-बंधन में बंधें उतनी ही सुखी रहने की अधिक सम्भावना होगी ।

आर्थिक दशा

ये व्यक्ति प्रायः धन कमाने वाले होते हैं, लेकिन किसी विचित्र ढंग से। अपने पूर्व ज्ञान के विनियोग में प्रायः भाग्यशाली रहते हैं, लेकिन धन को अधिक महत्व नहीं देते ।

स्वास्थ्य

ये लोग बहुत कम किसी गम्भीर बीमारी के शिकार होते हैं। होते हैं तो अपनी असावधानी और धैर्यपूर्वक भोजन न करने से। आंखों या चेहरे में फड़कन और बोलने में हकलाहट तुतलाहट की शिकायत भी हो सकती है।

'तीन' और 'पांच' के अंक आपके जीवन में बार-बार आएंगे। आप भी इन्हें अधिक-से-अधिक काम में लीजिए। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग फालसई या जामुनी फलक लिए हलके रंग रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला, हीरा और चमकीले नग।

6, 15, 24 (मूलांक 6) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और गुरु हैं। गुरु (ओज) के भाव में शुक्र की स्थिति अत्यन्त शुभ है। ये दोनों ग्रह एक-दूसरे के मित्र कहे जाते हैं।

6, 15, या 24 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्ति प्रसन्नचित्त और हंसमुख स्वभाव के होते हैं। वे प्रकृति के वैभव और सभी प्रकार की सुन्दरता के प्रेमी होते हैं। उनके बारे में कोई ओछी बात नहीं होती। अपने मित्रों को खिलाने पिलाने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। मैदानी मेलों और पशुओं में विशेषकर कुत्तों और घोड़ों से प्रेम करते हैं। घुड़दौड़ पसन्द करते हैं और आम तौर से घोड़े पालते भी हैं। ऐसे उद्यमों में उन्हें भारी सफलता और धन की प्राप्ति होती है। वे अपने आसपास सौहार्दपूर्ण वातावरण पसंद करते हैं। सबसे अधिक पीड़ा उन्हें ऐसे लोगों के सम्पर्क में आने से होती है जो कंधे पर अड़ंगा लिए जीते हैं।

धनु राशि में पैदा होने से उनकी आय के दो साधन होते हैं। उनके लिए हर बात दुहरी और लाभदायक रहती है। महिला होने पर उनके दो पति और दो बच्चे होने प्रायः निश्चित हैं। इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः विदेशियों से या अपने जन्म-स्थान से दूर पैदा हुए व्यक्तियों से विवाह करते हैं। सभी विपरीत लिंगियों के प्रति तीव्रता से आकर्षित होते हैं—प्रेमी नहीं होते तो अच्छे साथी जरूर बन जाते हैं

और अपने सभी सम्बन्धो मे आम तौर से बहुत सम्मानजनक तथा वफादार रहते हैं।

वे कुछ दम्भी होते हैं और उच्च सामाजिक पद या प्रभाव वाले व्यक्तियो को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जैसे सरकारी अधिकारी, अलकारधारी या धार्मिक नेता।

वे यात्रा के बेहद शौकीन होते हैं, और यात्रा के दौरान आजीवन मित्र बना लेते हैं। नर-नारी दोनो बड़े-बड़े विचारक होते हैं और अपनी योजनाओ को पूरा करने के लिए प्राय आवश्यक धन खींच लेते हैं।

वे विद्वानो का भारी आदर करते हैं। साहित्य, चित्र-कला, सगीत आदि मे नाम कमाने वालो को अपने घर बुलाते हैं। भले ही स्वय कोई बौद्धिक कार्य न करें लेकिन उसमे काफी रुचि लेते हैं। उनका घर कलाकृतियो और सुन्दर वस्तुओ से भरा रहता है।

आर्थिक दशा

धन कमाने का प्रयास करें या न करें वे प्रारम्भिक वर्षों में आम तौर से भाग्य-शाली रहते हैं। उनको विवाह, विरासत और उपहारों से लाभ होता है। लेकिन भाग्य जीवन भर साथ नहीं देता। अच्छा हो, वे बुढापे के लिए धन बचाकर रखें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले मे भी वे इतने ही भाग्यशाली होते हैं। केवल जब बहुत अधिक शान से रहने के चक्कर मे पड़ते हैं जो आम तौर से उनकी कमजोरी होती है तो उनका स्वास्थ्य बिगड़ता है। जीवन के अन्तिम दिनो मे प्राय आंतो और छाती मे कैंसर तथा ट्यूमर की प्रवृत्ति रहती है।

आपके महत्वपूर्ण अक 'तीन', छः' और 'नौ' हैं। इन्ही मूलाको वाली तिथियो का अपनी योजनाए या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियो के प्रति आप आकर्षित होंगे। कभी 'पाच' अकवालो के प्रति भी लगाव होगा लेकिन वे आपके जीवन मे अधिक काल तक नही रहेंगे और न आपके, लिए इतने भाग्यशाली होंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छ' मूलाको वाले रहेंगे।

आपके कपड़ो के लिए सबसे शुभ रग फालसई, बैगनी, जामुनी, नीले और लाल रग की झलक लिए हुए होंगे। आपके भाग्य रत्न हैं कटैला, फीरोजा, लाल, तामड़ा और लाल नग।

7, 16 25 (मूलांक 7) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और गुरु हैं। 25 दिसम्बर आगामी राशि

मकर के संधि-काल मे काफी आगे निकल जाने के कारण उस दिन जन्मे लोगो पर काफी भिन्न प्रभाव डालेगी।

गुरु (ओज) के भाव मे नेप्चून और चन्द्र की स्थिति कुछ बहुत महत्वपूर्ण संकेत देती है। एक प्रकार से वे परस्पर-विरोधी हैं। नेप्चून और चन्द्र विनम्र और झुकने वाले हैं जबकि गुरु अपने निजी भाव धनु मे दबग, महत्वाकांक्षी और तानाशाही स्वभाव वाला है।

नेप्चून का शरीर से अधिक मन पर प्रभाव है। विचित्र सपनो, दिवास्वप्नो, प्रेरणा और रहस्यमय अनुभवो से यह व्यक्ति को प्रभावित करता है। यह जाग्रत अवस्था मे अवचेतन मन पर प्रभाव डालता है। चन्द्र के साथ नेप्चून रहस्यवादी कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या अध्यात्मवादी लेखक बनाता है। यदि गुरु की महत्वाकांक्षी प्रकृति सक्रिय न हो तो ऐसे गुण सम्भवतः सपनों की दुनिया मे खोए रहते हैं।

यही विरोधाभास महसूस होता है। नेप्चून और चन्द्र के स्वप्नदर्शी अपने अपने स्वभाव के विपरीत कर्म मे ठेल दिए जाते हैं। वे पदार्थ पर मन की शक्ति का एहसास कराने की पुकार सुनते हैं। यदि वे इसी बात से सन्तुष्ट रहें तो ठीक है। लेकिन इस प्रयोग मे जन्मे व्यक्तियो का एक वर्ग ऐसा भी होता है जो अपनी अधिकार-भावना को दूसरी सभी बातो पर हावी हो जाने देते हैं। देर-सवेर इससे वे अपनी मौत बुला लेते हैं।

दूसरा वर्ग, जो अध्यात्म को भौतिकता पर हावी होने देता है, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ, लेखक या नेता के रूप मे यश कमाकर प्रायः दुनिया मे अपना नाम छोड जाता है।

आर्थिक दशा

इन लोगों के आर्थिक मामले विचित्र रहते हैं। यदि धन कमाते हैं तो कदाचित् ही किसी आम व्यवसाय से। बुढ़ापे मे विनियोगो से भारी हानि उठाने की सम्भावना है। वे बेईमान कम्पनी प्रोमोटरो के शिकार हो जाते हैं या अपनी योजनाओं मे सीमा का अतिक्रमण कर बैठते हैं। 25 दिसम्बर को जन्मे व्यक्तियों को अधिक निराशाओं का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य

इन लोगो का पाचन बहुत अच्छा नही होता। उनमें समय-बे-समय खाने की प्रवृत्ति होती है और वे अपने शरीर का पर्याप्त खयाल नही रखते। अत्यधिक संवेदनशील होने से वे अपने को पूर्ण स्वस्थ महसूस नहीं करते। मन से अपने को बहुत अधिक थका लेते हैं और शायद ही कभी ठीक से सो और विश्राम कर पाते हों।

आपके सबसे अधिक महत्वपूर्ण अक 'दो' और 'सात' हैं। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्ही मूलाको वाली तिथियो को पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्ही तिथियों और कभी-कभी 'तीन' मूलाको वाली तिथियो को जन्मे व्यक्तियो के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'दो' और 'सात' मूलाको वाले ही रहेंगे।

आपको हरे क्रीम, सफेद, कबूतरी और हलके रगो के कपड़े पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चन्द्रकान्त मणि, वर्टैला तथा जामुनी नग।

8, 17, 26 (मूलांक 8) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और गुरु हैं। 26 दिसम्बर आगामी राशि मकर के सधि-काल मे बहुत आगे है, अत उस पर शनि का प्रभाव अधिक है। वस्तुतः यह मकर राशि की पहली 'आठ' अकवाली तिथि है।

गुरु के भाव मे शनि भारी शक्ति और सकल्प बल-प्रदान करता है। जीवन के प्रारभ मे प्रायः सदा कठिनाई रहती है और महत्वाकाक्षा की पूर्ति मे भारी बाधा आती है। 8, 17 या 26 दिसम्बर को पैदा हुए लोगो मे प्रबल सहन शक्ति होती है। उनका कोई काम आसानी से नही होता, लेकिन अपने धैर्य और अध्यवसाय से वे अपने लिए ठोस स्थिति का निर्माण कर लेते हैं।

वे उत्तम न्यायाधीश, वकील या व्यापारी बनते हैं। दूसरे लोगो के हित मे काम करते हुए वे विशेषकर बहुत सतर्क रहते हैं। वे अपने काम मे बहुत ईमानदार होते हैं लेकिन यदि अधिक पहल और आत्मविश्वास से काम लें तो भौतिक दृष्टि से अपना ज्यादा भला कर सकते हैं।

वे आत्म-केन्द्रित और अपने रहस्य छिपा लेने वाले होते हैं तथा निन्दा या आलोचना से शीघ्र आहत हो जाते हैं। जब अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होते हैं तो निडरता से उसका प्रतिरोध करते हैं और अपने स्पष्ट रवैये से अनेक लोगों को कट्टु दुश्मन बना लेते हैं।

वे वहम में तीव्र कटूक्तियों को सदा हथियारो की भाति काम मे लेते हैं।

26 दिसम्बर को जन्मे लोग प्रायः बहुत उच्च पदो पर पहुचते हैं और सम्मान प्राप्त करते हैं। लेकिन कोई असावधानी कर बैठने से या अति-उदारता दिखाने से ढुलमुल जनता का अपने विरुद्ध कर लेते हैं और अपना पद खो देते हैं। स्पेनिश-अमरीकी युद्ध का हीरो एडमिरल ड्यूई इसका उदाहरण है। राष्ट्र ने उसे सम्मानों से लाद दिया और वाशिंगटन में एक बगला भी दिया। लेकिन उसने यह बगला जब अपनी पत्नी को दे दिया तो तूफान उठ खड़ा हुआ और उसकी लोकप्रियता उसी से भारी पड़ गई।

आर्थिक दशा

ये लोग धीरे-धीरे लेकिन लगातार धन सचय कर लेते हैं। आम तौर से कम मकान सम्बन्धी या पारिवारिक बन्धनो से उनके साधनो का ह्रास होता है। वे प्राय जुए और शीघ्र धन पाने वाली योजनाओ से बचते है तथा सरकारी सिक्यूरिटियो मे या ठोस उद्यमो मे अपना धन लगाते हैं, लेकिन सतर्कता के बावजूद जीवन के अन्तिम दिनो मे वे प्राय भारी हानि उठाते है।

स्वास्थ्य

इन लोगो की काया मुख्यत अच्छी और मासल होती है। लेकिन वे आन्तरिक रोगो के काफी शिकार होते है और प्राय गम्भीर शल्य-चिकित्सा करानी होती है।

आपके जीवन पर 'चार' और 'आठ' अको का और इनसे सम्बद्ध व्यक्तियो का भारी प्रभाव पडेगा। इन लोगो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलांक वाले रहेंगे।

आपको गहरे रग के कपडे पहनने चाहिए और काला मोती, काला हीरा तथा कत्थई नग धारण करने चाहिए।

9, 18, 27, (मूलांक 9) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मगल और गुरु हैं। 27 दिसम्बर की तिथि मकर राशि की 'नौ' अक वाली तिथि होने के कारण 9 या 18 दिसम्बर से प्रभाव मे भिन्न है। यह मगल और शनि के प्रभाव मे है।

9, 18 और 27 दिसम्बर की तिथियाँ गुरु, मगल और शनि जैसे बलवान ग्रहो के प्रभाव से भारी महत्वाकाक्षा तथा सकल्प वाले व्यक्तियो को जन्म देती है। ये लोग अपने विचारो मे ओजस्वी और काम मे तानाशाही प्रवृत्ति वाले होते है।

वे आपातकाल मे विशेष रूप से सफल रहते हैं। उनमे नैतिक और शारीरिक साहस होता है तथा डर नाम की चिडिया को जानते भी नही। समय मिलने पर वे घर से बाहर का परिश्रमी जीवन पसन्द करते हैं। घोडो और आम पशुओ पर उनका भारी अधिकार होता है। विपरीत लिंगियो के लिए उनके मन मे गहरा आकर्षण रहता है और आम तौर से विवाह के मामले मे भाग्यशाली रहते है। लेकिन एक से अधिक सम्बन्धो की सम्भावना की जा सकती है।

ये हर प्रकार के दुस्साहस के असाधारण रूप से शौकीन होते है और उनमे खोजकर्ता बन सकते है। उनका मन चचल होता है और उनमे यात्रा की, विशेषकर सुदूर या अनजान क्षेत्रो की, तीव्र उत्कण्ठा रहती है। वे हर समय किसी भी जोखिम के लिए तैयार रहते हैं और अपने ध्येय की पूर्ति मे प्राय भारी खतरे उठाते है।

रुपए-पैसे के प्रति वे एक प्रकार से उदासीन होते हैं। परेशानी में पड़े लोगों के लिए बहुत उदार होते हैं। पैसा पास हो तो धर्मार्थ संस्थाओं को विपुल दान देते हैं। पैसा पास न हो तो अपना समय या दिमाग लगाते हैं।

मशीनों के बारे में इनमें काफी जानकारी रहती है विशेषकर गतिशील मशीनों के बारे में।

आर्थिक दशा

ये लोग आर्थिक मामलों में आम तौर से भाग्यशाली रहते हैं। उन्हें अप्रत्याशित विरासत, विवाह या सट्टे से लाभ होता है। कुछ मामलों में वे काफी पैसा जमा कर लेते हैं, लेकिन ऐसा होने पर दानशील बन जाते हैं।

कुछ मामलों में, उद्यम में हिम्मत से काम लेकर, या शीघ्र आमदनी वाला व्यवसाय खड़ा कर वे अर्थ प्राप्ति में सफल होते हैं। व्यवसायों की अपेक्षा वे आम तौर से कुछ व्यक्तिगत ढंग के दिमागी काम में अधिक सफल होते हैं। 27 दिसम्बर को जन्मे लोग इनमें सबसे अधिक बुद्धिमान होते हैं। शनि का प्रभाव मंगल के स्वभाव पर अंकुश लगाकर भारी बोझ और जिम्मेदारी सौंपता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन वे स्वयं होते हैं। वे शायद ही कभी अपने स्वास्थ्य की परवाह करते हों बल्कि हमेशा कहां कुछ करते रहने की भावना से उन्हें जोखिम में डालते हैं। अठारह वर्ष की आयु के बाद वे तगड़े हो जाते हैं, लेकिन चौवन वर्ष से स्नायविक तनाव अपना प्रभाव दिखाने लगता है। वे शायद ही गम्भीर दुर्घटनाओं से बच पाते हों। आम तौर से ये दुर्घटनाएं बंदूक, आग, विस्फोट से अथवा कार, विमान या पशुओं से होती हैं।

आपका सबसे घटनापूर्ण अंक 'नौ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को अपनी योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलांक वाले रहेंगे। 'तीन', '6' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके वस्त्रों के लिए सबसे शुभ रंग लाल है। आपके भाग्य रत्न हैं - लाल, तामड़ा और सभी लाल नग।

अक 13 का आतक

अको मे जितना आतक 13 के अक का है, उतना किसी अन्य अक का नही। पश्चिम मे बहुत-से लोग उससे वैसे ही भय खाते हैं जैसे किसी भुतहा मकान से या सदियो से वीरान पड़े खण्डहर से। किसी समय वहा के निवासियो का विश्वास था कि यदि 13 व्यक्ति किसी स्थान पर एक साथ भोजन करें तो वर्ष भर के अन्दर ही उनमे से किसी एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना निश्चित है। आज भी अनेक होटलो मे 13 नम्बर का कमरा नही होता। 12 के बाद 12-ए क्रम का कमरा होता है और फिर 14 नम्बर का। इसी प्रकार अनेक नगरो की गलियो म 13 नम्बर के मकान नही मिलते।

हमारे देश मे भी 13 का अक शुभ नही समझा जाता। यहा के बहुसख्यक सम्प्रदाय मे किसी परिवार मे मृत्यु होने पर 13 दिन तक शोक मनाने की प्रथा रही है। मृतक भोज मे भी तेरह ब्राह्मण ही निमन्त्रित किए जाते हैं।

हमारी भाषा मे कहावत है तीन-तेरह कर देना, अर्थात् किसी काम को बनते-बनते बिगाड देना। यदि तिथि-क्षय के कारण कोई चन्द्र पक्ष केवल 13 दिन का रह जाए तो भविष्यवक्ता उसे अशुभ सूचक और भारी विपत्ति लाने वाला समझते है।

'महाभारत' के युद्ध मे एक प्रकार से 13वा दिन ही निर्णायक सिद्ध हुआ। कौरव सेनापति गुरु द्रोणाचार्य चक्रव्यूह की रचना कर इस दिन पाडवो के युवराज अभिमन्यु का वध कराने मे सफल हुए, किन्तु कौरव सेना को इतनी अधिक हानि हुई कि फिर उसके लिए अर्जुन, भीम, सात्यकि, धृष्टद्युम्न, घटोत्कच जैसे वीरो का वेग सम्हालना असम्भव हो गया। 13 दिन तक युद्ध का पलडा बहुत-कुछ कौरवो के पक्ष मे था। किन्तु 14वें दिन से ही वह उत्तरोत्तर पांडवो के पक्ष मे झुकता गया।

खेलो मे, विशेषकर क्रिकेट के खेल मे भी 13 अक को अच्छा नही समझा जाता। अनेक खाटी के खिलाडी 13 रन पर आउट हुए हैं। उनमे सर्वाधिक शतक बनाने वाले सुनील गावस्कर भी हैं। 13 के अतिरिक्त 49 (4+9=13) और 94 (9+4=13) रन बनाकर आउट होने वाले खिलाडियो की भी एक बडी सख्या है। इस प्रकार वे अर्धशतक या शतक बनाने के गौरव से वचित रह गए हैं।

अत यह प्रश्न पैदा होना स्वाभाविक है कि 13 अक क्या वास्तव मे अशुभ है? और उसे आतकपूर्ण मनाने के मूल मे क्या आधार है?

यह प्रश्न इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण है कि अक विद्या का ज्ञान न रखने वाले व्यक्तियो मे भी यह धारणा काफी व्यापक है।

कीरो ने ऐसे दो प्रमुख व्यक्तियो का उल्लेख किया है जिनकी धारणा थी

कि 13 तारीख को जन्म लेने के कारण उन्हें अपने जीवन में अनेक दुर्भाग्यो का सामना करना पड़ा। उनमे एक थे ब्रिटिश राजनीतिज्ञ लार्ड रेन्डोल्फ चर्चिल (जन्म 13 फरवरी) और दूसरी थी सुप्रसिद्ध अमरीकी आपेरा-अभिनेत्री एम्मा इम्स (जन्म-तिथि 13 अगस्त)। कीरो ने उन्हें समझाया कि 13 तारीख जन्म तिथि होने का विशेष महत्व नही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 13 अक मूलाक 4 की ही अगली कड़ी है और मूलाक 4 यूरेनस तथा सूर्य के प्रभाव में एक भाग्यवादी अक है। मूलाक 4 वाले प्राय सभी व्यक्ति व्यवहार मे सकोची और प्रदर्शन से दूर रहने वाले होते हैं।

मूलाक 4 से प्रभावित व्यक्ति दूसरो को सरलता से अपना मित्र नही बनाते। उनका अपना निराला स्वभाव होता है। किसी बात को देखने का उनका ढग प्राय दूसरे लोगो से उलटा या विपरीत होता है। फलस्वरूप वे अनेक शत्रु और विरोधी बना लते हैं। वे शीघ्र आवेश मे आ जाते हैं और दूसरो की बात का बुरा मान बैठते है।

ऐसे लोग परम्पराओ के विरोधी होते हैं और उनका बस चले तो वे सब कुछ उलट-पलट देते हैं। वे वैधानिक सत्ता का विरोध करते हैं, सामाजिक सुधारो मे दिलचस्पी लेते हैं और अपने निजी नियमो की रचना तथा पालन करते हैं। सफलता न मिलने पर वे बहुत जल्द निराश भी हो जाते हैं।

ये लोग व्यावहारिक मामलो मे अधिक सफल नही होते। धन एकत्र करने मे उनकी कोई दिलचस्पी नही होती। कर भी लें तो असामान्य रूप से उसे खर्च कर देते हैं। आय से अधिक व्यय करने के कारण वे प्राय आर्थिक कठिनाइयो से ग्रसित रहते हैं।

कीरो का अनुकरण करते हुए अनेक भारतीय अकविदो की भी यह धारणा है कि 13 का आतक अनावश्यक है और इसे अत्यन्त अशुभ समझने का कोई कारण नहीं है। किन्तु यह अक आकस्मिक परिवर्तनो का द्योतक अवश्य है और इसका कोई वैज्ञानिक कारण नही बताया जा सकता। इस मूलाक वाले व्यक्तियो का व्यवहार भी प्राय अस्थिर होता है। उनके प्रेम-सम्बन्धो और सासारिक प्रगति मे स्थायित्व नही होता। शायद इसीलिए लोग इस अक से इतने भयभीत हैं।

कुछ-कुछ ऐसा ही व्यवहार 49 (4+9=13) अक से प्रभावित लोगो का होता है।

यह कह पाना कठिन है कि इस अक का आतक कब से प्रारम्भ हुआ, किन्तु मध्य युग मे उसका अस्तित्व था, यह विश्वासपूर्वक कहा जा सकता है। इसका एक कारण इस अक का सकेत चित्र द्वारा समझा जा सकता है, जो इस प्रकार है—"एक ककाल हसिये से एक घास के मैदान मे उन व्यक्तियो की गर्दन काटता जा रहा है, जो घास के ऊपर अपना सिर उठाते हैं।"

कुछ प्राचीन लेखकों का कहना है कि 'जो अंक 13 के प्रभाव को समझता है वह अधिकार और प्रभुत्व प्राप्त करता है।' इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यह अंक उथल-पुथल का सूचक है। यह योजनाओं तथा कार्यक्रमों में, स्थान में भी, परिवर्तन का द्योतक है। यह अधिकार और प्रभुत्व तो प्रदान करता है किन्तु उचित रूप से उसका उपयोग न किया जाए तो ध्वंसकारी भी हो सकता है। यदि यह अंक गणना में आए तो उसे अज्ञात तथा अप्रत्याशित घटनाओं की चेतावनी समझना चाहिए।

नेताजी (सुभाषचन्द्र बोस) का जीवन इस अंक के प्रभाव का ज्वलन्त उदाहरण है। उनके पूरे नाम का संयुक्त अंक 13 ही बनता है। उसका प्रभाव उनके जीवन पर स्पष्ट है।

एक अन्य उदाहरण भूतपूर्व ब्रिटिश प्रधान मन्त्री नेविल चैम्बरलेन का है। उनका जन्म 13 जनवरी को हुआ था। हिटलर के उदय-काल (म्यूनिख करार) से द्वितीय महायुद्ध के प्रारम्भिक काल तक वही ब्रिटेन के प्रधान मन्त्री रहे थे। उनके जीवन काल की राजनीतिक घटनाओं और उनमें उनकी भूमिका से इतिहास का हर विद्यार्थी परिचित है। म्यूनिख करार पर हस्ताक्षर कर और हिटलर की महत्त्वाकांक्षा को बढ़ावा देकर द्वितीय महायुद्ध शुरू कराने का दोष उन्हीं के सिर मढ़ा जाता है। बाद में उनके कार्यकाल के बीच ही उन्हें इस पद से हटाकर सर विंस्टन चर्चिल को नया प्रधान मन्त्री बनाया गया।

वास्तव में 13 एक प्रबल भाग्यवादी अंक है। यह जहां अनेक व्यक्तियों के जीवन में और साथ ही राष्ट्र के जीवन में भारी उथल-पुथल लाता है, वहां कुछ व्यक्तियों के लिए सौभाग्य का सूचक बनकर भी आता है। स्वयं कीरो के कुछ उदाहरणों से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

डेनवर (कोलोरेडो) में एच० सी० हरमन नामक एक व्यक्ति ने 13 तारीख को मिस टीक्स के सम्मुख विवाह का प्रस्ताव रखा। उनका विवाह 13 जून 1913 को ठीक दजकर 13 मिनट पर सम्पन्न हुआ। पति-पत्नी दोनों का जन्म 13 तारीख को हुआ था। विवाह-समारोह में 13 अतिथि उपस्थित थे और वधू के हाथ में गुलाब के 13 फूलों का गुलदस्ता था।

डोवर (ब्रिटेन) का पुलिस सार्जेंट जान किंग 13 सदस्यों के परिवार में से एक था। उसने 13 वर्ष की आयु में काम करना प्रारम्भ किया और पहली नौकरी पर 13 वर्ष तक रहा। 13 अप्रैल को डोवर पुलिस में भर्ती हुआ। उसके परिवार में पति, पत्नी और बच्चों सहित 13 सदस्य थे।

नार्थ बर्टन, यार्क्स के फुवाह रह दिल के दौरे से 13 तारीख को मृत्यु को प्राप्त हुए। स्थानीय बनक से वह 13 सप्ताह से आर्थिक महायता ले रहे थे। मृत्यु के

परिशिष्ट

कीरो की भविष्यवाणियां

कीरो की गणना अपने समय के विश्व के प्रमुखतम ज्योतिषियों में होती है। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक आश्चर्यजनक भविष्यवाणियां कीं। ब्रिटेन के राजा एडवर्ड अष्टम के प्रेम-प्रसंग और सिंहासन-त्याग की भविष्यवाणी भी उनमें एक थी, जिस पर सारा संसार चकित रह गया था।

कीरो हस्तरेखा के तो प्रकांड पंडित थे ही, अंक विज्ञान में भी उनकी पूर्ण गति थी। वह लगभग चालीस वर्षों तक इन गुप्त विद्याओं के शोध और प्रचार में लिप्त रहे। अपने शोध और अनुभव के आधार पर वह अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें लिख कर हमारे लिए छोड़ गए हैं, जो आज भी इन विद्याओं के अध्ययन मनन का आधार बनी हुई हैं। अंक विज्ञान का तो एक प्रकार से उन्हें जनक कहना अधिक उचित होगा। चाल्डियन काल से अपने समय तक उपलब्ध इस विषय की सम्पूर्ण जानकारी का गहन अध्ययन कर उन्होंने अपने कुछ नियम प्रतिपादित किए। इससे अंक विज्ञान पर शोध को एक नई दिशा मिली।

प्रस्तुत पुस्तक, 'आप और आपके ग्रह' अंक विज्ञान पर कीरो की सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक है। इसमें उन्होंने अंग्रेजी जन्म तिथि के आधार पर व्यक्ति के चरित्र और स्वभाव का निरूपण करने तथा उसकी आर्थिक दशा और स्वास्थ्य की सम्भावनाओं को बताने का प्रयास किया है। अपना भविष्य बनाने या बिगाड़ने में इनकी जानकारी निश्चय ही महत्वपूर्ण और लाभकारी रहेगी।

कीरो का वास्तविक नाम काउंट लुई हेमन था। उनका जन्म 1866 में एक नार्मन परिवार में हुआ था। बाद में वह इंग्लैंड आकर बस गए जहां 1936 में उनकी मृत्यु हुई। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक देशों की यात्राएं कीं जिनमें भारत भी था। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत विश्व के, विशेषकर पश्चिमी देशों के, अनेक प्रमुख व्यक्तियों से वह मिले और उनसे अपनी विद्या का लोहा मनवाया।

यहां हम उनकी भविष्यवाणियों से सम्बन्धित कुछ रोचक प्रसंग दे रहे हैं।

ड्यूक ऑफ ओर्लियन्स और फ्रांस की गद्दी के दावेदार लुई फिलिप का जन्म 6 फरवरी 1869 को हुआ था। उनके जीवन में '6' के अंक का भारी महत्व रहा। वह 1887 (मूलांक 6) में फ्रांस से निर्वासित किए गए। उन्होंने 1896 (मूलांक 6) में आस्ट्रिया की आर्कडचेस मारिया से विवाह किया। उनकी नियुक्ति इंग्लिश रेजीमेंट की 60 (6) वीं राइफल्स में हुई।

असाधारण महिला जासूस माताहारी से मैं पहली बार पेरिस में 1900 में

मिला। मैंने उसके हाथ का छापा लिया और अक्तूबर 1917 में हिंसक मृत्यु की भविष्यवाणी की। महायुद्ध में जर्मन जासूस बनने पर भी वह इसे भूली नहीं। उसे फांसी दी जाने से पहले जब अगस्त में अचानक हमारी पुनः भेंट हो गई तो उसके अंतिम शब्द थे 'अलविदा—अक्तूबर में मुझे भूलिए नहीं।'

मेरी दुःखद भविष्यवाणी के अनुसार उसी मास और वर्ष में उसकी मृत्यु हुई। अंतिम क्षण तक वह अभिनेत्री भाग्य की सिपाही रही। उसने आंख पर पट्टी बंधवाने से इनकार कर दिया, अपने हाथ को चूमा और मुसकराते हुए विदा हो गई।

(माताहारी का जन्म 31 (मूलांक 4) मार्च को हुआ था।)

फरवरी 1904 में रूस यात्रा के दौरान विदेशमंत्री अलैक्जेंडर इजवोल्स्की सेंट पीटर्सबर्ग (अब लेनिनग्राद) में मेरे होटल में मुझसे मिलने आए। उन्होंने मुझसे अपनी जन्मपत्री बनाने को कहा। उसे तैयार कर मैं विदेश मंत्रालय में उन्हें देने गया। मेरे मन में भारी घबराहट थी क्योंकि मैंने जितनी जन्म पत्रिया बनाईं, उनमें यह सबसे अधिक अशुभ संकेतों वाली जन्म पत्रियों में से थी।

लेकिन मंत्री महोदय मेरी भविष्यवाणियों पर जी खोलकर हंसे। 'कीरो' मेरा चरित्र और स्वभाव बखानने में आप सही हो सकते हैं, लेकिन भविष्य के बारे में आपके पूर्वानुमान एकदम बेहूदा हैं। आप रूस को नहीं जानते, नहीं तो आप यह संकेत नहीं देते कि ऐसा देश जापान से (रूस-जापान युद्ध तभी शुरू हुआ था) हार सकता है, या मेरी सारी सम्पत्ति छिन जाएगी और मैं विदेश में गरीबी की हालत में मरूंगा। आपने 1914 में शुरू हो रहे रूस के अशुभ ग्रहों के बारे में जो कुछ अनुमान व्यक्त किया है, वह सब बकवास है। और आपने 1917-18 में उसके टूटने की जो बात कही है, वह पागल के प्रलाप जैसी है। रूस कभी नहीं टूट सकता, वह हर वर्ष आगे ही बढ़ता जाएगा।'

मेरी निराशाजनक भविष्यवाणी ही अंत में सही सिद्ध हुई। पूरे महायुद्ध के दौरान इजवोल्स्की फ्रांस में रूस के राजदूत रहे। बोल्शेविक क्रांति में उनका सब-कुछ नष्ट हो गया और 16 अगस्त, 1919 को पेरिस में एक दुछत्ती में उनका निधन हुआ।

(अलैक्जेंडर इजवोल्स्की का जन्म 17 (मूलांक 8) मार्च को हुआ था।)

नार्वे के नाविक और दिसम्बर 1911 में दक्षिणी ध्रुव की खोज करने वाले रोआल्ड एमंडसन एक अद्भुत व्यक्ति थे। 1927 में हालीवुड, केलिफोर्निया में वह मुझसे मिलने आए। साहस और महान सफलता के बावजूद वह अत्यंत विनम्र थे। उन्होंने मुझे अपने हाथ का छापा दिया, किन्तु साथ ही यह मनोभावना व्यक्त की कि उनकी मृत्यु अधिक दूर नहीं है। एक वर्ष बाद समाचार मिला कि जनरल नोबाइल का इटालवी उत्तरी ध्रुव अभियान-पोत टूट गया है और जनरल का कोई पता नहीं

है। एमडसन ने तत्काल उनकी खोज के लिए अपने को पेश किया। उनका अंतिम समाचार 19 जून, 1928 को मिला।

(रोआल्ड एमडसन का जन्म 16 (मूलांक 7) जुलाई को हुआ था।)

आइरिश एग्रीकल्चरल सोसाइटी के संस्थापक सर होरेस प्लंकेट ने दक्षिण आयरलैंड में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए किसी भी देशभक्त से अधिक कार्य किया। स्वतंत्र आयरिश राज्य की स्थापना के बाद विद्रोहियों ने डबलिन के निकट स्थित उनके सुंदर घर, उनकी कलाकृतियों और बहुमूल्य पुस्तकों को जलाकर राख कर दिया। दिल टूट जाने पर वह इंग्लैंड लौट आए और कुछ वर्षों बाद वहीं उनकी मृत्यु हो गई।

उनका जन्म-अंक अक्तूबर में 'चार' था। इस तिथि वालों को आग, विस्फोट और सम्पत्ति नाश का खतरा रहता है। मैंने उन्हें अपने सुंदर घर का बीमा करा लेने को कहा था। 1918 की बसन्त ऋतु में इस चेतावनी को फिर दुहराया। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि आयरलैंड में तत्कालीन उपद्रवों को देखते हुए कोई बीमा कम्पनी इसके लिए तैयार नहीं होती।

किसी अज्ञात कारण से, स्वतंत्र राज्य की स्थापना और अंग्रेजी फौजों के हट जाने के बाद कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने सर होरेस के घर को घेर लिया और आग से नष्ट कर दिया। मालिक की जान मुश्किल से ही बच पाई।

(जन्म 4 अक्तूबर को)

अमरीकी तेल मालिकों और पहले गगनचुम्बी भवनों के नक्शानवीस एलेक्ज़ बासप की पत्नी श्रीमती एमिली बासप को मेरे हस्तरेखा और अंकज्ञान में गहरी दिलचस्पी थी। कैलिफोर्निया से मेरे रवाना होने के बाद उन्होंने लिखा 'आपके द्वारा विमानों से खतरे की चेतावनी दिए जाने के बावजूद वायु त्रिकोण के दूसरे भाव, 'तुला की संतान' होने से मैंने विमानों में उड़ना फिर शुरू कर दिया है। मैं इसे रोक नहीं सकती। अतः मुझे यदि कुछ हुआ तो कम-से-कम आपको तो पता चल ही जाएगा—भाग्य में ऐसा ही बदा था।'

उनकी मृत्यु 27 जुलाई 1932 को विमान दुर्घटना में ही हुई। वह विमान से फ्रांस जा रही थीं। विमान उनका भ्राता पुत्र ही चला रहा था। फार्नहाम इंग्लैंड के ऊपर आकाश में ही उसमें विस्फोट हो गया। उनका शव टुकड़े-टुकड़े हो गया। उनके छोटे छोटे भाग ही मिल सके।

(जन्म 22 (मूलांक 4) अक्तूबर)

ब्रूनो रिचर्ड हाप्टमैन 'चार' और 'आठ' अंकों की दुरभिसंधि का विचित्र उदाहरण है

जन्म 26 नवम्बर	2+6=8
आठ हस्तलेख विशेषज्ञों की प्रतिकूल गवाही	8

वर्नल चार्ल्स लिडबर्ग की जन्म तिथि		फरवरी 4
प्राणदंड की तिथि		मार्च 31 = 4
छूट की घोषणा 31 मार्च को रात्रि 8 बजे		4 और 8
छूट मंजूर हुई 48 घंटों के लिए		4 और 8
प्राणदंड अप्रैल 4 को		4
इलेक्ट्रिक चेयर पर बैठाया गया	8 40 बजे	8 और 4
मृत घोषित किया गया	8 44 बजे	8 और 8
क्षमादान के सदस्यों की संख्या		8
सरकारी गवाहों की संख्या 88		8

हाप्टमैन ने अपना अपराध स्वीकार नहीं किया। उसको प्राणदंड मिलने पर भी यह रहस्य ही बना रहा कि बेबी लिंडबर्ग की हत्या किसने की।

4 और 8 के योग पर 'कीरोज बुक ऑफ नम्बर्स' में लिखते हुए मैंने कहा है ये अंक ऐसे व्यक्ति के द्योतक हैं जो भयंकर रूप से भाग्य के अधीन है। मैंने इन मूल अंकों वाले अनेक व्यक्तियों के भाग्य पर नजर रखी है। देर सवेर 8 से उनका टकराव होना है जो 'मानव न्याय' का प्रतीक है। आम तौर से आम सामाजिक जीवन में भी परिस्थितिवश प्रमाण विपरीत होने से उन्हें मृत्यु दंड मिलता है, और वे प्राय अपना रहस्य अपने मन में छिपाए ही इस संसार से विदा हो जाते हैं, दूसरी दुनिया में मानव न्याय के विरुद्ध ईश्वरीय न्याय से अपील करते हुए।'

कुछ प्रमुख व्यक्तियों की जन्म तिथियां
(जिनका मूल पुस्तक में उल्लेख है)

लार्ड कर्जन (भूतपूर्व वायसराय)	जनवरी	11
डेविड लायड जार्ज (प्रथम महायुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधान मंत्री)	,,	17
सोमर सेट माम (प्रमुख लेखक)	,,	25
कैसर विल्हेल्मि (प्रथम महायुद्ध के दौरान जर्मनी का सम्राट)	,,	27
चार्ल्स डिकन्स (उपन्यासकार)	फरवरी	7
जान रस्किन (लेखक)	,,	8
अब्राहम लिंकन (अमरीकी राष्ट्रपति जिनकी हत्या हुई)	,,	12
जार्ज वाशिंगटन (प्रथम अमरीकी राष्ट्रपति)	,,	22
विक्टर ह्यूगो (उपन्यासकार)	,,	26
एल्बर्ट आइन्स्टीन (प्रमुख वैज्ञानिक)	मार्च	14
डेविड लिविंग्स्टन (अफ्रीकी [illegible])	,,	19
मैक्सिम गोर्की (साहित्यिक लेखक)	,,	2[illegible]
[illegible] ([illegible])	,,	30
[illegible] ([illegible])		31

बिस्मार्क (आधुनिक जर्मनी का निर्माता)	अप्रैल	1
विलियम वर्ड्सवर्थ (कवि)	„	7
चार्ली चैपलिन (हास्य अभिनेता)	„	16
एडोल्फ हिटलर (तानाशाह)	„	20
रानी एलिजाबेथ	„	21
लेनिन	„	23
शेक्सपियर	„	23
	(मृत्यु 23 अप्रैल)	
ड्यूक ऑफ वैलिंगटन (वाटरलू विजेता)	मई	1
कार्ल मार्क्स (साम्यवाद के जनक)	„	5
फारनहीट (थर्मामीटर निर्माता)	„	14
फ्लोरेंस नाइटिंगेल (नर्स)	„	15
निकोलस II (रूस का अंतिम जार जिनको मृत्यु दंड दिया गया)	„	*18*
बर्ट्रान्ड रसल (दार्शनिक)	„	18
सर आर्थर कानन डायल ('शरलक होम्स' के लेखक)	„	22
रानी विक्टोरिया	„	24
जार्ज तृतीय (जिनके शासन काल में अमरीका आजाद हुआ)	जून	4
कैप्टन स्काट (दक्षिणी ध्रुव अन्वेषक	„	7
जार्ज स्टीफेंसन (रेल इंजिन आविष्कर्ता)	„	9
एडवर्ड अष्टम (सिंहासन त्यागी)	„	23
रोआल्ड एमंडसन (दक्षिणी ध्रुव अन्वेषक)	जुलाई	16
मुसोलिनी (इटालवी तानाशाह)	„	20
जार्ज बर्नार्ड शा (नाटककार)	„	26
शैली (कवि, डूबने से मृत्यु)	अगस्त	4
मापांसा (फ्रांसीसी लेखक)	„	5
लार्ड टेनीसन (कवि)	„	6
नपोलियन बोनापार्ट	अगस्त	15
लुई 16 (फ्रांसीसी नरेश जिन्हें मार दिया गया)	„	23
गेटे (जर्मन कवि-लेखक)	„	28
लियो टाल्सटाय (रूसी लेखक)	सितम्बर	9
एच० जी० वेल्स (वैज्ञानिक लेखक)	„	12
ग्रेटा गार्बो (अभिनेत्री)	„	18
डा० एनी बेसेंट	अक्तूबर	1
महात्मा गांधी	„	2

फील्ड मार्शल फोश (प्रथम महायुद्ध में मित्र राष्ट्रीय सेनापति)	अक्तूबर	2
फील्ड मार्शल हिंडेनबर्ग (प्रथम महायुद्ध मे जर्मन सेनापति)	,,	2
एमन डी वेलरा (आयर नेता)	,,	11
नीत्शे (कवि-दार्शनिक)	,,	15
एल्फ्रेड नोबेल (जिनके नाम पर नोबेल पुरस्कार दिया जाता है)	,,	21
दांते (फ्रांसीसी क्रांतिकारी)	,,	[26
कैप्टेन कुक (महान अन्वेषक)	,,	28
जान कीट्स (कवि)	,,	29
कोरो (प्रमुख ज्योतिषी)	नवम्बर	1
मेरी एंतियोनेत्त (फ्रांस की रानी जिसे गिलोटिन किया गया)	,,	2
क्लियो पात्रा	,,	2
ओलिवर गोल्डस्मिथ (कवि-लेखक)	,,	10
आर० एल० स्टीवेंसन (उपन्यासकार)	,,	13
चार्ल्स प्रथम (जिसका सिर काटा गया)	,,	19
जार्ज ईलियट (कवि)	,,	22
जोनाथन स्विफ्ट (व्यंग्य लेखक)	,,	30
विंस्टन चर्चिल (द्वितीय महायुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री)	,,	30
वाल्ट डिस्ने (व्यंग्य फिल्मकार)	दिसम्बर	5
मैक्समुलर (जर्मन भारतविद्)	,,	6
जान मिल्टन (कवि)	,,	9
स्टालिन (सोवियत नेता)	,,	21
सर आइजक न्यूटन (वैज्ञानिक)	,,	25
लुई पास्चर (चिकित्सक)	,,	27
रुडयार्ड किपलिंग (लेखक-पत्रकार)	,,	30

(जिनका मूल पुस्तक में उल्लेख नहीं है)

जॉन ऑफ आर्क (फ्रांसीसी वीरांगना)	जनवरी	6
स्वामी विवेकानंद	,,	12
कुंदन लाल सहगल (संगीतज्ञ)	,,	18
सुभाषचन्द्र बोस (नेताजी)	,,	23

रामकृष्ण परमहंस	फरवरी	5
स्वामी [illegible]	"	9
मोरारजी देसाई	"	29
रवीन्द्रनाथ ठाकुर	मई	7
गोपाल कृष्ण गोखले	"	9
विनायक दामोदर सावरकर	"	28
सिकन्दर	जुलाई	1
सुनील गावस्कर (क्रिकेट खिलाड़ी)	"	10
डार्विन (जीव-वैज्ञानिक)	"	12
सरोजिनी नायडू (कवयित्री-राजनीतिज्ञ)	"	13
शिवाजी	"	19
प्रेमचंद	"	31
बाल गंगाधर तिलक	अगस्त	1
योगिराज अरविंद	"	15
राजीव गांधी	"	20
गोविंद वल्लभ पंत	सितम्बर	10
आचार्य विनोबा भावे	"	11
शरच्चन्द्र चट्टोपाध्याय	"	15
लाल बहादुर शास्त्री	अक्तूबर	2
अमिताभ बच्चन	"	11
सरदार वल्लभ भाई पटेल	"	31
जवाहरलाल नेहरू	नवम्बर	14
इन्दिरा गांधी	"	19
हरिवंशराय बच्चन	"	27
ठक्कर बापा	"	29
जगदीशचन्द्र बसु (वैज्ञानिक)	"	30
टीपू सुल्तान	दिसम्बर	1
डा० राजेन्द्र प्रसाद	"	3
जनरल फ्रैंको	"	4
संजय गांधी	"	14
मिर्जा गालिब	"	19
चौ० चरणसिंह	"	23
पं० मदनमोहन मालवीय	"	25
मुहम्मद अली जिन्ना	"	25